मूल्य ₹5.00, नई दिल्ली, मंगलवार, 11 अप्रैल 2017 द्रविज्ञार्ण

www.jagran.com

### न्यूज गैलरी

### सिटी न्यूज ▶ पृष्ट 2

### एमबीबीएस छात्रों से रैगिंग, जबरदस्ती पिलाई शराब

नई दिल्ली: जीटीबी अस्पताल स्थित यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज में एमबीबीएस के छात्रों के साथ रैगिंग, जबरन शराब पिलाने और जातिसूचक शब्द इस्तेमाल करने के मामल से हड़कंप है।जिन दो छात्रों ने यह शिकायत की है, उनमें एक दलित है। कॉलेज प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

### राज−नीति ▶ पृष्ट३

### अपने नेताओं के खिलाफ कार्रवाई पर कांग्रेस का हंगामा

नई दिल्ली: अपने मुख्यमंत्रियों और पूर्व मुख्यमंत्रियों पर सीबीआइ और ईडी की कार्रवाई तेज होने से कांग्रेस भड़क गई है। उसने सोमवार को राज्यसभा में शून्यकाल के दौरान इस मुद्दे जमकर हंगामा काटा। कांग्रेस ने केंद्र पर सीबीआइ और ईडी का दुरुपयोग का आरोप लगाया। कहा, उसके नेताओं को राजनीतिक साजिश के तहत निशाना बनाया जा रहा है।कांग्रेस के इन आरोपों का भाजपा सदस्यों ने कड़ा विरोध किया।

### लोकसभा में पारित हुआ मोटर वाहन संशोधन विधेयक

नई दिल्ली: सरकार लोकसभा में मोटर वाहन संशोधन विधेयक पारित कराने में सफल रही। सरकार को अब इसे राज्यसभा में पारित कराना होगा। सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने चर्चा का जवाब दिया।विधेयक के अनुसार दुर्घटना में मौत की स्थिति में न्यूनतम मुआवजे के रूप में पांच लाख रुपये दिए जाने का प्रावधान है।

### **नेशनल न्यूज** 🕨 पृष्ट ६

### रायपुर के होटल में लगी आग जिंदा जले पांच कारोबारी

रायपुर : छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर स्थित होटल तुलसी में रविवार-सोमवार की दरमियानी रात आग लग गई। बेकाब आग ने भूतल से पांचवें मंजिल तक को अपनी चपेट में ले लिया। होटल में 12 लोग ठहरे थे।ये सभी कारोबारी थे।इनमें से पांच आग में जिंदा जल गए।शेष सात कारोबारियों और होटल में काम करने वाले पांच लोगों ने कूदकर किसी तरह जान बचाई।

### कारोबार 🕨 प्रष्ट १०

### मोबाइल के माध्यम से निकाल सकेंगे ईपीएफ

नई दिल्ली: कर्मचारी भविष्य निधि संगठन 'उमंग' के जरिये पीएफ दावों को निपटाने की तैयारी में है। ऐसा होने पर संगठित क्षेत्र के कर्मचारी मोबाइल एप 'उमंग' से ईपीएफ निकाल सकेंगे।हालांकि इसके लिए अभी कोई समय-सीमा नहीं तय की गई है। सोमवार को श्रम मंत्री बंडारू दत्तात्रेय ने बताया कि इससे करीब 4.5 करोड लोगों को फायदा होगा।

### स्पोट्सं 🕨 पृष्ट १३

### भारतीय महिला हॉकी टीम ने जीता खिताब

नई दिल्ली: भारतीय महिला हॉकी टीम ने विश्व लीग के दसरे दौर के फाइनल में चिली को पेनाल्टी शटआउट में हराकर खिताब जीत लिया। भारतीय टीम ने वेस्ट वेंकवर में खेले जा रहे टर्नामेंट के फाइनल में एक यादगार जीत दर्ज की। भारत ने जून-जुलाई में होने वाले महिला हॉकी विश्व लीग के सेमीफाइनल में भाग लेना भी सुनिश्चित कर लिया है।

## आतंत्रियों की प्रशंसा करने पुर हो सख्त कार्रवाई

स्तर पर किस त अगुआई में द्विपक्षीय वार्ता के बाद जारी कि इसमें दोनों देशों ने आतंकवाद के हर की। साथ ही इसमें आतंकियों को स कार्रवाई करने की बात कही है।

भारत और आस्ट्रेलिया ने आतंकव्य खिलाफ बेहद मजबूत समझौते पर हस्ते किए हैं। इससे आने वाले दिनों में दोनों देशों के बीच होगा। इससे उन आतंकियों पर नकेल कसने में मदद मिलेगी जो एक देश में आतंकी हमले करने के बाद दूसरे देश में शरण लेते हैं। वैसे तो टर्नबुल और मोदी की उपस्थिति में छह समझौते किए गए लेकिन आतंकवाद से जुड़ा समझौता सबसे अहम है। दोनों प्रधानमंत्रियों ने द्विपक्षीय रिश्तों में पिछले एक वर्ष में आई जड़ता को खत्म कर दिया है।

आस्ट्रेलिया और भारत के बीच ऊर्जा क्षेत्र में बातचीत का भी असर अब दिखना शुरू होगा। मोदी ने आस्ट्रेलियाई संसद से भारत को यूरेनियम । आस्ट्रेलिया भारत को कोयला हता है। सौर ऊर्जा और कोयला ित को लेकर समझौते हुए हैं।

पेज>>3



नई दिल्ली में सोमवार को अक्षरधाम मंदिर में अपने आस्ट्रेलियाई समकक्ष मैल्कम टर्नबुल के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

### रणनीतिक साझेदारी की नई शुरुआत

प्रधानमंत्री मोदी की पिछली आस्ट्रेलिया यात्रा के दौरान ही भारत ने स्पष्ट किया था कि आस्ट्रेलिया उसकी रणनीतिक योजना में अहम स्थान रखता है। सोमवार को हुई बातचीत ने रणनीतिक साझेदारी को अब ज्यादा प्रायोगिक स्तर पर ले जाने का रास्ता बनाया है। अगले वर्ष दोनों देशों की सेनाओं के बीच पहली बार संयुक्त युद्धाभ्यास किया जाएगा।पिछले वर्ष सिर्फ युद्धाभ्यास की शुरुआत की गई थी। इसके साथ ही दोनों देशों के रक्षा सचिव और विदेश सचिव की एक साथ बातचीत होगी। यह रणनीतिक वार्ता को आगे बढ़ाने का एक नया तरीका है जिसमें तेजी से फैसले हो सकेंगे।

### नापाक निर्णय > पाकिस्तान ने उन्हारिश्तों को बिगाड़ने वाला कदम

# जाधव को सात्र की सजा भारत ने कहा-मानेश हत्या

भारत ने 11 पाक कैदियों की रिहाई रोकी, बासित को तलब कर जताया गुस्सा

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

आतंक को पनाह देने के मुद्दे पर दुनियाभर में बेनकाब हो रहे पाकिस्तान ने सोमवार को एक ऐसा कदम उठाया, जो भारत के साथ रिश्तों को पटरी पर लाने की उम्मीदों को और धक्का पहुंचाएगा। पिछले वर्ष ईरान में पकड़े गए भारतीय नौसेना के पूर्व अधिकारी कुलभूषण जाधव को पाकिस्तान की सैन्य अदालत ने फांसी की सजा सुना दी है। इस पर विदेश सचिव एस. जयशंकर ने पाकिस्तान के उच्चायुक्त अब्दुल बासित को तलब किया और भारत की नाराजगी से अवगत कराया। जयशंकर ने बासित को डिमार्श (कूटनीतिक विरोध पत्र) सौंपकर कहा कि यदि जाधव को फांसी दी गई, तो भारत इसे सुनियोजित हत्या मानेगा। भारत ने 11 पाकिस्तानी कैदियों की रिहाई भी रोक दी है।

सोमवार देर शाम को प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के विदेश मामलों के सलाहकार सरताज अजीज ने सीनेट को बताया कि कानून के मुताबिक जाधव को मौत की सजा सुनाई गई है। जाधव को भारतीय खुफिया एजेंसी 'रॉ' के एजेंट के रूप में बलूचिस्तान और कराची में विद्रोह भड़काने का दोषी बताया गया है।

कानुन का पालन नहीं किया गया: विदेश सचिव एस जयशंकर ने पाक उच्चायुक्त बासित से कहा कि जाधव को न्याय प्रक्रिया का पालन किए बगैर सजा सुनाई गई है। भारत ने कहा कि जाधव का पिछले साल ईरान से अपहरण किया गया था। पाकिस्तान में उनकी मौजूदगी को साबित नहीं किया गया। भारतीय उच्चायुक्त ने जाधव से मुलाकात का 13 बार आग्रह किया। एक बार भी नहीं मिलने दिया गया। भारतीय उच्चायुक्त को एक बार भी नहीं बताया कि जाधव पर मुकदमा चल रहा है।

पाक सेनाध्यक्ष ने की पुष्टि : सैन्य अदालत द्वारा जाधव को सभी आरोपों का दोषी मानने के बाद पाक सेनाध्यक्ष कमर बाजवा ने सोमवार को फांसी की सजा की पुष्टि कर दी। पाक सेना की मीडिया विंग ने बताया कि जाधव पर पाक आर्मी एक्ट और सरकारी गोपनीयता कानून के तहत मुकदमा चलाया गया था।

जाधव के मुंबई के घर में सन्नाटा

### पाक ने लगाए मनगढ़ंत आरोप

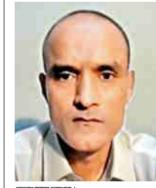
3 मार्च, 2016 को गिरफ्तारी के वक्त जाधव भारतीय नौसेना में कमांडर थे।

मजिस्ट्रेट के समक्ष उन्होंने रॉ का एजेंट होने की बात मान ली।

जाधव ने नाम बदलकर हुसैन मुबारक पटेल कर लिया था।

रॉ ने बलूचिस्तान और कराची में जासूसी के लिए भेजा था।

उन्हें ईरान के रास्ते बलुचिस्तान पहुंचने पर गिरफ्तार किया गया था।



कुलभूषण जाधव।

### ) भारत ने ढुकराए थे आरोप जाधव का सरकार या किसी भारतीय

खुफिया एजेंसी से संबंध नहीं था।

त उन्होंने समय−ए

अफगानिस्तान व प्राक्तिस्ता

किया, उसमें रे

जाधव से भारतीय दत्तै समक्ष पूछताछ का आग्रह कि नहीं माना गया।

### गुपचुप तरीके स ज्ञायानक सुना दी गई सजा जाधव को जिस गोपनीय तरीके से

फांसी की सजा सुनाई गई है, वह अपने आप में काफी अनूठी है। स्वयं सरताज अजीत कुछ महीने पहले कह चुके हैं कि जाधव के खिलाफ कोई ठोस सुबूत नहीं है। उसके खिलाफ सिर्फ कुछ बयान है। यह बयान अजीज ने सीनेट के सामने सात दिसंबर, 2016

### अंतरराष्ट्रीय मानदंड का उल्लंघन करती हैं पाक की सैन्य अदालतें

लंदन, प्रेट्र : एमनेस्टी इंटरनेशनल ने कुलभूषण जाधव को पाकिस्तान में सुनाई गई फाँसी की सजा की आलोचना की है। एमनेस्टी ने सोमवार को कहा कि पाकिस्तान की सैन्य अदालत प्रणाली ने एक बार फिर दिखा दिया कि वह अंतरराष्ट्रीय मानदंडों को कचल देती है।

एमनेस्टी इंटरनेशनल में दक्षिण एशिया के निदेशक बिराज पटनायक ने कहा, 'कुलभूषण जाधव को दी गई मौत की सजा से एक बार फिर सामने आ गया है कि पाकिस्तान की सैन्य अदालत प्रणाली किस तरह अंतरराष्ट्रीय मानदंडों को कुचलती है।'

पटनायक ने एक बयान में कहा है. 'बचाव करने का अधिकार छीन लिया जाता है और सैन्य अदालत गोपनीय तरीके से संचालित होती है। इस तरह ऐसी अदालत न्याय नहीं, बल्कि उसका मजाक करती है।'

पटनायक ने कहा कि एमनेस्टी हमेशा से हर परिस्थिति में मौत की सजा का विरोध करता आया है। पाकिस्तान की सैन्य अदालत ने जाधव को जासूसी और तोड़फोड़ का दोषी ठहराने के बाद फांसी की सजा सुनाई है। 46 वर्षीय पर्व नौसेना अधिकारी को कोर्ट मार्शल में सुनाई गई सजा की पुष्टि पाकिस्तान के सेना प्रमुख कमर जावेद बाजवा ने की है।

## अगला चुनाव भी मोदी के नेतृत्व में लड़ेगा राजग

एक तरफ जहां विपक्षी दल कभी ईवीएम तो कभी दूसरे मुद्दों के बहाने सरकार को घेरने की कवायद में जुटे हैं वहीं राजग के 32 राजनीतिक दलों के कुनबे ने एकजुटता के साथ न सिर्फ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व को देशहित में बताया, बल्कि 2019 का लोकसभा चुनाव उनके नेतृत्व में लड़कर बड़ी जीत हासिल करने का संकल्प व्यक्त किया। गठबंधन ने प्रस्ताव पारित कर यह इच्छा भी जताई कि राजग का दायरा बढ़ाने में सभी को जुटना चाहिए। इस डिनर बैठक का राजनीतिक महत्व इससे लगाया जा सकता है कि मंगलवार को कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने भी विपक्षी नेताओं को डिनर पर बुलाया है।

सोमवार रात राजग के सदस्य दल दिल्ली के प्रवासी भारतीय केंद्र में इकट्ठा थे। इनमें गोवा के वैसे दल भी शामिल थे जो अभी राजग में जुड़े हैं। लगातार भाजपा को आंखे दिखाने वाले शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे भी न सिर्फ मौजूद थे, बल्कि मुक्त कंठ से केंद्र सरकार की गरीबोन्मुखी योजनाओं और मोदी के नेतृत्व की प्रशंसा भी की। बैठक का शुभारंभ भाजपा क्षि अमित शाह के स्वागत भाषण से हुआ 🕰 र सभी घटक दलों के लिए आमंत्रण था ानी दिल की बात रखें। समापन भाषण

प्रधानमंत्री ने दिया। ज्ञानकारी देते हुए केंद्रीय वित्त **बी ने कहा कि केंद्र सरकार की** समर्थन का आधार लगातार

## 🔄 में उप्र

तय को 23 साल पुराने शंभूपाल हत्याकांड में अदालत ने सोमवार को उम्रकेद की सजा सुनाई। को आर्य पर 23 ००० रुपये का जुर्माना भी लगाया है। य में असमर्थ रहने पर उन्हें ड्रे काटनी होगी। सजा सुन जाते ही रामक आर्य को जेल भेज दिया <u>शंभुपा</u>ल मौज् सांसद जगदंबिका पाल (भा थे। 24 नवंबर, 1994 को हए इस इ के समय रामकरन विधायक थे। जगदंबिका पाल की गोष्ठी में श वाल्टरगंज जा रहे थे। उनकी जीप राग

जीप से टकरा गई। दोनों पक्षों में वाद-वि हआ। अचानक रामकरन जीप से उतरे और साथी की बंदुक से शंभूपाल को गोली मार दी।शंभूपाल को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।



में भी सरकार ने अर्थव्यवस्था का संचालन किया और तीन साल के कार्यकाल के बाद भी भ्रष्टाचार के दाग से पूरी तरह दूर है, उसने हर किसी के मन में राजग सरकार के लिए स्थान बनाया है। प्रस्ताव में कहा गया है कि मोदी के नेतृत्व और कठोर फैसले लेने की उनकी क्षमता के कारण राजग लगातार बढ़ रहा है। तेदेपा नेता चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि मोदी पहले ऐसे गैर कांग्रेसी प्रधानमंत्री हैं जिन्हें पूर्ण बहुमत मिला और उत्तर प्रदेश की जीत ने उनकी लोकप्रियता पर फिर से मुहर लगाई है। मोदी के नेतृत्व में देश विकास कर रहा है और विकास के लिए ऐसी ही कुशल सरकार की जरूरत होती है। जाहिर तौर पर उनका संकेत 2019 चुनाव की ओर था।

राष्ट्रपति चुनाव नहीं था एजेंडे में : जेटली ने कहा कि राष्ट्रपति चुनाव इस बैठक का एजेंडा नहीं था। जब वक्त आएगा तो उस मुद्दे पर चर्चा होगी। बहरहाल इससे इन्कार नहीं किया जा सकता कि विपक्षी खेमे को ईंट का जवाब पत्थर से देने के साथ-साथ यह बैठक राष्ट्रपति चुनाव से पहले एकजटता की झलक भी है।

### अनंतनाग उपचुनाव 25 मई तक टला

जागरण न्युज नेटवर्क, नई दिल्ली : चुनाव आयोग ने जम्मू कश्मीर में अनंतनाग लोकसभा सीट का उपचुनाव 25 मई तक स्थगित कर दिया है। जम्म कश्मीर सरकार द्वारा कानून और व्यवस्था को अनुकूल नहीं बताए जाने के बाद आयोग ने यह निर्णय लिया है। इस सीट पर 12 अप्रैल को

चुनाव आयोग की अधिसूचना में कहा गया है कि राज्य प्रशासन समझता है कि शरारती तत्व चुनाव प्रक्रिया में बाधा डालने के लिए हिंसक तरीके अपना सकते हैं। उसकी ओर से रविवार को श्रीनगर उपचुनाव के दौरान हुई हिंसा का भी िजिक्र किया गया है। अनंतनाग में चुनाव प्रक्रिया की समाप्ति के लिए एक जून की तारीख तय की गई है। पुनर्मतदान की आशंका को देखते हुए चुनाव प्रक्रिया की समाप्ति के लिए इतन लंबा समय दिया गया है। जम्मू कश्मीर की मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने विधानसभा चुना जीतने के बाद पिछले वर्ष जून में लोकसभा से इस्तीफा दे दिया था। उसके बाद से अनंतनाग लोकसभा सीट रिक्त है। उधर चुनाव आयोग की घोषणा से पहले श्रीनगर संसदीय सीट के लिए हुए उपचुनाव में व्यापक हिंसा के बाद अनंतनाग लोकसभा उपचुनाव के मुद्दे पर जम्मू कश्मीर में सत्तापक्ष और विपक्ष बंटा हुआ नजर आया। दोनों पक्षों ने उपचुनाव के दौरान हुई हिंसा और कम मतदान के लिए एक-दूसरे पर आरोप लगाए। ध्यान रहे कि रविवार को मतदान के दिन बड़े पैमाने पर हिंसा हुई थी। राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी की ओर से सोमवार को बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में विपक्ष ने कहा कि चुनाव स्थगित होने से हिंसा और भड़केगी वहीं सत्तापक्ष ने कहा कि हमें वोट के लिए जान नहीं चाहिए, हालात सामान्य होने पर ही चुनाव

## हिमाचल के सीएम वीरभद्र को ईडी ने किया तलब

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह को अब मनी लांडिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सामने हाजिर होना पड़ेगा।ईडी ने उन्हें पू भेज कर गुरुवार को जांच अधिकारी के 🛮 जिर होकर पूछताछ में सहयोग करने को ईंडी वीरभद्र की कई संपत्तियों को पहले कर चका है।

लांडिंग रोकथाम कानुन के तहत वीरभद्र सिंह के रहा है। वह इस मामले में न जारी कर गुरुवार को 🛚 होने को कहा गया अपनी आधिकारि तता का हवाला देकर असमर्थता जता दी थी। ईडी उनकी पत्ना प्रतिभा और बेटे विक्रमादित्य के बयान पहले ही ले चुका है।

वीरभद्र सिंह के खिलाफ केंद्र में इस्पात मंत्री रहते हुए आय से अधिक संपत्ति हासिल करने का मामला सीबीआइ ने दर्ज किया था। सीबीआइ आय से अधिक संपत्ति के मामले में उनके खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर चुकी है। उसने आरोपपत्र में कहा है कि इस कार्यकाल के दौरान उन्होंने दस करोड़ से ज्यादा की संपत्ति बनाई जो उनकी घोषित आय के मुकाबले 192 प्रतिशत अधिक थी। इस मामले में वीरभद्र सिंह, उनकी पत्नी और बेटे के अलावा अन्य कई लोगों को आरोपी बनाया गया है। सीबीआइ ने इस मामले में सितंबर, 2015 में शिकायत दर्ज की थी। सीबीआइ में दर्ज शिकायत के आधार पर ही ईडी ने भी मनी लांड्रिंग कानून के तहत आपराधिक मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी।

अब तक उनके और परिवार के लोगों की 14 करोड़ से ज्यादा की संपत्ति को जब्त किया जा चुका है। वीरभद्र सिंह ने अपने खिलाफ लगाएँ गए सभी आरोपों को झुठा बताया है। उन्होंने आरोप लगाया है कि केंद्रीय एजेंसियां उनके खिलाफ बदले की भावना से कार्रवाई



मामले में होगी पूछताछ, गुरुवार को हाजिर होने को कहा

### वीरभद्र सिंह के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति मामले में सुनवाई टली जासं. नर्ड दिल्ली : हिमाचल प्रदेश के

मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह पर दर्ज आय से अधिक संपत्ति मामले में पटियाला हाउस कोर्ट में सोमवार को आरोपपत्र पर संज्ञान लेने की कार्यवाही नहीं हो सकी।विशेष सीबीआइ जज विरेंद्र कुमार गोयल ने सुनवाई को 24 अप्रैल तक के लिए टाल दिया। सीबीआइ द्वारा दाखिल किए गए 450 से अधिक पेज के आरोपपत्र में मुख्यमंत्री, उनकी पत्नी सहित कुल नौ लोगों को आरोपी बनाया गया है। सभी दस्तावेजों की समीक्षा पूरी होने के बाद अदालत को आरोपपत्र पर संज्ञान लेते हुए सभी आरोपियों के खिलाफ पेशी समन जारी करने को लेकर निर्णय लेना था, जिसे अब 14 दिन के लिए टाल दिया गया है।

मुख्यमंत्री के पास उनकी तय आय से 10 करोड़ अधिक संपत्ति पाई गई थी। यह राशि उनकी निर्धारित आय से 192 प्रतिशत अधिक है। केंद्रीय मंत्री रहते हुए वीरभद्र सिंह ने यह अवैध रकम अर्जित की थी। आइपीसी की धारा- 109 (उकसाना), ४६५ (जालसाजी) व भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम के तहत आरोपपत्र दाखिल किया था, जिसमें कुल 222 लोगों को मुख्यमंत्री के खिलाफ गवाह बनाया गया है।

सीबीआइ ने दावा किया था कि

### हल की तलाश

सोलह विपक्षी दलों ने आयोग से मिलकर बैलेट पेपर से चुनाव कराने की मांग की, बुधवार को राष्ट्रपति से मिलेंगे विपक्षी दल

GENERAL RESIDENCE NIRVACHAN SADAN भारत क्रियांचर राया ELECTION COMMISSION

OF INDIA

### ईवीएम विवाद पर सर्वदलीय बैठक बुलाएगा चुनाव आयोग जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) की विश्वसनीयता पर उठे सियासी सवालों को तूल पकड़ता देख चुनाव आयोग ने अब इस पर सर्वदलीय बैठक बुलाने का फैसला किया है। आयोग ने 16 विपक्षी दलों की ईवीएम की खामियों को दूर करने या फिर भविष्य के चुनावों को बैलेट पेपर के जिरये ही कराने की मांग के मद्देनजर यह बैठक बुलाने का निर्णय लिया है। कांग्रेस की अगुवाई में विपक्षी दलों ने सोमवार को चुनाव आयोग से मुलाकात कर बैलेट पेपर की पुरानी प्रणाली पर लौटने की मांग की थी। विपक्षी दलों ने ईवीएम विवाद पर एकजुट होकर काम करने की रणनीति बनाई है। इसी के तहत चुनाव आयोग में शिकायत के बाद उन्होंने बुधवार को राष्ट्रपति से मिलने का समय मांगा है।

राज्यसभा में नेता विपक्ष गुलाम नबी आजाद की अगुआई में 16 पार्टियों के प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को यहां चुनाव आयोग से मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद कांग्रेस नेता कपिल सिब्बल ने कहा, हमारी शिकायतों पर आयोग ने सर्वदलीय बैठक बुलाकर चर्चा करने की बात कही है। इस बैठक में ईवीएम की विश्वसनीयता पर उठे



धृतराष्ट्र बन गया है चुनाव आयोग : केजरीवाल नई दिल्ली: अरविंद केजरीवाल ने चुनाव आयोग की

कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए आयोग की तुलना धृतराष्ट्र से की है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग अब उस धृतराष्ट्र के किरदार में आ गया है जिसका मकसद सिर्फ अपने बेटे दुर्योधन यानी भाजपा को सत्ता दिलाना हो गया है।

सवालों पर चर्चा की जाएगी। विपक्षी दलों ने आयोग को सौंपे ज्ञापन में कहा है कि हाल के चुनावों में ईवीएम को लेकर लोगों का भरोसा टूट गया है, क्योंकि बटन दबाने पर एक पार्टी विशेष के पक्ष में ही वोट गिरने की घटनाएं सामने आई हैं। इसीलिए चुनाव में लोगों का भरोसा कायम रखने के लिए आयोग को ईवीएम की खामियां दूर करने और पेपर ट्रेल मशीन की व्यवस्था होने तक बैलेट पेपर से ही चुनाव कराने चाहिए। विपक्षी दलों ने गुजरात और हिमाचल प्रदेश के आगामी विधानसभा चुनाव बैलेट पेपर से कराने का भी आयोग को सुझाव दिया है।

चुनाव आयोग से मुलाकात से पहले सुबह संसद भवन में गुलाम नबी की अगुआई में इन दलों के नेताओं की

बैठक हुई। इसमें कांग्रेस के कपिल सिब्बल, आनंद शर्मा के साथ ईवीएम विवाद को सबसे पहले तूल देने वाली बसपा के सतीश मिश्र, तृणमूल कांग्रेस के सुखेंदु शेखर राय, सपा के नीरज शेखर और जदयू के अनवर अली के अलावा माकपा, भाकपा, द्रमुक, राकांपा व राजद आदि के भी नेताओं ने शिरकत की। इसी बैठक में ईवीएम पर एकजुट रणनीति के साथ पहले चुनाव आयोग और फिर राष्ट्रपति से मिलने का निर्णय लिया गया। कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल गांधी इस बैठक में मौजूद नहीं थे। पार्टी सूत्रों ने हालांकि बताया कि राष्ट्रपति से विपक्षी दलों की मुलाकात के दौरान राहुल के प्रतिनिधिमंडल में शामिल होने की

### की सुनवाई 13 को नई दिल्ली : सुप्रीम कोर्ट ने

ईवीएम पर याचिकाओं

कहा है कि चुनाव में इवीएम के इस्तेमाल को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर 13 अप्रैल को सुनवाई होगी। याचिकाओं में वोटर वेरिफाइड पेपर आडिट ट्रेल से लैस किए बगैर ईवीएम का प्रयोग किए जाने को चुनौती दी गई है। मुख्य न्यायाधीश जेएस खेहर ने समाजवादी पार्टी के नेता अताउर रहमान की याचिका पर अलग से सुनवाई करने से माना कर दिया। उन्होंने कहा कि इसी तरह के मुद्दों पर अन्य याचिकाओं की सुनवाई 13 अप्रैल को होगी। उसी समय आप अपने मुद्दे भी रखेंगे।

# 2 सिटी न्यूज

अगले साल मार्च से फ्री वाई-फाई देगी सरकार

**नर्ड दिल्ली**: दिल्ली सरकार अगले वर्ष मार्च से फ्री वाई-फाई योजना राजधानी में लागू करने की योजना बना रही है। पहले फेज में इस योजना पर सरकार 25 करोड़ रुपये खर्च करेगी। फिलहाल इसे पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू करने की रणनीति बनाई जा रही है।

### न्यूज गैलरी

### सीरिया में रासायनिक हमले के खिलाफ शांति सभा

नई दिल्ली: सीरिया में रासायनिक हमले में जान गंवाने वाले 27 से अधिक मासूमों की आत्मा की शांति के लिए राजघाट पर शांति सभा का आयोजन किया गया। इसकी अगुआई नोबेल पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी ने की।इस मौके पर उन्होंने विश्व में जारी हिंसा और उसमें मासमों के शिकार होने पर चिंता जताते हुए वैश्विक नेताओं से दुनिया को युद्ध और संघर्ष से बचाने की भी अपील की। सभा में धर्मगुरु, अधिवक्ता व सामाजिक कार्यकर्ताओं के साथ काफी संख्या में स्कूली बच्चे भी शामिल हुए।इस मौके पर सत्यार्थी ने कहा कि बच्चे कभी भी हिंसा, संघर्ष या युद्ध का कारण नहीं होते। उल्टे वे ऐसी स्थितियों में सबसे ज्यादा पीड़ित होते हैं।

### दिल्ली के पेट्रोल पंप प्रत्येक रविवार नहीं होंगे बंद

नर्ड दिल्ली: कंसोर्टियम ऑफ इंडियन पेट्रोल डीलर्स ( सीआइपीडी ) के घोषित आंदोलन में दिल्ली-एनसीआर के पेट्रोल पंप संचालक शामिल नहीं होंगे। बता दें कि सीआइपीडी ने तेल कंपनियों पर कमीशन बढ़ाने के मुद्दे पर दबाव बढ़ाने के लिए 10 मई से हर रविवार पेट्रोल पंप बंद रखने की घोषणा की है। रविवार को कुरुक्षेत्र में सीआइपीडी की बैठक में यह निर्णय लिया गया है। वहीं, इस फैसले से अलग जानकारी देते हुए ऑल इंडिया पेट्रोल डीलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय बंसल ने कहा कि इस विरोध में दिल्ली समेत 21 राज्यों के पेट्रोल डीलर्स शामिल

### जब्त बसों का अब परिमट रद करेगा परिवहन विभाग

नई दिल्ली : निजी बस आपरेटरों द्वारा अवैध तरीके से राजधानी में चलाई जा रहीं बसों के खिलाफ परिवहन विभाग ने कार्रवाई शुरू कर दी है। विभाग ने पिछले पांच दिनों में ऐसी करीब 300 से अधिक बसें जब्त की हैं।परिवहन विभाग के अधिकारी ने बताया कि ये बसें परमिट शत का उल्लंघन कर अवैध रूप से दिल्ली में चल रही थीं। अन्य राज्यों से आने वाली बसों के खिलाफ भी कार्रवाई हो रही है। इसमें एप आधारित सेवा के तहत चलने वाली बसें भी शामिल हैं। विभाग अब इन बसों का परमिट रद करेगा। जिन राज्यों की बसों को जब्त किया गया है, उन राज्यों की सरकारों को भी इन बसों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए परिवहन विभाग ने पत्र लिखा है।

### हरियाणा भवन के बाहर कैब चालकों ने किया प्रदर्शन

नई दिल्ली : हरियाणा भवन के बाहर टैक्सी और कैब चालकों ने प्रदर्शन कर हरियाणा सरकार से बढ़ा हुआ रोड पैसेंजर टैक्स वापस लेने की मांग की। प्रदर्शन में सर्वोदय ड्राइवर एसोसिएशन और दिल्ली टैक्सी ट्रिस्ट ट्रांसपोर्ट एंड ट्रूर ऑपरेटर्स एसोसिएशन (डीटीटीटीटीओए) समेत अन्य संगठनों के चालक शामिल थे। बाद में प्रदर्शनकारियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने हरियाणा भवन के अधिकारियों को मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर के नाम ज्ञापन सौंपा।इससे पहले चालकों ने नारेबाजी करते हुए मुख्यमंत्री का पुतला फुंका। प्रदर्शन से कॉपरनिकस मार्ग और मंडी हाउस पर जाम की स्थिति बनी रही।

### तंजानिया उच्चायोग पहुंचा लूट का शिकार पीडित परिवार

नई दिल्ली: मध्य जिला के करोल बाग

इलाके में लूट का शिकार हुई तंजानिया की बुजुर्ग महिला परिवार के साथ तंजानिया उच्चायोग में अधिकारियों से मिली। घटना के दो दिन बाद भी कोई कार्रवाई न होने से परेशान पीड़ित परिवार ने अधिकारियों को आपबीती सुनाई और मदद की गुहार लगाई। तंजानिया उच्चायोग ने मामले में भारतीय विदेश मंत्रालय से रिपोर्ट मांगी। डेढ़ साल के बेटे का इलाज कराने के लिए तंजानिया से भारत आए आरिफ ने बताया कि पुलिस ने जांच के संबंध में कोई जानकारी नहीं दी है। उन्होंने सोमवार को भी जांच अधिकारी से संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने फोन नहीं उठाया।कोई सहयोग न मिलने पर वे तंजानिया उच्चायोग पहुंचे।आरिफ ने बताया कि उन्होंने

उच्चायोग अधिकारियों से मामले में भारतीय

विदेश मंत्राालय के जरिये कार्रवाई करने



उफ! ये गर्मी...

तेज धूप और हवा से बचने की कोशिश करती युवतियां। बता दें कि दिल्ली का अधिकतम तापमान 34 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

## राजधानी के फाइव स्टार होटलों को एनजीटी ने थमाया नोटिस

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने ठोस कचरा प्रबंधन नियम, 2016 की धज्जियां उड़ाकर कचरा फैला रहे दिल्ली के कई फाइव स्टार होटलों, मॉल, अस्पतालों, शैक्षिक संस्थानों और रेजीडेंशियल सोसाइटीज को नोटिस जारी किया है। एनजीटी ने इनसे यह भी पूछा है कि क्यों न उन पर 5 लाख रुपये का जुर्माना लगाया

एनजीटी के अध्यक्ष न्यायमूर्ति स्वतंत्र कुमार की अध्यक्षता वाली एनजीटी की पीठ ने इन्हें दो सप्ताह के भीतर जवाब देने को कहा है। एनजीटी का कहना है कि सीवेज को ट्रीट करने

स्टार होटलों, अस्पतालों से सवाल पूछा क्यों न लगाया जाए जुर्माना पांच लाख रुपये का जुर्माना लगाया जाए।

एनजीटी ने जिनको नोटिस जारी किए हैं उनमें आठ होटल व दो अस्पताल नई दिल्ली नगरपालिका क्षेत्र में हैं जबिक सात होटल, चार मॉल, पांच अस्पताल, रेलवे और बस स्टेशन पूर्वी दिल्ली नगर निगम क्षेत्र में हैं। इसके अलावा ऐसे कई संस्थान उत्तरी और दक्षिण नगर निगम क्षेत्र में भी हैं।

एनजीटी ने किया कचरा डालने वाले फाइव

की रिपोर्ट के आधार पर किया है। इस रिपोर्ट में यह बताया गया था कि इस तरह ये संस्थान कचरे को सही ढंग से निपटाने में नाकाम रहे हैं। इस समिति में पर्यावरण व शहरी विकास मंत्रालयों के अधिकारी शामिल थे। इसके अलावा इसमें प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और नगर निगमों के प्रतिनिधि भी शामिल थे। साथ ही इसमें चार स्वतंत्र विशेषज्ञ भी बतौर सदस्य शामिल थे। इनमें एनजीटी के पूर्व सदस्य जीके पांडेय और डी के अग्रवाल, डा. आर डलवानी और डा. ग्रशिद हसन शामिल हैं। एनजीटी ने समिति को सभी फाइव स्टार होटलों, 200 बेड से अधिक की क्षमता वाले अस्पतालों और सहकारी आवासीय सोसाइटी के निरीक्षण का आदेश

# एमबीबीएस के छात्रों से की रैगिंग, जबरन पिलाई शराब

बदसलूकी > यूसीएमएस में जातिसूचक शब्दों का प्रयोग किया

एंटी रैगिंग हेल्पलाइन को मिली शिकायत, कॉलेज प्रशासन ने शुरू की जांच

स्वदेश कुमार, नई दिल्ली

जीटीबी अस्पताल में आंखों के इलाज में लापरवाही का मामला ठंडा भी नहीं पड़ा था कि अब इसके परिसर स्थित यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज (यूसीएमएस) के एमबीबीएस छात्रों के साथ रैगिंग मामले से हड़कंप मच गया है। दो छात्रों ने सेंट्रलाइज्ड एंटी रैगिंग हेल्पलाइन को ई-मेल भेज शिकायत की है। इसमें एक छात्र दलित है।

आरोप है कि द्वितीय वर्ष के छात्रों ने पहले वर्ष के छात्रों के साथ बदसलूकी की और गाली-गलौच कर जातिसूचक शब्दों के इस्तेमाल के साथ एक छात्र को जबरन शराब भी पिलाई। सोमवार को शिकायत मिलते ही कॉलेज प्रशासन की एंटी रैगिंग कमेटी ने मामले की जांच शुरू

साथ ही पुलिस को भी सूचित किया गया

### छात्रों ने की अलग मेस की मांग

यूसीएमएस के कुछ छात्रों ने बताया कि रैंगिंग से बचाने के लिए प्रथम वर्ष के छात्रों को अलग हॉस्टल में रखा जाता है, लेकिन मेस एक ही है। मेस में खाना खाने के लिए सीनियर और जूनियर छात्र सभी जाते हैं। ऐसी जगह पर रैंगिंग का अंदेशा बना रहता है। उनका कहना है कि अलग हॉस्टल के साथ ही प्रथम वर्ष के छात्रों का मेस भी अलग कर दिया जाए।

कॉलेज की तरफ से शिकायत का इंतजार कर रही है। शिकायत में बताया गया कि शुक्रवार को एमबीबीएस द्वितीय वर्ष की प्रोफेशनल परीक्षा ( सप्लीमेंट्री ) का रिजल्ट आया था। इसमें पास होने वाले कुछ छात्र शाम करीब आठ बजे हॉस्टल के गेट के पास पार्किंग में शराब पीते हुए

इसी दौरान कुछ प्रथम वर्ष के छात्र पहुंच गए। आरोपियों ने उन छात्रों को रोक जबरन शराब पिलाने की कोशिश की। एक छात्र को उन्होंने

शिकायतकर्ताओं का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। कमेटी के सामने जो भी तथ्य सामने आएंगे उसके आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

– डॉ . वीपी गुप्ता, प्रिंसिपल, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज

शराब पिला भी दी जबिक कुछ छात्र वहां से निकल गए। आरोपियों ने उनमें से एक दलित छात्र को जातिसूचक शब्दों से संबोधित किया और गाली-गलौच भी की। जैसे-तैसे छात्र उनके चंगुल से भाग निकले। शिकायतकर्ता ने अपना नाम न बताते हुए दो आरोपियों के नाम उत्पल कांत और सौरभ राठी बताया है।

सूत्रों के अनुसार, शिकायत शनिवार को हेल्पलाइन की ई-मेल आइडी पर की गई थी। लेकिन दो दिन अवकाश होने के कारण कोई कार्रवाई शुरू नहीं हो सकी। सुत्रों ने बताय कि करीब दस दिन पहले भी प्रथम वर्ष के एक छात्र के साथ कॉलेज के मेस में मारपीट हुई थी पीड़ित ने कॉलेज प्रशासन को इसकी शिकायत दी, लेकिन बाद में मामला सुलझा लिया और

## मानव तस्करी का अड्डा बन गई है दिल्ली : स्वाति मालीवाल जा रहा है। उसी पंचायत में यह शिकायत आई

राजधानी में प्लेसमेंट एजेंसियों द्वारा मानव तस्करी का एक और मामला सामने आया है। दिल्ली महिला आयोग (डीसीडब्ल्यू) ने शनिवार को मुखर्जी नगर स्थित एक घर से घरेलू सहायिका का काम कर रही लड़की को मुक्त कराया है। इस घटना के बाद आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने एक बार फिर दोहराया कि दिल्ली मानव तस्करी का अड्डा बन गया है। इस पर लगाम लगाने के लिए दिल्ली पुलिस को सख्त कदम उठाने चाहिए।

इसके अलावा आयोग ने सोमवार को दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी कर पूछा है कि इस मामले में क्या कार्रवाई की गई है? साथ ही एसडीएम को भी इस मामले में सूचित करते हुए



डीसीडब्ल्यू ने मुखर्जी नगर स्थित एक घर से लड़की को कराया मुक्त

घरेलू सहायिका का कर रही थी काम, आठ माह से नहीं मिला वेतन

बंधुआ मजदूर कानून के तहत लड़की की मदद करने को कहा है। स्वाति मालीवाल ने बताया कि आयोग की

मुताबिक, लड़की पिछले आठ माह से काम कर रही थी। अब तक उसे वेतन नहीं मिला है। उसे खाना भी नहीं दिया जाता था और उसके साथ मारपीट भी की जाती थी। आयोग का कहना है कि लड़की ने बताया कि उसकी मां की मृत्यु हो चुकी है और पिता बीमार

थी। इसके बाद आयोग की मोबाइल हेल्पलाइन

प्रोग्राम की टीम ने दिल्ली पुलिस की मदद से

लड़की को मुक्त कराया। इसके बाद चाइल्ड

वेलफेयर कमेटी के आदेश पर उसे शेल्टर होम

में रखा गया है। आयोग से प्राप्त जानकारी के

रहते हैं। उसके चाचा पढ़ाने के लिए उसे गांव से पटना लाए थे, लेकिन बाद में उसे दिल्ली के शकूरपुर स्थित एक प्लेसमेंट एजेंसी को बेच

## कई कॉलेजों को मिलेगा नए कोर्स का तोहफा

अभिनव उपाध्याय, नई दिल्ली

दिल्ली विश्वविद्यालय (डीय) में नए सत्र से कई कॉलेजों को नए कोर्स का तोहफा मिल सकता है। डीयू में 28 फरवरी को हुई कार्यकारी परिषद की बैठक में नए कोर्स शुरू करने का निर्णय लिया गया था। इस पर अंतिम फैसला कुलपित को लेना है।

डीयू के 15 से अधिक कॉलेजों में नए कोर्स शुरू किए जा सकते हैं। सूत्रों का कहना है कि डीयू की अकादिमक मामलों की स्थायी समिति ने नए कोर्स को मंजूरी दे दी है। इसके अलावा विद्वत परिषद की भी हरी झंडी मिल गई है। डीयू के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि इसकी बहुत संभावना है कि आने वाले सत्र से कॉलेजों में नए कोर्स शुरू हो जाएंगे। कॉलेज इन कोर्स के लिए अपने यहां अतिरिक्त सीटें बढ़ाएंगे। यही नहीं, आवश्यकता हुई तो फैकल्टी भी बढ़ाएंगे। एक कॉलेज के प्रिंसिपल का कहना है कि विश्वविद्यालय प्रशासन कोर्स शुरू करने की अनुमति देने में बहुत देर कर रहा है। अनुमति मिलने के बाद विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से इन्हें संचालित करने के लिए धन की मांग की जाएगी। कुलपति से नए कोर्स संचालित करने की मंजूरी मिलने के बाद आत्माराम सनातन धर्म कॉलेज अपने यहां बॉटनी, जुलॉजी, हिंदी पत्रकारिता और संस्कृत में ऑनर्स कोर्स शुरू कर सकता है। इस संबंध में उसने डीयू प्रशासन को प्रस्ताव भेज दिया है। इसके अलावा नार्थ कैंपस के प्रतिष्ठित हंसराज कॉलेज ने भी पांच नए कोर्स संचालित करने की अनुमति मांगी है, लेकिन विश्वविद्यालय प्रशासन ने अभी मंजूरी नहीं दी है। हंसराज कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ.

कोर्स शुरू करने के साथ ही सीटें भी

15 से अधिक कॉलेजों में शुरू हो सकते

रमा ने कहा, हम हिंदी पत्रकारिता, साइकोलॉजी, पोलिटिकल साइंस, ज्योग्राफी व फिलॉसफी का कोर्स शुरू करना चाहते हैं। इस संबंध में कुलपति को प्रस्ताव भी भेजा है, लेकिन अभी संतुति के संबंध में कोई जानकारी नहीं मिली है। बीएससी (ऑनर्स) मैथमेटिक्स : आर्यभट्ट कॉलेज, दिल्ली कॉलेज ऑफ ऑट्र्स एंड कॉमर्स, गार्गी कॉलेज, रामानुजन कॉलेज, शहीद सुखदेव कॉलेज ऑफ एप्लॉयड साइंस, श्री गुरु नानक देव खालसा कॉलेज। बीएससी (ऑनर्स) कंप्यूटर साइंस : आर्यभट्ट कॉलेज, रामानुजन कॉलेज, श्री गुरु नानक देव खालसा कॉलेज, श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज, शिवाजी कॉलेज, दिल्ली कॉलेज ऑफ ऑट्रर्स एंड कॉमर्स।

बीएससी (ऑनर्स) सांख्यिकी : रामानुजन कॉलेज, श्री गुरु नानक देव खालसा कॉलेज। बीएससी (ऑनर्स) फिजिक्स : दौलतराम व भगिनी निवेदिता कॉलेज।

बीएससी (ऑनर्स) फूड एंड टेक्नॉलॉजी : इंस्टीट्यूट ऑफ होम इकोनॉमिक्स। साइकोलॉजी (ऑनर्स): आर्यभट्टव भारती

फिलॉसफी (ऑनर्स): रामानुजन कॉलेज बीए (ऑनर्स) पंजाबी -श्री गुरु गोबिंद सिंह कॉलेज ऑफ कॉमर्स



26 हजार घंटियों से बने हनुमान

भगवान हनमान के विभिन्न स्वरूपों के बारे में तो सभी जानते होंगे, लेकिन दिल्ली के इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र में इनका नया स्वरूप देखा जा सकता है। यहां 26 हजार घंटियों से 25 फीट ऊंचे हनुमान को दर्शाया गया है। 11 से 30 अप्रैल तक चलने वाली इस प्रदर्शनी की खासियत राजस्थानी परंपरा का वह आदमकद ( 8 फीट लंबा ) कांवड़ बॉक्स भी है जो पांच मिनट के भीतर चित्रों के जरिये हनुमान के जन्म से लेकर लंका दहन, श्रीराम के राजतिलक और पाताल में अंगूठी फेंकने तक की उनकी सारी जीवन यात्रा बयां कर देता है।

## पीएमओं के सामने किसानों ने किया नग्न प्रदर्शन

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

जंतर-मंतर पर पिछले 28 दिनों से धरना दे रहे तमिलनाडु के किसानों का धैर्य सोमवार को जवाब दे गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात नहीं हो पाने से निराश किसानों ने साउथ ब्लॉक स्थित प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ ) के बाहर सड़क पर ही नग्न होकर विरोध प्रदर्शन किया।

किसान कर्ज माफी के साथ कावेरी नदी जल विवाद का स्थायी समाधान निकालने और फसलों की उचित मूल्य देने की मांग कर रहे थे। सोमवार को जंतर-मंतर से किसानों का एक प्रतिनिधिमंडल पीएमओ में प्रधानमंत्री से मिलकर उन्हें ज्ञापन सौंपने की उम्मीद में आया था। उनके साथ दिल्ली पुलिस के उच्चाधिकारी भी मौजूद थे। लेकिन प्रधानमंत्री से उनकी मुलाकात नहीं हो पाई। पीएमओ से बाहर निकलने के बाद प्रतिनिधिमंडल का एक सदस्य नग्न होकर सड़क पर दौड़ते हुए नारे लगाने लगा। इसके बाद तीन अन्य भी नग्न होकर नारे लगाने

प्रधानमंत्री से मिलने पीएमओ गया था तमिलनाडु के किसानों का एक प्रतिनिधिमंडल

> विभिन्न मांगों को लेकर जंतर–मंतर पर 28 दिना स कर रह ह प्रदेशन

लगे। यह देख वहां मौजूद पुलिसकर्मियों के साथ अन्य लोग भी हक्के-बक्के रह गए। आनन-फानन में चारों को कपड़े पहनाये गये। हालांकि बाद में किसानों का प्रतिनिधिमंडल पुलिस अधिकारियों के साथ फिर प्रधानमंत्री कार्यालय गया। इससे पहले तमिलनाडु के किसानों के इस प्रदर्शन में कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल गांधी और बॉलीवुड अभिनेता प्रकाश राज भी शामिल हो चुके हैं। कुछ दिन पहले आंदोलनरत दो किसानो ने पेड़ पर चढ़कर आत्महत्या करने की कोशिश

### मुख्यमंत्री के आवास के ऊपर उड़ा ड्रोन

विनीत त्रिपाठी, नई दिल्ली : मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आवास के ऊपर ड्रोन उड़ने की सूचना से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। सूचना मिलने के बाद पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों से लेकर उच्च अधिकारी और सिविल लाइंस थाना पुलिस हरकत में आ गई। मुख्यमंत्री की सुरक्षा से जुड़ा मामला होने के कारण सिविल लाइंस थाना पुलिस की एक टीम जब मुख्यमंत्री आवास पहुंची तो पता चला कि वहीं का स्टाफ ड्रोन कैमरे को उड़ाकर उसकी जांच कर रहा था। उसने बताया कि इसका

इस्तेमाल पार्टी के कार्यक्रमों के दौरान किय जाता है। पुलिस के अनुसार, सोमवार शाम करीब साढे छह बजे सिविल लाइंस थाना क्षेत्र में 6 फ्लैग स्टाफ रोड स्थित मुख्यमंत्री आवास के ऊपर ड्रोन कैमरा उड़ता हुआ दिखाई दिया। ड्रोन कैमरा कुछ देर तक आवास के ऊपर उड़ता रहा, जिसे देख वहां मौजूद पीसीआर वैन में तैनात पुलिसकर्मी हरकत में आ गया। उसने इसकी पीसीआर कॉल कर दी, जिससे पूरे जिले में हड़कंप मच गया। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से लेकर उच्च अधिकारी हरकत में आ गए।

### निगम का रण

पंजाब चुनाव में उम्मीद के अनुरूप सफलता न मिलने और गोवा में शिकस्त से परेशान केजरीवाल नाराज लोगों के घर अकेले ही पहुंच जा रहे हैं।



# रुटों को मनाने की कवायद में जुटे केजरी

नवीन गौतम, नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी में पहले टिकट वितरण फिर कुछ वार्डों में उम्मीदवार बदलने के बाद पार्टी में उभरे असंतोष को थामने के लिए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल मैदान में उतर आए हैं। पंजाब में उम्मीद के अनुरूप सफलता न मिलने और गोवा में पार्टी की करारी शिकस्त से परेशान केजरीवाल नाराज लोगों के घर अकेले ही पहुंच जा रहे हैं। उनके यहां फीकी चाय पीते हैं। पार्टी हित में जुटने का अनुरोध करते हैं। फिर भविष्य में उचित सम्मान दिलाने का आश्वासन देकर रवाना हो जाते हैं।

इसी नीति के तहत शनिवार देर शाम केजरीवाल पंजाबी बाग के जयदेव पार्क में मोनिका गोयल के घर पहुंचे। स्थानीय विधायक शिवचरण गोयल की सहमति पर मोनिका को पार्टी ने 4 मार्च को कर्मपुरा वार्ड से उम्मीदवार घोषित था, जिससे इस सीट पर पहले से ही चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे आप संगठन के मोतीनगर विधानसभा अध्यक्ष राजीव गोयल के समर्थकों ने बगावत का झंडा बुलंद कर दिया। राजीव अपनी पत्नी गुंजन गोयल के लिए



टिकट मांग रहे थे। उन्होंने पार्टी नेतृत्व के समक्ष अपनी बात रखी। इसी बीच मोनिका ने भी चुनाव कार्यालय खोलकर प्रचार शुरू कर दिया था, मगर 23 मार्च को पार्टी ने दिल्ली में एक दर्जन उम्मीदवार बदलने का ऐलान कर दिया, जिसमें कर्मपुरा वार्ड से मोनिका के स्थान पर गुंजन गोयल को उम्मीदवार घोषित किया गया। इससे मोनिका के समर्थकों में नाराजगी बढ़ गई। विधायक शिवचरण गोयल भी मोनिका का टिकट काटे जाने से नाराज होकर इस वार्ड के चुनाव प्रचार से दूर हो गए।

उधर, गुंजन ने चुनाव कार्यालय खोलकर प्रचार

शुरू कर दिया, मगर बड़ी तादाद में आप कार्यकर्ताओं के नाराज हो जाने और विधायक के चुनाव प्रचार से दूर रहने के कारण आप उम्मीदवार को काफी दिक्कत आ रहीं है। आप के विरोध में कई तरह की चर्चाओं ने जोर पकड़ना शुरू कर दिया था, जिन्हें थामने के लिए केजरीवाल खुद आगे आए। बताया जाता है कि उन्होंने शिवचरण गोयल से कई बार फोन पर भी प्रचार में जुट जाने के लिए कहा तो विधायक ने अपनी मजबूरी बताई। उन्होंने केजरीवाल को बताया कि उनके समर्थक नाराज हैं, जिसकी वजह से उनके लिए दुविधा की स्थिति है। इसी दुविधा से विधायक को निकालने के लिए शनिवार देर शाम केजरीवाल अकेले ही पहले विधायक के घर पहुंचे, जहां से वे शिवचरण को साथ लेकर मोनिका गोयल के घर गए। वहां उन्होंने संजीव भारद्वाज, अजय शर्मा व ज्योति भारद्वाज सहित उन समर्थकों को भी बुला लिया, जिन्होंने मोनिका के उम्मीदवार घोषित होते ही उनके प्रचार की कमान संभाल ली थी। एक घंटे तक केजरीवाल मोनिका के घर रुके, फीकी चाय पी और उन्होंने आपसी मतभेद भुलाकर पार्टी उम्मीदवार को जिताने की अपील की।

### कांग्रेस के बागी भी ठोक रहे ताल संतोष कुमार सिंह, नई दिल्ली

दिल्ली नगर निगम की सत्ता हासिल करने की जुगत में लगी कांग्रेस की राह उसके अपने मुश्किल कर रहे हैं। टिकट नहीं मिलने से नाराज होकर पार्टी के कई नेता निर्दलीय मैदान में ताल ठोक रहे हैं। इससे पार्टी के घोषित प्रत्याशियों को विरोधी पार्टियों के साथ ही इनसे मुकाबला करना

टिकट वितरण में पक्षपात का आरोप लगाते हुए महिला कांग्रेस और युवा कांग्रेस ने कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल गांधी के आवास के बाहर प्रदर्शन किया था, जिसके बाद पार्टी हाईकमान तीन सदस्यीय कमेटी का गठन किया था। इसके बावजूद नेताओं की नाराजगी दूर नहीं हुई। प्रत्याशियों की घोषणा होते ही दिल्ली सरकार के कई पूर्व मंत्री और वरिष्ठ नेताओं ने खुलेआम विरोध शुरू कर दिया था। इसके साथ ही पार्टी के कई पदाधिकारियों व पार्षदों ने बगावत कर निर्दलीय नामांकन पत्र भर दिया था। इसमें से कई लोगों को तो पार्टी ने मना लिया, लेकिन अब भी 30 से ज्यादा नेता मैदान में डटे हुए हैं।

### परेशानी

30 से ज्यादा वार्डों में मिल रही है अपनों से चुनौती

कई मंडल अध्यक्ष और पार्षद भी बगावत की राह पर

इसमें कांग्रेस के कई ब्लॉक अध्यक्ष और महिला कांग्रेस के पदाधिकारी भी शामिल हैं। नामांकन पत्र वापस लेने की तिथि भी खत्म हो गई है। ऐसे में अब इनका चुनाव लड़ना तय है। फिर भी पार्टी इन्हें मनाने की कोशिश कर रही है, जिससे कि वे अपना चुनाव प्रचार करने के बजाय पार्टी के उम्मीदवार के साथ खड़े हो जाएं।

पार्टी को तीनों नगर निगमों में बागियों का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन सबसे ज्यादा बगावत पूर्वी दिल्ली नगर निगम में है। यहां के 14 वार्डों में कांग्रेस के बागी चुनाव लड़ रहे हैं जिसमें जनता कॉलोनी के पार्षद जाकिर खान भी शामिल हैं। वहीं, उत्तरी दिल्ली नगर निगम के दिल्ली गेट से कांग्रेस के पार्षद रमेश दत्ता सहित 13 कांग्रेसी अपनी ही पार्टी के सामने चुनौती

### पारदर्शी तरीके हुआ है चयन : कांग्रेस

वहीं नगर निगम चुनावों में प्रत्याशियों को लेकर कांग्रेस का दावा है कि इस बार पारदर्शी तरीके से प्रत्याशियों का चयन किया गया है। इसके लिए पार्टी की ओर से स्थापित कॉल सेंटर से कार्यकर्ताओं को फोन करके आवेदकों के बारे में पूरी रिपोर्ट तैयार की गई थी। इसके साथ ही राष्ट्रीय व प्रदेश के पर्यवेक्षकों ने जिला अध्यक्षों के साथ मिलकर रिपोर्ट तैयार की थी। इसी के आधार पर योग्य प्रत्याशियों का चुनाव किया गया है। दिल्ली कांग्रेस के अध्यक्ष अजय माकन का कहना है कि अन्य पार्टियों की तुलना में कांग्रेस में कम असंतोष है। अन्य पार्टियों में तो फूट की स्थिति है।

पेश कर रहे हैं। इसी तरह से दक्षिणी दिल्ली नगर निगम से 6 वार्डों में पार्टी को बगावत का सामना करना पड़ रहा है।

11 अप्रैल 2017

देंनिक जागरण

न्यूज गैलरी

सरोगेसी विधेयक पर स्थायी समिति ने मांगे लोगों के सुझाव

**नई दिल्ली**: व्यवसायिक उद्देश्य के लिए सरोगेसी पर प्रतिबंध लगाने संबंधी विधेयक का परीक्षण कर रही स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण पर संसदीय स्थायी समिति ने लोगों के सुझाव आमंत्रित किए हैं। इस समिति का कार्यकाल भी राज्यसभा सभापति ने 11 जुलाई तक बढ़ा दिया है। सरोगेसी (नियमन) विधेयक, 2016 को पिछले साल नवंबर में लोकसभा में पेश किया गया था। जनवरी में राज्यसभा सभापति ने परीक्षण और विधेयक पर रिपोर्ट देने के लिए इसे स्थायी समिति को संदर्भित कर दिया था। समिति को इस पर अपनी रिपोर्ट 11 अप्रैल को दाखिल करनी थी। सरोगेसी ऐसी प्रणाली है जिसमें कोई महिला किसी अन्य युगल के लिए बच्चे को जन्म देती है और जन्म के बाद बच्चे को उस युगल को सौंपने की सहमति

### सिख दंगों पर विदेश मंत्रालय का बयान वापस लेने की मांग

**नर्ड दिल्ली**: सत्तारूढ राजग में शामिल अकाली दल ने कनाडा के एक राज्य द्वारा 1984 के सिख विरोधी दंगे पर पारित प्रस्ताव के खिलाफ भारतीय विदेश मंत्रालय का बयान वापस लेने की मांग की है। सोमवार को शिरोमणि अकाली दल के सदस्य नरेश गजराल ने यह मामला उठाया। उन्होंने कह कि वह सरकार द्वारा स्वीकत नरसंहार था। उसमें तीन दिन और तीन रातों तक निर्दोष सिखों का कत्ल किया गया। सरकार और पुलिस ने अल्पसंख्यकों की हिफाजत के लिए इसमें दखल देने से इन्कार कर दिया था।

### शिक्षा का अधिकार कानून में संशोधन के लिए विधेयक पेश

नर्ड दिल्ली: सरकार ने लोकसभा में शिक्षा का अधिकार अधिनियम में संशोधन के लिए विधेयक पेश कर दिया। यह विधेयक प्राथमिक शिक्षकों को अनिवार्य न्यूनतम योग्यता हासिल करने के लिए 2019 तक का समय देने के लिए पेश किया गया है। एक अप्रैल 2010 से लागू मौजूदा कानून के तहत इन शिक्षकों के लिए 31 मार्च 2015 से पांच वर्षों के भीतर न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता हासिल करना अनिवार्य है। केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने सोमवार को 'बच्चों के मुफ्त एवं अनिवार्य शिक्षा ( संशोधन ) का अधिकार विधेयक 2017' पेश किया। राज्य सरकारें सेवारत अप्रशिक्षित शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण प्रक्रिया जारी रखने में समर्थ नहीं हैं। इसी बात को ध्यान में रखते हुए यह विधेयक लाया गया है। विधेयक के विषय की व्याख्या और कारण में इसे स्पष्ट किया गया है। इसमें कहा गया है कि राज्य सरकारों ने अप्रशिक्षित शिक्षकों के प्रशिक्षण के लिए समय बढ़ाने का आग्रह किया है। समय बढ़ाने से प्रशिक्षण प्रक्रिया शरू की जा सकेगी। मंत्रालय ने अधिनियम में एक नया प्रावधान जोड़ा है।प्रावधान में छह से 14 वर्ष तक बच्चों को मुफ्त और

### लोकसभा में अपने सांसद से शर्मिंदा हुई सरकार

अनिवार्य शिक्षा मुहैया कराने की व्यवस्था है।

नई दिल्ली: भाजपा के एक सांसद ने अपनी ही सरकार को शर्मिंदा कर दिया। सांसद ने सोमवार को एक केंद्रीय मंत्री के जवाब पर सवाल उठाया और उनसे दावे के समर्थन में सबतों देने की मांग की। उत्तर प्रदेश में घोसी से भाजपा सांसद हरिनारायण राजभर ने केंद्रीय श्रम मंत्री बंडारू दत्तात्रेय से प्रश्नकाल में बेकार हुए कामगारों की आर्थिक सुरक्षा के लिए उठाए गए कदमों की जानकारी मांगी। इस सवाल के जवाब में केंद्रीय मंत्री ने उन्हें पिछले तीन वर्षों के दौरान बंद हुई मिलों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि 2016-17 के दौरान 13 इकाइयां बंद हुईं और 2068 कामगार प्रभावित हुए। उन्होंने कहा, 'उत्तर प्रदेश की कपड़ा मिल के संबंध में मैंने अपने उत्तर में स्पष्ट कर दिया है। छंटनी से जो कामगार प्रभावित हुए हैं उन्हें आइडी एक्ट के तहत लाभ मिलेगा। वे अंतिम माह के वेतन का 50 फीसदी पा सकते हैं।ईएसआइसी द्वारा राजीव गांधी स्मारक कल्याण योजना चलाई जाती है। इसके तहत छंटनी के शिकार कामगारों को उनके अंतिम माह के वेतन का 50 फीसदी मुहैया कराया जाता है।' इस जवाब से असंतुष्ट राजभर ने कहा मंत्री जो कुछ कह रहे हैं वह वास्तविकता से परे है। उनसे आग्रह है कि वह इसका सुबृत मुहैया कराएं। सत्ता पक्ष के सदस्य पीछे हट गए, लेकिन कांग्रेसी सांसदों ने मेजें थपथपा कर स्वागत किया।

विरोध 🕨 राजनीतिक दुर्भावना का आरोप लगाकर शून्यकाल कराया ढप

# अपने नेताओं के खिलाफ कार्रवाई पर कांग्रेस ने किया रास में हंगामा

सीबीआइ और ईडी की कार्रवाई तेज होने से भडकी पार्टी

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

कांग्रेस के मुख्यमंत्रियों और पूर्व मुख्यमंत्रियों पर सीबीआइ और ईडी की कार्रवाई तेज होने से भड़की पार्टी ने इस मुद्दे पर राज्यसभा में सोमवार को जमकर हंगामा किया। पार्टी ने सरकार पर सीबीआइ और ईडी का दुरुपयोग करने का आरोप लगाते हुए कहा कि राजनीतिक साजिश के तहत कांग्रेस नेताओं को ही निशाना बनाया

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह के खिलाफ ईडी की जांच के गति पकड़ने और हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड़ड़ा के खिलाफ जमीन आवंटन मामले में सीबीआइ राजनीतिक दुर्भावना से प्रेरित करार दिया। शर्मा के मुकदमा दर्ज करने के मद्देनजर कांग्रेस ने हैं वीरभद्र और हुड्डा के मामले का सीधे जिक्र



इस मुद्दे को उठाया। राज्यसभा में शून्यकाल की कार्रवाई शुरू होते ही कांग्रेस नेता आंनद शर्मा ने सीबीआइ और ईडी की कार्रवाइयों को नहीं करते हुए कहा कि कांग्रेस के मुख्यमंत्री और पूर्व मुख्यमंत्रियों के खिलाफ केंद्र सरकार सीबीआइ और ईडी को हथियार बना रही है।शर्मा की इस टिप्पणी का सत्ताधारी भाजपा के सदस्यों

सदस्य वेल में आकर सीबीआइ और ईडी के कथित दुरुपयोग को लेकर नारेबाजी करने लगे। उपसभापति पीजे करियन ने कांग्रेस सदस्यों को वापस जाने के लिए कहा मगर उन्होंने एक न सुनी। इस पर कुरियन के साथ कांग्रेस सदस्यों की तीखी नोक-झोंक भी हुई और उन्होंने सदन दस मिनट के लिए स्थगित कर दिया।

सदन की कार्रवाई दोबारा शुरू हुई तो भी यही दृश्य जारी रहा और नेता विपक्ष गुलाम नबी आजाद ने कहा कि सीबीआइ व ईडी का इस्तेमाल कांग्रेसी मुख्यमंत्रियों के लिए तो खूब हो रहा है। मगर भाजपा शासित मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ में हुई गड़बड़ियों की जांच की मांग ठुकराई जा रही है।

हंगामे के बीच सूचना प्रसारण मंत्री वेंकैया नायडू ने जब हस्तक्षेप करने की कोशिश की तो कांग्रेस सदस्यों ने जमकर शोर मचाया और सदन स्थगित करा दिया। इस तरह शून्यकाल सीबीआइ व ईडी के कथित दुरुपयोग के मसले पर नहीं

### चिदंबरम ने पूछा, आरके नगर में वितरित धन काला था या श्वेत

नई दिल्ली, आइएएनएस : पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदंबरम ने सोमवार को सरकार से पूछा कि चेन्नई की आरके नगर विधानसभा सीट पर मतदाताओं को वितरित किया गया धन काला था या श्वेत? बता दें कि चुनाव आयोग ने मतदाताओं को रिश्वत बांटे जाने के आरोपों के बाद इस सीट पर 12 अप्रैल को होने वाले उपचुनाव को रविवार रात अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया था। चुनाव आयोग ने अपनी जांच में पाया है कि तमिलनाड़ की आरके नगर विधानसभा सीट पर राजनीतिक दलों और उनके शीर्ष नेताओं ने मतदाताओं को रिश्वत देने के नए-नए तरीके इस्तेमाल किए।

केंद्र की आलोचना करते हुए चिदंबरम ने ट्वीट किया कि अगर नोटबंदी के बाद भारत में कालाधन खत्म हो गया है तो आरके नगर में क्या श्वेतधन बांटा गया था? चुनाव आयोग ने अपने आदेश में कहा था कि आरके नगर में अब मतदान तब कराया जाएगा जब मतदाताओं को वितरित की गई धनराशि और उपहारों का प्रभाव समय के साथ खत्म हो जाएगा। दरअसल, आयोग ने यह कदम आयकर विभाग के उस कथन के बाद उठाया है जिसमें कहा गया था कि अन्नाद्रमुक के वीके शशिकला गुट ने मतदाताओं को करीब 100 करोड़ रुपये की

वेंकैया ने कहा, चिदंबरम ही दे सकते हैं अपने सवाल का जवाब : पी. चिदंबरम के सवाल के जवाब में वेंकैया नायड ने कहा कि कालेधन पर जवाब वही बेहतर दे सकते हैं क्योंकि सबसे ज्यादा कालाधन कांग्रेस शासनकाल में ही पैदा हुआ है। काले या श्वेत धन का पता तो जांच के बाद ही चल सकेगा। हालांकि, इस बारे में भी चिदंबरम ज्यादा बता सकते हैं क्योंकि वह उसी क्षेत्र से आते हैं।

## मोटर विधेयक लोस में पारित, संशोधन खारिज

**दुर्घटना मुआवजा समेत** अनेक मुद्दों पर विपक्ष के संशोधनों को खारिज करते हुए सरकार आखिर लोकसभा में मोटर वाहन संशोधन विधेयक ध्वनिमत से पारित कराने में कामयाब हो गई। अब इसे केवल राज्यसभा की दीवार पार करना शेष है। सरकार के इरादों को देखते हुए लगता है, वह वहां भी इसे येन-केन-प्रकारेण पास करा लेगी।

विधेयक पर चर्चा का जवाब देते हुए सडक परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने ज्यादातर वही बातें दोहराई, जो बिल पेश करते वक्त कही थीं। दुर्घटना में मौत की स्थिति में पांच लाख रुपये का न्यूनतम मुआवजा एक माह के भीतर देने के प्रावधान पर उनका तर्क था कि पांच लाख से संतुष्ट न होने वाले पीड़ितों के लिए ज्यादा मुआवजा पाने को मोटर एक्सीडेंट ट्रिब्यूनल जाने का रास्ता खुला रहेगा। हालांकि माना जा रहा है कि ज्यादातर पीड़ित बीमा कंपनियों के दबाव में झंझट से बचने के लिए दुर्घटना के बाद की मानसिक स्थिति में पांच लाख के त्वरित मुआवजे पर राजी हो जाएंगे और मोटर एक्सीडेंट ट्रिब्यूनल या अदालत के समक्ष ज्यादा मुआवजे के लिए अपील नहीं करेंगे। अभी ट्रिब्यूनल या अदालतें पीड़ित की आर्थिक स्थिति के अनुसार मुआवजे का निर्धारण करती हैं और तदनुसार) कभी-कभी पच्चीस या पचास लाख अथवा करोड़-दो करोड़ का मुआवजा भी देना तय कर देती हैं।

राज्यसभा में अड सकता है विपक्ष : इसी आधार पर न्युनतम मुआवजे की सीमा को 20 लाख किए जाने के लिए माकपा सांसद शंकर प्रसाद दत्ता ने संशोधन भी पेश किया था। लेकिन वोटिंग में वह 37 के मुकाबले 221 मतों से रद हो गया। गडकरी ने कहा कि मुआवजे को

जाएगा। कई विशेषज्ञ और विपक्षी दल इससे सहमत नहीं हैं और वे राज्यसभा में संशोधन पर अड़ सकते हैं। राज्यसभा में सरकार बहुमत मे

यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर भारी जुर्माना : विधेयक मे यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर भारी जुर्माने के अलावा दुर्घटना पीड़ितों की मदद करने वाले भले लोगों की सुरक्षा करने व उन्हें पुलिस के उत्पीड़न से बचाने तथा घटिया व त्रुटिपूर्ण वाहन बनाने वाले निर्माताओं की जवाबदेही तय करने जैसे नए प्रावधान हैं गडकरी के मुताबिक, बिल का बुनियादी मकसद मानव जीवन की रक्षा करना है। क्योंकि हर साल पांच लाख सड़क दुर्घटनाओं में डेढ़ लाख लोग मारे जाते हैं। 'जब भाजपा सरकार पांच साल पूरे करे तो सड़क हादसों से मरने वालों की संख्या आधी रह जाए, हम इस दिशा में काम कर रहे हैं।

तो आरटीओ के खिलाफ होगी कार्रवाई: बिल में ड्राइविंग लाइसेंस, परिमट फिटनेस सर्टिफिकेट जैसे प्रपत्रों को पूरी तरह ऑनलाइन कर पारदर्शी बनाने का प्रयास किय

इसमें पात्र आवेदकों को परेशान करने और समय पर सर्टिफिकेट न देने वाले अफसरों को दंडित करने की व्यवस्था भी की गई है। प्रत्येक व्यक्ति को लाइसेंस प्रदाता अधिकारी के पास जाना पड़ेगा और यदि तीन दिन में लाइसेंस नर्ह मिलता है तो आरटीओ के खिलाफ कार्रवाई होगी। लर्नर लाइसेंस घर बैठे ऑनलाइन मिलेगा

गडकरी ने कहा कि हादसों पर अंकुश लगाने के लिए उनका मंत्रालय सड़कों के किनारे क्रैश बैरियर लगाने की योजना बना रहा है। देश भर मे ट्रामा सेंटर स्थापित करने का प्रस्ताव भी सरकार

## आधार से नहीं मारी जाएगी किसी गरीब की सब्सिडी

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने भरोसा दिलाया है कि आधार को लागू किए जाने से किसी भी गरीब को मिलने वाली सब्सिडी नहीं मारी जाएगी। उन्होंने आंकड़ों की सुरक्षा का भरोसा दिलाया। केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री रविशंकर प्रसाद ने बताया कि आधार व्यवस्था लागू होने से सिर्फ एलपीजी सब्सिडी में ही सरकार को 50 हजार करोड़ रुपये की बचत हुई है। राज्यसभा में आधार को लेकर हुई अल्पकालिक चर्चा का जवाब देते हुए रविशंकर प्रसाद ने कहा कि मिड डे मील हो या कोई और योजना, किसी योग्य पात्र को सरकारी योजना से दूर नहीं रखा जाएगा। विश्व बैंक से लेकर संयुक्त राष्ट्र की एजेंसियां तक कह रही हैं कि भारत ने आधार के रूप में अभूतपूर्व तकनीकी क्रांति की है। अब दुनिया भर के देशों को इसे अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि निश्चित तौर पर संप्रग के दौरान ही इसे शुरू किया गया, लेकिन इसमें सुधार के बाद इसके अच्छे नतीजे दिखाई दे रहे हैं। प्रसाद ने कहा कि आधार के लिए आंकड़े लेने, उनकी

### बोले रविशंकर

संसद में विपक्ष के सवालों पर दिया डाटा सुरक्षा का भरोसा

बोले, एलपीजी सब्सिडी में सरकार को ५० हजार करोड़ रुपये की बचत

प्रोसेसिंग, स्टोर और उपयोग को लेकर नियम बना दिए गए हैं। इनका उल्लंघन करने वालों के लिए बेहद सख्त प्रावधान किए गए हैं।

कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने कहा कि आधार का उपयोग कहां अनिवार्य किया जा सकता है, इस संबंध में सुप्रीम कोर्ट का स्पष्ट दिशा-निर्देश होने के बावजूद सरकार इसका उल्लंघन कर रही है। सरकार सब्सिडी की बचत की बात कह रही है, लेकिन यह नहीं बता रही कि कितने को योग्य होने के बावजुद इस आधार पर सब्सिडी से वंचित होना पड़ा है। सांसद राजीव चंद्रशेखर ने पूछा कि 2016 में कानून पारित होने के पहले जमा किए सौ करोड़ लोगों के आंकड़ों की पुष्टि की क्या



नई दिल्ली में सोमवार को मेट्रो में सफर के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ सेल्फी लेते आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री मैल्कम टर्नबुल।

### मोदी के कूटनीतिक अंदाज के कायल हुए टर्नबुल के साथ मेट्रो से सफर कर उन्हें अपना कायल

बनाया। आस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री को अपने

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

विश्व नेताओं से रूबरू होने में निजी गर्माहट दिखाने का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अंदाज कुटनीतिक रिश्तों में नए आयाम लाने का जरिया बनने लगा है। भारत दौरे पर आए आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री मैल्कम टर्नबुल के साथ मेट्रो से अक्षरधाम मंदिर का दर्शन और सैर करा कर मोदी ने विदेशी मेहमान को अपना मुरीद बना लिया।

कूटनीति की दुनिया में अहम विश्व नेताओं से निजी केमेस्टी विकसित करने के लिहाज से मोदी प्रोटोकॉल को अपने हिसाब से लचीला बनाने से नहीं हिचकते। इसी के तहत उन्होंने टर्नबुल

आर्थिक सहयोग समझौते पर

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : दोनों देशों के बीच

द्विपक्षीय बैठक में आर्थिक सहयोग समझौते पर

काफी अच्छी बातचीत हुई है लेकिन मामला

आस्ट्रेलिया से कृषि से जुड़े उत्पादों के निर्यात

को लेकर अटका हुआ है। आस्ट्रेलिया अनाज

उत्पादन के साथ ही दुनिया का एक बड़ा दुग्ध

उत्पादक देश भी है। कृषि आधारित अर्थव्यवस्था

वाला देश होने की वजह से भारत नहीं चाहता कि

उसका बाजार आस्ट्रेलियाई कृषि उत्पादों से भर

जाए। भारत के संशय की एक वजह यह भी है कि

अभी पूरी दुनिया में उदारवादी व्यापार समझौतों

को लेकर अनिश्चितता का माहौल है। कृषि

उत्पादों की वजह से ही आस्ट्रेलिया और चीन के

साथ भी मक्त व्यापार समझौते पर बात अटक

गई है। बहरहाल, सोमवार की वार्ता के बाद मोदी

और टर्नबुल ने अपने संबंधित अधिकारियों को

निर्देश दिया कि समग्र आर्थिक सहयोग समझौते

को वरीयता से लिया जाए। इस बारे में सवाल

पूछने पर मोदी ने सकारात्मक जवाब दिया,

'हमने फैसला किया है कि सीईसीए पर जल्द

ही बातचीत आगे बढ़ाई जाएगी।'

फिलहाल नहीं बनी बात

प्रशंसकों में शामिल करना मोदी के लिए इस लिहाज से भी मायने रखता है कि टर्नबुल अपने पूर्ववर्ती की तुलना में अब तक भारत से रिश्तों में गर्मजोशी दिखाने में पीछे रहे हैं। प्रधानमंत्री बनने के डेढ़ साल बाद टर्नबुल भारत यात्रा पर आए हैं और इससे पहले उनका फोकस अमेरिका और चीन पर था। जबकि कुटनीति, व्यापार और रणनीति हर लिहाज से आस्ट्रेलिया की जितनी जरूरत भारत को है, उतनी ही आस्ट्रेलिया को भारत की। तभी मोदी ने निजी संवादों में गर्माहट

संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस में परोक्ष रूप से टर्नबुल को इसका अहसास भी कराया। कटनीति में क्रिकेट: मोदी ने इसके लिए

भारत-आस्ट्रेलिया क्रिकेट सीरीज में डीआरएस विवाद का सहारा लेते हुए मजाकिया अंदाज में यह संदेश दिया। मोदी ने कहा कि उन्हें खशी है कि हमारे रिश्ते डीआरएस की समीक्षा का विषय नहीं हैं। साथ ही पीएम ने दोनों देशों के बेहतर रिश्ते से फायदा आस्ट्रेलिया को भी मिलेगा इसका संदेश देने के लिए भी क्रिकेट का सहारा लिया। कहा कि टर्नबुल की यह यात्रा आस्ट्रेलिया के लिए वैसी ही फलदायक रहेगी जैसी स्टीवन दिखाने के साथ-साथ शिखर वार्ता के बाद स्मिथ ने भारत के साथ श्रृंखला में रन बटोरे।

## मंत्री की गैरमौजूदगी ने राज्यसभा में सरकार की कराई किरकिरी

नई दिल्ली, प्रेट: राज्यसभा में केंद्र सरकार को उस समय शर्मिंदगी झेलनी पडी जब सांसद द्वारा पूछे गए सवाल का जवाब देने के लिए संबंधित मंत्रालय के मंत्री सदन में मौजूद नहीं थे। सभापति हामिद अंसारी ने कहा, यह हाल के वर्षों में पहली बार पैदा हुई असामान्य स्थिति है।

मामला प्रश्नकाल का है जब कांग्रेस के महेंद्र सिंह माहरा के सूचीबद्ध प्रश्न का उत्तर देने की बारी आई। दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में वायु व ध्वनि प्रदूषण से संबंधित सवाल का जवाब पर्यावरण मंत्री अनिल दवे को देना था। कुछ क्षणों के बाद जवाब न आने पर कांग्रेस के जयराम रमेश ने मंत्री की गैरमौजूदगी का मामला उठाया। कहा कि सवाल का जवाब देने के अवसर पर मंत्री दूसरी बार सदन से अनुपस्थित रहे हैं। इसके बाद दवे के स्थान पर मानव संसाधन मंत्री प्रकाश जावड़ेकर जवाब देने के लिए राज्यसभा में आए। पूर्व में वह पर्यावरण मंत्री रहे थे। उन्होंने समय से न आ पाने के लिए सदन से माफी मांगी। बताया कि लोकसभा में एक विधेयक पेश कर रहे थे, इसलिए उन्हें राज्यसभा



राज्यसभा के सभापति हामिद अंसारी बोले, दस साल में पहली बार ऐसे हालात

में आने में विलंब हुआ। सभापति हामिद अंसारी ने कहा, यह सबसे ज्यादा असामान्य स्थिति है। जिस मंत्री से संबंधित सवाल पूछा जाए, उसकी सदन में मौजूद रहने की जिम्मेदारी है। इस बात का ध्यान संसदीय कार्य मंत्री भी रखें। बाद में उन्होंने मंत्री प्रकाश जावड़ेकर की ओर मुखातिब होकर कहा, पिछले दस साल के कार्यकाल में उन्होंने नहीं देखा है कि कोई मंत्री सूचीबद्ध सवाल का जवाब देने के लिए मौजूद नहीं रहा हो। यह बहुत ज्यादा असामान्य स्थिति है। अपने जवाब में जावड़ेकर ने बताया कि दिल्ली-एनसीआर में कुल 680 मॉनीटरिंग स्टेशन हैं, जो वायु और ध्वनि प्रदूषण का स्तर मापते हैं।

### राहत

दो साल में सभी लोगों को मिलने लगेगा मांग के मुताबिक आरक्षण, इसके लिए ट्रेनों की संख्या के साथ रफ्तार बढाने पर हो रहा है लगातार काम



## मई में 'तेजस', अक्टूबर में 'उदय' से सुधरेगी छवि

संजय सिंह, नई दिल्ली

पहली सेमी हाईस्पीड 'तेजस' ट्रेन मई में चलने की संभावना है। जबिक पहली डबल डेकर 'उदय' ट्रेन के लिए सितंबर अंत या अक्टूबर का पहला सप्ताह तय किया गया है। दोनों ट्रेनों में यात्रियों के लिए अत्याधुनिक सुविधाओं का इंतजाम होगा। इसी के साथ अगले तीन वर्षों में 200 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार वाली मेम हाईस्पीड ट्रेनें चलने लगेंगी। ये प्रायः राजधानी वाले लंबे रूटों पर चलेंगी। जैसे दिल्ली-लखनऊ, दिल्ली-चंडीगढ़, दिल्ली-जयपुर और दिल्ली-भोपाल आदि।

पिछले एक साल के दौरान रेलवे ने 87 नई ट्रेनें चलाईं, 51 ट्रेनों का मार्ग विस्तार किया तथा पांच ट्रेनों के फेरे बढाए। इसके अलावा 350 ट्रेनों की रफ्तार भी बढाई गई। इस दौरान संपन्न वर्ग के लिए महामना, मध्यम वर्ग के लिए हमसफर तथा आम आदमी के लिए अंत्योदय जैसी नए डिजाइन और सुविधाओं वाली ट्रेनों की शुरुआत भी की गई। इन ट्रेनों में पहली मर्तबा एकदम नए फीचर दिए गए जिनमें सीसीटीवी कैमरे, फायर एक्सिटेंग्विशर, एलईडी लाइट, डस्टबिन, टॉयलेट आक्यूपैंसी इंडीकेटर, अतिरिक्त मोबाइल चार्जिंग प्वाइंट, ब्रेल सूचना पट और आरओ वाटर फिल्टर शामिल हैं। ऊपरी बर्थ में कुशन के अलावा सभी



1313 ट्रेनों में एलईडी लाइट

पिछले साल 1313 ट्रेनों में एलईडी लाइट लगाई गईं। अगले दो सालों के भीतर सभी ट्रेनों में एलईडी लाइट लगा दी जाएंगी। इसी तरह एक साल के भीतर सभी ट्रेनों में सुरक्षा की दृष्टि से बेहतर एलएचबी कोच या सेंट्रल बफर कपलर (सीबीएफ) लगा दिए जाएंगे। पिछले एक साल में स्टेशनों की दशा सुधारने की दिशा में भी काफी काम हुआ है। इस दौरान 67 एस्केलेटर लगाने के अलावा 84 प्लेटफार्मी की लंबाई बढ़ाई गई। यात्रियों को संचार और इंटरनेट सुविधा प्रदान करने के लिए गूगल के सहयोग से अब तक सौ स्टेशनों पर वाई-फाई सुविधा प्रदान की जा चुकी है।

बोगियों के बीच आपसी संपर्क के लिए साधारण दर्जे वाली अंत्योदय में पहली बार वेस्टीब्यूल्स प्रदान किए गए हैं।

रेलवे बोर्ड के सदस्य, रोलिंग स्टॉक, खींद्र गुप्ता के मुताबिक रेलमंत्री सुरेश प्रभु का इरादा यात्रियों को मांग पर आरक्षण प्रदान करने का है। इस दिशा में काम चल रहा है। ट्रेनों की संख्या बढ़ाने के अलावा रफ्तार भी बढ़ाई जा रही है। धीमी ट्रेनों का स्थान तेज ट्रेनें ले लेंगी। शीघ्र ही डेडीकेटेड फ्रेट कॉरीडोर भी पूरा हो जाएगा। तब हर वर्ग और हैसियत के यात्री को उसकी पसंद और भुगतान क्षमता के अनुसार ट्रेन चुनने का मौका मिलेगा। इसी के साथ लोगों की रिजर्वेशन संबंधी समस्याओं का अंत हो जाएगा।

40 हजार बायो-टॉयलेट लगेंगे : पिछले साल 34 हजार बोगियों में बायो-टॉयलेट लगाए जा चुके हैं। गुप्ता के अनुसार अगले वर्ष 40 हजार बायो-टॉयलेट लगाने का इरादा है। इस दौरान 157 स्टेशनों पर ऑनबोर्ड हाउसकीपिंग सुविधा देने का भी प्रस्ताव है। चादर-कंबल आदि की धुलाई के लिए अगले साल दस और ऑटोमैटिक लांड्रियां स्थापित की जाएंगी। 'क्लीन माय कोच' सेवा की लोकप्रियता को देखते हुए ढाई सौ और ट्रेनों में अगले वर्ष यह सुविधा शुरू करने का प्रस्ताव है। इसके अतिरिक्त यात्रियों की मदद के लिए पचास ट्रेनों में 'कोच मित्र' सेवा शुरू करने का भी इरादा है।

## हमारी उपलब्धियों में एक और इज़ाफ़ा





### एयर इंडिया एक्सप्रेस ने प्राप्त किया आइओएसए रेजिस्ट्रेशन

एयर इंडिया के किफ़ायती विभाग, एयर इंडिया एक्सप्रेस ने प्रतिष्ठित आइओएसए (आइएटीए ऑपरेशन सेफ़्टी ऑडिट) रेजिस्ट्रेशन प्राप्त किया। यह पंजीयन उच्चतम एयरलाइन सूरक्षा स्तरों, कार्यकारी प्रबंधन और नियंत्रण प्रणालियों के लिये सख़्त ऑडिट के बाद प्रदान किया जाता है।

हमने वित्त वर्ष 2016-17 में 35 लाख से भी ज़्यादा यात्रियों को उनकी मंज़िलों तक पहुंचाया है। वर्तमान में, हम 15 भारतीय शहरों और मध्य पूर्व और दक्षिण पूर्व एशिया के 14 अंतर्राष्ट्रीय गंतव्य स्थलों से हर सप्ताह 550 से भी ज्यादा प्रस्थान संपन्न करते हैं।

आकर्षक दरों पर अपनी टिकट्स बुक करें: www.airindiaexpress.in देखें 24x7 कॉल करें : **+91-44-30012001** 



### **निर्णय** ▶ शंभूपाल हत्याकांड में 23 साल बाद आया फैसला

# पूर्व मंत्री रामकरन को आजीवन कारावास

संदेह के लाभ में आठ आरोपी बरी, एक की हो चुकी है पहले ही मौत

जागरण संवाददाता, बस्ती

23 साल पुराने शंभूपाल हत्याकांड में प्रदेश के पूर्व मंत्री रामकरन आर्य को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। उन पर 23 हजार का अर्थदंड भी लगाया गया है। अर्थदंड अदा न करने पर उन्हें डेढ़ वर्ष की सजा अलग से भुगतनी होगी। इस प्रकरण के नौ अन्य आरोपियों में एक की मौत हो चुकी है, जबकि आठ को संदेह का लाभ देकर बरी कर दिया गया। सजा का आदेश होते ही कड़ी सुरक्षा में पूर्व मंत्री को जेल भेज दिया गया। शंभूपाल वर्तमान भाजपा सांसद जगदंबिका पाल के चचेरे भाई थे। 24 नवंबर, 1994 को हुई इस घटना के वक्त रामकरन आर्य विधायक थे। उन्होंने वाहन टकराने के विवाद में अपने साथी की बंदूक छीन शंभूपाल को गोली मार दी थी।

फैसला सुन मामले की पैरवी कर रहे शंभूपाल के पुत्र शिवबहादुर पाल और अन्य परिवारीजनों की आंखें नम हो गई। शिवबहादुर ने कहा कि बरी किए गए आठ आरोपियों के खिलाफ वह आगे कानूनी लड़ाई लड़ेंगे।शंभूपाल हत्याकांड में सह आरोपी बनाए गए राम उजागिर, ओम



बस्ती : न्यायालय से सजा सुनाए जाने के बाद पुलिस कस्टडी में पूर्वमंत्री रामकरन आर्य । जागरण

प्रकाश पुत्र दीनदयाल निवासी सैदापुर थाना गोसाईगंज, लखनऊ, उस्मान उर्फ युसूफ अमरचंद, राम पियारे, कांस्टेबल रूपेंद्र कुमार पुत्र परदेशी निवासी मदारी, थाना महुआडाड जिला पलाम्, झारखंड एवं बनारसी प्रसाद को बरी कर दिया गया। एक अन्य आरोपी कांस्टेबल श्यामसुंदर की मुकदमें के दौरान मौत हो गई।

यह था पूरा मामला : 24 नवंबर 1994 को शंभूपाल वर्तमान में डुमरियागंज से भाजपा सांसद एवं तत्कालीन सदर विधायक जगदंबिका पाल द्वारा वाल्टरगंज में आयोजित किसान गोष्ठी में शामिल होने जा रहे थे। जीप में चचेरे भाई पाल और सत्यवान सवार थे। पाल की जीप आगे चल रही तत्कालीन विधायक रामकरन आर्य के वाहन से टकरा गई। इसको लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी होने लगी। इस बीच आर्य वाहन से 'नीचे उतरे और साथ चल रहे साथी की बंदूक छीन ली और शंभूपाल को निशाना बना गोली चला दी। गंभीरावस्था में शंभूपाल को जिला अस्पताल ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। इस मामले में जयबख्श पाल की तरफ से दर्ज कराई गई प्राथमिकी में रामकरन आर्य समेत 10 को नामजद किया गया

था। दो आरोपियों राम उजागिर और ओमप्रकाश

को उसी दिन गिरफ्तार कर लिया गया था।

### चार बार विधायक और दो बार मंत्री रहे रामकरन

आर्य सपा सरकार में आबकारी एवं खेलकूद राज्य मंत्री रहे। वर्ष 2017 का चुनाव सपा के टिकट पर लड़े और बुरी तरह हार गए। वह चार बार विधायक और दो बार सपा सरकार में मंत्री रहे। 1989 में वह इसी सीट से जनता दल के टिकट पर चनाव लडकर जीते थे। इसके बाद वह फिर 1993 में सपाई बन गए और चुनाव जीत गए।वर्ष 2002, 2012 में वह सपा के टिकट पर लड़े और जीते।

बाद में आर्य को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने नौ दिसंबर, 1994 को आरोप पत्र दाखिल किया तो आरोपी ने 24 दिसंबर, 1994 को सीबीसीआइडी से जांच के आदेश करा दिए। सीबीसीआइडी के इंस्पेक्टर बृजेंद्र मोहन पांडेय ने आरोपी रामकरन आर्य का बयान दो जनवरी, को लखनऊ में लेने के बाद जांच में पुलिस की तफ्तीश को सही ठहराया और रिपोर्ट फाइल कर दी। सत्ता के दबाव का नतीजा यह रहा कि उस समय के डीएम, एसपी, एआरटीओ और मेजर एसबी सिंह ने बचाव पक्ष की तरफ से गवाही दी थी। इतने के बाद भी साक्ष्यों को झुठलाया नहीं जा सका और पूर्व मंत्री जांच में घिरते चले गए।

## एसवाईएल मामले में 12 अप्रैल को सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

सुप्रीम कोर्ट सतलज यमुना लिंक (एसवाईएल) नहर मामले में 12 अप्रैल



ठुकरा दी। इसके अलावा हांसी बुटाना नहर मामले में कोर्ट छुट्टियों के बाद जुलाई में सुनवाई करेगा। सोमवार को सबह पंजाब सरकार ने न्यायमति पीसी घोष की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष एसवाइएल मामले का जिक्र करते हुए कोर्ट ने 12 अप्रैल की सुनवाई की तिथि टालने का आग्रह किया। पंजाब सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता राम जेठमलानी का कहना था

कहा कि मामले पर सुनवाई 12 अप्रैल को ही हरियाणा को पानी देने के लिए एसवाईएल नहर का निर्माण होना है। हरियाणा ने अपने हिस्से की नहर बहुत पहले बनवा ली थी लेकिन पंजाब ने नहर का निर्माण नहीं कराया। सुप्रीम कोर्ट नहर का निर्माण पूरा करने के लिए दो बार आदेश दे चका है इसके बावजद पंजाब ने नहर का निर्माण नहीं कराया बल्कि विधानसभा में कानून पारित

कर पड़ोसी राज्यों के साथ हुए सभी जल बंटवारा

कि पंजाब में अभी नई सरकार बनी है और अभी

तक विधि अधिकारी नियुक्त नहीं हुए हैं। लेकिन

कोर्ट ने सुनवाई टालने का अनुरोध ठुकराते हुए

कोर्ट ने ठुकराई पंजाब सरकार की सुनवाई टालने की मांग

हांसी बुटाना नहर मामले में छुट्टियों बाद जुलाई में होगी सुनवाई

### हांसी बुटाना पर भी सुनवाई

हांसी बुटाना नहर में पानी देने के मामले पर सुप्रीम कोर्ट छुट्टियों के बाद जुलाई में सुनवाई करेगा। हरियाणा ने अपने हिस्से के पानी के विभिन्न क्षेत्रों में बंटवारे के लिए हांसी बुटाना नहर का निर्माण कराया है। नहर का निर्माण कई साल पहले हो गया था लेकिन अभी तक उसमें पानी नहीं छोड़ा गया है। सुप्रीम कोर्ट ने हांसी बुटाना नहर में पानी के लिए जोड़े जाने की अनुमति नहीं दी है। फिलहाल कोर्ट से अंतरिम रोक आदेश चल रहा है।

समझौते रद कर दिये थे। प्रेसीडेंशियल रिफरेंस पर सुप्रीम कोर्ट पंजाब के कानून को गलत ठहरा चुका है, लेकिन अभी तक औपचारिक रूप से कानून रद नहीं हुआ है। हरियाणा ने सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दाखिल कर नहर निर्माण का कोर्ट का आदेश लागू करने की मांग की है। इसी अर्जी पर

### कोर्ट में पेश हुए झारखंड के सीएम, खुद को बताया निर्दोष

जागरण संवाददाता, जमशेदपुर: झारखंड के मुख्यमंत्री रघुवर दास सोमवार को सरकारी कार्य में बाधा व आचार संहिता उल्लघंन के दो अलग-अलग मामलों में अदालत में पेश हुए। दोनों मामले में रघुवर दास समेत अन्य आरोपियों का सीआरपीसी की धारा 313 के तहत बयान हुआ। सभी ने खुद को निर्दोष बताया।

रघुवर दास और 21 लोगों के विरुद्ध कदमा थाना में 24 अप्रैल, 2009 को प्राथमिकी दर्ज कराई थी। इन पर कदमा हाजत से आरोपी सुधांशु ओझा को बल पूर्वक भगा कर ले जाने का आरोप लगा था। आचार संहिता उल्लंघन का मामला 2009 का है। तब बिष्टुपुर थाना में रघुवर दास सहित 12 आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। आरोप था कि बिष्टुपुर स्थित गोलचक्कर के पास पोल में भाजपा का बैनर, झंडा व पोस्टर बिना अनुमति के लगाए गए थे। मुख्यमंत्री रघुवर दास सोमवार को दिन में करीब साढ़े 10 बजे कोर्ट पहुंचे। इससे पहले बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता व केस से संबंधित आरोपी कोर्ट पहुंच चुके थे। 10.35 बजे सीजेएम जीके तिवारी की कोर्ट में सीएम की पेशी हुई। यहां करीब 10 मिनट तक उनका बयान लिया गया। इसके बाद वह एसडीजेएम की अदालत में पहुंचे, जहां उनका स्टेटमेंट लिया गया।

### न्यूज गैलरी

### मंत्री ने कृषि भवन गेट पर लगवाया ताला

लखनऊ : सोमवार को कृषि भवन में अजब नजारा था। सुबह दस बजे तीनों प्रवेश द्वारों पर ताले लटके हुए थे और देर से आए कृषि निदेशालय के कर्मचारी बाहर धूप में खड़े पसीना-पसीना हो रहे थे। उनके चेहरों पर हवाइयां उड़ रही थीं, क्योंकि कृषि निदेशालय का आकस्मिक निरीक्षण करने पहुंचे कुषि मंत्री सुर्यप्रताप शाही अंदर मौजूद थे और उन्होंने तीनों गेटों पर ताले लगवा दिए गए थे। मंत्री ने गैरहजाहिर 124 कर्मचारियों का एक दिन का वेतन काटने और विलंब से पहुंचने वाले 63 कर्मियों की आधा दिन की अनुपस्थिति दर्ज करने के निर्देश भी दिए। वहीं अपर निदेशक प्रशांत कुमार, संयुक्त निदेशक रामशबद जैसवारा व रामशरण यादव समेत चार अधिकारियों को चेतावनी पत्र जारी करने व प्रतिकूल प्रविष्टि की हिदायत दी। मंत्री ने करीब तीन घंटे कृषि भवन का निरीक्षण किया और अधिकतर कक्षों में गए। धूल से अटी फाइलों को देखकर नाराज हुए तो कृषि भवन परिसर में गंदगी की भरमार पर कड़ी फटकार लगाई। स्वच्छता की शपथ लेने के बावजूद गंदगी देखी तो अधिकारियो पर बिगड़े। दीवारों पर पान की पीक के दाग और कबाड़ वाहनों को हटाने के निर्देश दिए। दरअसल मंत्री का माथा उस समय ठनका जब कषि निदेशक ज्ञान सिंह की अनुपस्थिति के बारे में उनको बताया गया। पूछने पर पता चला कि निदेशक दिल्ली दौरे पर गए हैं, लेकिन वजह बताने में अधिकारी

### सोशलिस्टों को गोलबंद करने में जुटे शिवपाल

नाकाम रहे।

लखनऊ: समाजवादी पार्टी में हाशिये पर चल रहे मगर सोशलिस्टों को गोलबंद करने का प्रयास कर रहे पूर्व मंत्री शिवपाल सिंह यादव ने सोमवार को राष्ट्रवादी लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी के संस्थापक रघु ठाकुर के साथ दो घंटे लंबी चर्चा की। इसमें मौजूदा राजनीतिक व देशभर के सोशलिस्टों की एकजुटता के प्रयासों पर चर्चा हुई। सोमवार को विक्रमादित्य मार्ग स्थित अपने आवास पर रघु ठाकुर के साथ चर्चा में शिवपाल ने कहा कि समाजवादियों को एक मंच पर लाने के लिए जल्दी ही अभियान चलाया जाएगा। यह वर्ष लोहिया के महाप्रयाण की अर्द्ध सदी है। इस दौर में आत्ममंथन करना होगा कि लोहिया और समाजवाद की कसौटी पर हम कहां खड़े हैं। समस्याओं का समाधान लोहिया के सिद्धांतों से संभव है। समाजवादी विचारक एवं राष्ट्रीय लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी के संस्थापक रघ ठाकर ने कहा कि हमें लोहिया और समाजवाद को कर्म एवं आचरण में उतारना

## झोली भरने के बावजूद टीस लिए लौटी हसीना

साख, कूटनीति, व्यक्तिगत आदर और कारोबार के लिहाज से बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना की यात्रा को सफल बनाने में भारत ने कोई कसर नहीं छोड़ी। लेकिन जिस चीज की दरकार हसीना को सबसे ज्यादा थी वह नहीं हो पाई। चार दिवसीय यात्रा के अंतिम दिन शेख हसीना ने यह साफ कर ही दिया कि वह तीस्ता समझौता नहीं होने की टीस लिए वापस लौट रही हैं। यहां एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि, अगर दोनों देशों के बीच तीस्ता समझौता हो जाए तो द्विपक्षीय रिश्तों को और नई ऊंचाई पर पहुंचाया जा सकता है। वैसे हसीना ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आश्वासन पर भरोसा जताया है। प्रधानमंत्री ने कहा है कि भारत से बांग्लादेश जाने वाली तीस्ता नदी के जल बंटवारे पर एक सर्वमान्य संधि जल्द हो जाएगी।

सूत्रों के मुताबिक, शेख हसीना ने भारत के शीर्ष राजनीतिक स्तर को यह संदेश देने में कोई कोताही नहीं की है कि तीस्ता समझौता बांग्लादेश के साथ ही उनके घरेलू राजनीति के लिए भी महत्वपूर्ण है। परोक्ष तौर पर यह भी बताया है कि पिछले पांच वर्षों के दौरान भारतीय हितों के मुताबिक, उन्होंने सीमा प्रबंधन और आतंकवाद के खिलाफ जिस तरह की कार्रवाई की है, उसे आगे जारी रखने के लिए तीस्ता पर समर्थन मिलना जरूरी है। दरअसल, बांग्लादेश में अगले वर्ष चुनाव होंगे।शेख हसीना जानती हैं कि अगर तीस्ता जल बंटवारा संधि हो जाती है तो उनके लिए घरेलू राजनीति में भारत की दोस्ताना छवि को सकारात्मक तौर पर भुनाना आसान होगा। बांग्लादेश के विपक्षी दल अभी से उन पर भारत के पक्ष में बहुत ज्यादा झुकने का आरोप लगा रहे हैं। हसीना ने तीस्ता समझौते की राह में अड़चन

बनी पश्चिम बंगाल की मख्यमंत्री ममता बनर्जी को भी आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा, 'मालूम नहीं दीदी (ममता बनर्जी) क्या सोचेंगी। उनसे मेरी बात हुई तो उन्होंने कुछ और प्रस्ताव रखे हैं। मोदी ने आश्वासन दिया है कि वह इसे देखेंगे।'

तीस्ता से हट कर देखें तो सोमवार को दोनों देशों की कंपनियों के बीच 10 समझौते हुए हैं। इनमें नौ समझौते ऊर्जा (बिजली, गैस, तेल आदि) से जुड़े हैं। इनमें कम से कम नौ अरब डॉलर का निवेश किया जाएगा। निवेश का अधिकांश हिस्सा बांग्लादेश में होगा। लेकिन यह सिर्फ शुरुआत है, कई समझौते ऐसे हैं जिनमें भारतीय कंपनियां आगे काफी निवेश कर सकती हैं। मसलन, रिलांयस पावर की तरफ से वहां लगाई जा रही 3000 मेगावाट की बिजली परियोजना के पहले चरण के तहत 718 मेगावाट के प्लांट से जुड़ा एक समझौता है। एक समझौता रामपल (बांग्लादेश) में 1320 मेगावाट बिजली परियोजना लगाने को लेकर बांग्लादेश-इंडिया फ्रेंडशिप पावर कंपनी को एक्जिम बैंक ऑफ इंडिया की तरफ से कर्ज देने से संबंधित है। एक समझौता त्रिपुरा से 60 मेगावाट बिजली बांग्लादेश को देने और एक नेपाल से बिजली लेकर बांग्लादेश को देने से संबंधित है। बांग्लादेश में एलएनजी टर्मिनल लगाने, डीजल पाइपलाइन बिछाने को लेकर भी अलग-अलग समझौते हुए हैं।

सोमवार को यहां सीआइआइ, फिक्की व विदेश मंत्रालय की तरफ से आयोजित एक कार्यक्रम में यह समझौते हुए। इस अवसर पर शेख हसीना भी उपस्थित थी। पेट्रोलियम मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस अवसर पर कहा कि बांग्लादेश में ऊर्जा की बढ़ती मांग को पूरा करने में भारत हरसंभव मदद देगा। दोनों देशों के गैस ग्रिड को जोड़ना एक बड़ी उपलब्धि होगी।

Reception

नई दिल्ली में सोमवार को एक समारोह में भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी और बांग्लादेश की



## ममता ने की मोदी से मुलाकात बकाया रकम देने की मांग

जागरण न्यूज नेटवर्क, कोलकाता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अंततः पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सोमवार को दिल्ली में बैठक हुई। लगातार केंद्र के विरुद्ध मुखर रहीं मुख्यमंत्री आठ माह बाद पहली बार प्रधानमंत्री से मिलीं। राज्य के राजनीतिक हलकों में प्रधानमंत्री के साथ मख्यमंत्री की बैठक को अहम माना जा रहा है। विपक्षी दल कांग्रेस और वाममोर्चा ने मोदी और ममता की मुलाकात के पीछे तुक्ष राजनीतिक स्वार्थ बताया है। हालांकि की। प्रधानमंत्री के साथ मुख्यमंत्री की लगभग रही हैं।

बंगाल पर कर्ज के बोझ का हवाला दिया और केंद्र से बकाया रकम देने की मांग की। इस बैठक में तीस्ता जल बंटवारे का मुद्दा नहीं उठा। बाद में संसद भवन में ममता ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि पीएम ने राज्य का बकाया रकम उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया है।

मोलभाव कर रही हैं सीएम: माकपा माकपा सांसद मोहम्मद सलीम ने आरोप लगाया है कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी राज्य में अलग तरह की बात कहती हैं और दिल्ली में जाकर वह मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री से राज्य वदल जाती हैं। उनका आरोप है कि प्रधानमंत्री का बकाया 10459 करोड़ रुपये देने की मांग नरेंद्र मोदी के साथ मिल कर ममता मोलभाव कर

## दुख है कि सिंध भारत में शामिल नहीं हुआ : आडवाणी

नई दिल्ली, प्रेट्र : भाजपा के बुजुर्ग नेता लालकृष्ण आडवाणी ने कहा कि सिंध प्रांत के भारत में शामिल नहीं होने का उन्हें दुख है। सिंध प्रांत पाकिस्तान का हिस्सा है और आडवाणी का जन्म इसी प्रांत की राजधानी कराची में हुआ था। भाजपा नेता सोमवार को इंडिया फाउंडेशन की ओर से आयोजित एक समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस समारोह में बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना भी मौजूद थीं।

आडवाणी ने कहा, 'मैं नहीं जानता कि आप में से कितने लोग इस बात से दुखी होंगे। मेरा दुख यही है कि भारत जब आजाद नहीं था तो वह हिस्सा भी अविभाजित भारत में था जहां मेरा जन्म हुआ था। जब भारत स्वतंत्र हुआ तो वह

कराची में हुआ था भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी का जन्म

हिस्सा हमसे छिन गया। जिस सिंध में मेरा जन्म हुआ था वह आज भारत का हिस्सा नहीं है। मुझे और वहां रहने वाले मेरे साथियों को इस बात

भाजपा नेता ने कहा कि जब बांग्लादेश की प्रधानमंत्री देश में आई तो उन्होंने इस दुख को साझा करने का मन बनाया। उन्होंने कहा, 'शेख हसीना यहां आई मैंने सोचा कि उनकी मौजूदगी में मैं अपने भीतर की यह नाराजगी जाहिर करूं। आडवाणी अपना यह दुख पूर्व में भी व्यक्त कर

# सुप्रीम कोर्ट ने उत्तराखंड में खनन से रोक हटाई

उत्तराखंड में खनन कारोबार से जुड़े लोगों के लिए बड़ी राहत की खबर है। राज्य में खनन पर लगा प्रतिबंध हट गया है। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को राज्य में खनन पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने वाले हाई कोर्ट के आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी है। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली उत्तराखंड सरकार की याचिका पर नवीन चंद्र पंत और मनोज चंद्र पंत को नोटिस जारी किया है।

नैनीताल हाई कोर्ट ने बागेश्वर जिले के रहने वाले नवीन चंद्र पंत और मनोज चंद्र पंत की जनहित याचिका पर गत 28 मार्च को पूरे उत्तराखंड में चार महीने के लिए खनन पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया था। हाई कोर्ट ने खनन से पर्यावरण और पारिस्थितिक संतुलन के खतरे को देखते हुए खनन के प्रभाव का आकलन करने के लिए एक उच्च स्तरीय समिति भी गठित की थी। हाई कोर्ट ने समिति से खनन जारी रखने या रोकने पर चार सप्ताह में अंतरिम रिपोर्ट मांगी थी और तब तक के लिए राज्य में खनन पर रोक लगा दी थी। राज्य सरकार ने आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल सब्रमण्यम व राज्य के वकील फारुख रशीद ने हाई कोर्ट के आदेश का विरोध करते हुए मुख्य न्यायाधीश जेएस खेहर की अध्यक्षता वाली पीठ से कहा कि हाई कोर्ट ने बगैर किसी पर्याप्त सामग्री के खनन पर रोक

लगा दी है। खनन पर रोक से विकासशील राज्य उत्तराखंड का विकास रुक जाएगा। राज्य ने वैसे भी 2013 में आपदा झेली है। उनका कहना था कि नदी से रेत आदि हटाना जरूरी है ताकि नर्द में प्राकृतिक प्रवाह कायम रहे। इसके अलाव खनन से विकास कार्य के लिए जरूरी कच्चा माल मिलता है जो कि ढांचागत विकास के लिए जरूरी है। पीठ ने राज्य सरकार की याचिका प जवाब दाखिल करने के लिए नोटिस जारी करते हुए हाई कोर्ट के आदेश पर अंतरिम रोक लग दी। सरकार ने याचिका में कहा है कि जनहित याचिका पर ऐसा आदेश पारित कर हाई कोर्ट ने संविधान में दिए गए शक्तियों के बंटवारे के सिद्धांत का उल्लंघन किया है।

हाई कोर्ट ने एक प्रकार से आदेश के जरिए कानून बनाने की कोशिश की है जो कि क्षेत्राधिकार का अतिक्रमण है। जब हाई कोर्ट ने ख़ुद हाई पावर कमेटी से अभी रिपोर्ट मंगाई है तो फिर वह कैसे राज्य में खनन पर पूरी तरह रोक लगा सकता है। हाई कोर्ट ने आदेश देते समय इस पर ध्यान नहीं दिया कि खनन गतिविधिये की अनुमति पारिस्थितिक संतुलन को ध्यान मे रखते हुए दी गई थी। हाई कोर्ट ने परिस्थितियों और सामग्री को देखे बगैर रोक लगा दी है। इससे बडी संख्या में खनन रोजगार से जुड़े लोगों की रोजी-रोटी प्रभावित हो रही है। हाई कोर्ट ने हाईपावर कमेटी गठित कर उसे खनन के प्रभाव का आकलन करने और 50 साल का ब्लुप्रिंट तैयार करने का भी आदेश दिया था।

## आजम खां की गाय पहुंची अधोक्षजानंद की गोशाला

जागरण संवाददाता, मथुरा

'जिएं तो जिएं कैसे, और जाएं तो जाएं कहां। मुझे आपसे अपने रिश्तों पर कल भी गर्व था और आज भी है। धर्म और इंसानियत के लिए काम करने वाले आप जैसे हों, तो भारत ही नहीं, सम्पूर्ण विश्व दारुल अमन हो जाएगा, लेकिन बदले हालात में मुझे बेहद डर लग रहा है और बेहद दखी मन से आपकी दी गाय आपको लौटा रहा हूं।' यह लाइनें उस पत्र की हैं जो आजम खान ने श्यामा गाय और बछिया के साथ गोवर्धन पीठाधीश्वर अधोक्षजानंद को भेजा है।

सोमवार देर रात दो बजे रामपुर के पूर्व सपा जिलाध्यक्ष ओमेंद्र सिंह चौहान और मेहंदीनगर जुनुबी के प्रधान गुड्डू सिंह गाय-बछिया लेकर जतीपुरा मार्ग स्थित अधोक्षजानंद के आश्रम पहुंचे। भेंट की गई गाय वापस आई, तो अधोक्षजानंद की आंखें छलछला गई। उन्होंने ॥य को दुलराया। गाय लेकर आए ओमेंद्र सिंह

ने जब गाय प्राप्त करने की बात लिखकर देने को कहा, तो वह चुप हो गए और बोले-बाद में बात करूंगा। वार्ता के दौरान अधोक्षजानंद देव तीर्थ ने कहा कि गाय सबकी है, हिंदुस्तान की है, हिंदुस्तानियों की है। आजम खां साहब की गोभिक्त को ध्यान में रखते हुए उनकी रुचि के अनुसार श्यामा गाय डेढ़ साल पहले भेंट की थीं। उनके परिवारीजनों ने गाय की जो सेवा की है, काबिले तारीफ है। भय के माहौल और राजस्थान की घटना को देखते हुए उन्होंने गाय वापस की है। उन्होंने कहा कि जाति, धर्म और मजहब के नाम पर ऐसी स्थिति बनी है, यह ठीक नहीं है। सरकारों को ऐसा माहौल बनाना होगा जिससे गोभक्त बिना किसी संशय गोसेवा कर सकें। गोरक्षा कानून बनना चाहिए। एक सशक्त कानून पूरे देश में लागू हो।मोहन भागवत जी के गोहत्या पर पाबंदी के बयान पर उन्होंने कहा कि वह सरकार से सख्ती से गोकानून लागू करने

### कवायद

होगा, दूसरा कोई विकल्प है।

उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के मुख्यमंत्रियों के बीच बनी सहमति, प्रकरणों के निस्तारण के लिए तीन महीने के भीतर होगी दोनों राज्यों के मुख्य सचिव स्तर पर



बैटक

# तीन माह में होगा परिसंपत्तियों का बंटवारा

Banglade

जागरण ब्यूरो, लखनऊ

उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड की परिसंपत्तियों के बंटवारे को लेकर 16 वर्ष से लंबित मामलों के निस्तारण की उम्मीद जगी है। सोमवार सुबह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र रावत के बीच दो घंटे से अधिक समय तक चली बैठक में लंबित मामलों के निस्तारण पर विमर्श हुआ। आपसी सहमित से तय हुआ कि दोनों राज्यों के मुख्य सचिव तीन माह के भीतर लंबित प्रकरणों के निस्तारण के लिए बैठक करेंगे।

प्रधानमंत्री शेख हसीना।

अपने सरकारी आवास पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तराखंड के मुख्यमंत्री को भरोसा दिया कि अब यह मसला लंबित नहीं रहेगा। उत्तराखंड राज्य के गठन की लंबी अवधि के बावजूद मामलों का निपटारा न होना दोनों राज्यों के हित में नहीं है। योगी ने कहा कि प्राथमिकता पर इसका निस्तारण होगा। इस बैठक के दौरान प्रदेश के सभी संबंधित विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव और सचिव को निर्देशित किया कि अपने विभागीय प्रकरण के सिलसिले में शासन की टिप्पणी हर हाल में 10 मई, 2017 से पहले उत्तराखंड सरकार को भेजना सुनिश्चित करें। बैठक में सिंचाई मंत्री धर्मपाल सिंह समेत संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

सहमति बनी तो उत्तराखंड को मिलेगी 4200 करोड की संपत्ति: यदि सहमति बनी तो उत्तराखंड को 4200 करोड



लखनऊ में सोमवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने सरकारी आवास पर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत का स्वागत करते हुए।

रुपये की संपत्ति मिलेगी। अब तक दोनों राज्यों के बीच बंटवारे पर बैठकें तो हुई, लेकिन एक राय नहीं बन सही। डेढ दशक बाद फिर उम्मीद जागी है। वैसे परिसंपत्तियों के कुछ मामले अदालत में भी लंबित हैं। सिंचाई, ऊर्जा, परिवहन, वित्त, आवास, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, सूचना एवं जनसंपर्क, माध्यमिक शिक्षा, सहकारिता और उत्तराखंड राज्य भंडारागार निगम के प्रकरण भी लंबित हैं। वन, ग्राम्य विकास, चीनी उद्योग एवं गन्ना विकास, माध्यमिक शिक्षा, औद्योगिक विकास भी शामिल हैं।

### बंटवारे के कुछ प्रमुख बिंदु

सिंचाई विभाग: उप्र के कब्जे में 266 आवास, दो अतिथि गृह, 36 नहरें और 214 हेक्टेयर भूमि। 36 नहरों से सिंचाई उत्तराखंड में होती हैं, लेकिन स्वामित्व उप्र सरकार के पास है। पिछली सरकार में 28 नहरों को उत्तराखंड को सौंपने की सहमित तो बनी, लेकिन भौतिक धरातल पर इसे मूर्तरूप नहीं

ग्राम्य विकास: उप्र आवास विकास परिषद पर उत्तराखंड सरकार की ओर से निर्बल आवास योजना के अंतर्गत ऋण समाधान और ऋण देनदारी।

पंचायती राज: उप्र रिवाल्विंग फंड में उत्तराखंड के 13 जिलों की जिला पंचायतों की जमा धनराशि पर अर्जित ब्याज।

औद्योगिक विकास: उप्र पर अनुबंध के मुताबिक बकाया ब्याज की 15 करोड से अधिक धनराशि।

गृह विभाग: पिथौरागढ़ में 140 नाली भूमि। तराई बीज एवं तराई विकास परिषद : करीब नौ करोड़ की धनगशि।

**परिवहन निगम**ः लखनऊ जिला मुख्यालय और दिल्ली स्थित राज्य अतिथि गृह की परिसंपत्ति का बंटवारा। परिवहन निगम की कार्यशालाओं का भी मसला।



दैनिक जागरण

## कुलभूषण जाधव के मुंबई स्थित घर पर सन्नाटा

कुलभूषण जाधव के महानगर स्थित घर पर सन्नाटा पसरा है। रिश्तेदारों- परिचितों का आना-जाना लगा है। सभी की आंखें नम हैं। लेकिन कोई कुछ बोलने को तैयार नहीं है। जाने-माने वकील उज्ज्वल निकम का कहना है कि भारत को यह मामला अंतरराष्ट्रीय मंच

दोपहर बाद जैसे ही कुलभूषण को पाकिस्तान में फांसी की सजा सुनाए जाने की खबर आनी शुरू हुई, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की ओबी वैन्स यहां उनके घर के बाहर जमा होना शुरू हो गई। कुलभूषण का परिवार पवई उपनगर के पॉश हीरानंदानी गार्डंस इलाके की सिल्वर ओक इमारत में रहता है। कुलभूषण के पिता सुधीर जाधव ने सिल्वर ओक इमारत की बी-विंग स्थित पांचवीं मंजिल का 502 नंबर फ्लैट पुलिस विभाग से सेवानिवृत्त होने के बाद खरीदा था। कुलभूषण को फांसी की सजा की खबर आने के बाद इमारत के बाहर पुलिस सुरक्षा भी बढ़ा दी गई है। इमारत के

अंदर किसी अपरिचित को जाने नहीं दिया जा रहा है। कुलभूषण का परिवार मूलतः महाराष्ट्र के सतारा जनपद का रहने वाला है। उनके पिता सुधीर जाधव और चाचा सुभाष जाधव मुंबई पुलिस में सहायक पुलिस आयुक्त के पद से सेवानिवृत्त हुए हैं।

मुंबई आतंकी हमले (26/11) मामले में

सरकारी वकील रहे उज्ज्वल निकम कहते हैं, भारत को यह मामला तुरंत अंतरराष्ट्रीय मंच पर उठाना चाहिए क्योंकि कुलभूषण को फांसी की सजा मिलने का कोई कारण पाकिस्तान सिद्ध नहीं कर सकता। कुलभूषण पर पाकिस्तान में कोई आतंकी वारदात अंजाम देने का आरोप नहीं है। भारतीय नौसेना से सेवानिवृत्त होने के बाद वह किसी प्रकार की सरकारी सेवा में भी नहीं थे। उन्हें पाकिस्तान के किसी हिस्से से गिरफ्तार किया जाना भी साबित नहीं हुआ है। कुलभूषण को यह सजा सुनाने से पहले कानूनी सहायता भी नहीं दी गई। जबकि मुंबई पर आतंकी हमला करने वाले पाकिस्तानी आतंकी अजमल कसाब को भारत ने उसके पूरे मुकदमे के दौरान वकील उपलब्ध कराया था।

### कब क्या हुआ

24 मार्च, 2016 : पाकिस्तान ने कुलभूषण जाधव को गिरफ्तार करने की घोषणा की। हालांकि, पकड़े जाने की खबरें तीन मार्च को ही मिल गई थी।

26 मार्च, 2016: पाकिस्तान के विदेश विभाग ने भारतीय उच्चायुक्त को तलब किया और बयान जारी किया। कथित रूप से जाधव के गैरकानुनी रूप से प्रवेश और विध्वंसकारी गतिविधियों में शामिल होने पर

26 मार्च, 2016: भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा कि जाधव का सरकार से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने समय से पहले ही नौसेना से रिटायरमेंट ले ली थी और अपना व्यापार कर रहे थे।

29 मार्च, 2016: जाधव के इकबालिया बयान का एक वीडियो पाकिस्तान ने जारी किया। इसमें उनको यह कहते हुए देखा जा सकता है कि वह भारतीय नौसेना के अधिकारी हैं और रॉ के लिए काम करते हैं। भारत ने इसकी प्रमाणिकता पर सवाल खड़े किए।करीब छह मिनट के वीडियो में लगभग सौ कट थे।

मार्च 2016 : इस्लामाबाद दौरे पर गए ईरान के

राष्ट्रपति हसन रूहानी ने पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल राहिल शरीफ से भारतीय जासूस की गिरफ्तारी के बारे में भी बातचीत होने से इन्कार किया।

अप्रैल 2016 : पाकिस्तान में जर्मनी के राजदूत रहे डॉ. गुंटर मुलक के अनुसार, जाधव को तालिबान ने पकड़ा और बाद में उसे आइएसआइ के हाथों बेच दिया

अप्रैल 2016 : बलूचिस्तान की सरकार ने जाधव के खिलाफ एफआइआर दर्ज की।इसमें आतंकवाद और विध्वंस के आरोप लगाए गए।

सात दिसंबर, 2016: पाकिस्तानी प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के सलाहकार सरताज अजीज ने सीनेट की एक समिति से कहा कि जाधव पर दिया गया डॉजियर केवल कुछ बयान भर हैं। उस पर पर्याप्त सुबूत तीन मार्च, 2017: पाकिस्तानी सीनेट को संबोधित

करते हुए सरताज अजीज ने कहा कि जाधव को किसी भी हालत में भारत को नहीं सौंपा जाएगा।

चार अप्रैल, 2017 : एक गुप्त सुनवाई में जाधव को मौत की सजा सुनाई गई।

## जासुसी में फंसाए , गए

भारत के पूर्व नौ सैनिक कुलभूषण जाधव को पाकिस्तानी कोर्ट ने जासूसी के आरोप में फांसी की सजा सुनाई है। भारत ने नापाक पड़ोसी के इस फैसले पर कड़ी आपत्ति जताई है। यह पहला मौका नहीं है जब पाकिस्तान भारत से बदला लेने की खीझ में किसी निर्दोष भारतीय को सजा दे रहा है। वह ऐसा दुस्साहस पहले भी कर चुका है।

### किरपाल सिंह



पंजाब के गुरदासपुर से संबंध रखने वाले किरपाल सिंह 1992

में गलती से पाकिस्तान की सीमा में दाखिल हुए। उनपर पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में बम धमाका करने के आरोप में मुकदमा चला । 25 वर्षों तक वह जेल में रहे। लाहौर हाईकोर्ट ने इस मामले में उन्हें बरी कर दिया इसके बावजद पाकिस्तान ने उन्हें आजाद नहीं किया । अज्ञात कारणों से लाहौर जेल में उनकी मौत हो गई।

### सरबजीत सिंह



पंजाब के तरणतारण जिले के सरबजीत पर १९९० में पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में बम धमाकों

में शामिल होने का आरोप लगा । दरअसल वह धमाकों के दौरान गलती से सीमा पार कर पाकिस्तान चले गए थे। वहां उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। लाहौर हाईकोर्ट ने 1991 में उन्हें इस मामले में मौत की सजा सुनाई । भारत उनकी रिहाई के लिए प्रयास करता रहा । 2013 में लाहौर जेल में कैदियों से उनका झगड़ा हुआ। वह बुरी तरह घायल हुए

फरवरी २०१४ को भारतीय मछुआरे किशोर भगवान की पाकिस्तानी जेल में मौत की खबर आई। उनपर बिना किसी दस्तावेज पाकिस्तान के आर्थिक क्षेत्र में घुसने का आरोप लगाया गया । पाकिस्तान की समुद्री सुरक्षा एजेंसी ने उन्हें गिरफ्तार किया। २०१३ में किशोर ने वहां जेल से भागने की भी कोशिश की पर पकडे गए। अज्ञात कारणों के चलते जेल में उनकी मौत हो गई।

### चमेल सिंह



जिलें के

चमेल

पाकिस्तानी सेना ने 2008 में गिरफ्तार किया। उनपर जासूसी करने का आरोप लगा । उनके परिवार के मुताबिक खेतों में काम करने के दौरान उन्होंने गलती से सीमा पार कर ली थी। 2013 में लाहौर की जेल में

पुलिसवालों की पिटाई से उनकी

### न्यूज गैलरी

### मोदी ने ढूंढ–ढूंढ कर मारा

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ढूंढ-ढूंढ कर मारा, ताकि 'शत्रु' चोरी से हमला न कर सके। मारने के बाद फिर गहन रूप से जांचा परखा भी कि कहीं किसी कोने अतरे कोई शत्रु बचा तो नहीं। यह किसी सर्जिकल स्ट्राइक से कम नहीं था।मौका था चंपारण सत्याग्रह के सौ साल पूरे होने पर स्वच्छाग्रह के लिए हुंकार भरने का। राष्ट्रीय अभिलेखागार में सोमवार को आयोजित समारोह में हिस्सा लेने पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दाहिनी हथेली को अत्याधुनिक मशीन से निकलने वाली खास तरह की लाइट से जांचा गया तो उस पर छिपे कीटाणु दिखाई दे गए, जिस पर स्वयं प्रधानमंत्री ने हमला बोल दिया। फिर क्या था, प्रधानमंत्री ने अपनी हथेलियों को लिक्विड सोप से रगड़ रगड़ कर धोया, लेकिन वह यही नहीं रुके। एक बार फिर उसी मशीन के पास पहुंचे और वहां लगी विशेष लाइट में हथेलियों को जांचा । इस बार कोई कीटाण न मिलने पर प्रधानमंत्री आश्वस्त हुए। तभी तो स्वच्छ भारत मिशन में हाथों को बराबर धोते रहने की सलाह दी जाती है। स्कूलों में बच्चों को संपूर्ण स्वच्छता का पाठ पढ़ाया जाता है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस मौके पर महात्मा गांधी की संपूर्ण स्वच्छता का विस्तार से जिक्र किया।

### सरबजीत की तरह दी जा रही है बलि : दलबीर कौर

धर्मवीर सिंह मल्हार, तरनतारन: भारतीय नौसेना के पूर्व अधिकारी कुलभूषण जाधव को जासूसी के जुर्म में पाक की अदालत द्वारा मौत की सजा सुनाए जाने पर सरबजीत सिंह की बहन दलबीर कौर ने पाकिस्तान सरकार और वहां की न्यायपालिका पर जमकर हमला बोला। दलबीर कौर ने कहा कि पाकिस्तान की अदालतें भारतीयों के साथ इंसाफ करने की बजाए आइएसआइ के दबाव में कार्य कर रही हैं। नशे की हालत में सीमा पार करने वाले सरबजीत सिंह को पाकिस्तान की अदालत ने मजीत सिंह करार देकर बम धमाकों में फांसी की सजा सुनाई और फिर उसे साजिश के तहत कोट लखपत जेल में शहीद किया। इसी प्रकार कुलभूषण जाधव को हुसैन करार देकर जासूसी के जुर्म में मौत की सजा सुनाई है। उसे भी सरबजीत की तरह बलि दी जा रही है। दलबीर कौर ने कहा कि पाकिस्तान के नापाक इरादे सरबजीत सिंह को बेकसूर होने के बावजूद फांसी की सजा सुनाए जाते ही सामने आ गए थे, बावजूद इसके भारत सरकार ने ठोस कदम नहीं उठाए। दुनिया के दवाब में उसे फांसी पर नहीं लटकाया बल्कि जेल में हमला कर मौत के घाट उतार दिया। बतातें चलें कि तीन मार्च 2016 को कुलभूषण जाधव को पाकिस्तान ने गिरफ्तार किया था जिसे भारतीय जासूस करार देते हुए फांसी की सजा तो सुना दी गई, लेकिन उसे हुसैन नाम क्यों दिया गया। इस संबंध में अदालत कुछ स्पष्ट नहीं कर पाई। दलबीर कौर ने कहा कि पाक के नापाक इरादों से वाकिफ होकर भारत को चाहिए है कि भारत की जेलों में बंद पाकिस्तानियों को भी इसी तरह मौत की सजा सुनाए ताकि पाक को अपनों के दर्द का पता चल सके।

### शताब्दी वर्ष 🕨 प्रधानमंत्री मोदी ने किया सत्याग्रह से स्वच्छाग्रह का आह्वान

# चंपारण सत्याग्रह से निकला 'पंचामृत'

गांधी की तुलना बाल कृष्ण से की, एक सुंदर्शन चक्रधारी तो दूसरा चरखाधारी था

सुरेंद्र प्रसाद सिंह, नई दिल्ली

महात्मा गांधी के चंपारण सत्याग्रह से 'पंचामृत' की धारा निकली, जिससे देश के जन-जन को अपनी ताकत का अहसास हुआ। चंपारण सत्याग्रह के सौ साल पूरे होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को राष्ट्रीय अभिलेखागार में आयोजित समारोह में उक्त बातें कहीं। सात दशक बाद भी गांधी के गंदगी मुक्त भारत का सपना पूरा न होने पर चिंता जताते हुए सत्याग्रह से स्वच्छाग्रह के लिए लोगों का आह्वान किया।

चंपारण सत्याग्रह के पंचामृत के बारे में मोदी ने कहा कि गांधी ने लोगों को सत्याग्रह की ताकत और जनशक्ति से अवगत कराया। स्वच्छता व शिक्षा के प्रति लोगों को जागृत किया। महिला सशक्तीकरण के साथ लोगों को खुद के हाथों से तैयार वस्त्रों को पहनना सिखाया। प्रधानमंत्री ने मोहनदास करमचंद गांधी की तुलना बाल मोहन कृष्ण से की। एक सुदर्शन चक्रधारी तो दूसरा चरखाधारी था।कृष्ण ने मुंह खोलकर मां यशोदा को ब्रह्मांड दिखाकर उन्हें चिंता मुक्त कर दिया तो महात्मा गांधी ने गुलामी से मुक्ति का रास्ता दिखा दिया। इससे पूर्व राष्ट्रीय अभिलेखागार के महानिदेशक राघवेंद्र सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अंग वस्त्रम पहनाकर उनका स्वागत किया। संस्कृति व पर्यटन मंत्री महेश शर्मा ने



नई दिल्ली में सोमवार को राष्ट्रीय अभिलेखागार में चंपारण सत्याग्रह पर लगाई गई प्रदर्शनी में प्रधानमंत्री मोदी महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए। 🕻 प्रेट्र

स्वागत भाषण दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा गांधी ने सत्याग्रह और स्वच्छाग्रह एक साथ शुरू किया था, जिसमें सत्याग्रह से आजादी तो मिल गई, लेकिन स्वच्छ भारत का उनका सपना पूरा नहीं हो सका। एक सौ साल बाद भी उनका यह सपना अधूरा है। अब हमे मिलकर उसे पूरा करना है। हालांकि स्वच्छ भारत मिशन के जरिये बापू के सपने को परा करने को लोगों ने आंदोलन बना दिया है। तभी तो ढाई साल की अवधि में ही ग्रामीण भारत में जहां सिर्फ 42 फीसद लोग

ही शौचालयों का उपयोग करते थे, वह बढ़कर अब 63 फीसद हो गया है। 130 जिलों और 1.80 लाख गांवों ने खुद को खुले में शौच मुक्त (ओडीएफ) घोषित कर लिया है। राज्यों के बीच ओडीएफ होने की होड़ लगी है। सिक्किम, हिमाचल प्रदेश और केरल ओडीएफ हो चुके हैं. जबिक गुजरात, हरियाणा और उत्तराखंड जल्द ही ओडीएफ होने की ओर हैं। गंगा किनारे के 75 फीसद गांवों को खुले में शौच मुक्त बनाने में सफलता मिल चुकी है। स्कूली पाठ्यक्रमों में स्वच्छता को शामिल किया जा रहा है। मोदी ने कहा कि स्वच्छता के लिए कार्य करना ही महात्मा गांधी को सच्ची कार्यांजलि होगी। गरीबों के कल्याण के लिए गंदगी मुक्त करना ही उपाय है। गंदगी मुक्त होने से ही गरीबों का कल्याण होगा। राष्ट्रीय अभिलेखागार में चंपारण सत्याग्रह पर लगाई गई प्रदर्शनी को भी प्रधानमंत्री ने देखा। इस मौके पर मालिनी अवस्थी ने एक प्रभावी संगीतमय कार्यक्रम पेश किया, जिसे खूब

## कोलभील ने बापू को बना दिया था महात्मा

चंपारण सत्याग्रह से जुड़ी कई कहानियां ऐसी हैं, जिनके साक्ष्य शायद इतिहास के पन्नों में न मिलें, मगर पीढियों से इलाके के लोग इसे सुनाते हैं। कहा जाता है कि चंपारण सत्याग्रह से जुड़ी मर्मस्पर्शी सच्चाइयों को देख बापू महात्मा बन गए। ऐसी ही एक सच्चाई यह थी कि यहां गरीबी इस हद तक थी कि महिलाओं के पास पुरा तन ढकने को भी कपड़े नहीं होते थे। बा ने जब बापू को इस सच्चाई से अवगत कराया तब उन्होंने पूरे कपड़े त्याग करने का संकल्प लिया और तब से खुद से बुनी खादी की धोती और चादर से ही तन ढकते थे।

चंपारण सत्याग्रह के दौरान महात्मा गांधी पहली बार 27 अप्रैल, 1917 को भितिहरवा (पश्चिम चंपारण जिला, बिहार) आए थे। बिहार आए बापू किसानों की पीड़ा जानने के लिए गांव-गांव घूमते थे और उन्हें दस्तावेज की शक्ल देते थे। वे गांवों में जनसभाएं भी करते थे। भितिहरवा आश्रम के सेवक अनिरुद्ध चौरसिया बताते हैं कि बापू जब गांवों में किसानों की समस्या सुनते थे तो हमेशा महसूस करते थे कि पीड़ा बताने वालों में महिलाओं की संख्या बेहद कम होती थी। जनसभाओं में भी ऐसा ही होता था। यह पहेली बापू की समझ से परे थी। एक दिन दोपहर को महात्मा गांधी भितिहरवा आश्रम के ढाई कोस पश्चिम में स्थित गांव कोलभील पहुंचे। यह गांव हड़बोड़ा नदी के किनारे बसा एक छोटा सा कस्बानुमा इलाका था। बाद में यह कस्बा नदी के कटाव में विलीन हो गया। कोलभील

में भ्रमण करने के दौरान बापू की नजर एक महिला पर पड़ी थी, जो काफी मैले-कुचैले कपड़े पहने हुए थी। चौरसिया बताते हैं कि बापू ने उस महिला को देखने के बाद उस वक्त तो कुछ नहीं कहा, पर आश्रम लौटने पर उन्होंने कस्तूरबा से यह बात बताई।

बापू ने बा(कस्तूरबा गांधी) से कहा कि उनकी जनसभाओं में भी जो महिलाएं आती हैं वे काफी गंदे कपड़े पहने होती हैं। जरा पत करो इसकी वजह क्या है। बाप के कहने पर कस्तूरबा कोलभील गईं और वहां उन्होंने एक महिला से गंदे रहने की वजह पूछी।कस्तूरब के इस सवाल पर पहले तो वह महिला चुप रही। फिर उसने कस्तूरबा का हाथ पकड़ा और उन्हें अपने घर के भीतर ले गई। महिला ने अपनी एक लोहे की संदूकची खोल कर कस्तूरबा के सामने कर दी और सवाल किया आप बताएं मैं गंदी न रहूं तो क्या करूं। मेरे पास सिर्फ यही एक धोती है, जिसका आधा हिस्सा धोकर शेष आधा हिस्सा पहने रहती हूं मेरा काम ऐसे ही चलता है।

कस्तूरबा गांधी दुखी मन से कोलभील से भितिहरवा आश्रमलौटीं और उन्होंने बाप के सामने सारा सच रख दिया। बा के मुंह से वाकया सुनने के बाद महात्मा गांधी ने उसी क्षण प्रण किया कि वे अब जीवन में पूरे कपड़े कभी धारण नहीं करेंगे।इसके बाद उन्होंने पूरे कपड़े त्याग कर खादी से बनी एक धोती से अपना शरीर ढक लिया। उसी दिन बाप ने यह प्रण भी लिया कि वे चरखा कातेंगे और अपने कपड़े खुद बुनेंगे तथा औरों को भी इसके लिए

## नहीं चलेगा एकतरफा सवाद



पटना में सोमवार को महात्मा गांधी के चंपारण सत्याग्रह शताब्दी वर्ष पर दो दिवसीय सेमिनार के उदघाटन के दौरान बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और अन्य।

गायकवाड़ ने विमान का टिकट

राज्य ब्यूरो, पटना

चंपारण सत्याग्रह शताब्दी समारोह की शुरुआत के मौके पर सोमवार को पटना में देश के दिग्गज गांधीवादी विचारकों का जुटान हुआ। गांधी मैदान के समीप नवनिर्मित सम्राट अशोक कन्वेंशन सेंटर में हुए इस आयोजन में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा,देश में एकतरफा संवाद नहीं चलेगा। जनता खुद रास्ता चुनेगी। घर में बैठकर केवल चिंता करने से काम नहीं चलने वाला है। जरूरत इसकी है कि आप अपनी तरफ से चर्चा छेड़ें। मुख्यमंत्री ने गांधीवादी विचारकों से आग्रह किया कि वे विमर्श कर यह बताएं कि

रद कर ट्रेन से की यात्रा

देश का एजेंडा क्या होगा? पर्यावरण पर भी बातें होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि चंपारण सत्याग्रह शताब्दी वर्ष में उनकी सरकार बापू के विचारों के साथ हर घर पर दस्तक देगी। स्कूलों में सुबह की प्रार्थना के बाद गांधी से जुड़ी एक कहानी सुनाई जाएगी। टोलों व गांवों में गांधी जी के विचारों पर आधारित फिल्में दिखाई जाएंगी। अगर 10 फीसद युवाओं ने भी गांधी जी के विचारों को आत्मसात कर लिया तो 10 से 15 वर्षों के भीतर समाज में बड़ा बदलाव आएगा। सरकार ने दहेज प्रथा और बाल विवाह जैसी कुरीतियों के खिलाफ सशक्त अभियान चलाने का भी मन बना लिया है।

## संविधान के खिलाफ है तीन तलाक

माला दााक्षत, नइ ।दल्ला

केंद्र सरकार ने एक बार फिर मुस्लिम महिलाओ के हक की तरफदारी करते हुए सुप्रीम कोर्ट में कहा है कि मुसलमानों में प्रचलित तीन तलाक, बहुविवाह और हलाला से मुस्लिम महिलाओं को संविधान में मिले बराबरी के हक का हनन होता है। बराबरी के हक और महिलाओं की गरिमा से किसी भी तरह का समझौता नहीं हो सकता। सरकार ने यह भी कहा है कि ये प्रथाएं मस्लिम धर्म का अभिन्न अंग नहीं हैं। धार्मिक आजादी का अधिकार संविधान में मिले बराबरी और सम्मान से जीवन जीने के अधिकार के अधीन है। सरकार ने यह बातें तीन तलाक मामले में शीर्ष न्यायालय में दाखिल अपनी लिखित दलील में कही है।

सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ 11 मई से तीन तलाक मामले पर सुनवाई करेगी। कोर्ट ने सभी पक्षों को दो सप्ताह में लिखित दलील दाखिल करने की छूट दी थी। अपनी दलील में सरकार ने कहा है कि मुस्लिम महिलाएं जो



केंद्र सरकार की सुप्रीम कोर्ट में लिखित दलील, बराबरी के अधिकार के अधीन है धार्मिक आजादी का अधिकार

भारत की जनसंख्या का आठ फीसद हिस्सा हैं (लगभग 96.68 मिलियन), सामाजिक और आर्थिक रूप से बहुत ही असुरक्षित हैं। भले ही तीन तलाक या बहविवाह से सीधे तौर पर कम महिलाएं प्रभावित होती हों, लेकिन यह भी सच है कि इस कानून की जद में आने वाली हर महिला हर समय इसके भय में जीती है, जिसका उसके स्तर, उसकी पसंद, उसके व्यवहार और गरिमा के साथ जीवन जीने के अधिकार पर असर पड़ता है। सरकार का कहना है कि भले ही इन प्रचलनों से समाज के एक छोटे से वर्ग सभी नागरिकों को अपने विश्वास और आस्था को मानने की आजादी दी गई है। लेकिन प्रत्येक प्रथा को इस आस्था और विश्वास का अभिन्न हिस्सा नहीं कहा जा सकता। धार्मिक प्रथा हर हाल में संविधान में दिए गए लैंगिक समानता, लैंगिक न्याय और गरिमा से जीवन जीने के संवैधानिक उद्देश्य को संतुष्ट करने वाली होनी चाहिए। तीन तलाक, बहु विवाह, हलाला को धर्म का जरूरी हिस्सा नहीं कहा जा सकता। इसलिए इन्हें अनुच्छेद 25 (धार्मिक आजादी) के तहत स्वतः

सरकार ने तीन तलाक, हलाला और बहुविवाह प्रथा का विरोध करते हुए कहा है कि संविधान में

हवाला देते हुए कहा कि बोर्ड ने स्वयं उसमें इन्हें अनचाही प्रथाएं कहा है। किसी भी अनचाहे प्रचलन को ऊपर उठा कर अनिवार्य प्रचलन नहीं किया जा सकता। सरकार ने मुस्लिम

बोर्ड ने अनचाही प्रथा कहा : सरकार ने मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के हलफनामे का महिलाओं की देश के अन्य धर्मों और वर्गों की महिलाओं के साथ तुलना के अलावा

के मौलिक अधिकारों का हनन होता हो, लेकिन

इससे कोर्ट को न्यायिक समीक्षा की शक्ति का

इस्तेमाल करने से रोका नहीं जा सकता।

अनुच्छेद 25 के तहत संरक्षण नहीं

अंतरराष्ट्रीय समझौतों से भी तुलना की है। कहा है कि तीन तलाक, हलाला और बहुविवाह प्रथा को अनुच्छेद 25 का संरक्षण नहीं दिया जा सकता। अनुच्छेद 25 (धार्मिक आजादी) का अधिकार संविधान में दिए गए मौलिक अधिकारों विशेषकर बराबरी और सम्मान के साथ जीवन जीने के अधिकार के अधीन है। पर्सनल ला को अनुच्छेद 13 के तहत कानून माना जाएगा। सरकार ने कहा है कि ये प्रचलन भारत के अंतरराष्ट्रीय संधियों के दायित्वों के अनुरूप नहीं हैं।

गाजियाबाद में पति को

हसीन शाह, गाजियाबाद: देश भर में तीन

तलाक को लेकर छिड़ी बहस के बीच

मुरादनगर की एक महिला ने थाने में पुलिस

के समक्ष ही पित को तीन बार तलाक कह

दिया। पति ने शरीयत का हवाला देते हुए इस

तलाक को अस्वीकार कर दिया और पत्नी को

थाने में दिया तलाक

## 3.5 करोड़ महिलाएं तीन तलाक के पक्ष में

मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड की महिला शाखा ने एक बार फिर दोहराया है कि तीन तलाक मामले में किसी का भी हस्तक्षेप मंजूर नहीं होगा, फिर चाहे वह सरकार ही क्यों न हो। राजस्थान की राजधानी जयपुर में हुए बोर्ड के दो दिवसीय सेमिनार में देशभर से आई करीब 20 हजार मुस्लिम महिलाओं ने तीन तलाक के समर्थन में आवाज उठाई।

इस सम्मेलन में महिलाओं ने तलाक को

शाखा की प्रमुख ऑर्गेनाइजर डॉ.अस्मा जहरा ने पत्रकारों से कहा कि तीन तलाक पर किसी का भी अंगुली उठाना गलत है। शरीयत में शौहर के साथ बीवी को भी बराबर का हक दिया गया है। उन्होंने कहा कि जब शौहर और बीवी का एक साथ रहना मुश्किल हो जाए तो उन्हें अलग होने का हक है। सेमिनार में तय किया गया कि राज्य का पहला शरिया कोर्ट जयपुर में स्थापित होगा।

लखनऊ की निकहत खान, दिल्ली की मसहूदा मजिद, मुरादाबाद की यास्मीन और कानपुर की जाहिदा ने दावा किया कि देशभर में अन्य धर्मों के मुकाबले मुस्लिम समाज में तलाक के मामले कम हैं। सेमिनार में मेहर की रकम बढ़ाने पर जोर दिया गया।

रायशुमारी का बन रहा मसौदाः रीता

इलाहाबाद : महिला कल्याण एवं पर्यटन मंत्री डॉ. रीता जोशी ने कहा कि तीन तलाक पर मुस्लिम महिलाओं की रायशुमारी के लिए महिला कल्याण विभाग मसौदा तैयार कर रहा है। लोगों की राय सुप्रीम कोर्ट में पेश की जाएगी। उन्होंने कहा,मुस्लिम महिलाओं को शरीयत के अनुसार हक मिलना चाहिए। महिलाओं की दलील जायज है कि जब पाक समेत 22 देशों में तीन तलाक मान्य नहीं है तो भारत में ही क्यों ?।

### धर्मगुरुओं से सलाह लेने की नसीहत दी। पत्नी ने थाने में शिकायत कर इस तलाक को मान्यता देने की गुहार लगाई है।

में तीन तलाक नहीं है। यह सिर्फ कुछ मुस्लिम मसलकों का मामला है। इसलिए शिया संगठनों को तीन तलाक पर बयानबाजी नहीं करनी चाहिए।सोमवार को चौक के इमामबाड़ा गुफरानमआब में मजलिस-ए-उलमा-ए-हिंद की कार्यकारिणी की बैठक में तीन तलाक का मामला उठा। बैठक में उत्तर प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, तमिलनाडु व कश्मीर सहित कई प्रदेशों से आए उलमा ने तीन तलाक पर बयानबाजी से बचने की सलाह दी। कहा कि भले ही तीन तलाक शियों में नहीं हैं, लेकिन शरियत में बदलाव नहीं किया जा सका। इस मामले में हम सुन्नी मुसलमानों के साथ हैं।

उलमा ने शिया समुदाय की सामाजिक, आर्थिक व राजनीतिक समस्याओं पर विस्तार से चर्चा कर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से उनके अधिकार सुनिश्चित कराने की मांग की। उलमा ने समुदाय के

सरकार से सच्चर कमेटी की तर्ज पर एक जांच कमेटी गठित करने की अपील की। मजलिस के अध्यक्ष मौलाना हुसैन मेंहदी हुसैनी ने कहा कि शिया समुदाय के हालात बहुत खराब हैं।

कहा, शिया समुदाय अल्पसंख्यक में भी अल्पसंख्यक है। सरकारी योजनाओं का लाभ समुदाय के लोगों तक नहीं पहुंच रहा है। इसलिए शिया समुदाय को योजनाओं में हिस्सेदारी दी जाए।

### पहले की यात्रा के मुंबई, आइएएनएस/प्रेट्ट : प्रतिबंध हटने के बावजूत कुरआन और शरीयत के अनुसार बताया गया दौरान एयरलाइन सरकार के दबाव में हटा प्रतिबंध! और कहा कि इसके हक में देशभर से मुस्लिम शिवसेना सांसद रविंद्र गायकवाड़ ने विमान का टिकट नई दिल्ली में एयर इंडिया के सूत्रों के मुताबिक, कर्मचारी रद करा दिया और ट्रेन से दिल्ली की यात्रा की। करीब महिलाओं से साढ़े तीन करोड़ फार्म मिले हैं। सेमीनार(संगोष्ठी) के समापन के बाद महिला दो सप्ताह पहले एयर इंडिया समेत प्रमुख एयरलाइंस ने सरकार के दबाव में गायकवाड़ से प्रतिबंध हटाना से किया था उनकी विमान यात्रा पर प्रतिबंध लगा दिया था।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि गायकवाड़ ने एयर इंडिया की पुणे-दिल्ली एआइ-852 उड़ान के लिए सोमवार का टिकट लिया था। लेकिन उन्होंने टिकट रद करा दिया और इसका कोई कारण नहीं बताया। इसके बाद उन्होंने रविवार को मुंबई से दिल्ली के लिए राजधानी एक्सप्रेस पकड़ी। उस्मानाबाद के सांसद को विमान के बिजनेस क्लास से यात्रा करनी थी। संयोग है कि 23 मार्च को इसी उड़ान एआइ-852 में बिजनेस क्लास नहीं मिलने पर गायकवाड़ आपा खो बैठे थे। उन्होंने एयरलाइन कर्मचारियों से दुर्व्यवहार किया और एक वरिष्ठ अधिकारी को सैंडल से पीटा था। इसके बाद सांसद के खिलाफ एफआइआर दर्ज की गई और सभी भारतीय एयरलाइंस ने उनकी विमान यात्रा पर प्रतिबंध लगा दिया। शिवसेना ने

प्रतिबंध को लेकर संसद में हंगामा किया। पिछले सप्ताह

पड़ा। गायकवाड़ के खिलाफ एफआइआर दर्ज करने और प्रतिबंध लगाने का फैसला एयरलाइन का था। इसके लिए सरकार से चर्चा नहीं की गई थी। एयर इंडिया के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि सांसद द्वारा एयरलाइन या हमारे कर्मचारियों से माफी नहीं मांगने के बावजूद प्रतिबंध हटाना पड़ा। इसके लिए सरकार का आदेश था। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने अपने पत्र ऐसा करने की सलाह दी थी। अधिकारी ने यह भी कहा कि एयर इंडिया एयर इंडिया गायकवाड़ के खिलाफ दर्ज एफआइआर वापस नहीं लेगी। अगर जरूरत हुआ तो वह इसके लिए कोर्ट जाने को भी तैयार है।

नागरिक उड्डन मंत्री पी. गजपित राजू से गायकवाड़ के माफी मांगने पर यह प्रतिबंध हटा लिया गया।

बुनियादी समस्याओं को हल कराने के लिए

महासचिव मौलाना कल्बे जवाद ने

### कोट कालोनी निवासी नूरजहां की शादी 15 वर्ष पूर्व मेरठ में मुज्जेक्कीपुर गांव निवासी आशु के साथ हुई थी। शादी से पूर्व ही नूरजहां के माता-पिता की मृत्यु हो गई थी। आशु कारपेंटर है। अब उनके दो बच्चे हैं। शादी के बाद से ही आशु ने नूरजहां को प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। आरोप है कि वह प्रतिदिन शराब पीकर पत्नी से मारपीट करता और उसे

खर्चे के लिए पैसे भी नहीं देता था। पीड़िता घर में ही कपड़ों की सिलाई कर घर का खर्च चला रही है। एक वर्ष पूर्व पित ने उस पर चाकू से वार कर दिया था, जिसके बाद उसने परतापुर थाने में पति के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया। सात माह पूर्व आरोपी आशु पत्नी और दोनों बच्चों को मुरादनगर ले आया और ईदगाह कालोनी में किराये के मकान में रहने लगा। शनिवार को नूरजहां किसी रिश्तेदार की शादी में गई थी। रात 11 बजे घर लौटी तो पति ने मकान की कुंडी खोलने से इन्कार कर दिया।

विवाद से किनारा

टिकट उसी उड़ान

से था जिसमें

दुर्व्यवहार

शियाटस में वंदेमात्रम की मांग पर छात्र निलंबित

इलाहाबाद : सैम हिंगइन बॉटम यनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर टेक्नोलॉजी एंड साइंसेज (शियाट्स)में 'जन गण मन' या वंदेमात्रम की मांग पर शोधछात्र अभय गोस्वामी को निलंबित कर दिया गया। छात्र ने गत सप्ताह परिसर में राष्ट्रगीत और राष्ट्रगान में किसी एक को अनिवार्य कराने की मांग थी।

## दैनिक जागरण

न्यूज गैलरी

### विमान यात्रा के लिए आधार अनिवार्य करने पर विचार

नई दिल्ली: सरकार घरेलू विमान यात्र टिकटों के लिए आधार या पासपोर्ट को अनिवार्य करने पर विचार कर रही है। दुर्व्यवहार के चलते विमान यात्रा से रोके गए लोगों का पता लगाने में यह उपयोगी साबित होगा।नागरिक उड्डयन सचिव आरएन चौबे ने बताया कि विमानन रेगुलेटर डीजीसीए इस सप्ताह नागरिक उड्डयन अनिवार्यता (सीएआर) परकाम शुरू करेगा। मंत्रालय ने डीजीसीए को इस मामले में सभी हितधारकों से चर्चा कर सीएआर का मसौदा तैयार करने को कहा है। नागरिक उडडयन राज्य मंत्री जयंत सिन्हा ने शनिवा को ट्वीट कर बेलगाम यात्रियों को गंभीर परिणाम की चेतावनी दी थी। इसमें पुलिस कार्रवाई और उड़ान से वंचित किए जाने वालों की सूची में डालना शामिल है। एयर इंडिया ने शिवसेना सांसद रविंद्र गायकवाड़ द्वारा अपने कर्मचारी को सैंडल से पीटे जाने वाले दिन ऐसी सूची का प्रस्ताव किया था। इसके दूसरे दिन जेट एयखेज, स्पाइसजेट, इंडिगो और गोएयर के फेडरेशन ऑफ इंडियन एयरलाइंस ने भी ऐसे यात्रियों की सूची लागू करने का प्रस्ताव खा था।

### नशा तस्करी में कांग्रेस नेता को ढाई साल की कैद

मोगा: नशा तस्करी के एक मामले में नामजद पंजाब प्रदेश कांग्रेस समिति के प्लानिंग व को-ऑर्डिनेशन सेल के जिला चेयरमैन सतपाल सत्ता ढुडीके को अतिरिक्त सेशन जज लखविंदर कौर दुग्गल की अदालत ने सोमवार को ढाई वर्ष कैद व 20 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई। अदालत के आदेश के अनुसार जुर्माना न देने की सूरत में आरोपी को छह माह की अतिरिक्त कैद की सजा भगतनी होगी। कांग्रेस नेता सतपाल सत्ता को अदालत ने बीते शुक्रवार को अफीम तस्करी के मामले में दोषी करार दिया था। अजीतवाल पुलिस ने 3 मार्च 2013 में सत्ता के स्कूटर से 500 ग्राम अफीम बरामद की थी। सत्ता के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत 3 मार्च 2013 को अजीतवाल थाने में एफआइआर दर्ज की गई दी। सतपाल इस मामले में जमानत पर था।

### राखी सावंत की गिरफ्तारी के लिए दोबारा वारंट जारी लुधियाना: भगवान श्री वाल्मीकि जी के

बारे में अभद्र टिप्पणी के विवाद में फंसी अभिनेत्री राखी सावंत को फिलहाल कोर्ट से कोई राहत नहीं मिली है। गिरफ्तारी से बचने के लिए अभिनेत्री राखी सावंत के वकीलों द्वारा जिला एवं सेशन जज की कोर्ट में दाखिल की गई अग्रिम जमानत याचिका को अतिरिक्त सत्र न्यायधीश दिनेश कुमार ने खारिज कर दिया। इसके साथ ही उन्होंने राखी सावंत गिरफ्तारी के लिए दोबारा वारंट जारी करने के आदेश दिए। मामले की अगली सुनवाई 11 मई को होगी। इससे पहले राखी सावंत के वकीलों ने कोर्ट से अंतरिम जमानत मंजुर करने का आग्रह किया। उन्होंने कोर्ट से कहा कि राखी सावंत ने किसी की भावनाओं को ठेस नहीं पहुंचाई है। इसी दौरान शिकायतकर्ता वकील नरिंदर आद्या को जब जमानत याचिका की भनक मिली तो वो भी साथी वकीलों के साथ कोर्ट में पहुंच गए। उन्होंने राखी की अग्रिम

### हरियाणा रोडवेज की चार हजार बसों के पहिये थमे

जमानत याचिका का विरोध करते हुए कहा

कि राखी सावंत ने जानबुझ कर एक विशेष

समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंचाई है।

चंडीगढ: हरियाणा में निजी बसों को परिमट दिए जाने के खिलाफ सोमवार को रोडवेज कर्मचारियों ने अनिश्चितकाल के लिए बसों का चक्का जाम कर दिया। दोपहर बाद चंडीगढ़ में सरकार से वार्ता विफल होने की सूचना मिलते ही रोडवेज कर्मचारी चार हजार बसों को वर्कशॉप और बस अड्डों में खड़ी कर सड़कों पर उतर आए। अचानक हुई हड़ताल से जहां यात्रियों के पसीने छूट गए, वहीं निजी वाहन चालकों ने मौके का फायदा उठा जमकर चांदी कटी। बता दें कि हरियाणा रोडवेज की बसें पंजाब, चंडीगढ, जम्म-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, उत्तरप्रदेश, दिल्ली, राजस्थान और मध्यप्रदेश में भी जाती हैं।ऐसे में बसों के नहीं चलने से दूसरे राज्यों में जाने वाले यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पडा।

## राजकीय सम्मान के साथ शहीदों को अंतिम विदाई

जागरण न्यूज नेटवर्क, रांची

जम्मू कश्मीर के लद्दाख स्थित बटालिक क्षेत्र में हिमस्खलन में दबकर शहीद हुए झारखंड के तीन सपूतों के शव सोमवार को रांची पहुंचे। एयरपोर्ट से लांस नायक बिहारी मरांडी का शव पाकुड़ के हिरणपुर ले जाया गया। वहीं इटकी थाना क्षेत्र के सेमरा निवासी जवान प्रभु सहाय तिर्की व मांडर थाना क्षेत्र के विसहा खटंगा निवासी जवान कुलदीप लकड़ा का पार्थिक शरीर सोमवार शाम लगभग तीन बजे दोनों के गांव पहुंचा।

रांची एयरपोर्ट पर शव पहुंचने की सूचना के बाद ही शहीदों के घरों में भीड़ जुटने लगी थी। पार्थिव शरीर पहुंचते ही पूरा गांव भारत माता की जय के नारों से गूंज उठा। राजकीय सम्मान के साथ तीनों का उनके गांवों में अंतिम संस्कार हुआ। इस दौरान परिजनों समेत सैकड़ों आंखें नम दिखीं। सेना के लांस नायक बिहारी मरांडी का अंतिम संस्कार उनके पैतृक गांव हिरणपुर के रामनाथपुर में परंपरागत सनातन रीति रिवाज से किया गया। यहां मौजूद हजारों लोगों की आंखें नम थीं। अंतिम दर्शन को भीड़ उमड़ पड़ी। इस दौरान शहीद बिहारी अमर रहे के जयघोष से गांव गुंजता रहा। बडे भाई प्रधान मरांडी ने मुखाग्नि दी। बिहारी 21 बिहार रेजीमेंट के जवान थे। इससे पूर्व शहीद लांस नायक बिहारी मरांडी का पार्थिव शरीर दोपहर बाद करीब 3:30 बजे

### श्रद्धांजलि

रांची में प्रभु सहाय तिर्की और कुलदीप लकड़ा को दी गई मिट्टी

पाकुड़ में लांस नायक बिहारी मरांडी का हुआ अंतिम संस्कार

जम्मू कश्मीर में हिमस्खलन में दबकर हुए

सेना के हेलीकॉप्टर से समाहरणालय के समीप हैलीपैड पर पहुंचा। यहां नायक सबेदार विनोद कुमार के नेतृत्व में जवानों ने शहीद को सलामी दी। यहां से सिख रेजिमेंट के विनोद कुमार, एसएस सिंह समेत 15 जवान तिरंगे में लिपटे शहीद को लेकर करीब चार बजे रामनाथपुर

उधर जवान प्रभु सहाय तिर्की को श्रद्धांजलि देने के लिए आसपास के ग्रामीण बड़ी संख्या में पहुंचे थे। तिरंगे में लिपटा पार्थिव शरीर घर पहुंचते ही कोहराम मच गया। पांच दिनों से धैर्य रख रही मां विराजमणि का धैर्य टूट गया। उनके चीत्कार से माहौल और गमगीन हो गया, वहां 'मौजूद हर किसी के आंख से आंसू बह पड़े। पत्नी सचिता तिर्की भी दहाड मारकर रोने लगीं व रोते-रोते बेहोश हो गईं। दोनों पुत्र (अक्षय व अनीश ) भी रो रहे थे। अंतिम यात्रा शाम चार बजे



जम्मू कश्मीर के बटालिक सेक्टर में हिमस्खलन में शहीद हुए लांस नायक बिहारी मरांडी के पार्थिव शरीर के उनके गांव पाकुड़ जिले के रामनाथपुर पहुंचने पर परिजनों की चीत्कार से पूरा माहौल गमगीन हो गया।

रवाना हुई। अंतिम मिट्टी स्थानीय कब्रिस्तान में ईसाई रीति-रिवाज से दी गई।

इस बीच कुलदीप लकड़ा का पार्थिव शरीर जैसे ही गांव पहुंचा, वहां मौजूद लोग अपने आंसू नहीं रोक पाए। मां व बहनें बेसुध हो गईं। गांव वाले भी अपने लाल को आखिरी बार निहार रहे थे। अंतिम यात्रा में लोगों को हुजूम उमड़ पड़ा। कब्रिस्तान में पार्थिव शरीर को मिट्टी दी गई। सेना के जवानों ने गोलियां चलाकर व शोक धुन बजाकर अपने साथी को विदाई दी।

## गाजियाबाद में क्लिक के नाम पर एक हजार करोड़ की टगी

जागरण संवाददाता, गाजियाबाद

वेबसाइट बनाकर सोशल ट्रेड कंपनी ने बीस हजार लोगों से करीब एक हजार करोड़ की ठगी की। कंपनी के डायरेक्टर व अन्य स्टाफ ऑफिस बंद कर फरार हैं। कंपनी द्वारा क्लिक के जरिये भुगतान का झांसा देकर शिकार बनाए गए निवेशकों ने सोमवार को एसएसपी को शिकायत दी। पीड़ितों का कहना है कि पुलिस कार्रवाई नहीं कर रही है। अब डीआइजी से भी शिकायत करेंगे।

एसएसपी ऑफिस पहुंचे निवेशकों के अनुसार चिरंजीव विहार के रहने वाले कुछ लोगों ने 17 दिसबंर 2016 को साहिबाबाद के पैसेफिक बिजनेस पार्क में पे-वे आइटी सोल्युशन प्राइवेट लिमिटेड नाम से कंपनी खोली थी। कंपनी ने क्लिक देने के लिए वेब पेज लाइक डॉटकॉम के नाम से साइट बनाई थी। 5750 रुपये, 11500 रुपये, 57500 रुपये और 1,15000 रुपये में मेंबर बनाए जाते थे। 5750 रुपये में प्रतिदिन 10 लाइक और प्रत्येक लाइक छह रुपये. 11500 रुपये में प्रतिदिन 20 लाइक और प्रति लाइक छह रुपये, 57500 रुपये में प्रतिदिन 100 लाइक और प्रति लाइक

आठ रुपये व 1,15000 रुपये में प्रतिदिन 250 लाइक और प्रति लाइक आठ रुपये दिए जाने का वादा किया गया था। अधिकतर निवेशको ने 1,15000 वाली स्कीम ली थी। इस स्कीम में प्रतिदिन दो हजार रुपये देने का वादा किया गया था। दो दिन में 1,15000 रुपये के दो सदस्य जोड़ने पर चार हजार रुपये प्रतिदिन और एलईडी दिए जाने की योजना थी। पीडितों के मुताबिक कंपनी की इस योजना से 20 हजा से अधिक लोग जुड़ गए थे। जनवरी तक सभी निवेशकों के खातों में पैसा भी जमा होता रहा लेकिन उसके बाद से खातों में पैसा आना बंद हो गया। निवेशकों की शिकायत के बाद फरवरी में कुछ दिन खातों में पैसा आया, इसके बाद बंद कर दिया गया। निवेशकों ने कंपनी जाकर विरोध जताया तो कंपनी निदेशकों ने कहा कि एनसीआर में सोशल ट्रेड का काम बंद कर दिया गया है। कंपनी ने हैदराबाद में आयुर्वेदा के नाम से साइट बनाई है और सारे अकाउंट उस पर ट्रांसफर किए जा रहे हैं। आयुर्वेदा साइट भी कुछ दिन चली और मार्च में यह भी बंद हो गई लेकिन इस साइट से भी खातों में पैसा नहीं आया। आरोप है कि कंपनी के निदेशक व अन्य कर्मचारी मार्च में ही ऑफिस बंद कर फरार हो गए।

### कामयाबी 🕨 एलओसी सटे क्षेत्र में सेना ने घुसपैट का प्रयास किया नाकाम

# जम्मू कश्मीर के केरन सेक्टर में चार आतंकी ढेर

बड़ी मात्रा में हथियार, गोला बारूद व अन्य सामान बरामद

राज्य ब्यूरो, श्रीनगर

सेना ने उत्तरी कश्मीर में एलओसी (नियंत्रण रेखा) से सटे केरन सेक्टर में घुसपैठ का प्रयास नाकाम बना लश्कर-ए-तैयबा के चार आतंकियों को मार गिराया। मारे गए आतंकियों के पास से बड़ी मात्रा में हथियार और गोला बारूद के अलावा जीपीएस, रेडियो सेट व कुछ

जानकारी के अनुसार कुपवाड़ा के केरन सेक्टर में रविवार देर रात स्वचालित हथियारों से लैस आतंकी भारतीय सीमा में दाखिल हो रहे थे। वहां गश्त कर रहे सैन्यकर्मियों के एक दल ने उन्हें देख लिया। जवानों ने उसी समय निकटवर्ती सुरक्षा चौकियों को सूचित करते हुए पोजीशन ले ली। जैसे ही आतंकी पूरी

नई दिल्ली, प्रेट्र : कांग्रेस के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

राहुल गांधी का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

की कश्मीर पालिसी पूरी तरह से फेल साबित हुई

है। इसके साथ ही भाजपा व पीडीपी गठबंधन भी

सवालों के घेरे में आ गया है। जम्म-कश्मीर की

ट्विट के जरिए राहुल गांधी ने कहा कि

दशकों तक लगातार मेहनत के बाद जम्मू-

कश्मीर के लोगों में लोकतंत्र के प्रति विश्वास

बहाल किया गया था लेकिन भाजपा व पीडीपी

जनता ने इसे पूरी तरह से नकार दिया है।

आत्मसमर्पण करने के लिए कहा। आतंकियों ने जवानों पर फायर करते हुए वापस गुलाम कश्मीर की तरफ भागना शुरू कर दिया। जवानों ने जवाबी फायर किया।

दोनों तरफ से करीब तीन घंटे तक गोलियां चलीं। सोमवार सुबह सूर्योदय के बाद जब जवानों ने मुठभेड़स्थल की तलाशी ली तो उन्हें वहां गोलियां से छलनी चार आतंकियों के

जवानों ने चारों शव व उनसे मिले हथियार और अन्य सामान को कब्जे में ले लिया। रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता कर्नल राजेश कालिया ने कहा कि मारे गए आतंकियों की पहचान की जा रही है। वे पाकिस्तान मूल के लश्कर आतंकी हैं। मुठभेड़स्थल पर खून के कुछ धब्बे भी मिले हैं जो गुलाम कश्मीर की तरफ जाते हैं। इसलिए कहा जा सकता है कि मारे गए आतंकियों के एक या दो साथी जख्मी है और वे सरहद पार भागने में कामयाब रहे हैं। पूरे इलाके में जवानों ने सघन

ने किया टिवट.

दशकों में बनाया

साल में हुआ खत्म

विश्वास तीन

अनंतनाग चुनाव रद होने पर महबूबा इस्तीफा दें : उमर

राज्य ब्यूरो, जम्मू : अनंतनाग संसदीय सीट के लिए उपचुनाव रद करने की पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की पेशकश पर पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि अगर ऐसा होता है तो महबूबा मुफ्ती इस्तीफा दें और राज्यपाल कामकाज संभाल लें। भाजपा-पीडीपी ने कश्मीर को तोहमत लगा दी है। चुनाव टालने के तसद्दक मुफ्ती के बयान पर उमर ने कहा कि इससे पता चलता है कि उनकी बहन महबूबा मुफ्ती के नेतृत्व वाली सरकार पूरी तरह नाकाम हो गई है। भाजपा को यह क्यों नहीं दिख रहा है। कश्मीर के हालात लोकतांत्रिक प्रक्रिया के लिए किसी भी तरह से सही नहीं हैं। सुलग रहे कश्मीर में आपका स्वागत है। सरकार को घेरते हुए उमर ने सोमवार को सोशल साइट ट्विटर पर लिखा कि केंद्र सरकार को कुछ लेना-देना नहीं है। राज्य सरकार कुछ भी करने में लाचार है

## मोदी की कश्मीर पालिसी फेल: राहुल

मुफ्ती को तत्काल त्यागपत्र दे देना चाहिए। उनका कहना है कि लोकसभा उप चुनाव को पारदर्शी तरीके से कराने के लिटमस टेस्ट में राज्य सरकार फ्लाप साबित हुई है। उनका कहना है कि सात फीसदी मतदान दर्शा रहा है कि लोगों ने गठबंधन सरकार को पूरी तरह से नकार दिया है। कांग्रेस की सांसद सुष्मिता देव ने संसद के बाहर कुछ खत्म कर दिया। लोकसभा उपचुनाव में महज सात फीसदी मतदान होना इसी बात को पत्रकारों से कहा कि लोगों ने सरकार के खिलाफ दर्शा रहा है। मतदान के दौरान आठ लोगों की अविश्वास प्रस्ताव दिया है। उनका कहना था कि हत्या भी राज्य की दयनीय स्थिति को दर्शा रही है। अगर पीएम मोदी की कोई कश्मीर पालिसी है तो की गठबंधन सरकार ने महज तीन वर्षों में सब 👚 कांग्रेस उपाध्यक्ष ने कहा कि मुख्यमंत्री महबुबा 📉 वह बुरी तरह से फेल साबित हुई है

## केंद्र ने कहा, आखिरी विकल्प के तौर पर इस्तेमाल होती है पैलेट गन

केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से कहा है कि कश्मीर में प्रदर्शनकारियों से निपटने में पैलेट गन का इस्तेमाल अंतिम विकल्प के तौर पर किया जाता है। किसी को मारना सुरक्षा बलों का उद्देश्य नहीं होता। सरकार पैलेट गन के अलावा दूसरे विकल्पों पर भी विचार कर रही है।

जम्मू एवं कश्मीर हाई कोर्ट बार एसोसिएशन ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर पैलेट गन पर रोक लगाने की मांग की है। मुख्य न्यायाधीश जेएस खेहर की अध्यक्षता वाली पीठ इस याचिका पर सुनवाई कर रही है।

सोमवार को सुनवाई के दौरान अटार्नी जनरल मुकुल रोहतगी ने कहा कि सुरक्षा बल कम से कम बल का प्रयोग करते हैं ताकि जन धन की हानि न हो। जब प्रदर्शनकारी उनके बिल्कल करीब आ जाते हैं तब वे आखिरी विकल्प के रूप में पैलेट गन का प्रयोग करते हैं। उन्होंने कहा कि रविवार को कश्मीर में उपचुनाव के दौरान बड़े पैमाने पर हिंसा हुई। यह कोई आम प्रदर्शनकारी नहीं हैं जिन पर आसानी से काबू पाया जा सके। उन्होंने बताया कि प्रदर्शनकारियों से निपटने के लिए नया स्टैर्न्डड आपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) बनाया गया है। नए एसओपी में पैलेट गन से पहले रबर की गोलियां प्रयोग की जाती हैं। इन दलीलों पर कोर्ट ने याची बार एसोसिएशन से केंद्र सरकार द्वारा उठाए गए मुद्दों पर विचार करते हुए कोई विकल्प बताने को कहा। वह कौन सी परिस्थितियां हो सकती हैं जिसमें पैलेट गन का

### तरीके पर सवाल

किसी की जान लेना सुरक्षा बलों का उद्देश्य नहीं

सरकार दूसरे विकल्पों पर भी कर रही विचार

इस्तेमाल किया जा सकता है।

बार का कहना था कि सरकार कोई स्पष्ट रुख लेकर नहीं आई है। पीठ ने बार से कहा कि वह इस मामले में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकती है। यह बहुत महत्वपूर्ण मामला है इसमें बार को किसी एक पक्ष की ओर नहीं होना चाहिए। कोर्ट ने बार से दो हफ्ते में जवाब मांगते हुए सुनवाई के लिए 28 अप्रैल की तारीख तय कर दी।

कोर्ट ने पैलेट गन से जख्मी लोगों की रिपोर्ट देखने के बाद याची से सवाल किया कि प्रदर्शनकारियों में 9, 11, 13, 15 ,17 साल के बच्चे और नौजवान क्यों शामिल हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, जख्मी लोगों में 40, 50, 60 साल के लोग नहीं हैं। खास कर 95 फीसद जख्मी छात्र हैं। बड़ी उम्र 28 वर्ष की है। पीठ ने कहा कि कश्मीर की हालत चिंताजनक है और कोर्ट एक गंभीर मुद्दे पर सुनवाई कर रही है। इस पर बार ने कहा कि जख्मी बच्चे और नौजवान प्रदर्शनकारी नहीं हैं, बल्कि ऐसे लोग दर्शक होते हैं। सुरक्षा बल छतों और दूसरी जगहों से देखने वालों पर भी फायरिंग करते हैं और पेलेट गन चलाते हैं। जिससे ये लोग चपेट में आ जाते हैं।

### श्रीनगर उपचुनाव के बाद भी वादी में हिंसक झड़पें

**राज्य ब्यूरो, श्रीनगर**ः श्रीनगर संसदीय सीट के उपचुनाव के दौरान रविवार को हुई हिंसा का असर सोमवार को भी नजर आया। पूरी वादी में बंद के बीच पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हिंसक झड़पें हुईं, जिसमें करीब 12 लोग घायल हो गए।कट्टरपंथी सैयद अली शाह गिलानी के अलावा मीरवाइज मौलवी उमर फारूक समेत सभी प्रमुख अलगाववादियों को प्रशासन ने एहतियातन घरों में नजरबंद रखा। इसके साथ बनिहाल-श्रीनगर-बारामुला रेल सेवा भी पूरी तरह बंद रखी गई।

हालात सामान्य रहने पर रेल सेवा मंगलवा को बहाल हो सकती है। श्रीनगर में रविवार को मतदान के दौरान सेंट्रल कश्मीर के विभिन्न हिस्सों में हुई हिंसा में आठ लोगों की मौत हो गई थी और दर्जनों जख्मी हुए थे। इसके विरोध में अलगाववादियों ने 10 व 11 अप्रैल को पूर् कश्मीर बंद का आह्वान किया है। बंद के पहले दिन तमाम व्यापारिक प्रतिष्ठान, शिक्षण संस्थान और सरकारी व गैर सरकारी कार्यालय बंद रहे। सड़कों पर सार्वजनिक वाहनों की आवाजाही लगभग ठप रही।

प्रशासन ने किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लए पूरी वादी में सुरक्षा के कड़े प्रबंध कर रखे थे। इसके बावजूद डाउन-टाउन सौरा, कावडारा तथा पारिंपोरा के साथ-साथ नौगाम तथा मोछू व बड़गाम जिले के विभिन्न हिस्सों में शरारती तत्वों व सुरक्षाबलों के बीच हिंसक झड़पों का दौर देर शाम तक जारी रहा। दक्षिण कश्मीर के पुलवामा और उत्तरी कश्मीर के सोपोर व पलहालन में भी पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच छिटपुट हिंसक

इंटरनेट सेवाएं दूसरे दिन भी बंद मौजूदा स्थिति को देखते हुए सोमवार को दूसरे दिन भी वादी में तमाम इंटरनेट सेवाएं बाधित रहीं। इन सेवाओं के बंद होने से मीडिया जगत सबसे ज्यादा प्रभावित रहा। नेट बंद होने से बैंकिंग सेवाओं पर भी असर पड़ा।

## रायपुर के होटल में भीषण आग, पांच कारोबारी जिंदा जले

नईदुनिया, रायपुर

शहर के रहमानिया चौक, बंजारी मार्केट में रविवार-सोमवार की रात होटल तुलसी में आग लग गई। एक घंटे के अंदर आग बेकाबू हो गई और उसने ग्राउंड फ्लोर से लेकर 5वें माले को अपनी चपेट में ले लिया। होटल में 12 मुसाफिर (सभी कारोबारी) ठहरे हुए थे, जिनमें से पांच को बाहर आने का मौका ही नहीं मिल सका और वे जिंदा जल गए। बचे सात मुसाफिर और पांच होटल कर्मियों में किसी ने दूसरे माले से छलांग लगाई तो कोई जान बचाने पड़ोस की बिल्डिंग में कूद गया। सोमवार शाम पांच बजे तक पांच शव बरामद कर लिए गए थे। रेस्क्यू ऑपरेशन जारी था। आशंका है कि कुछ और शंव हो सकते हैं। घटना रविवार रात दो बजे की है। कारोबारी

सुभाष सोनी के इस होटल में 42 कमरे हैं। घटना वाली रात 12 मुसाफिर सोए हुए थे। आग की सूचना फायर ब्रिगेड को 3:05 बजे पहुंची और कुछ ही मिनट में दमकलकर्मी मौके पर

### द बर्निंग होटल

होटल से शव बरामद करने में 12 घंटे लगे, 20 घंटे चला रेस्क्यू

होटल स्टाफ भागा, कमरों में सोए मुसाफिर फंसे रह गए

पहुंचकर रेस्क्यू में जुट गए। फायर अमले ने अंदर से चीखने-चिल्लाने की आवाजें सुनीं, लेकिन होटल से निकलती आग की लपटों और धुएं के कारण फायरमैन के लिए अंदर कदम रखना नामुमिकन था। सुबह पांच बजे के करीब फायरमैन अंदर दाखिल हो सके। दोपहर एक बजे पहला शव निकाला जा सका। बता दें कि मुसाफिर मुंबई, गुजरात, नागपुर के रहने वाले थे, जो कारोबार के सिलसिले में रायपुर आए थे। कई शवों की शिनाख्त अभी तक नहीं हो पाई है।

लगने के बाद मुसाफिरों में अफरा-तफरी मच गई। जान बचाने के लिए उन्होंने भागने की

खिडकी पर ही हो गई मौत: आग



रायपुर में सोमवार को होटल में आग लगने के बाद राहत कार्य में जुटे अग्निशमनकर्मी।

कोशिश की, लेकिन धुएं की वजह से सांस लेना मुश्किल हो रहा था। कुछ किचन की तरफ भागे, जहां खिड़की थी। एक कारोबारी का शव खिड़की से चिपका हुआ मिला।

रायपुर रेंज के आइजी प्रदीप गुप्ता ने कहा कि होटल में आग में झुलसकर पांच लोगों की मौत हो गई। राहत दल के प्रयास से कुछ लोगों को बचाया जा सका। आग कैसे लगी, इसकी जांच होगी।

## जेलों से अपराध का नेटवर्क तोड़ने में जुटी उप्र सरकार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

जेलों के अंदर से चल रहे अपराध पर नियंत्रण की दिशा में कदम उठाते हुए योगी सरकार ने एक पखवारे के अंदर 51 शातिर अपराधियों की जेल बदली है। सोमवार को प्रतापगढ़ जिला कारागार में निरुद्ध शातिर अपराधी सतीश मिश्र उर्फ बालकृष्ण समेत आठ अपराधियों की जेल बदलने का आदेश जारी किया है। मुख्तार अंसारी और अतीक अहमद की जेल पहले ही बदली

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि झांसी जिला कारागार में निरुद्ध दस, प्रतापगढ़ जेल के आठ, गोरखपुर के सात, बाराबंकी जिला कारागार के छह बंदी को दूसरे कारागार में स्थानांतरित किया गया है। शातिर शूटर यूनुस उर्फ काला को गाजियाबाद जिला कारागार से बलिया भेजा गया

योगी सरकार के स्टिंग में फंसे दो डॉक्टर

है। मुजफ्फरनगर के शातिर अपराधी नरेंद्र उर्फ जग्गा को बस्ती कारागार भेजा गया है। अपराधी कृष्णानंद उर्फ नंदन सिंह को गोरखपुर से जिला कारागार सहारनपुर भेजा गया है।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि एक बंदी को इलाज के लिए स्थानांतरित किया गया है, अन्य सभी को प्रशासनिक आधार पर हटाया गया है ध्यान रहे, पुलिस के पास इस बात के पुख्ता साक्ष्य है कि जिला कारागारों में रहते हुए भी कई अपराधी गिरोह संचालित कर रहे हैं। लंबे समय से एक जेल में निरुद्ध होने से उनका नेटवर्क भी बढ़ा हो गया है। इसी नेटवर्क को तोड़ने के लिए शासन ने पूर्वांचल की जेलों में निरुद्ध अपराधियों को पश्चिमी उत्तर प्रदेश की जेलों में स्थानांतरित करने का फैसला लिया है। बुंदेलखंड के कई शातिर अपराधी भी पूर्वांचल की जेलों में भेज

हिमालयी क्षेत्र की भूगर्भीय प्लेटों के लगातार तनाव में रहने के चलते उत्तराखंड समेत उत्तर भारत के विभिन्न राज्यों में बड़े भूकंप की हर वक्त बनी रहती है आशंका।



### जागरण संवाददाता, देहरादून

धरती के अंदर चल रही उथल-पुथल को लेकर पूर्वानुमान व्यक्त नहीं किया जा सकता, लेकिन इसके प्रति सचेत अवश्य रहने की जरूरत है। विशेषकर तब जबकि यह बता पाना असंभव हो कि किसी भी क्षेत्र में कब और कितना बड़ा भूकंप कितनी अवधि के भीतर आ सकता है। ऐसे में चिंता बढ़ना अस्वाभाविक भी नहीं। विशेषज्ञों के अनुसार उत्तराखंड में जिस प्रकार से लगातार भूकंप के झटके महसूस किए जा रहे हैं, वे बड़े खतरे का संकेत भी हो सकते हैं। वाडिया हिमालय भूविज्ञान संस्थान के विशेषज्ञों के मुताबिक उत्तराखंड समेत उत्तर भारत के विभिन्न राज्यों में बड़े भूकंप की आशंका हर वक्त बनी रहती है। ये आने वाले दिनों से लेकर 50 साल बाद भी आ सकते हैं। हिमालयी क्षेत्र की भूगर्भीय प्लेटों का लगातार तनाव में रहना इसकी

विशेषज्ञ बताते हैं कि इंडियन प्लेट प्रतिवर्ष 45 मिलीमीटर की रफ्तार से यूरेशियन प्लेट के नीचे घुस रही है। इससे भूगर्भ में लगातार ऊर्जा संचित हो रही है। तनाव बढ़ने से निकलने वाली अत्यधिक ऊर्जा से भूगर्भीय चट्टानें फट सकती हैं। 2000 किलोमीटर लंबी हिमालय श्रृंखला के हर 100 किमी क्षेत्र में उच्च

### गढ़वाल में हाल में आए भूकंप चमोली 10 जनवरी

बड़े खतरे का संकेत हो सकते हैं भूकंप के झटके

3.2 23 जनवरी उत्तरकाशी 3.5 ०३ फरवरी चमोली 3.6 ०६ फरवरी रुद्रप्रयाग 5.8 ०७ फरवरी 3.6 रुद्रप्रयाग 11 फरवरी रुद्रप्रयाग 3.2 07 अप्रैल 4.0 रुद्रप्रयाग १० अप्रैल उत्तरकाशी 3.8 क्षमता का भूकंप आ सकता है। हिमालयी क्षेत्र में

ऐसे 20 स्थान हो सकते हैं। वैसे इस बेल्ट में इतनी शक्तिशाली भूकंप आने में करीब 200 साल का वक्त लगता है। वह बताते हैं कि हालात इशारा कर रहे कि उत्तराखंड समेत समूचे उत्तर भारत में कभी भी बड़ा भूकंप आ सकता है। वाडिया हिमालय भूविज्ञान संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. सुशील कुमार ने

### उत्तराखंड में चार दिनों में दुसरी बार झटके

देहरादुन: उत्तराखंड के गढ़वाल मंडल में चार दिनों के अंतराल में एक बार फिर भूकंप के झटकों से धरती डोल उठी। इस बार भूकंप का केंद्र उत्तरकाशी जिले में था और झटके भी वहीं महसूस किए गए। रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 3.8 मापी गई। राज्य आपदा प्रबंधन एवं न्यूनीकरण केंद्र के अनुसार कहीं से भी किसी प्रकार के नुकसान की सूचना नहीं है। उत्तरकाशी जिले में भूकंप के झटके सोमवार को दोपहर दो बजकर 20 मिनट और 34 सेकंड पर महसूस किए गए।

बताया कि यूरेशियन-इंडो प्लेट की टकराहट से भूमि के भीतर से ऊर्जा बाहर निकलती रहती है। इससे भूकंप के झटके आते रहते हैं। हालांकि उत्तराखंड समेत समूचे उत्तर भारत में लंबे समय से बड़ा भूकंप नहीं आया है। इस आधार पर कहा जा सकता है कि यहां धरती के भीतर भारी मात्रा में ऊर्जा संरक्षित हो सकती है, जो कभी भी बड़े भूकंप का सबब बन सकती है।

### राज्य ब्यूरो, लखनऊ

प्राइवेट प्रैक्टिस करने वाले सरकारी डॉक्टरों पर कार्रवाई की मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की हिदायत पर स्वास्थ्य महकमे ने अमल शुरू कर दिया है। ऐसे में डॉक्टरों को सुबूत समेत पकड़ने के लिए 'स्टिंग ऑपरेशन' शुरू किया गया है। बांदा व गोरखपुर मेडिकल कॉलेज के दो डॉक्टर पहले दौर में फंस गए। इनके विरुद्ध जांच के बाद कार्रवाई की संस्तुति संबंधित कॉलेजों के प्राचार्य से की गई है।

पिछले दिनों किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने डॉक्टरों को प्राइवेट प्रैक्टिस से बाज जाने की हिदायत दी थी। इसके बाद स्वास्थ्य महकमा तेजी से सक्रिय हुआ। प्राइवेट प्रैक्टिस करने वाले डॉक्टरों को साक्ष्यों के साथ पकड़ने के लिए स्टिंग ऑपरेशन शुरू किया गया। इस अभियान के पहले दौर में बाबा राघव दास मेडिकल कॉलेज गोरखपुर के डॉ.आरएन यादव और राजकीय मेडिकल कॉलेज बांदा के मेडिसिन विभाग के चिकित्सक डॉ. करन राजपूत फंस

गए। डॉ.यादव के स्टिंग का वीडियो अपर मुख्य

### प्राइवेट प्रैक्टिस में सख्ती पर डॉक्टर का इस्तीफा

इलाहाबाद: सरकारी डॉक्टरों की प्राइवेट प्रैक्टिस को लेकर थोड़ी सख्ती क्या हुई, खुद का नर्सिंगहोम और हॉस्पिटल चलाने वाले चिकित्सकों में खलबली मच गई। निजी प्रैक्टिस प्रभावित न हो, उसके लिए डाक्टरों ने सरकारी नौकरी छोड़ना शुरू कर दिया है। इसकी शुरुआत मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के न्यूरो सर्जरी विभाग से हुई।

विभाग में प्रोफेसर डॉ. एनएन गोपाल ने व्यक्तिगत समस्याओं का हवाला देते हुए इस्तीफा दे दिया। इधर मेडिकल कॉलेज के आधा दर्जन अन्य डॉक्टर भी नौकरी छोड़ने की तैयारी कर रहे हैं। कुछ दिनों पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक

प्रैक्टिस न करने की हिदायत दी थी। इधर दैनिक जागरण निजी नर्सिंगहोम व हास्पिटल चलाने वाले डॉक्टरों एवं सरकारी अस्पतालों की दयनीय दशा पर अभियान चला रहा है। इसके चलते प्रशासन ने थोड़ी सख्ती की और ओपीडी की जांच शुरू कर दी। सख्ती होने पर डॉक्टरों में खलबली मच गई तो उन्होंने नौकरी छोड़ना शुरू कर दिया। चर्चा है कि आने वाले दिनों में स्वयं का हॉस्पिटल चलाने वाले सर्जरी, अस्थि, स्त्री एवं प्रसति सहित कई विभागों के डॉक्टर नौकरी छोड़ेंगे।मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. एसपी सिंह ने डॉ. एनएन गोपाल के इस्तीफा देने की पुष्टि की।

कार्यक्रम में सरकारी डॉक्टरों को प्राइवेट

सचिव (स्वास्थ्य) अरुण सिन्हा ने चिकित्सा शिक्षा विभाग को भेजते हुई कार्रवाई की संस्तुति करने की हिदायत दी है, जबकि डॉ.राजपूत का स्टिंग चिकित्सा शिक्षा विभाग ने कराया है। अब

चिकित्सा शिक्षा महानिदेशक डॉ. वीएन त्रिपाठी ने दोनों चिकित्सकों पर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। उन्होंने तीन दिन में जांच कर कार्रवाई की संस्तुति समेत रिपोर्ट मांगी है।

### न्यूज गैलरी

### योगी से फैसले लेने की कला सीखें फड़नवीस : शिवसेना

मुंबई: शिवेसना ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी की जमकर तारीफ की है।पार्टी ने मुखपत्र सामना में कहा है कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडनवीस को लोगों के हित में फैसले लेने की कला योगी से सीखनी चाहिए।संपादकीय के मुताबिक, योगी ने सभी आलोचकों को गलत साबित कर दिया। वह जनता के हित के लिए गंभीरता के साथ एक के बाद एक निर्णय ले रहे हैं।योगी अपने प्रदेश को बर्बादियों से बाहर निकालने के लिए प्रशंसनीय प्रयास कर रहे हैं। वह अपने काम में बेहद गंभीर हैं।शिवसेना ने किसानों की कर्ज माफी के योगी सरकार के फैसले की विशेष रूप से सराहना की है। संपादकीय में कहा गया है कि यदि ऐसी गंभीरता महाराष्ट्र के शासकों में आ जाए तो निश्चित ही वे धन्य हो जाएंगे।योगी ने अपनी पहली कैबिनेट बैठक में ही किसानो की कर्ज माफी का फैसला किया। वहीं महाराष्ट्र की सरकार सिर्फ योगी मॉडल का अध्ययन करने की बात कह रही है और किसानों की आत्महत्या का इंतजार कर रही है। बिना गुण के गंभीरता का आवरण बेकार है। सत्ताधारियों को योगी से गंभीरता उधार लेनी चाहिए।

### झारखंड में हिरण का शिकार पेशकार सहित दो गिरफ्तार

**हजारीबाग**ः झारखंड में हजारीबाग के बन्हे जंगल में एक हिरण का शिकार किया गया है। उसे दो गोलियां मारी गई थीं। हिरण का शव लेकर कार से भागते दो लोगों को पुलिस ने रविवार की देर रात गिरफ्तार कर लिया। कार से राइफल और चार गोलियां भी मिली हैं।गिरफ्तार युवकों में एक हजारीबाग कोर्ट का पेशकार है। इस संबंध में थाना में आर्म्स एक्ट व वन संरक्षण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर दोनों को जेल भेज दिया

### जान पर खेल वृद्ध ने पोते को बाघ के हमले से बचाया

जयपुर: राजस्थान के सवाई माधोपुर जिले में रणथम्भौर अभयारण्य क्षेत्र में एक सत्तर वर्षीय बुजुर्ग अपने पोते को बचाने के लिए दिलेरी दिखाते हुए बाघ से भिड़ गया। वह खुद बाघ के हमले से गंभीर रूप से घायल हो गया, लेकिन अपने पोते को बाघ का निवाला बनने से बचाने में कामयाब रहा। गंभीर रूप से घायल वृद्ध का अस्पताल में इलाज चल रहा है।सोमवार सुबह रणथंबौर के खंड़ार वन क्षेत्र के अणतपुरा गांव में सत्तर वर्षीय माधोलाल बैरवा अपने पोते को खेत में शौच कराने गया था। इसी दौरान वहां जंगल की ओर से बाघ आ गया और पोत की ओर लपका। बाघ को बच्चे की ओर आता देख वृद्ध लाठी लेकर बीच में आ गया। इस पर बाघ ने माधोलाल पर हमला कर दिया, लेकिन उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और पोते को बचाने के लिए बाघ से संघर्ष करते रहे। हालांकि इस हमले में वह गंभीर रूप से जख्मी हो गए।इसी बीच शोर सुन ग्रामीण मौके पर पहुंचे, जिसके बाद बाघ जंगल की ओर भाग गया।

### अगले आम चुनाव में 20 सीटों पर सिमटेगी कांग्रेस

नई दिल्ली: कांग्रेस छोड़कर हाल ही में भाजपा में शामिल हुए विश्वजीत राणे ने कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधा है। राणे का कहना है कि राहल गंभीर नेता नहीं हैं। उनके गैर जिम्मेदार नेतृत्व के चलते देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस 2019 के लोकसभा चुनावों में 20 सीटों पर सिमट जाएगी। गोवा के पूर्व मुख्यमंत्री प्रताप सिंह राणे के पुत्र विश्वजीत ने 4 फरवरी को संपन्न विधानसभा चुनाव में वालपोइ सीट से जीत हासिल की थी। बाद में उन्होंने कांग्रेस छोड़कर भाजपा का दामन थाम लिया और विधायक पद से इस्तीफा दे दिया। कांग्रेस गोवा में 17 विधायकों के साथ सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभर कर सामने आई थी। राणे ने पार्टी नेतृत्व पर सरकार बनाने का मौका हाथ से गंवाने का आरोप लगाया था। राणे ने कहा, 'कांग्रेस के पास एक गैर जिम्मेदार नेता हैं, जिन्हें राहुल गांधी कहा जाता है। वह राज्य की जनता के प्रति गंभीर नहीं, जिसने उन्हें समर्थन दिया। वह सरकार बनाने को लेकर गंभीर नहीं रहे। यहां तक कि उनके पास पहुंचना भी मुश्किल होता है। किसी पार्टी के विकास के लिए उसके नेता का गंभीरहोना जरूरी है।' गोवा में मनोहर पर्रीकर के नेतृत्व में भाजपा ने 22 विधायकों के समर्थन से सरकार बनाई है।



गिरफ्तार सभी आरोपियों के बैंक खाते फ्रीज कर दिए हैं।



### भगवान की आरती

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री दैवेंद्र फड़नवीस ने गत दिवस अगस्त क्रांति मैदान पर भगवान महावीर के जन्म कल्याण महोत्सव के दौरान पत्नी अमृता के साथ आरती की। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री हर्षवर्धन भी मौजूद रहे।

### सहायक प्रोफेसर की नियुक्ति में न हों मनमाने नियम जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने कहा है कि सहायक प्रोफेसर पद पर सीधी नियुक्ति के लिए कोई भी विश्वविद्यालय अपने अलग नियम लागू नहीं करे। दिल्ली विश्वविद्यालय ने इस नियुक्ति के लिए कई विशेष योग्यताएं तय कर दी हैं। इसके खिलाफ यूजीसी को कई शिकायतें मिली थीं।

यजीसी ने कहा है कि विवि या कॉलेज सहायक प्रोफेसर पद पर सीधी नियुक्ति के लिए अपने अलग नियम नहीं बनाएं। सभी युजीसी के बनाए नियमों के पालन करने को बाध्य होंगे। नियमों के मुताबिक इस पद पर नियुक्ति के लिए 55 फीसदी अंकों के साथ मास्टर्स की डिग्री और नेट या समकक्ष परीक्षा में पास होना जरूरी है। जिन मामलों में पीएचडी को पर्याप्त माना गया है. उनमें यह नेट की जगह ले सकता है।

पिछले दिनों दिल्ली विवि ने सहायक प्रोफेसर पद पर नियुक्ति के लिए आवेदन मंगवाए थे। विवि ने अपनी कई शर्तें जोड़ दी हैं। विवि ने सौ अंकों का पैमाना तय किया है, जिसमें न्यूनतम 75 फीसदी अंक वाले उम्मीदवार को ही

कहा कि उनकी टिप्पणी का बचाव नहीं किया

सकता, लेकिन उन्होंने माफी मांग ली है लिहाजा

अब इस बारे में सवाल उठाए जाने की जरूरत

नहीं है। राजनाथ सिंह के बयान के बावजूद जब

विरोध जारी रहा तो स्पीकर सुमित्रा महाजन ने

कहा, 'यह ( सदन ) अदालत नहीं है।' संसदीय

कार्य मंत्री अनंत कुमार ने भी विपक्षी सदस्यों

को शांत करने की कोशिश करते हुए कहा, 'हम

सब एक है और यह देश भी एक है।' 12.45

बजे जब सदन की कार्यवाही फिर शुरू हुई

तो अनंत कुमार ने कहा कि गृह मंत्री अपना

जवाब दे चुके हैं और तरुण विजय भी माफी

मांग चुके हैं। उन्होंने कहा, 'खड़गे जी, कृपया

मतभेद पैदा करने की कोशिश मत कीजिए..

एक भारत, महान भारत।' मंत्री के जवाब से

असंतुष्ट कांग्रेस और वामपंथियों समेत विपक्ष

के सदस्य वेल में आ गए और नारेबाजी करने

लगे। प्रश्नकाल के दौरान भी विपक्षी सदस्यों

ने वेल में आकर नारेबाजी की। इससे पहले

प्रश्नकाल में अनंत कुमार ने विपक्ष से अनुरोध

किया कि वह वाणिज्य मंत्री निर्मला सीतारमण

को तो सवालों का जवाब देने दें क्योंकि वह भी

### टीसी नहीं देने वाला स्कूल देगा छात्रा को ५० हजार

**नर्ड दिल्ली. प्रेट** : राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निपटारा आयोग (एनसीडीआरसी) ने राजस्थान के एक शिक्षण संस्थान को 50,000 रुपये मुआवजा भरने का आदेश देते हुए यह कहा।शिक्षण संस्थान ने एक छात्रा को स्थानांतरण प्रमाण पत्र (टीसी) देने से मना कर दिया था। इस कारण छात्रा कॉलेज में नामांकन नहीं करा सकी और पढ़ाई में एक वर्ष पिछड़ गई।

आयोग ने राजस्थान के झुनझुनू में स्थित झुनझुनू अकादमी को बन्ने सिंह शेखावत को मुआवजे की राशि सौंपने का आदेश दिया है।शेखावत की बेटी को स्कूल ने 2013 में स्थानांतरण प्रमाण पत्र देने से मना कर दिया था। इससे उनकी बेटी को कॉलेज में 2013-14 सत्र के दौरान एक वर्ष का नुकसान

## हाई कोर्ट पहुंचे जस्टिस सीएस कर्नन

राज्य ब्यूरो, कोलकाता : अवमानना का सामना कर रहे कलकत्ता हाई कोर्ट के जस्टिस सीएस कर्नन सुप्रीम कोर्ट द्वारा आठ फरवरी को उनके न्यायिक व प्रशासनिक कार्य पर रोक लगाए जाने के बाद पहली बार सोमवार को हाई कोर्ट में अपने कार्यालय कक्ष में गए।

जस्टिस कर्नन सुबह 11 बजे हाई कोर्ट मे आए और अपने कार्यालय से संबंधित कुछ कार्यों में भाग लिया। जस्टिस कर्नन दो बजे हाई कोर्ट से निकल गए। ज्ञात हो, बीते 31 मार्च को जस्टिस कर्नन अवमानना मामले में व्यक्तिगत तौर पर सुप्रीम कोर्ट में पेश हुए थे और न्यायिक व प्रशासनिक कार्य बहाल करने की मांग की थी, लेकिन शीर्ष अदालत ने इसे ठुकरा दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने जस्टिस कर्नन को चार हफ्ते के भीतर अवमानना नोटिस का लिखित जवाब देने का निर्देश दिया था। बता दें कि भारतीय न्यायपालिका के इतिहास में कर्नन का मामला अभूतपूर्व है। उनके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जेएस खेहर की अध्यक्षता वाली सात जजों की संविधान पीठ सुनवाई कर रही है। इससे पहले व्यक्तिगत तौर पर पेश नहीं होने के कारण संविधान पीठ ने बीते 10 मार्च को उनके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया था। यह पहली बार था जब किसी हाई कोर्ट के

### बयान पर विवाद 🕨 दक्षिण भारतीयों पर टिप्पणी को लेकर लोकसभा में विपक्ष की मांग

## तरुण विजय पर चले देशद्रोह का केस

**नई दिल्ली, प्रेट्र/आइएएनएस**ः भाजपा नेता तरुण विजय की कथित नस्ली टिप्पणी के लिए विपक्ष ने सोमवार को लोकसभा में जमकर हंगामा व नारेबाजी की और उनके खिलाफ देशद्रोह का मुकदमा दर्ज करने की मांग की। इस वजह से सदन की कार्यवाही तीन बार स्थगित करनी पडी। विपक्ष को शांत करने का प्रयास करते हुए केंद्रीय मंत्रियों राजनाथ सिंह और अनंत कुमार ने कहा कि देश पंथनिरपेक्ष है और उस व्यक्ति (तरुण विजय) ने माफी भी मांग ली है। सरकार ने आश्वासन दिया कि देश में जाति, पंथ, रंग और धर्म के आधार पर कोई भेदभाव नहीं किया

तरुण विजय की टिप्पणी को लेकर शून्य काल में सरकार पर निशाना साधते हुए कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने आश्चर्य जताया कि क्या दक्षिण भारत के लोग भारत के नागरिक नहीं हैं। उन्होंने सरकार से पूछा कि तरुण विजय के खिलाफ क्या कार्रवाई की जा रही है। वह कोई साधारण व्यक्ति नहीं हैं। वह राज्यसभा के पूर्व सदस्य हैं और भाजपा की विचारधारा पर कई किताबें भी लिख चुके हैं। खड़गे ने कहा कि उनकी टिप्पणी देश की एकता के लिए 'खतरा'



लोकसभा में हंगामे का दृश्य

है और क्या आप देश को विभाजित करना चाहते , हैं। उन्होंने कहा कि अगर यह सब जारी रहा तो राज्य स्वतंत्रता की मांग उठाने लगेंगे। खड़गे ने टिप्पणी की तुलना हिटलर की विचारधारा से करते हुए कहा कि इससे आपकी मानसिकता का पता चलता है। उन्होंने (तरुण विजय) देश

2001 और 2002 के मालिक के नाम से

संबोधित है। दूसरी ओर, अनुष्का के प्रवक्ता

ने इन आरोपों का खंडन किया है। प्रवक्ता ने

बताया कि बॉक्स लगाने में किसी नियम का

उल्लंघन नहीं किया गया है। अनुष्का 20वीं

मंजिल पर तीन फ्लैट की मालकिन हैं। यहां

2013 से उन्होंने हर प्रकार की अनुमति ली

हुई है। अनुष्का और उनके परिजन कानून का

सम्मान करने वाले और जिम्मेदार नागरिक हैं। वे

को तोड़ने की बात कही है। यह देशविरोधी है और उनके खिलाफ देशद्रोह की प्राथमिकी दर्ज की जानी चाहिए।

(तरुण विजय) किसी सदन के सदस्य नहीं हैं इसलिए वह उनका नाम नहीं लेंगे। साथ ही उन्होंने

केंद्रीय गृह मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि वह

## बदरीनाथ धाम को सजाने-संवारने का काम शुरू

जागरण संवाददाता, चमोली

बदरीनाथ में चारधाम यात्रा की तैयारियां जोरों पर गया है। परिक्रमा परिसर, सिंह द्वार और पंचशिला क्षेत्र से बर्फ हटाई जा रही है और गेस्ट हाउसों की सफाई का काम जारी है। छह मई को बदरीनाथ धाम के कपाट खोल दिए जाएंगे।

इन दिनों बद<u>री-के</u>दार मंदिर समिति के कर्मचारी यात्रा तैयारियों में व्यस्त हैं। बीते सप्ताह बारिश और बर्फबारी के कारण तैयारियों में व्यवधान आया, लेकिन रविवार और सोमवार

को मौसम साफ होते ही काम ने गति पकड ली। मंदिर समिति के मख्य कार्याधिकारी बीडी सिंह ने बताया कि परिसर से बर्फ हटाने का काम अंतिम चरण में है। धर्मशालाओं की सफाई का कार्य पूरा कर लिया गया है। ऊर्जा निगम की टीम भी क्षतिग्रस्त बिजली लाइनों की मरम्मत में जुट गई है। हालांकि इस बार शीतकाल में बिजली की लाइनों को पहले के मुकाबले कम नुकसान पहंचा है। इसके अलावा सीवर लाइन बिछाने का काम भी प्रगति पर है। मुख्य कार्याधिकारी के अनुसार यात्रा शुरू होने से पहले सब व्यवस्थाएं चाक चौबंद कर ली जाएंगी।



चमोली स्थित विश्व प्रसिद्ध बदरीनाथ धाम में सोमवार को परिक्रमा परिसर, सिंहद्वार व पंचशिला क्षेत्र से बर्फ हटाई गई। छह मई को बदरीनाथ धाम को कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे और इससे पहले व्यवस्थाओं को चाक-चौबंद करने का काम जारी है।

## वीरभद्र सिंह की बढ़ी मुश्किलें एजेंट को नहीं मिली जमानत

हिमाचल प्रदेश के मख्यमंत्री वीरभद्र सिंह से जड़े मनी लांड्रिंग मामले में आरोपी उनके एलआइसी एजेंट आनंद सिंह चौहान को दिल्ली उच्च न्यायालय ने जमानत देने से इन्कार कर दिया है। न्यायमूर्ति विपिन सांघी ने सोमवार को चौहान की जमानत याचिका खारिज कर दी।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने चौहान को 8 जुलाई 2016 को चंडीगढ़ से गिरफ्तार किया था। इस मामले में यह पहली गिरफ्तारी है। वहीं, इस आदेश से वीरभद्र की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। क्योंकि हाल ही में उच्च न्यायालय वीरभद्र सिंह, उनकी पत्नी व अन्य लोगों के खिलाफ सीबीआइ द्वारा आय से अधिक संपत्ति के आरोप में दर्ज एफआइआर रद करने से इन्कार कर चुका है। वहीं, सीबीआइ ने इस मामले में वीरभद्र, चौहान समेत 9 लोगों के खिलाफ निचली अदालत में चार्जशीट भी दायर

अदालत ने एलआइसी एजेंट आनंद सिंह चौहान मके उस तर्क को खारिज कर दिया कि सीबीआइ द्वारा दर्ज मामले के अनुसार मुख्य आरोपी वीरभद्र सिंह हैं और उन्हें अदालत ने सुरक्षा प्रदान कर रखी है। उनके खिलाफ मनी

उन्होंने कोई संपत्ति अर्जित नहीं की है। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि हाई कोर्ट ने वीरभद्र सिंह व उनकी पत्नी प्रतिभा सिंह को मिली अंतरिम राहत संबंधी (गिरफ्तारी से सुरक्षा) आदेश वापस ले लिया है। वहीं, सीबीआइ ने उसके खिलाफ चार्जशीट दायर कर दी है।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा कि निचली अदालत ने 20 अगस्त 2016 को आनंद सिंह चौहान की जमानत अर्जी खारिज करते हुए कहा था कि इस मामले में उसकी संलिप्तता दिखाने के लिए पर्याप्त सुबूत हैं वर्तमान में वे इस मुद्दे पर कोई टिप्पणी नही करना चाहते। याची के खिलाफ भ्रष्टाचार का मामला नहीं है बल्कि आइपीसी की धारा 109 (साजिश के तहत सहायता) का मामला है। वर्तमान में जांच जारी है ऐसे में वे जमानत याचिका खारिज करते हैं। पेश मामले में आरोप है कि यूपीए सरकार में मंत्री रहते हुए वीरभद्र सिंह द्वारा अर्जित किए गए काले धन को ठिकाने लगाने में आनन्द चौहान ने अहम भूमिका निभाई थी। वीरभद्र सिंह ने आनन्त चौहान के माध्यम से छह करोड़ रुपये की रकम को अपने व परिवार के सदस्यों के नाम एलआइसी में निवेश किया था।

## काशी से चुनार तक की यात्रा करिए अब

जागरण संवाददाता, वाराणसी : केंद्र के बाद राज्य में भी भाजपा की सरकार बनने से बनारस मे विकास संबंधी योजनाओं की राह अब आसान हो गई है। नई योजना के तहत पर्यटन विभाग ने काशी में 40 सीट वाले दो क्रूज चलाने की योजना बनाई है। विभाग की पहल पर रामनगर के प्रभागीय वनाधिकारी ने प्रधान मुख्य वन संरक्षक को प्रस्ताव बनाकर लखनऊ भेज दिया है। इसमे एक क्रुज के लिए सैद्धांतिक मंजुरी मिल चुकी है जबकि दूसरे की जून तक मिलने की संभावना है। यदि सब ठीक रहा तो जुलाई से चुनार तक का भ्रमण क्रूज से संभव होगा।

पर्यटकों के सामने काशी से चुनार का दीदार करने में समय-समय पर समस्याएं आती रहती हैं। इसको ध्यान में रखते हुए पर्यटन विभाग ने पिछले दिनों प्रस्ताव बनाया था, लेकिन कछुआ सेंक्चुरी के चलते इसकी स्वीकृति में अड्चन की आशंका थी। सूत्रों के अनुसार हल्दिया में जल परिवहन को आधार बनाते हुए इन क्षेत्रो में क्रूज संचालन की अनुमित मिल सकती है यदि ऐसा हुआ तो पर्यटन को भी काफी बढ़ावा मिलेगा, साथ ही पर्यटक एक-एक घाट के दीदार संग उसके इतिहास से भी रूबरू हो सकेंगे।

क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी खींद्र मिश्र के मुताबिक गंगा में दो क्रूज चलाने के लिए प्रस्ताव बनाकर भेजा गया था। इसमें एक को सैद्धांतिक मंजूरी मिल गई है। उम्मीद है कि दो से ढ़ाई महीने में क्रूज से ही पर्यटक चुनार तक भ्रमण कर सकेंगे। डीएफओ गोपाल ओझा के मुताबिक क्रूज का परीक्षण करने के बाद प्रधान मुख्य वन संरक्षक को भेज दिया गया है।

## अनुष्का शर्मा को बीएमसी ने थमाया नोटिस

मुंबई, प्रेट्ट : बॉलीवुड अभिनेत्री अनुष्का शर्मा को बिना अनुमति इलेक्ट्रिक जंक्शन बॉक्स लगाने के मामले में बृहन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) से नोटिस मिला है। अनुष्का वर्सीवा के बद्रीनाथ टॉवर हाउसिंग सोसायटी में 20वीं मंजिल पर रहती हैं। यहां उन्होंने कॉमन पैसेज में इलेक्ट्रिक बॉक्स लगवाया है। इससे पहले नियमों के उल्लंघन में बीएमसी कामेडियन कपिल शर्मा और अभिनेता इरफान खान को

नोटिस भेज चुका है। इसी सोसायटी में रहने के बाद बीएमसी ने छह अप्रैल को अनुष्का को नोटिस भेजा। नोटिस में उन्हें तत्काल इलेक्ट्रिक बॉक्स हटाने को कहा गया है। ऐसा न करने पर उचित कार्रवाई की बात भी कही गई है। नोटिस में अभिनेत्री का नाम नहीं लिखा है।

ओर से शिकायत मिलने यह फ्लैट संख्या

वाले एक अन्य व्यक्ति की

किसी को असुविधा या हानि पहुंचाने वाला कोई काम नहीं करेंगे। उल्लेखनीय है कि कमेडियन कपिल शर्मा भी बृहन्मुंबई महानगर पालिका के नोटिस हमले की मार झेल चुके हैं। दसअसल, कपिल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को टवीट किया था कि बीएमसी में भ्रष्टाचार है और निर्माण कार्य को मजुरी देने के लिए घू स मांगी जा रही है। इसके बीएसम ने

### तानाशाहों ने बनवाई दुनिया की बड़ी मस्जिदें

जासं, बिजनौर : शिया धर्मगुरु और ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के उपाध्यक्ष मौलाना डॉ.कल्बे सादिक ने कहा है कि जिन्हें मंदिर बनाना है, उन्हें मंदिर बनाने दें। मुसलमान बदले में मस्जिद न बनाएं, बल्कि देश बनाएं। किसी भी सूरत में इस समस्या का समाधान होना चाहिए। हजरत अली के जन्मदिवस पर आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे मौलाना कल्बे सादिक ने पत्रकारों से कहा कि मंदिर-मस्जिद कोई मसला नहीं है। दुनिया में जितनी भी बड़ी मस्जिदें हैं वह वलियों या सूफी संतों ने नहीं बनाई, बल्कि उन्हें तानाशाहों ने अपने अपराध छिपाने के लिए बनाया है। धर्म मस्जिदों को नहीं,

बल्कि इंसानों को शानदार देखना चाहता है। उन्होंने तीन तलाक पर कहा कि उनका तो 300 बार कहने पर भी तलाक नहीं हुआ।शिया मुस्लिमों में निकाह आसान है तलाक बहुत मुश्किल। कभी किसी शिया लड़की को कोर्ट में नहीं देखा होगा। मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड इस मामले पर नजर रखे हुए है। कोलकाता की बैठक में बोर्ड ने सरकार से आग्रह किया है कि खुद साल-डेढ़ साल में इस बुराई को खत्म कर देंगे, लेकिन सरकार इसमें हस्तक्षेप न करे। कश्मीर में पत्थरबाजी के सवाल पर उन्होंने कश्मीरी युवाओं से कहा कि वह वही गलती कर रहे हैं, जो 1947 में मुसलमानों ने की थी। आंखें खोलिए और अक्ल से काम लीजिए। जिस तरफ उनका झुकाव है वो खुद एक डूबता हुआ जहाज है। गोहत्या पर उन्होंने कहा कि यदि सरकार पूरे देश में गोहत्या रोकने के लिए कानून बनाना चाहती है तो स्वागत है।

झटका रियल एस्टेट कंपनी यूनिटेक के मुखिया को सोमवार को दिल्ली की पटियाला कोर्ट से राहत मिली। वह इस राहत पर खुशी मना पाते इससे पहले ही गुरुग्राम पुलिस आ पहुंची और प्रोडक्शन वारंट पर संजय और अजय चंद्रा को

हिरासत में ले

लिया।

# गुरुग्राम पुलिस की गिरफ्त में यूनिटेक के एमडी

नोटिस भेज

दिया ।

आदित्य राज, गुरुग्राम

देश की नामी रियल एस्टेट कंपनी युनिटेक के प्रबंध निदेशक संजय चंद्रा एवं अजय चंद्रा के खिलाफ गुरुग्राम पुलिस ने भी शिकंजा कस दिया। दोनों को प्रोडक्शन वारंट पर दिल्ली से लाकर गिरफ्तार कर लिया। साथ ही पांच दिनों की रिमांड पर लिया गया है। पूछताछ से कई मामलों की सच्चाई सामने आ सकती है। वहीं, दिल्ली से जुड़े एक मामले में पटियाला हाउस कोर्ट से चंद्रा बंधुओं को तीन महीने की अंतरिम जमानत मिल गई है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश राज कपूर ने दोनों भाइयों को 70 लाख रुपये के निजी मुचलका भरने और इतनी ही राशि के जमानती का इंतजाम करने पर हिरासत से मुक्त करने का आदेश दिया।

जानकारी के मुताबिक, हरियाणा के गुरुग्राम जिले के विभिन्न थानों में रियल एस्टेट कंपनी यूनिटेक के खिलाफ 20 मामले दर्ज हैं। लोगों ने धोखाधड़ी की शिकायत कर रखी है। खून-पसीने की कमाई लगाकर लोगों ने फ्लैट बुक किया था लेकिन अधिकतर को समय पर पजेशन कंपनी ने नहीं दिया। इसे देखते हुए गुरुग्राम पुलिस की संजय चंद्रा एवं अजय चंद्रा को गुरुग्राम पुलिस ने प्रोडक्शन वारंट पर

कंपनी के खिलाफ विभिन्न थानों में लगभग लगभग 20 मामले दर्ज हैं, पांच दिनों तक होगी पछताछ

ल्लि की पटियाला हाउस कोर्ट ने एक केस में दी जमानत, ७० लाख के निजी मुचलके व इतने का जमानती लाने को कहा



संजय चंद्रा

यूनिटेक के खिलाफ जितने भी मामले दर्ज हैं, उन सभी के बारे में कंपनी के एमडी संजय चंद्रा ्रिनटफ क खिलाफ जिला ना नानारा उठा है, उन रहा है है है । एवं अजय चंद्रा से पूछताछ की जाएगी। इसे ध्यान में रखूकर ही दोनों को न केवल प्रोडक्शन वारंट पर लगा गया है बल्कि अदालत से पांच दिन के रिमांड पर लिया गया है।

– संदीप खिरवार, पुलिस आयुक्त, गुरुग्राम

आर्थिक अपराध शाखा ने दिल्ली से प्रोडक्शन वारंट पर संजय चंद्रा एवं अजय चंद्रा को ले लिया

और अदालत में पेश किया। अन्य बिल्डर व प्रॉपर्टी कारोबारी आएंगे रास्ते पर: यूनिटेक के एमडी के खिलाफ शिकंजा कसने से अन्य बिल्डरों एवं प्रॉपर्टी कारोबारियों के रास्ते पर आने की उम्मीद है। गुरुग्राम में काम करने वाली एक नहीं बल्कि लगभग दस रियल एस्टेट सेक्टर की कंपनियां हैं, जिनके खिलाफ विभिन्न थानों में शिकायतें दर्ज हैं। कुछ कंपनियों ने ठेकेदारों से काम कराने के बाद पैसे नहीं दिए। समय पर फ्लैट न मुहैया कराने की शिकायत सबसे अधिक दर्ज हैं। यूनिटेक के एमडी पर शिकंजा कसने से आगे माहौल बेहतर होने की उम्मीद है।

हजारों फ्लैट तैयार पर खरीदार नहीं : गुरुग्राम में हजारों फ्लैट तैयार हैं लेकिन खरीदार नहीं हैं। रियल एस्टेट कंपनियों की ओर से कई आफर दिए गए लेकिन इसके बाद भी निवेशक आगे आने को तैयार नहीं। अधिकतर लोगों को धोखा होने का डर है। स्थिति यह है कि जिनके फ्लैट 90 फीसद से अधिक तैयार हैं वे भी आगे की किश्त देना नहीं चाहते हैं।

## कोल ब्लॉक आवंटन घोटाले में पांच आरोपियों को जमानत

जासं, नई दिल्ली

उद्योगपित और कांग्रेस के पूर्व सांसद नवीन जिंदल से जुड़े कोल ब्लॉक आवंटन घोटाले के मामले में सीबीआइ द्वारा बनाए गए अतिरिक्त

पांच आरोपियों को पटियाला हाउस कोर्ट से अंतरिम जमानत मिल गई है। सीबीआइ द्वारा दाखिल की गई अंतिम जांच रिपोर्ट में पांच नए आरोपी बनाए गए थे। रिपोर्ट पर संज्ञान लेते

हुए अदालत ने सभी आरोपियों को पेश होने का निर्देश दिया था।

विशेष सीबीआइ जज भरत पराशर ने नवीन जिंदल के सलाहकार आनन्द गोयल, गुरुग्राम की कंपनी ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर के उपाध्यक्ष सिद्धार्थ मदरा, निहार स्टॉक लिमिटेड के निदेशक एसबीएन सूर्यनारायण, मुंबई की कंपनी केई

और मुंबई की ही एसआर पावर लिमिटेड के उपाध्यक्ष सुशील कुमार मारो को एक लाख के निजी मुचलके और इतनी ही राशि के जमानती पर अंतरिम जमानत प्रदान कर दी। पेश मामले में नवीन

जिंदल के सीए को सरकारी गवाह बनाए जाने के बाद सीबीआ ने नए सिरे से जांच शुरू की थी। जांच रिपोर्ट में पांच अतिरिक्त लोगो को आरोपी बनाया गया था। यह मामला झारखंड के अमरकोंडा मुर्गदंगल

में जिंदल ग्रुप की दो कंपनी जिंदल स्टील एंड पावर लिमिटेड और गगन स्पॉन्ज आयरन लिमिटेड को कोल ब्लॉक आवंटित करने से जुड़ा है। मामले में पूर्व कोयला राज्य मंत्री दसारी नरायण राव और झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा भी आरोपी हैं।



अक्सर परेशानियों की वजह हम स्वयं होते हैं

## एक और नापाक हरकत

पाकिस्तान की सैन्य अदालत ने भारतीय नौसेना के पूर्व अधिकारी कुलभूषण जाधव को जासूसी के आरोप में मौत की सजा सुनाकर भारत से संबंध सुधार की रही-सही उम्मीदों पर पलीता लगाने का ही काम किया है। पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठान की यह हरकत दोनों देशों के संबंधों को रसातल में ले जाने के मामले में एक तरह से ताबृत में आखिरी कील की तरह है। भारत उचित ही इस नतीजे पर पहुंचा कि पाकिस्तान कुलभूषण को छल-छद्म से हर हाल में सजा सुनाने पर आमादा था और यदि वह फांसी की इस सजा पर अमल करता है तो इसे सुनियोजित हत्या माना जाएगा। पाकिस्तान ने पिछले वर्ष मार्च में जब कुलभूषण को बलूचिस्तान में सक्रिय रॉ एजेंट के तौर पर गिरफ्तार करने का दावा किया था तभी यह स्पष्ट हो गया था कि वह सनसनीखेज कहानी लेकर आया है। इसकी पुष्टि पाकिस्तान में कार्यरत रहे एक जर्मन राजनियक ने यह कहकर की थी कि पाकिस्तानी सेना ने कुलभूषण जाधव को ईरान की सीमा से अगवा किया और फिर यह दिखा दिया कि उन्हें बलूचिस्तान से पकड़ा गया। हालांकि पाकिस्तानी अधिकारियों ने कुलभूषण जाधव को रॉ का जासूस साबित करने की कोशिश में उनका एक वीडियो भी जारी किया था, लेकिन इससे कुल मिलाकर यही अधिक साबित हुआ कि उन्हें वीडियो का सही तरह संपादन करना भी नहीं आता। यह वीडियो उसी क्षण झूठा साबित हो गया था जब कुलभूषण जाधव यह कहते सुने गए थे कि वह नौसेना के सेवारत अधिकारी हैं। पाकिस्तान की पोल तब भी खुली थी जब पाकिस्तानी सेना की ओर से यह दावा किया गया था कि उनके सेनाध्यक्ष ने इस्लामाबाद की यात्रा पर आए ईरान के राष्ट्रपति से कुलभूषण के मामले में बात की है। ईरानी राष्ट्रपति ने तत्काल ही ऐसी किसी बातचीत को बकवास करार दिया था। कुलभूषण के मामले में पाकिस्तान के मन का चोर तब भी बेनकाब हुआ था जब उसने भारतीय अधिकारियों को उनसे संपर्क करने का अवसर नहीं दिया। भारत ने अंतरराष्ट्रीय नियम-कानूनों का हवाला देकर कुलभूषण जाधव से संपर्क करने की बार-बार मांग की, लेकिन पाकिस्तान हर बार कन्नी काट गया। पिछले साल दिसंबर में पाकिस्तानी सेना के कपट की पोल खुद प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के विदेश मामलों के सलाहकार सरताज अजीज ने पाकिस्तानी संसद में यह कहकर खोली थी कि कुलभूषण के खिलाफ पर्याप्त सुबूत नहीं मिले हैं। यह भी एक तथ्य है कि खुद पाकिस्तान में अनेक लोग यह मानते हैं कि कुलभूषण जाधव को अगवा कर उसे रॉ एजेंट इसलिए करार दिया गया, क्योंकि पाकिस्तानी सेना को प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की भारत से संबंध सुधार की कोशिश रास नहीं आ रही थी। चूंकि अब नवाज शरीफ राजनीतिक रूप से और कमजोर हो चुके हैं इसलिए इसकी उम्मीद कम है कि वह अपनी ही सेना की गंदी हरकत के खिलाफ कुछ कर सकेंगे। ऐसे में यह और आवश्यक हो जाता है कि भारत सरकार कुलभूषण जाधव का हश्र सरबजीत जैसा न होने दे। इसके लिए हर संभव उपाय किए जाने चाहिए। भारत को इस्लामाबाद ही नहीं, सारी दुनिया को यह संदेश देने की जरूरत है कि पाकिस्तान किसी भारतीय नागरिक से

## मुलाकात के मायने

करीब आठ माह बाद पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सोमवार को मुलाकात की। पिछले वर्ष आठ नवंबर को नोटबंदी की घोषणा के बाद से ममता ने प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ मोर्चा खोल रखा था। बार-बार कहती आ रही थीं कि चाहे कुछ भी हो जाए, लेकिन वह कभी मोदी के सामने अपना सिर नहीं झुकाएंगी। परंतु बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना के भारत दौरे के दौरान ममता को भी दिल्ली आमंत्रित किया गया था। ममता पिछले शुक्रवार से दिल्ली में हैं। हसीना व मोदी द्वारा शुरू की गई बस व ट्रेन सेवा के समारोह में भी ममता मौजूद रहीं। लगे हाथ सोमवार को ममता ने नई दिल्ली में नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर ली। दोनों नेताओं के बीच के करीब आधे घंटे तक राज्य में ऋण की स्थिति समेत कई मुद्दों पर चर्चा हुई, लेकिन इस दौरान बांग्लादेश के तीस्ता नदी जल समझौते पर कोई बात नहीं हुई। वार्ता के बाद ममता ने कहा कि हमने राज्य पर ऋण की स्थिति और विभिन्न परियोजनाओं के तहत राज्य के लिए वित्त के बारे में चर्चा की। ममता ने कहा कि केंद्र सरकार के पास राज्य का करीब 10.459 करोड़ रुपये लंबित है। मैंने इस मामले से प्रधानमंत्री को अवगत कराया है और उन्होंने शीघ्र कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है। ममता ने कहा कि पीएम ने कहा कि इस मामले में जल्द ही कुछ करेंगे। मोदी और ममता की आज की मुलाकात उनके राजनीतिक रिश्तों पर जमी बर्फ को एक हद तक पिघलाने का काम करेगी। वहीं ममता व मोदी की मुलाकात के राजनीतिक निहितार्थ भी निकाले जा रहे हैं। बंगाल कांग्रेस के अध्यक्ष व सांसद अधीर चौधरी का कहना है कि दरअसल ममता राज्य की आर्थिक स्थिति को लेकर चर्चा करने नहीं गई थीं। उन्होंने नारद व सारधा घोटाले में फंसे अपने नेताओं को बचाने के लिए पीएम के साथ एकांत बैठक की है। यदि आर्थिक मुद्दों पर चर्चा होनी थी तो फिर वित्तमंत्री व वित्त विभाग के अधिकारियों को वहां मौजूद होना चाहिए था। वहीं माकपा के वरिष्ठ नेता व सांसद मोहम्मद सलीम का कहना है कि यह सिर्फ सियासी बैठक थी जहां मुख्यमंत्री राजनीतिक मोलभाव के लिए ही आई थीं।

# समस्या का सही समाधान नहीं कर्ज माफी



डॉ. भरत झुनझुनवाला

अभी सरकार पर दबाव है कि उत्पादन बढ़ाकर किसानों का भला करे, लेकिन असल में उत्पादन घटाकर ही किसानों के हित साधे जा सकते हैं

downloaded from: shashidthakur23.wordpress.com

सिंह सरकार ने राष्ट्रीय स्तर किया था। अब उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में किसानों की कर्ज माफी की है। दस वर्षों से भी कम अंतराल में किसानों का कर्ज दोबारा माफ करना पड़ा है। यह दर्शाता है कि मौजूदा व्यवस्था में किसान कर्ज लेते रहेंगे और सरकारें उसे माफ करती रहेंगी। कर्ज माफी किसान की समस्या का निदान नहीं है। यह कुछ वैसा है मानो कैंसर के मरीज को सिरदर्द की गोली दी जा रही हो। किसान इसलिए कर्ज अदा नहीं कर पाते, क्योंकि उनकी आमदनी कम है। दूसरी ओर सरकार की आर्थिक समीक्षा के अनुसार किसान की आय बढ़ रही है। समीक्षा के अनुसार 2005 से 2014 के दौरान सभी वस्तुओं के मूल्य का सूचकांक 100 से बढ़कर 180 हो गया। इस दौरान खाद्यान्नों के मूल्य का सूचकांक 100 से चढ़कर 231 हो गया। यानी सभी वस्तुओं की तुलना में खाद्यान्न की कीमतों में अपेक्षाकृत अधिक वृद्धि हुई है। किसान की लागत जरूरी बढ़ी है, लेकिन उसके बनिस्बत आमदनी में ज्यादा इजाफा हुआ है। ऐसे में यह विडंबना ही है कि आय बढ़ने के बावजूद किसान कर्ज के बोझ तले दबते जा रहे हैं। हैरानी की बात है कि किसान पर कर्ज खेती के कारण नहीं बढ़ रहा है। जानकारों के अनुसार किसान बेटी के विवाह, मकान, वाहन और अन्य कई निजी जरूरतों पर कर्ज की राशि खर्च करते हैं। चुंकि आमतौर पर बैंक उन्हें इन जरूरतों के लिए कर्ज

नहीं देते तो वे बीज. खाद या फसली कर्ज के नाम पर कर्ज लेकर इन जरूरतों को पूरा करते हैं। आय की तुलना में किसान की जरूरतें ज्यादा तेजी से बढ़ रही हैं। पहले किसान पैदल चलता था। आय बढ़ी तो साइकिल खरीदने में सक्षम हो गया, मगर उसकी जरूरत बाइक खरीदने की हो गई है। इसकी पूर्ति वह कर्ज से करता है। आमदनी के अभाव में कर्ज अदा हो नहीं पाता। साइकिल की हैसियत में बाइक की सवारी उस पर भारी पड़ती है। किसान का कोई दोष नहीं है। वह भी शहरों जैसी आधुनिक जीवनशैली के मोहपाश में फंसा है। शहरी लोग बाइक चलाएं और किसान की बेटी साइकिल से स्कूल जाए, यह उसे गवारा नहीं। होना भी नहीं चाहिए। गांव और शहर के बीच बढ़ती खाई भी किसान पर बढ़ते कर्ज का

कृषि विशेषज्ञ देविंदर शर्मा के अनुसार 1970 से 2015 के बीच कृषि उत्पादों के समर्थन मूल्य में 20 गुने का इजाफा हुआ है। इसके मुकाबले सरकारी कर्मियों के वेतन में 120 गुना वृद्धि हुई है। आय का यह असंतुलन किसान के कर्ज का कारण है। सरकार की सोच है कि उत्पादन बढ़ाने से किसान की आय बढ़ाई जा सकती है। सरकार द्वारा मुदा स्वास्थ्य कार्ड, फसल बीमा, कर्ज पर सब्सिडी, ड्रिप सिंचाई, सड़कें और कोल्ड स्टोरेज जैसी योजनाएं चलाई जा रही हैं। बीते 70 सालों से यह सिलसिला जारी है, फिर भी उत्पादन बढ़ने से किसान की आमदनी में अपेक्षित वृद्धि का लक्ष्य हासिल नहीं हुआ। ऐसे में मौजूदा सूरतेहाल में भी उत्पादन बढ़ाने से आय



में वांछित वृद्धि नहीं हो पाएगी। बढ़े उत्पादन के को मजबूरन आलू सड़कों पर फेंकना पड़ा था। साथ और भी समस्याएं जुड़ी हैं। मसलन उसकी कुल मिलाकर उत्पादन बढ़ाकर किसान खपत कहां हो ? देश में उनका उपभोग सीमित की आय नहीं बढ़ाई जा सकती, क्योंकि बढ़े है। अक्सर सुनने को मिलता है कि बंपर फसल उत्पादन को खपाने का कोई विकल्प उपलब्ध होने के कारण भारतीय खाद्य निगम के गोदाम में नहीं है। जैसे बाढ़ का पानी नहीं निकल पाने के भी भंडारण के लिए जगह कम पड जाती है और कारण लोग डुबते हैं उसी तरह कृषि उत्पादन का अनाज खुले में सड़ने पर मजबूर होता है। निर्यात निस्तारण न होने की वजह से किसान कर्ज में से भी इसका हल नहीं हो सकता। संयुक्त राष्ट्र ड्ब रहे हैं। इस समस्या का हल कृषि के दायरे मे के खाद्य एवं कृषि संगठन के मुताबिक 2011 उपलब्ध है ही नहीं। केवल खेती से किसान की में खाद्य पदार्थों के मूल्य का वैश्विक सूचकांक आय नहीं बढाई जा सकती है। इस समस्या का 229 था जो 2016 में घटकर 151 रह गया। एक समाधान यह हो सकता है कि किसान को अंतरराष्ट्रीय बाजार में खाद्यान्न के दाम गिर रहे भूमि के आधार पर सब्सिडी दी जाए। अमेरिका हैं। इन गिरते मूल्यों के कारण खाद्यान्न का निर्यात में किसानों को भूमि परती छोड़ने के एवज में करने के लिए सरकार को निर्यात सब्सिडी देनी सिब्सिडी दी जाती है। इससे उन्हें ठीक-ठाक होगी. लेकिन डब्ल्यूटीओ के नियमों में निर्यात आमदनी हो जाती है। ऐसे में शेष उत्पादन को सब्सिडी पर प्रतिबंध है। ऐसे में बढ़े उत्पादन को औने-पौने दाम पर बेच कर भी वे बाइक खरीद पाते हैं। इस पद्धति को हम भी अपना सकते हैं। अंततः घरेलू बाजार में ही बेचना होगा। इससे दाम गिरेंगे। बढता उत्पादन हमारे किसानों के लिए ही देश में लगभग दस करोड़ किसान हैं जिनमें सात करोड़ के पास एक एकड़ से कम भूमि है। प्रारंभ अभिशाप बन गया है जैसा कि बीते दिनों किसानों

मे इन्हे 6,000 रुपये प्रतिवर्ष की सब्सिडी दी जा सकती है। सरकार को इस पर 42,000 करोड़ रुपये सालाना खर्च करने होंगे जो वर्तमान में मनरेगा पर किए जा रहे खर्च के बराबर है। इस सब्सिडी से किसान को सीधे राहत मिलेगी। वह किस्त पर बाइक खरीद सकेगा। इसमें खास बार यही है कि उसके उत्पादन कम करने से बाजार मे कृषि उत्पादों के दाम बढ़ेंगे और परिणामस्वरूप किसान की आय बढ़ेगी। इसके उलट हमने यर्ह देखा कि उत्पादन बढ़ने से दाम घटते हैं औ किसान की आय कम होती है। वहीं उत्पादन का होने से बाजार में वस्तुओं की आपूर्ति कम होती है तो दाम बढ़ते हैं जिससे किसानों की आय बढ़ सकती है। आय बढ़ाने के लिए उत्पादन का एक विशेष स्तर कारगर होता है जैसे स्वास्थ सुधार के लिए घी की एक निश्चित मात्रा उपयुक्त होती है। इस विशेष स्तर से अधिक उत्पादन और इस स्तर से कम उत्पादन दोनों ही किसान के लिए नुकसानदेह होते हैं। फिलहाल तो सरकार प दबाव यही है कि उत्पादन बढ़ाकर ही किसानों क कल्याण किया जाए, लेकिन असल में उत्पादन घटाकर ही किसानों के हित साधे जा सकते हैं।

कृषि क्षेत्र में हमारी नीति में मौलिक बदला की जरूरत है। किसान की इच्छा है कि वह भी सरकारी-निजी नौकरीपेशा लोगों की तरह बाइक पर घूमे। इस हसरत में कोई बुराई नहीं, लेकिन इसके लिए उसकी आय में वृद्धि जरूरी है, मग उत्पादन वृद्धि को प्रोत्साहन देकर हम किसान को समाधान के बजाय संकट की ओर ही धकेल रहे हैं। वक्त का तकाजा तो यही कहता है कि किसानों को भूमि पर सीधे सब्सिडी दी जाए ताकि उन पर उत्पादन बढ़ाने का दबाव कम हो उत्पादन घटेगा तो कृषि उत्पादों के दाम भी बढेंगे किसान को सीधे सब्सिडी मिलेगी और बढ़े हुए दाम भी। तब वह भी खुशहाल हो सकता है।

(लेखक वरिष्ठ अर्थशास्त्री एवं आइआइए बेंगलुरु के पूर्व प्रोफेसर हैं ) response@jagran.com

## संवादहीनता से जूझती कांग्रेस

अपने सबसे मुश्किल वक्त से जूझ रही कांग्रेस को गहन आत्मचिंतन की जरूरत है

लोकतांत्रिक व्यवस्था में चुनावी हार-जीत कोई नई बात नहीं। राजनीतिक दलों के इतिहास में कभी जीत की मिठास तो कभी हार की मायूसी के क्षण आते ही रहते हैं। बावजूद इसके उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के नतीजों के रूप में जो तस्वीर सामने आई वह देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस के लिए मायूसी से कहीं आगे बेहद स्तब्ध करने वाली रही। उत्तर प्रदेश के चुनाव परिणामों के बाद पार्टी जिस मोड़ पर खड़ी है वह मामूली राजनीतिक परिस्थिति नहीं। इसकी गंभीरता इसी से समझी जा सकती है कि पार्टी कार्यकर्ता ही नहीं बहुलवादी संवैधानिक लोकतंत्र में भरोसा रखने वाले भी कांग्रेस के इस हालत में पहुंचने को लेकर चिंता जता रहे हैं। यह चिंता अस्वाभाविक नहीं, क्योंकि बहुलवादी लोकतंत्र को आगे बढ़ाते हुए इस मुकाम तक लाने में कांग्रेस की महती भूमिका रही है। छह दशक तक देश की सबसे बड़ी पार्टी रही कांग्रेस की यह पूरी जिम्मेदारी बनती है कि वह बेबाकी से आत्मंचिंतन करे कि वह इस मुकाम पर क्यों और कैसे पहुंच गई कि आज उसके अस्तित्व को लेकर ही सवाल खड़े किए जा रहे हैं। कांग्रेस की मौजूदा हालत को समझने के लिए थोड़ा पीछे जाना होगा, क्योंकि शुरुआत संप्रग के केंद्र की सत्ता में दोबारा वापसी के एक साल बाद ही शरू हो गई थी। उत्तर प्रदेश के 2012 के विधानसभा चुनाव और उसके बाद छत्तीसगढ़, राजस्थान, मध्यप्रदेश और दिल्ली के चुनावों में पार्टी की शिकस्त के बाद भी कांग्रेस की रीति-नीति चलाने वालों की शैली और सोच में बदलाव नहीं आया। 2014 के लोकसभा चुनाव में पहली बार विपक्ष की हैसियत लायक सीटें हासिल नहीं कर पाने की बेहद कड़वी सच्चाई सबके सामने थी, फिर भी पार्टी इस कठिन परिस्थिति से बाहर आने का कोई रास्ता तलाश नहीं कर पाई।

उत्तर प्रदेश के नतीजों ने कांग्रेस को झकझोर कर रख दिया है। पंजाब की जीत और मणिपुर-गोवा में संतोषजनक प्रदर्शन की चादर से राष्टीय स्तर पर कांग्रेस की मौजदा चनौती को ढंकना पार्टी के समक्ष मौजूद सबसे विकराल चुनौती से मुंह मोड़ना होगा। यह तर्क सही हो सकता है कि उत्तर प्रदेश की सत्ता की सियासत में कांग्रेस मुख्य नहीं बल्कि सहायक खिलाड़ी थी, पर इस तथ्य को भी नहीं भूलना चाहिए कि 2009 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को 22 सीटें मिली थीं और वह सपा के बाद दूसरे नंबर की पार्टी थी। तब 10 लोकसभा सीटों के साथ भाजपा चौथे नंबर पर थी और आज हालात यह है कि कांग्रेस के अस्तित्व को लेकर बहस हो रही है। कांग्रेस के अस्तित्व को लेकर शुरू इस बहस में राजनीतिक विश्लेषकों के जल्दबाजी भरे निष्कर्ष



कांग्रेस कार्यकर्ता महसूस कर रहे हैं कि केवल जनता ही नहीं, बल्कि पार्टी कार्यकर्ताओं से भी कट गई है



से बेशक न पार्टी सहमत है और न ही कार्यकर्ता,क्योंकि कांग्रेस की राजनीतिक चिंतनधारा देश की व्यापक जनता के मन मस्तिष्क में है। केवल चुनावी हार से सर्वसमावेशी लोकतंत्र में भरोसे की यह सोच खत्म नहीं होगी, लेकिन जनता का यह भरोसा न टुटे, यह सुनिश्चित करना भी पार्टी के लिए जरूरी है। इसके लिए अपनी अंदरुनी खामियों का बेबाकी से आत्मविश्लेषण अपरिहार्य है। अब उन सवालों को नजरअंदाज करने का वक्त नहीं है जो बाहर और अंदर, पछे जा रहे हैं।

पिछले बीस-तीस सालों से कांग्रेस में संगठन और सियासत को संचालित करने वालों को इस सवाल का जवाब तो देना ही चाहिए कि आखिर इस कालखंड में राज्यों सै लेकर केंद्रीय स्तर पर पार्टी में नए जमीनी नेताओं की फौज क्यों नहीं तैयार हो पाई? उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, छतीसगढ़, गुजरात, झारखंड, उड़ीसा, तमिलनाडु जैसे बड़े राज्यों में नए ताकतवर क्षेत्रीय चेहरे क्यों नहीं उभर कर सामने आए? इतिहास गवाह है कि केंद्र में कांग्रेस की ताकत हमेशा उस समय सबसे ज्यादा रही जब सबों में उसके क्षत्रप मजबत सियासी चेहरे रहे। कांग्रेस के शिखर नेतृत्व को लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं में न पहले संशय

था और न अब है, मगर पार्टी का संचालन करने वालों को यह बताना चाहिए कि एक दशक से बदलाव की शिखर नेतृत्व की ओर से उठ रही आवाज पर ध्यान क्यों नहीं दिया गया ? यह स्वीकार करने में हिचक नहीं होनी चाहिए कि बीते दो दशक में राजनीति ही नहीं लोगों का मिजाज और अपेक्षाएं भी बदली हैं। सामाजिक और आर्थिक बदलाव के मौजूदा परिवेश में कांग्रेस को भी नई चुनौतियों के लिए तैयार करने के लिए 2006 में सोनिया गांधी ने एक कमेटी बनाकर आगे बढ़ने का रोडमैप बनाने का जिम्मा सौंपा था। पार्टी कार्यकर्ताओं को नहीं पता कि इस रोडमैप का क्या हुआ और उसमें क्या है? इसी तरह पिछले लोकसभा चुनाव के बाद एके एंटनी की अगुआई में पराजय के कारणों का विश्लेषण करने के लिए एक कमेटी बनी थी। यदि इस कमेटी की रिपोर्ट पर अमल किया गया होता तो शायद पार्टी उत्तर प्रदेश जैसे स्तब्धकारी हालात का सामना करने में अधिक सक्षम होती। पार्टी की रीति-नीति का संचालन करने वाले भले ही इस बात को तवज्जो न दें मगर पूरे देश के कांग्रेस कार्यकर्ता शिद्दत से यह महसूस कर रहे हैं कि जनता ही नहीं पार्टी कैडर से भी संवादहीनता की स्थिति पिछले कई सालों में कायम है। शायद इसीलिए जनता के नजरिये से संवेदनशील मुद्दों पर जब-जब अलग लाइन ली गई तो पार्टी को नुकसान उठाना पड़ा। ऐसी स्थिति इसलिए बनी, क्योंकि पार्टी के संचालकों की टीम वही है जो दो दशक पहले भी थी। इसमें कुछ चेहरे तो बड़े हो सकते हैं, मगर अब उनकी राजनीतिक जमीन वैसी नहीं रही कि संवाद ्रकी पुरानी ताकतवर परंपरा को मजबूती से आगे बढ़ाया जा सके। कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व के सामने पार्टी कैडर ही नहीं जनता से दोतरफा सीधे संवाद के सहारे भरोसा पैदा करने की चनौती है। कांग्रेस आज संक्रमण के जिस दौर में है वहां महज शब्दों से भरोसा पैदा करना कठिन काम है। इसके लिए आवश्यक है कि पार्टी उन खामियों को दूर करने की दिशा में तत्काल कदम उठाए जिसे लेकर पार्टी के भीतर से भी गंभीर सवाल उठाए जा रहे हैं। इस क्रम में यह याद रखना होगा कि किसी भी पहल को महज चुनाव और सत्ता की राजनीति से जोड़ कर ही न देखा जाए। नई पीढ़ी को जोड़ना और कांग्रेस को लेकर उनमें राजनीतिक रोमांच की भावना जागृत करना पार्टी के लिए बड़ी चुनौती है। कमजोरियों को बिना किसी पूर्वाग्रह के स्वीकार करते हुए सुधारात्मक पथ पर आगे बढ़ने का दृढ़ निश्चय कर लिया जाए तो वांछित परिणाम अर्जित करना नामुमिकन नहीं।

(लेखक कांग्रेस के नेता और सामाजिक कार्यकर्ता हैं) response@jagran.com



### परमात्मा की शक्ति

जब मनुष्य की सभी उम्मीदें खत्म हो जाती हैं और वह स्वयं को लाचार महसूस करता है तब उसे परमात्म की शक्ति पर भरोसा करना चाहिए। जो व्यक्ति प्रत्येक क्षण परमात्मा की शक्ति पर विश्वास बनाए रखते हैं वह कभी परेशान-हैरान नहीं रहते, बल्कि ऐसे व्यक्ति विपरीत परिस्थितियों को भी अपने पक्ष में करने की क्षमता रखते हैं। परमात्मा की शक्ति असीम होती है और इसके बल पर मनुष्य कुछ भी प्राप्त कर सकता है। परमात्मा की शक्ति से मनुष्य असंभव लगने वाले कार्य को भी बेहद सरलता से हल कर सकता है। जब मनुष्य के मन में परमात्मा के प्रति भिक्त भाव जाग्रत होता है तो उसे कुछ भी अपने विपरीत लगता ही नहीं। ऐसे व्यक्ति प्रत्येक परिस्थिति का आनंद लेते हैं और यह मानते हैं कि प्रतिकूल परिस्थितियां भी उनके अनुकूल ही हैं। ऐसे में मनुष्य को लगता है कि प्रत्येक कार्य परमात्मा की इच्छा से ही हुआ है, इसलिए विपरीत परिस्थितियां भी जरूर उनके हित में होंगी। ऐसे व्यक्ति अपना सर्वस्व परमात्मा के ऊपर छोड़ देते हैं और उनके जीवन में बुरा समय भी आता है तो वे उसका मुकाबल धैर्य और साहस से करते हैं। गीता में श्रीकृष्ण कहते है कि जो भी मेरी शरण में आता है वह भवसागर पार कर लेता है। मनुष्य को हमेशा यह बात ध्यान रखनी चाहिए कि उसके विकास का आधार आलस्य नहीं, बल्कि विषम परिस्थितयां हैं। इसलिए उसे विपरीत समय में संताप करने के बजाय डटकर उसका मुकाबला करना चाहिए। मनुष्य अपने धैर्य, साहस और बुद्धि के पराक्रम से किसी भी तरह की परिस्थिति का सामना कर सकता है। जो व्यक्ति स्वयं अपनी मदद करते हैं उन्हें ही परमात्मा की शक्ति प्राप्त होती है। इसलिए मनुष्य को अपने जीवन के हर मोड पर सीखने का भाव और कठिन परिस्थिति को आगे बढ़ने के अवसर के रूप में देखना चाहिए। मनुष्य को अपने जीवन के प्रत्येक क्षण में परमात्मा की शक्ति की आवश्यकता होती है। इसलिए उसे हमेशा परमात्मा को याद करते रहना चाहिए। फिर चाहे वह सुखमय जीवन जी रहा हो या फिर दुख में हो। दुख में हर कोई परमात्मा को याद करता है लेकिन सुख में नहीं। यदि मनुष्य सुख में भी परमात्मा को याद करे तो उसे दुख आएगा ही नहीं। जीवन में आस्था समर्पण और त्याग के भाव ही हमें परमात्मा से जोड़ते हैं। महायोगी पायलट बाब

## न्यायपालिका में महिलाएं

मुंबई, दिल्ली, कोलकाता और चेन्नई -भारत के इन चार महानगरों को कौन नहीं जानता। मेट्रो शहर होने के अलावा ये हमारी अर्थव्यवस्था की धुरी की भी हैं, लेकिन अब इन चारों महानगरों ने एक और उपलब्धि हासिल कर ली है। इन महानगरों के ऐतिहासिक हाईकोर्ट में महिलाएं चीफ जस्टिस के पद पर विराजमान हुई हैं। देश के इतिहास में पहली बार यह मौका आया है जब औपनिवेशिक भारत में बने इन चार उच्च न्यायालयों का नेतृत्व महिलाएं कर रही हैं। देश के उच्च न्यायालयों में महिलाओं के वर्चस्व की शुरुआत अप्रैल 2014 से हुई जब दिल्ली हाईकोर्ट ने न्यायमूर्ति जी रोहिणी को मुख्य न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया था। इसके बाद पिछले साल 22 अगस्त को जस्टिस मंज़ुला चेल्लूर बॉम्बे हाईकोर्ट की मुख्य न्यायाधीश बनीं। फिर वर्ष दिसंबर में निशिता निर्मल म्हात्रे कलकत्ता हाईकोर्ट की कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश बनीं और इस साल 31 मार्च को मद्रास उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में इंदिरा बनर्जी की नियुक्ति की गई।

हालांकि इन उच्च न्यायालयों में महिला चीफ जस्टिस की नियुक्ति होना एक उपलब्धि है, लेकिन इस खुशी के बावजूद हमारी न्यायपालिका में महिलाओं की संख्या का एक स्याह सच भी

देश के चार प्रमुख हाईकोर्ट में महिलाएं चीफ जस्टिस के पद पर काबिज हुई हैं ,लेकिन न्यायपालिका में उनकी भागीदारी अभी भी कम है

है। हमारे न्यायालयों में महिलाओं की संख्या को अगर देखें तो स्पष्ट होता है कि कुल मिलाकर यह क्षेत्र हमारे यहां अभी भी पुरुषों के वर्चस्व वाला ही है। आप मानें या न मानें हमारे देश के 24 उच्च न्यायालयों में 632 न्यायाधीश हैं। इनमें से सिर्फ 10.7 प्रतिशत यानी 68 महिलाएं हैं!

एक नजर इन उच्च न्यायालयों में महिला जजो की संख्या पर डालें तो और भी कड़वी सच्चाई सामने आ जाती है। दिल्ली उच्च न्यायालय में हर 35 पुरुष जजों की तुलना में केवल नौ महिला जज हैं। दूसरी तरफ मद्रास हाईकोर्ट में तो स्थिति और भी खराब है। यहां हर 53 पुरुष जजों पर सिर्फ छह महिला जज हैं। बॉम्बे हाईकोर्ट में 61

पुरुष न्यायाधीशों पर 11 महिला न्यायाधीशों की संख्या फिर भी बाकियों की तुलना में थोड़ी बेहतर है। हालांकि सबसे बुरा हाल कलकत्ता हाईकोर्ट का है। यहां पुरुष-महिला जजों की संख्या का अनुपात तो 35 में सिर्फ चार का है।

अगर सुप्रीम कोर्ट में महिला जस्टिस की संख्या देखें तो 28 जजों में सिर्फ एक महिला जज आर बानुमथी हैं। वहीं सुप्रीम कोर्ट के इतिहास को देखें तो और भी हैरतअंगेज तस्वीर उभर कर सामने आती है। 1950 से आजतक देश के सर्वोच्च न्यायालय में सिर्फ छह महिला जजों की नियुक्ति हुई है! सुप्रीम कोर्ट में किसी महिला जज की नियुक्ति होने में 39 साल लग गए थे। सुप्रीम कोर्ट पहुंचने वाली पहली महिला जज केरल हाईकोर्ट की फातिमा बीवी थीं। इन संख्याओं को देखकर निराशा तो होती है, लेकिन कहते हैं न कि उम्मीद पर दुनिया कायम है तो हमें भी उम्मीद का दामन थामे रहना चाहिए। बदलाव की लौ जलने लगी है बस अब इसे बुझने नहीं देना है। इसके लिए सभी स्तरों पर प्रयास करने होंगे और इस मुहिम की कमान भी महिलाओं को ही थामनी होगी, क्योंकि इसमें सबसे बड़ा हित उनका ही निहित है।

(साभार: आइचौकडॉटइन में रिम्मी कुमारी)

### न्याय के इंतजार में मुस्लिम महिलाएं

बेड़ियां तोड़तीं मुस्लिम औरतें शीर्षक से लिखे अपने लेख में नाइश हसन ने दुनिया भर में मुस्लिम महिलाओं द्वारा अपने अधिकारों के लिए किए जाने वाले संघर्षों का जिक्र किया है। इस समय भारत में भी मुस्लिम महिलाएं तीन तलाक की कुप्रथा को खत्म करने की मांग को लेकर आंदोलनरत हैं। इसके लिए उन्होंने सुप्रीम कोर्ट तक का दरवाजा खटखटा रखा है। डॉ. भीमराव अंबेडकर का यह कथन सही है कि गुलाम को यदि गुलामी का अहसास करा दो तो वह अपनी गुलामी से पार पाने की कोशिश करने लगेगा। ऐसा लगता है कि दशकों से दबाई गईं मुस्लिम महिलाओं को अपनी गुलामी का अहसास हो गया है। अब वह दिन दूर नहीं जब मुस्लिम समाज को मुस्लिम महिलाओं को भी पुरुषों के बराबर अधिकार देना पड़ेगा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पास मुस्लिम महिलाओं का तीन तलाक के मुद्दे पर बातचीत के लिए जाना कोई छोटी बात नहीं है। इसके सकारात्मक परिणाम आने वाले कुछ महीनों में देखने को मिल सकते हैं। इसमें कोई दो राय नहीं कि तीन तलाक के मुद्दे के अंत होने के साथ ही मुस्लिम समाज में सुधार की एक शुरुआत हो जाएगी।

राजेश कथवाल, हिसार

### विरोधी लहर !

पंजाब में सत्ता विरोधी लहर पहले से ही देखी गई थी। अब दिल्ली के नगर निगम चुनाव में भी ऐसी ही लहर देखने को मिल सकती है, इसलिए सत्तारूढ भाजपा ने मैदान में नए चेहरे ही उतारे हैं। मीडिया क्षेत्रों की बदहाली दिखा रही है जिससे पार्टियों के पार्षदों के काम की पोल खुल रही है। जनता भी दिल्ली की दशा बदलने के मूड में है इसीलिए शायद वह नए

### मेलबाक्स

लोगों पर दाव लगाना चाहती है। दिल्ली और केंद्र की आपसी तनातनी से दिल्ली कुड़े ढेर लगने के कारण कितने दिनों नरक बनती रही जिसे जनता भूली नहीं है। ऐसी स्थिति में तो कांग्रेस को भी लाभ हो सकता है। यूपी में योगी सरकार बड़ी तेजी से कार्य करने में लगी है इसका प्रभाव भी दिल्ली पर पड़ सकत है। कुल मिलाकर इस चुनाव में किसी की विरोधी लहर नहीं है अब देखना यह है कि जनता किस को ताज सौंपेगी?

vedmamurpur@gmail.com

### मान-सम्मान मिले

हमारे देश में गौ माता को पूज्यनीय माना जाता है। लंबे समय से राष्ट्रीय पशु बनाने की मांग भी चल रही है। यह अच्छी बात है, गाय से होने वाले फायदे को देखते हुए गाय को राष्ट्रीय पशु का दर्जा मिलना भी चाहिए। अभी हाल ही में हुई अलवर की घटना में गांव व व्यक्ति का नाम सुनकर ही पीट-पीट कर मार डाला। तो भाई यह बताओ कितनी माताएं चाहती हैं कि उनकी वजह से उनके बच्चे मारे जाएं।यह तो गौ माता के नाम से केवल समाज में समुदाय की भावना को बढ़ावा दिया जा रहा है। जो घटना अभी राजस्थान में हुई है वह पहले भी कई राज्यों में हो चुकी है। इस तरह अफवाह फैलाकर निर्दोष लोगों के साथ मारपीट जैसी घटनाओं को रोकना होगा। इसके लिए प्रशासन को उचित कदम उठाने होंगे।हम भी आपकी तरह इस बात से सहमत हैं कि गोकशी पर पर रोक लगे, गाय को उचित मान-सम्मान मिले, लेकिन इस तरह निर्दोष लोगों की जान

लेकर व उन पर अत्याचार करके नहीं। vijaykumardhania@gmail.com

### बदलाव की उम्मीद

वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के लागू होने से केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा वसले जाने वाले समस्त अप्रत्यक्ष कर अब जीएसटी में समाहित हो जाएंगे। इससे व्यवसायियों, बड़े-बड़े उद्योगपितयों के साथ ही आम जनता को भी फायदा होगा उद्योगपितयों को जहां कई प्रकार के अप्रत्यक्ष कर की जगह अब एक ही कर चुकाना होगा। वहीं आम जनता को पहले की तुलना में अब वस्तुएं एवं सेवाएं सस्ती दरों पर उपलब्ध हो सकेंगी। जीएसटी के लागू होने पर कर चोरी पर अंकुश लगेगा जिससे राजस्व में बढ़ोतरी होगी। जिससे सरकार को जनकल्याण पर खर्च करने के लिए अधिक धनराशि मिल सकेगी। जीएसटी का एक महत्वपूर्ण पहलू यह है कि यह 'सहयोगात्मक संघवाद' का सर्वोत्तम प्रारूप है। जीएसटी परिषद में कोई भी निर्णय 75 फीसद के बहुमत से लिया जाएगा। जिसमें लगभग 33 फीसद मताधिकार केंद्र सरकार के पास एवं 42 फीसद मताधिकार राज्यों के पास है।

subhashkumarthakurz{w@gmail.com

इस स्तंभ में किसी भी विषय पर राय व्यक्त करने अथवा दैनिक जागरण के राष्ट्रीय संस्करण पर प्रतिक्रिया व्यक्त करने के लिए पाठकगण सादर आमंत्रित हैं। आप हमें पत्र भेजने के साथ ई–मेल भी

> अपने पत्र इस पते पर भेजें : दैनिक जागरण, राष्ट्रीय संस्करण, डी–210–211, सेक्टर–63, नोएडा ई-मेल : mailbox@jagran.com

दंनिक जागरण

अरविंद जयतिलक

उत्तरी सीरिया के इदलिब प्रांत के खान शेखहुन में रासायनिक हमले में मारे गए सैकड़ों लोगों की

11 अप्रैल 2017



पर बढ़ते टकराव से रूस एवं अमेरिका के बीच खेमेबंदी तेज हो गई है। ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी तर्की, कनाडा, इजरायल, सऊदी अरब, कतर और जापान आदि देश अमेरिका के साथ हैं और सीरिया पर हमले का समर्थन कर रहे हैं। वहीं रूस, ईरान, उत्तर कोरिया, इराक, अल्जीरिया, वेनेजुएला, लेबनान और बेलारूस ने हमले को अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन मानते हुए अमेरिका की आलोचना की है। रूस ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की आपात बैठक बुलाने की मांगकर अमेरिका की मुश्किलें बढ़ा दी है। अगर कहीं सीरिया के समर्थन में रूस अमेरिकी हमले का कड़ा जवाब देता है तो स्थिति भयावह हो सकती है। बेहतर होगा कि अमेरिका व रूस टकराव छोड़ इसकी जांच करें कि रासायनिक

हमले का इस्तेमाल असद सरकार द्वारा किया

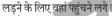
गया या इसके पीछे बागियों का हाथ है। रूस का कहना है कि सरकारी विमानों के निशाने पर विद्रोहियों द्वारा स्थापित रासायनिक हथियारों की फैक्टरी आ गई जिसमें विस्फोट की वजह से जहरीली गैस रिस गई, जबकि अमेरिका इस नतीजे पर है कि असद की सेना ने विद्रोहियों से इलाका खाली कराने की मुहिम के तहत रासायनिक हथियारों का इस्तेमाल किया। बहरहाल सच जो भी हो, पर अमेरिका और रूस को चाहिए कि वे विश्व शांति के लिए युद्ध का माहौल निर्मित करने से बचें। इसलिए कि सीरिया पहले से ही गृहयुद्ध में झुलस रहा है जिसमें अब तक तीन लाख से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। हालात इस कदर खतरनाक हो चुके हैं कि वहां रह रहे अन्य देशों के लोग पलायन को मजबूर हैं। संयुक्त राष्ट्र का कहना है कि सीरिया से हर रोज हजारों शरणार्थी सीमा पार कर इराक और लेबनान में शरण ले रहे हैं। एक आंकड़े के मृताबिक सीरिया में विद्रोह शुरू होने के बाद से अब तक 20 लाख लोग देश छोड़ चुके हैं।

गौरतलब है कि सीरिया में विद्रोह का लावा तब फूटा जब 26 जनवरी, 2011 को हसन अली अकलेह नामक एक व्यक्ति ने असद सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करने के लिए आत्मदाह किया। फरवरी 2011 में सोशल मीडिया के माध्यम से असद सरकार के खिलाफ माहौल बना और लोकतंत्रवादियों का गढ़ कहा जाने वाला दारा शहर सुलग उठा।हालात बदतर होते देख असद सरकार ने अप्रैल 2011 में आपातकाल लागू कर दिया। 2012 के दरम्यान इस्लामिक स्टेट का उत्तरी और पूर्वी सीरिया के व्यापक हिस्से पर कब्जा हो गया। वहां सरकारी बलों, विद्रोही गुटों, कुर्दिश चरमपंथियों, रूसी हवाई हमलों के साथ अमेरिकी नेतृत्ववाले गठबंधन देशों के बीच संघर्ष शुरू हो गया।ईरान, लेबनान, इराक, अफगानिस्तान और यमन से हजारों शिया लड़ाके सीरियाई सेना की तरफ से

प्रसंगवश

# खतरनाक मोड़ लेता सीरिया संकट

रूस का मानना है कि सरकार के हवाई हमलों के निशाने पर विद्रोहियों द्वारा स्थापित रासायनिक हथियारों की फैक्टरी आ गई जिसमें धमाके के कारण जहरीली गैस रिस गई, पर अमेरिका इस नतीजे पर पहुंचा है कि असद की सेना ने विद्रोहियों से क्षेत्र खाली कराने की मुहिम के तहत रासायनिक हथियारों का प्रयोग किया बहरहाल सँच्चाई जो भी हो, पर अमेरिका तथा रूस को विश्व शांति के लिए युद्ध का माहौल बनाने से बचना चाहिए



गौर करें तो छह साल बाद भी हालात जस के तस हैं। सीरिया के शासक बशर अल असद विद्रोहियों के दमन पर अमादा हैं वहीं विद्रोही समूह उन्हें सत्ता से उखाड़ फेंकने पर उतारु हैं। दूसरी ओर विश्व समुदाय खेमेबंदी में फंसता जा रहा है। यह विश्व शांति के लिए किसी अपशकुन से कम नहीं है। उचित होगा कि इस मामले में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद तत्काल दखल दे और यह सुनिश्चित करे कि सीरिया को लेकर महायुद्ध की नौबत न आए, लेकिन संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद सीरिया संकट का समाधान ढूंढ़ने में कामयाब होगा इसमें संदेह है। याद होगा 10 अप्रैल, 2012 को जब सीरिया के राष्ट्रपति बशर अल असद के नेतृत्ववाली सरकार और विद्रोहियों के बीच 13 माह से चल रहे गृहयुद्ध पर संघर्ष विराम की सहमति बनी तो वैश्विक समुदाय को लगा कि शायद अब सीरिया गृहयुद्ध की भयानक त्रासदी से उबर जाएगा, लेकिन 2013 में असद की सेना द्वारा सीरिया की राजधानी दिमश्क के उपनगरीय इलाकों में विद्रोहियों के ठिकाने पर रासायनिक हमला किए जाने से स्थिति बिगड़ गई।

उस रासायनिक हमले में तकरीबन 1300 लोगों को मौत हुई। तब भी अमेरिका ने सीरिया सरकार पर आरोप लगाया था कि उसने विद्रोहियों का दमन करने के लिए नर्व गैस से भरे रॉकेट का इस्तेमाल किया है, लेकिन सीरिया की सरकार ने इससे इन्कार किया और दलील दी कि सरकार को बदनाम करने और संयुक्त राष्ट्र की टीम का ध्यान बंटाने के लिए विद्रोहियों ने जहरीली गैस का इस्तेमाल किया।

इस घटना के उपरांत सीरिया में शांति के उम्मीदों पर पानी फिर गया। यहां ध्यान देना होगा कि संयुक्त राष्ट्र संघ और अरब लीग द्वारा नियुक्त शांतिदृत कोफी अन्नान के प्रयासों से 12 अप्रैल, 2012 को सीरिया में संघर्ष विराम लागू हुआ।मोटे तौर पर छह बिंदुओं पर सहमति बनी।

मसलन हिंसा के दौरान हिरासत में लिए गए लोगों को रिहा करना, उन स्थानों की सूची जारी करना जहां लोग बंदी बनाए गए हैं, बगैर भेदभाव वाली वीजा नीति सुनिश्चित करना, जनसंख्या वाले क्षेत्रों में हथियारों की आवाजाही पर रोक लगाना तथा प्रत्रकारों की स्वतंत्रता बहाल करना आदि प्रमुख थे, लेकिन जून 2012 में यह समझौता असफल हो गया। संयुक्त राष्ट्र संघ के शांति दूत लखदर ब्राहीमी भी सीरिया के समाधान का हल नहीं ढूंढ़ सके। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने सीरिया में हिंसा रोकने और राजनीतिक परिवर्तन करने वाले प्रस्ताव को भारी बहुमत से अगस्त 2012 में स्वीकार किया। इस प्रस्ताव में कहा गया कि सीरिया के राष्ट्रपति बशर अल असद पद छोड़ दें तथा संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों की तरफ से राजनियक संबंधों को बनाए रखा जाए। इसमें यह भी मांग की गई कि सीरिया अपने रासायनिक तथा जैविक हथियारों को नष्ट करे, लेकिन इसका कोई ठोस फलितार्थ देखने को नहीं मिला।

इसके लिए अमेरिका भी कम जिम्मेदार नहीं है। उसने दिसंबर 2012 में सीरिया में विपक्षी 'नेशनल कोलिशन फॉर सीरियन रिवोल्यूशनरी एंड ऑपोजिशन फोर्सेज' को मान्यता दे दिया जिससे रूस और चीन बेहद नाराज हुए। रूस ने तो यहां तक कहा कि अमेरिका अपने इस कदम से सीरिया में असद सरकार को उखाड़ फेंकने का मार्ग तलाश रहा है। दिसंबर 2012 में मोरक्को की राजधानी मराकेश में 130 देशों के 'फ्रेंड्स ऑफ सीरिया' समूह की बैठक में सीरियाई विद्रोहियों को सीरियाई लोगों के असल नुमाइंदे के रूप में भी मान्यता दी गई, लेकिन सीरियाई राष्ट्रपति बशर अल असद ने इसकी कड़ी निंदा की।फिलहाल कथित तौर पर असद की सेना द्वारा रासायनिक हथियारों का इस्तेमाल और अमेरिका द्वारा सीरिया के एयरबेस पर हमले के बाद समझना कठिन हो गया है कि आखिरकार सीरिया संकट का समाधान कैसे निकलेगा?

भारत पर प्रतिकूल असर के आसार

सीरिया संकट से वैश्विक कमोडिटी बाजार में अचानक उछाल आ गया है। क्या भारत भी



तो पेट्रोलियम उत्पादक देशों के संगठन (ओपेक) का सदस्य भी नहीं है। बताते चलें कि कच्चे तेल के वैश्विक उत्पादन, आपूर्ति और उसकी कीमतों के निर्धारण में इसी संगठन का प्रभृत्व है। फिर भी सीरिया के ताजा घटनाक्रम का कच्चे तेल के बाजार पर असर पड़ा है। इसकी वजह सीरिया विवाद में ऐसे दूसरे राष्ट्रों का उलझना है जो ओपेक के सबसे बड़े उत्पादक देशों में से हैं। उनमें इराक और ईरान जैसे देश शामिल हैं जो सऊदी अरब के बाद दूसरे और तीसरे नंबर के

सबसे बड़े कच्चे तेल के उत्पादक हैं। हालांकि फिलहाल कच्चे तेल की कीमतों पर इसका कोई बहुत व्यापक असर नहीं पड़ा है। इसमें 1.2 प्रतिशत की मामूली वृद्धि दर्ज की गई है। आगे भी इसमें वृद्धि होगी, इस बारे ्में अभी कुछ कहना मुश्किल है। बहरहाल सीरिया में रासायनिक हमलों के बाद जिस तरह से अमेरिका ने वहां के सैन्य हवाई ठिकाने अल-शायरात पर 59 टॉमा हॉक मिसाइलें दागीं, उसने पूरे विश्व को झकझोर कर रख दिया है। बशर अल असद का समर्थन करने

भुगतने की चेतावनी दे डाली है। ऐसे में अगर यह युद्ध लंबा चलता है तो निःसंदेह इसका सीधा असर कच्चे तेल की कीमतों पर पड़ेगा।

वैसे तीसरे विश्व युद्ध की आशंका दूर की कौड़ी प्रतीत होती है। और न केवल सीरिया, मध्य-पूर्व, बल्कि पूरी दुनिया के लिए यही बेहतर भी है। माना जा रहा है कि अमेरिका का हवाई हमला महज ट्रंप प्रशासन की एक रणनीति का हिस्सा है जो अपनी वैश्विक भूमिका का अभास कराना चाहता है। उसे यह भी दिखाना है कि नया अमेरिकी प्रशासन आम नागरिकों, महिलाओं और बच्चों पर किए गए रासायनिक हमलों को कतई बर्दाश्त नहीं करेगा। एक तरह से यह सीरिया में अमेरिका और रूस के बीच वर्चस्व की लड़ाई है और फिर से शीतयुद्ध के युग का पुनरुत्थान है। उम्मीद की जा रही है कि संयुक्त राष्ट्र संघ और अंतरराष्ट्रीय समुदाय के दूसरे बड़े देशों की मध्यस्थता से दोनों देश देर-सबेर किसी नतीजे पर पहुंच जाएंगे। काश ऐसा ही हो और सीरिया में मासूमों का कत्लेआम थम जाए, लेकिन अगर ऐसा नहीं होता है और ये दोनों देश अपनी सहयोगी सेनाओं के जरिये सीरिया में अपनी शक्तियों का प्रदर्शन करने पर आमादा रहे तो फिर मध्य-पूर्व एशिया में उथल-पूथल की गूंज पूरी दुनिया में सुनाई देगी।

चूंकि भारत अपने 80 प्रतिशत तेल का आयात इन्हीं मध्य-पूर्व एशियाई देशों से करता है। ऐसे में अगर कच्चे तेल की कीमतों में उछाल आता है तो इससे घरेलू खुदरा वस्तुओं के दाम बढ़ेंगे।इसलिए महंगाई की दर बढ़ेगी।

वाले रूस ने अमेरिका को इसका परिणाम तकनीकी तौर पर इसे आयातित मुद्रास्फीति कहा जाता है। महंगी ऊर्जा दर हमारी संपूर्ण थोक मूल्य सूचकांक का महत्वपूर्ण अंग है और ये दोनों एक दूसरे से संबंधित हैं। भारत का सालाना आयात बिल जब भी निर्यात बिल से अधिक हो जाता है तो इसका चाल वित्तीय घाटे पर अत्याधिक प्रभाव पड़ता है। नतीजतन रुपये की कीमतें बढ़ती हैं जिससे हमारी मुद्रास्फीति की दर भी प्रभावित हुए बिना नहीं रह पाती है। भारत एक विकासशील देश है। विकास की रफ्तार और अर्थव्यवस्था की तेज चाल को बनाए रखने के लिए इसे भारी

मात्रा में ऊर्जा की जरूरत है। ऐसे में यह जरूरी

है कि मध्य-पूर्व देशों से इसे तेल की आपूर्ति

न केवल अबाधित होती रहनी चाहिए, बल्कि

उसकी कीमतें भी तार्किक रहनी चाहिए।

जाहिर है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे

तेल की कीमतों में उछाल आने से हमारी

मश्किलं बढेंगी।

ऐसे में सीरिया विवाद को लेकर उत्पन्न हुई मौजूदा परिस्थितियों में भारत की भूमिका बहुत अहम हो जाती है। सोवियत और अमेरिका के दो ध्रुवीय विश्व वाले युग में भी हम गुटनिरपेक्ष आंदोलन के अगुवा रहे हैं।शीत युद्ध के दौर में भी सोवियत संघ के करीबी होने के बावजूद हमारी छवि उदार देश वाली रही है। आज हम अमेरिका के भी उतने ही करीबी हैं जितने की रूस के। लिहाजा हम रूस तथा अमेरिका के मध्य एक तटस्थ वार्ताकार की भूमिका निभा सकते हैं। ऐसे में दुनिया को एक त्रासदी से बचाने के लिए भारत को आगे आना चाहिए।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

### इनके लिए तो पत्थर ही सस्कार

डॉ. अतुल चतुर्वेदी

यह देखकर हैरानी होती है कि कुछ लोग आज भी पाषाणयुगीन सभ्यता में जी रहे हैं। वे आज भी शिकार के लिए पत्थर बरसाते हैं। सुरक्षा के लिए पत्थर इकट्ठे करते हैं और जब जहां मौका मिलता है पत्थर उगलते हैं। पत्थर ही उनका ईमान है। पत्थर ही संस्कार। उनकी भाषा से लेकर व्यवहा तक सब पत्थरनुमा हो चुका है। सही मायनो में कहें तो वे पत्थर के ही खुदा हैं। पत्थर के सनम तो कह नहीं सकते, क्योंकि सनम के पास एक आंख मोहब्बत की सदैव

हमारे समाज में रहने वाले ये पत्थरबाज एक नया राष्ट्रवादी पत्थर खोजकर लाए हैं। इस पत्थर की विशेषता यह है कि यह राष्ट्र की रक्षा करने वालों पर ही बरसता है उनको ही लहूलुहान करता है। सीमापार बैठे दुश्मनों का बाल भी बांका नहीं करता इन पत्थरबाजों की मानें तो इन पत्थरों के पीछे राष्ट्रनिर्माण की अभूतपूर्व वेदना छुपी हुई है जिसे सिर्फ उनकी चेतना का राडार

सचमुच कितने अजूबे हैं ये पत्थर जो देश को बांटकर वहां एक और दीवार चुनने की पुरजोर कोशिश कर रहे हैं। ये पत्थर अनजान दिशाओं से आते हैं और सिरफिरे हाथों से फेंके जाते हुए हमारे हौसलों पर गिरने की नाकामयाब कोशिश करते हैं लेकिन जब उनके द्वारा फेंके गए पत्थ के जवाब में वैसी ही प्रतिक्रिया देते हैं तो चीख-पुकार मच उठती है। मानवाधिका की अबाबीलें फड़फड़ाने लगती हैं हमारे सियासी पत्थरबाजजी इस विषय पर मौन साध लेते हैं।

असल में नए पत्थरबाज के हाथ मे स्वार्थों की गुलेल है। वे माकूल मौका देखते ही निशाना साधते हैं ताकि उनके स्वयं के हित सध सकें। उन्हें पक्षियों की भावनाओं से कोई सरोकार नहीं।आखिर वे चतुर शिकारी जो ठहरे और जो चतुर शिकारी होता है वह सदा लोलुपता के मोहक जाल लेकर ही अरण्य में विचरण करता है। उनके लिए अपने दिमाग में भरे पत्थर उगलने का यह सुनहरा मौका है। यदि किसी को लग जाए तो चुनावी कहकर सहला दो, वरना पत्थर तो हवा में है ही।

दुष्यंत ने कभी सोचा भी होगा कि आने वाले दिनों में लोग पत्थरों को अपने कुत्सित इरादों के लिए इस तंग तबीयत से हवा में उछालेंगे, लेकिन अर्थ बदल रहे हैं आपका पत्थर पत्थर है और हमारा पत्थर फूल ! आपका पत्थर ज्यादती है और हमारा पत्थर भूल ! अजी, पत्थर तो पत्थर ही होत है जनाब ! वो तो बस रोड़े ही खड़े करता है राह में। अब ऐसा कोई दैवीय कद कहां जो इन पत्थरों को तैराकर पुल बना सके।

### ट्वीट-ट्वीट

कलभषण को मौत की सजा अमन की आशा के समर्थकों के सामने भारत को लेकर पाक की नफरत का एक और सबूत है। मिन्हाज मर्चेट@MinhazMerchant

कुलभूषण न्यायोचित सुनवाई के हकदार हैं। उन्हें मौत की सजा सुनाई गई है जबकि मुंबई हमले के सूत्रधार पाक में खुले घूम रहे हैं। कार्तिकेय शर्मा@kartikeya\_1975



राशिद खान आप कमाल हैं।हैदराबादी बिरयानी के इलाके में चिकन अफगानी अपनी पुरी चमक बिखेर रहा है। रविशास्त्री@

RaviShastriOfc कश्मीर भारत का अटूट हिस्सा है। विरोध

तो स्वीकार्य है, लेकिन अगर आप बंदूक या पत्थर पकड़ते हैं तब या तो जेल जाइए या अपनी पसंद के मुल्क का रास्ता पकड़िए। गौरव सी सावंत@gauravcsawant

भागवत जी आज जब 'इंसान और इंसानियत की हत्या वाले कानून ' बेअसर होते दिख रहे हैं तब 'जानवरों की हत्या वाला कानून ' क्या असर दिखाएगा ?

क्या तीस्ता नदी के जल बंटवारे का मसला

इस साल के अंत तक सुलझ जाएगा?

जागरण जनमत

अलका लांबा@LambaAlka

राज्यनामा उत्तर प्रदेश

रानी सरकार के एक माननीय ने

हाल ही में नई सरकार के मुखिया से मुलाकात की तो फिर सियासी हलकों में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं। अपनों से खता खाए माननीय अब क्या कोई बड़ा कदम उठाने जा रहे हैं। जितने मुंह, उतनी बातें। राजनीति के कई उस्तादों ने तो मलाकात का सिरा गोमती नदी की परियोजना से जोड़ दिया, लेकिन आहट पहचानने वालों ने और भी निष्कर्ष निकालने शुरू कर दिए। कहीं माननीय की भगवा पार्टी में तो आमद नहीं दर्ज होने जा रही। कहीं वह नई पार्टी तो नहीं बनाने जा रहे। इस तरह के तमाम संकेतों ने माननीय के चहेतों के भी इरादे बदलने शुरू कर दिए हैं। भगवा पार्टी में तीन माह तक नए लोगों के प्रवेश पर रोक लगी है, लेकिन लक्ष्मणनगरी के ही एक वकील साहब का राष्ट्रीय राजधानी में यह पार्टी खैरमकदम कर चुकी है। संभव है कि पुरानी सरकार के माननीय को भी जल्द ही मौका मिल जाए। हालांकि जानकारों की मानें तो माननीय

# भगवा सरकार और पुराने 'माननीय'

( लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं )

तैयार कर रहे हैं। माहौल बनते ही वह कोई ऐसा लेकिन बहुतों को लगेगा बहुत जोर से..।

### ओटन लगे कपास

तहसीलों के नायब साहबान का एक प्रतिनिधिमंडल सूबाई हुकूमत के नए मुखिया से मिलने गया। उम्मीद थी कि नए निजाम में संवर्ग की मुरादें पूरी होंगी।प्रतिनिधिमंडल जैसे ही मुखिया से मुखातिब हुआ तो उन्होंने नायब साहबान से पहला सवाल यही दागा कि दफ्तर के समय में यहां कैसे ? वजीर-ए-आला का यह सवाल उस गुगली गेंद की तरह था जो नायब साहबान के हौसलों की गुल्लियां उडा ले गया। बहरहाल प्रतिनिधियों के नेता ने खुद को संयत करते हुए जवाब दिया कि सर दफ्तर में हाजिरी लगाकर आए हैं। यह जवाब सनते ही मखिया ने दसरा सवाल जड़ा कि क्या आपने यही कार्यसंस्कृति अपनाई है कि दफ्तर में हाजिरी लगाई और गायब हो गए? इस पर नायब साहबान को काटो तो खून नहीं। लगे



पसीना पोछने। वजीर-ए-आला ने उन्हें दफ्तर में रह काम करने की तगड़ी डोज दी। नायब साहबान ने भी रास्ता नापने में ही भलाई समझी।

### जय योगी जी...

यह किस्सा एक बड़े पुलिस अफसर का है। हालांकि किसी भी अधिकारी का हो सकता है।

बीस साल से साहब को पान खाने की लत थी और ऐसी थी जैसे कि आशिक और माशुक का रिश्ता हो। मृंह में हमेशा पान भरे रहना ही उनकी पहचान थी और दफ्तर में इसके चर्चे भी हुआ करते थे। बीवी-बच्चों की मनुहार और उनकी लाख कोशिशों के बाद भी यह आदत नहीं

छटी। कई बार तो बच्चों ने टीवी का विज्ञापन

दिखाकर भी चेताया कि अगला नंबर मेरे पापा छूटे और साहब तो खैर इसे बुरा मानते भी नहीं थे। इधर योगी की सरकार बनी और अचानक ही साहब ने पान खाने से तौबा कर ली। कहीं इसी चक्कर में सीएम के फेर में न पड़ जाएं। उनकी देखादेखी कई और अफसरों ने गुटखे से किनारा कर लिया। तुर्रा यह कि वे सब औरों को भी पान न खाने की हिदायत देने लगे हैं. कहीं बात योगी जी तक न पहुंच जाए। अफसरों पर क्या गुजरती होगी यह तो वही जानें, लेकिन उनके परिवारीजन इससे बड़े खुश हैं। एक पुलिस अधिकारी के बच्चे इसके लिए योगीजी की प्रशंसा करते नहीं अघाते। इस बार चुनाव में वह वोट नहीं डाल पाए थे, लेकिन अब उनका कहना है कि अगले चुनाव में वह योगी जी की पार्टी को ही वोट देंगे। जो काम कई न करा पाए, वह आखिर योगीजी ने करा ही दिया।

### अवध की रातें

अवध की शामें तो जमाने से मशहर रही हैं.

लेकिन इन दिनों चर्चा अवध की रातों की है। जहां रंगीनियत के लिए चलता था वहीं अब मुख्यमंत्री कार्यालय और एनेक्सी के आसपास रातों की कालिमा उन हाकिमों और हुक्मरानों को डराने लगी है जो सूरज डूबने के साथ ही इन सरकारी इमारतों को टाटा-बाय करते हुए किसी मॉल, किसी रेस्तरां, किसी क्लब, किसी मल्टीप्लेक्स या अपने घर के ही लक्जीरियस कमरों में उम्दा खानपान के साथ शाम और रात गुजारने के आदी हो चले थे। अब दिक्कत सिर्फ इतनी नहीं है कि रंगीन शामें दफ्तर के नीरस कमरे में कट रही हैं, बल्कि बड़ी कठिनाई यह है कि दोपहर बाद से ही रिलैक्स फील करने की आदत पाल चुके अफसरों को अब शाम ढलने के बाद और ज्यादा मुस्तैद रहना पड़ रहा है। आधी रात के बाद तक अटेंशन मुद्रा में दो-तीन गुजारने के बाद अधिकारी अब सुबह भी नींद के झोंकों के बीच लहराते हुए ऑफिस पहुंच रहे हैं और इन दिनों के जल्द गुजर जाने

की दुआ भी मांग रहे हैं।

### स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन

अभी अपने लिए इस सरकार में सॉफ्ट कार्नर

शशांक द्विवेदी

पिछले दिनों देश में विभिन्न समस्याओं का डिजिटल तरीके से समाधान ढूंढ़ने के लिए

ओर से आयोजित स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन के

10000 से ज्यादा प्रतिभागियों को संबोधित

करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि

उनकी योजनाओं 'न्यू इंडिया, स्मार्ट इंडिया,

स्मार्ट सिटी और कैशलैस लेनदेन' के मूल में

तकनीकी समाधान ही हैं। उन्होंने विद्यार्थियों

से ज्ञान और कौशल के बीच फर्क समझने

को कहा। उन्होंने कहा कि कौशल विकास

पर उनका पूरा ध्यान नए भारत का निर्माण

करने में मददगार साबित होगा। मोदी ने इस

कदम के प्रति अपनी सरकार की प्रतिबद्धता

को रेखांकित करते हुए कहा कि 29 से ज्यादा

मंत्रालय इस काम में जुटे हुए हैं और इसमें

निकलने वाले समाधान को उनके तर्कपूर्ण

विकास को एक व्यापक जन आंदोलन

बनाने और सूचना एवं प्रौद्योगिकी का उपयोग

करते हुए सुशासन को भारत में हर किसी तक

निष्कर्ष तक पहुंचाया जाएगा।

देश के 26 शहरों

में पहली बार स्मार्ट

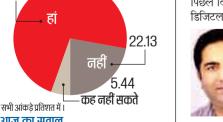
इंडिया हैकाथॉन की

शुरुआत हुई। नवाचार

और नवोन्मेष बढ़ाने

के लिए मानव संसाधन

विकास मंत्रालय की



कल का परिणाम

आज का सवाल क्या जिनके दो से अधिक बच्चे हैं उन्हें सरकारी नौकरी नहीं मिलनी चाहिए? अपनी राय और अधिक लोगों तक पहुंचाने के लिए अपने

Y –हां, N–नहीं, C–कह नहीं सकते परिणाम एसएमएस से प्राप्त नतीजों के साथ जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है।

मोबाइल के मैसेज बॉक्स में जाकर **POLL** लिखें,

स्पेस देकर Y, N या C लिखकर 57272 पर भेजें

### जनपथ

डर के आजम खान ने लौटा दी वह गाय मक्खन जिसके दूध का रहे अभी तक खाय। – ओमपकाश तिवारी

रहे अभी तक खाय मगर विष ना ठंडाया, अल्ला भी ना जान सकें आजम की माया। ले करके 'गोदान' दूध खाया जी भरके, अब लौटाने गाय चर्ले आजम जी डर के ।

# समाधान खोजने की नई पहल

विकास को एक आंदोलन बनाने और सूचना एवं प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए सुशासन को भारत में सभी तक पहुंचाने के लिए स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन की शुरुआत की गई है

पहुंचाने के लिए स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन की शुरुआत की गई है। इससे देश में डिजिटल डिवाइड को पाटने और डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देने में मदत मिलेगी। इसका उद्देश्य देश के लाखों छात्रों की रचनात्मकता और तकनीकी विशेषज्ञता के प्रयोग द्वारा एक मॉडल को संस्थागत रूप देना है। स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन प्रशासन और जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए जनसंसाधन जुटाता है और भारत की कठिन समस्याओं के अभिनव समाधान प्रदान करने के लिए नागरिकों को अवसर देता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह एक भ्रम है कि सरकार को सबकुछ पता है और उसके पास प्रत्येक समस्या का समाधान है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि सरकार के बाहर लोगों के पास भी तमाम अच्छे विचार हैं और वे साथ मिलकर मौजूदा समस्याएं हल कर सकते हैं। उन्होंने रेखांकित किया कि हैकाथॉन के प्रतिभागियों को समाज में रोजाना आने वाली 500 समस्याओं और चुनौतियों का समाधान खोजने की जिम्मेदारी दी गई थी और उनसे कहा गया था कि यह उनके लिए चुनौती

और अवसर दोनों है।

स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन दुनिया का सबसे बड़ा हैकाथॉन बन गया जिसमें 36 घंटे की अवधि में विभिन्न समस्याओं के नए समाधान खोजने के लिए युवाओं ने अपने विचारों को एक साथ रखा। अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद ने देश के 33 स्थानों पर राष्ट्रीय स्तर पर 36 घंटे की नॉन-स्टॉप डिजिटल प्रोग्रामिंग प्रतियोगिता आयोजित की थी।

भारत प्राचीन काल से ही ज्ञान के क्षेत्र में अव्वल रहा है। इसने शून्य को खोजा और उपनिषद से उपग्रह तक की यात्रा तय की है, लेकिन अब समाज के सामने आने वाली समस्याओं को सुलझाने के लिए सूचना एवं प्रौद्योगिकी के अधिकाधिक उपयोग की जरूरत है, क्योंकि समाज तेजी से तकनीक की ओर बढ़ रहा है। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इस हैकाथॉन में जुटे प्रतिभागियों को संबोधित करने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने विभिन्न शहरों के प्रतिभागियों से संवाद किया। सभी ने अपनी खोज और विचारों के बारे में उन्हें बताया। प्रतिभागियों से उन्होंने कहा कि नए भारत के निर्माण के सपने को पूरा करने का जुनून प्रत्येक भारतीय में वैसा ही होना चाहिए

जैसा भारत की आजादी से पहले सबके दिलों में स्वतंत्र होने के लिए था. क्योंकि जब आप अपनी ऊर्जा का प्रयोग सुशासन के क्षेत्र में करते हैं तो कई सकारात्मक परिणाम निकलते हैं। बिना चालकों वाले वाहन जैसी खोज का हवाला देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि आने वाले दिनों में इंटरनेट सबसे महत्वपूर्ण होगा और फिलहाल स्मार्ट सिटी परियोजना में उसका बड़े पैमाने पर प्रयोग हो रहा है। सच्चाई यह है कि नवोन्मेष भविष्य का आधार है। आज प्रौद्योगिकी किसी भी काम को आसान बनाने और गुणवत्ता वाला जीवन प्रदान करने में मदद कर रही है। आज का युवा नौकरी तलाशने वाला नहीं, बल्कि नौकरी निर्माता में बदल गया है। अब हम प्रौद्योगिकी संचालित

किसी भी राष्ट्र की प्रगति प्रौद्योगिकी और तकनीक के क्षेत्र में शिक्षा और अनुसंधान में हुई निरंतर वृद्धि पर निर्भर करती है। इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए हमारा अनुसंधान अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप होना चाहिए। दरअसल भारतीय शिक्षा की प्रमुख कमजोरी अनुसंधान में निजी क्षेत्र की हिस्सेदारी



यह है कि सरकार सिर्फ सरकारी संस्थाओं को प्रोत्साहित करती है और उनको आर्थिक रूप से मदद करती है। बुनियादी अनुसंधान के लिए सरकार को निजी संस्थाओं और निजी विश्वविद्यालयों को भी अपने साथ जोड़ना होगा। बेहतर निजी संस्थानों को आर्थिक मदद भी करनी होगी जिससे वे भी इसमें अपना सार्थक योगदान दे सकें। भारत में प्रति 10 लाख की आबादी पर 40 पेटेंट होते हैं जिसे अब बढ़ाने की जरूरत है।

तकनीकी शिक्षा को गुणवत्तापूर्ण बनाने के लिए आज से कई दशक पहले महात्मा गांधी ने कहा था कि कॉलेजों में हाफ-हाफ सिस्टम होना चाहिए। मतलब की आधे समय में किताबी ज्ञान दिए जाएं और आधे समय में उसी ज्ञान का व्यावहारिक पक्ष बताकर उसका

प्रयोग सामान्य जिन्दगी में कराया जाए। भारत में तो गांधी जी की बातें ज्यादा सुनी नहीं गईं, पर चीन ने उनके इस प्रयोग को पूरी तरह से अपनाया और आज स्थिति यह है कि उत्पादन की दृष्टि से चीन भारत से बहुत आगे है। भारतीय बाजार चीनी सामानों से भरे पड़े हैं।

कल मिलाकर सरकार को शिक्षा व्यवस्था में बुनियादी बदलाव करने होंगे, क्योंकि अभी भी हम अपने ज्ञान को बहुत ज्यादा व्यावहारिक नहीं बना पाए हैं। हमें नवोन्मेष और नवाचार को राष्ट्रीय प्राथमिकताओं में शीर्ष पर रखना होगा। आज जरूरत इस बात की भी है कि लोग प्रभावी, टिकाऊ एवं किफायती तकनीक विकसित करने के लिए पारंपरिक स्थानीय ज्ञान का समावेश करें ताकि वे सर्वाधिक जरूरतमंद लोगों तक पहुंच सकें।

(लेखक विज्ञान विषय के जानकार हैं)

-16.85

कतर एयरवेज की सहयोगी बेंगलुरु में बनाएगी बेस मृंबई: कतर एयरवेज की भारतीय सब्सिडियरी अपना बेस बेंगुलुरु में स्थापित

कर सकती है। यहीं से देश के अन्य शहरों के लिए हवाई संपर्क की सुविधा मुहैया कराएगी। कतर एयरवेज ने भारत में अपनी सहयोगी कंपनी के जरिये फुल सर्विस एयरलाइन शुरू करने की योजना बनाई है। फिलहाल केवल एयरएशिया इंडिया ही ऐसी कंपनी है, जिसने बेंगलुरु को अपना आधार बनाया है। यह कंपनी मलेशिया की एयर एशिया और टाटा संस का संयुक्त उद्यम है।

₹68.26

ऑनलाइन क्लेम प्राप्त करने के लिए आवेदन को उमंग से जोडा जाएगा । हालांकि इसे चालु करने के लिए अभी कोई तारीख तय नहीं हुई है। — बंडारू दत्तात्रेर, केंद्रीय श्रम मंत्री

₹58.01

कूड (ब्रेंट) \$55.89

### कारपोरेट हलचल

ओएनजीसी एवरेस्ट एक्सपीडिशन 2017

सदस्यीय एवरेस्ट पर्वतारोहण दल ने अभियान शुरू किया। यह पहला मीका है जब किसी करिपोरेट पराने का अपना पर्वतारोही



दल माउंट एवरेस्ट अभियान पर गया है। ओएनजीसी ने यह अभियान दल अपने युवाकर्मियों को पर्वतारोहण के प्रति आकर्षित करने के उदेश्य से

### एनएफएल का रिकॉर्ड उत्पादन

नेशनल फर्दिलाङ्जर लिमिटेड (एनएफएल) ने साल 2016-17 के दौरान 118 फीसद की साय 38.10 ताख टन युरिया का उत्पादन किया है। यह यूरिया



उत्पादन के मामले में कंपनी का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। साल 2015 16 में 37.99 लाख टन का उत्पादन किया गया था। कंपनी ने नाइट्रिक एसिश और अमोनियम नाइट्रेट सहित औद्योगिक उत्पादों के रिक्डिंड उत्पादन व 189 करोड़ रूपये की बिकी का रिकॉर्ड स्थापित किया।

### सीएसआइआर की गवर्निंग बॉडी में ओएनजीसी सीएमडी

वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंघान परिषद (सीएसआइआर) के अध्यक्ष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ओएनजीसी के सीएमडी दिनेश सराफ को परिषद की कार्यकारी समिति में मनोनीत किया है। सराफ का मनोनयन तीन साल की अविष के लिए हुआ है। सीआइएसआर की गवर्निंग बॉडी ही परिषद के सभी कामकाज के लिए उत्तरदायी होती है।



### एनटीपीसी बदरपुर का सीएसआर

एनटीपीसी वदरपुर ने आइटीआइ मालवीय नगर के मेघावी छात्रों ट्रंड के 37 छात्रों,



रेफिजेरेशन एयर कंडीशनिंग ट्रेड के 23 छात्रों को दल किट प्रदान की गई। इस कार्यक्रम में बदरपुर स्टेशन के समूह महाप्रबंधक नीरज कुमार सिन्हा को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था।

### आइसीएआर का स्थापना दिवस

आइसीएआर ने 4 अप्रैल को अपना ३०वां स्थापना दिवस मनाया। इस दिवस को स्कूली छात्रों के लिए ओपन हे की हैसियत से मनाया



इस दिन आइसीएआर की प्रयोगशालाओं को अवलोकन करने का मौका मिला। संस्थान ने ऐसा स्कूली छात्रों में कृषि और अन्य सहयोगी क्षेत्रों में अनुसंघान के प्रति रुचि जागृत करने के उद्देश्य से किया था।

## रेलवे की सप्लाई चेन का डिजिटाइजेशन

नई दिल्ली, प्रेट्ट : भारतीय रेलवे अपने सभी रेलवे जोनों में समुची सप्लाई चेन का डिजिटाइजेशन करने जा रही है। इसके साथ ही रेलवे डिजिटल कांट्रेक्ट लांच कर देगा। रेलवे ने कारोबारी सुगमता और पारदर्शिता में सुधार लाने के मकसद से यह कदम उठाया है। इससे रेलवे की लागत में भी कमी आयेगी। खरीद का समय बचेगा और खरीद में किफायत होगी। भारतीय रेलवे हर साल करीब 50 हजार करोड़ रुपये का व्यय करके तमाम तरह की खरीद करती है।

रेलवे अपने सिस्टम में ई-टेंडरिंग और ई-ऑक्शन को पूरी तरह लागू कर चुका है। सप्लाई चेन का डिजिटाइजेशन होने से उसके मैटीरियल, फाइनेंस और सूचनाओं का अबाध आवागमन सुनिश्चित हो सकेगा। इससे रेलवे की कार्यकुशलता और उत्पादकता में सुधार होने की संभावना है। रेल मंत्री सुरेश प्रभु 11 अप्रैल को डिजिटल कांट्रेक्ट को लांच करेंगे। डिजिटल कांट्रेक्ट समग्र डिजिटल सप्लाई चेन है। इस सप्लाई चेन से सभी पक्ष जैसे उद्योग, वित्तीय संस्थान, रेलवे के आंतरिक कस्टमर और निरीक्षण एजेंसियां जुड़ेंगी। इससे समूची चेन ज्यादा कार्यकुशल, जवाबदेह और पारदर्शी हो जाएगी।

सिस्टम में बिल जमा होने, निरीक्षण डिस्पैच, प्राप्तियां, बिल मंजूरी, भुगतान, वारंटी निगरानी और रियल टाइम आधार पर सप्लाई चेन की कार्यकुशलता सुधारने के लिए एनालिटिक्स के इस्तेमाल जैसी सभी प्रक्रियाएं शामिल होंगी। रेलवे मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया कि सप्लाई चेन के डिजिटाइजेशन से कार्यकुशलता बढ़ेगी, रुकावटें दूर होंगी और ट्रांजैक्शन लागत कम होगी। इसके अलावा पारदर्शिता भी बढ़ेगी।

रेलवे के पास अपने सिस्टम को चलाने और परिवहन सुविधाएं देने के लिए विशाल सप्लाई चेन है। इससे वह अपने सिस्टम का खरखाव करता है और



डिजिटल कांट्रेक्ट, सिस्टम में पारदर्शिता आएगी

नये एसेट विकसित करता है। इसके बल पर ही वह सुरक्षित और कार्यकुशल सेवाएं प्रदान करती है। उसके सिस्टम से बड़ी संख्या में कंपनियां और सप्लायर जुड़े हैं। इस पर रेलवे हर साल करीब 50 हजार करोड़ रुपये खर्च करता है। उसकी सप्लाई चेन से बड़े पैमाने पर कारोबार होता है और लाखों की संख्या में रोजगार पैदा होते हैं। इस लिहाज से यह रेलवे के लिए अत्यंत अहम काम है।

अधिकारी के अनुसार प्रक्रिया के डिजिटाइजेशन से रेलवे अपने बजट को परिणामों को सीधे तौर पर जोड़ सकेगा। सरकार इस पर खासा जोर दे रही है। रेलवे पारदर्शिता और कार्यकुशलता सुधारने के लिए इन्फोर्मेशन व कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल कर रही है। इस कदम से फैसले लेने के लिए एनालिटिक्स का इस्तेमाल संभव होगा। रेलवे इसके चलते अपनी इन्वेंट्री घटा सकेगी और खरीद का समय भी कम कर सकती है। इससे रेलवे की लागत में भी कमी आएगी।इससे कारोबारी सुगमता को भी बढ़ावा मिलेगा। सरकार इस पर लगातार जोर दे रही है।

### तैयारी > नागपुर में अंबेडकर जयंती पर होने वाले कार्यक्रम में होगी घोषणा

# पीएम करेंगे आधार भुगतान का एलान

### डिजिधन स्कीम के विजेता को इसी कार्यक्रम में दिया जाएगा पुरस्कार

नितिन प्रधान, नई दिल्ली

सरकार अंबेडकर जयंती यानी 14 अप्रैल को आधार के जरिये भुगतान की व्यवस्था शुरू करने का एलान कर सकती है। इस अवसर पर महाराष्ट्र के नागपुर में आयोजित कार्यक्रम से इसकी शुरुआत हो सकती है। डिजिधन योजना के तहत घोषित एक करोड़ रुपये के पुरस्कार के विजेता को इसी कार्यक्रम में पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी।

सरकार ने अंबैडकर जयंती के मौके पर नागपुर में एक बड़ा कार्यक्रम आयोजित किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कई वरिष्ठ मंत्रियों के साथ इस कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। सूत्र बताते हैं कि प्रधानमंत्री इसी कार्यक्रम में बहुप्रतीक्षित आधार आधारित भुगतान व्यवस्था के लांच की घोषणा करेंगे। इसी दिन इस सिस्टम को मौजूदा भीम एप से जोड़ने की घोषणा भी हो सकती है। कार्यक्रम में सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी, ऊर्जा कोयला खनन व नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री पीयूष गोयल, मानव संसाधन मंत्री प्रकाश जावड़ेकर, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फणनवीस समेत कुछ राज्य मंत्री भी हिस्सा लेंगे।

आधार आधारित भूगतान व्यवस्था के शुरू होने के बाद लोग केवल अपने अंगूठे की पहचान के आधार पर भुगतान कर सकेंगे। फिलहाल देश में आधार धारकों की संख्या 111 करोड़ से अधिक हो गई है। जिन लोगों के बैंक खाते आधार के साथ लिंक हो गए हैं, वे सभी इस व्यवस्था का लाभ उठा सकेंगे। वैसे सरकार ने सभी बैंक खातों को आधार से जोड़ने की मुहिम शुरू की है। अब तक 42 करोड़

देश में आधार धारकों की संख्या 111 करोड

से अधिक है। अब तक 42 करोड़ बैंक खाते खाते आधार से लिंक किये जा चुके हैं। 18 वर्ष या

उससे ज्यादा की उम्र वाले लगभग प्रत्येक व्यक्ति को आधार मिल चुका है।

व्यवस्था 'आधार पे' में बगैर किसी कार्ड या फोन के न केवल भुगतान किया जा सकेगा बल्कि प्राप्त भी किया जा सकेगा। इस व्यवस्था में भुगतान हासिल करने वाले के पास एक स्मार्ट फोन होना चाहिए जिससे बायोमेट्रिक सेंसर जुड़ा होगा। सेंसर की कीमत मात्र दो हजार रुपये है। भुगतान करने के लिए फोन के एप में आधार संख्या डालनी होगी और अंगूठे की पहचान कराकर पैसा भेजा जा

₹80.04

आधार आधारित सिस्टम की शुरुआत 14 बैंकों के साथ होने की संभावना है। इनमें से पांच बैंक भारतीय स्टेट बैंक, सिंडीकेट बैंक, आईडीएफसी बैंक, आंध्रा बैंक और इंडसइंड बैंक ने पायलट प्रोजेक्ट शरू किया है। सरकार ने आधार पे को भीम के साथ जोड़ने का इरादा जताया है। इससे सभी बैंक एक साथ नयी सुविधा मुहैया करा सकेंगे।

### गोल्ड ईटीएफ से निकासी जारी

नई दिल्ली, प्रेट्ट : बीते चार साल से गोल्ड ईटीएफ (एक्सचेंज ट्रेडेड फंड) को लेकर निवेशकों में मंदड़िया रुझान बना हुआ है। यही वजह है कि पिछले वित्त वर्ष 2016-17 के दौरान भी उन्होंने गोल्ड लिंक्ड 14 ईटीएफ से 775 करोड़ रुपये की निकासी की। इसके चलते गोल्ड फंडों के एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) में 16 फीसव की कमी आई। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) की ओर से यह जानकारी दी गई है। गोल्ड ईटीएफ ऐसे निवेश इंस्ट्रमेंट हैं जो सोने की कीमतों पर आधारित होते हैं। ये ईटीएफ सोने में निवेश करते हैं।

लगातार चार वर्षों से गोल्ड ईटीएफ सेगमेंट में कारोबार सुस्त दिख रहा है। इस दौरान वष् 2013-14 में निवेशकों ने 2,293 करोड़ रुपरे की निकासी की। इसके अगले वर्ष उन्होंन ईटीएफ से 1,475 करोड़ रुपये निकाले। वर्ष 2015-16 में यह आंकड़ा 903 करोड़ रुपये रहा। अलबत्ता इन आंकड़ों से यह निकासी की रफ्तार में कमी आ रही है।

## जल्द ही मोबाइल के जरिये निकाल सकेंगे ईपीएफ

नई दिल्ली, प्रेट्ट : जल्द ही कर्मचारी मोबाइल एप 'उमेंग' के जरिये अपना ईपीएफ निकाल सकेंगे। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) इस एप के जरिये पीएफ दावे निपटाने की तैयारी कर रहा है। केंद्रीय श्रम मंत्री बंडारू दत्तात्रेय ने लोकसभा में यह जानकारी दी। इससे कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) में अंशदान करने वाले साढ़े चार करोड़ लोगों को फायदा होगा। दत्तात्रेय ने कहा कि ईपीएफओ पीएफ दावे (क्लेम)

के आवेदन ऑनलाइन तौर पर प्राप्त करने के लिए तैयारी में लगा है। संगठन इसके तहत ऑनलाइन दावा निपटान प्रक्रिया विकसित कर रहा है। ऑनलाइन क्लेम प्राप्त करने के लिए आवेदन को यूनीफाइड मोबाइल एप फॉर न्यू-एज गवर्नेंस (उमंग) से जोड़ा जाएंगा। हालांकि मोबाइल एप के जरिये दावों का निपटान शुरू करने की कोई समय तय नहीं की गई है। पीएफ निकासी, पेंशन निर्धारण या ग्रुप इंश्योरेंस

बेनिफिट सेटलमेंट के लिए ईपीएफओ के पास सालाना एक करोड़ आवेदन किए जाते हैं। फिलहाल इन दावों का निपटारा मैनुअल ढंग से किया जाता है।ईपीएफओ के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार 123 फील्ड

ऑफिस में से 110 कार्यालयों को पहले से सेंट्रल सर्वर से कनेक्ट किया जा चुका है। ऑनलाइन दावा निपटान की सुविधा शुरू करने से पहले सभी फील्ड ऑफिस का केंद्रीय सर्वर से जुड़ना जरूरी है। इसके अलावा पीएफ क्लेम ऑनलाइन निपटाने के लिए भविष्य निधि संबंधी यूनिवर्सल एकाउंट नंबर के साथ आधार नंबर और बैंक खाते का जोड़ना आवश्यक है।

श्रम मंत्री ने बताया कि ईपीएफओ ने टैक्नोलॉजी अपग्रेड करने के लिए सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस्ड कंप्यूटिंग (सी-डैक), पुणे को तकनीकी सलाहकार के तौर पर नियुक्त किया है। ईपीएफओ अपने तीन केंद्रीय डाटा केंद्रों- दिल्ली, गुरुग्राम और सिंकदराबाद को आधुनिक उपकरणों से लैस कर रहा है।

तीन घंटे में दावे निपटाने का लक्ष्य : इससे पहले केंद्रीय भविष्य निधि आयुक्त ने जानकारी दी कि ईपीएफओ मई से ऑनलाइन क्लेम सेटल करने की सेवा शुरू करने की तैयारी कर रहा है। संगठन का लक्ष्य सदस्यों के ऑनलाइन आवेदन करने के बाद तीन घंटे के भीतर पीएफ संबंधी दावों का निपटारा सुनिश्चित

## नीति आयोग को भी लेटलतीफी का रोग

### जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

मोदी सरकार ने योजना आयोग को खत्म कर नीति आयोग तो बना दिया लेकिन इसे भी अपने पूर्ववर्ती आयोग की तरह शायद लेटलतीफी का रोग लग गया है। हाल यह है कि बारहवीं पंचवर्षीय योजना खत्म होने के बावजुद नीति आयोग अब तक न तो इसकी मध्यावधि समीक्षा पेश कर पाया है और न ही पंचवर्षीय योजनाओं की जगह लागु होने वाली त्रिवर्षीय कार्ययोजना, 7 वर्षीय कार्यनीति और 15 वर्षीय विजन दस्तावेज का खाका तैयार कर पाया है। शायद यही वजह है कि अब संसद सदस्य सरकार से पूछने लगे हैं कि नीति आयोग त्रिवर्षीय कार्ययोजना कब तैयार करेगा।

संसद के मौजूदा सत्र के दौरान बीते एक हफ्ते में लगातार दूसरी बार संसद सदस्यों के सवालों के जवाब में यह मुद्दा सामने आया है। पहला सवाल पांच अप्रैल को गोरखपुर से सांसद और अब उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से लोकसभा में पूछा गया था। उन्होंने योजना क्रियान्वयन मंत्री से पूछा था कि क्या सरकार ने त्रिवर्षीय कार्य योजना का प्रारूप



त्रिवर्षीय योजना तैयार नहीं

सदन को बताया था कि त्रिवर्षीय कार्ययोजना के साथ-साथ सात वर्षीय कार्यनीति और 15 वर्ष के विजन दस्तावेज के लिए प्रारूप तैयार करने का कार्य उन्नत चरण में है। नीति आयोग के उपाध्यक्ष की अध्यक्षता में वर्ष 2016 में प्रतिष्ठित अर्थशास्त्रियों, संपादकों, कृषि विशेषज्ञों, विज्ञान और प्रौद्योगिकी क्षेत्र तथा रक्षा व आंतरिक सुरक्षा क्षेत्र के विशेषज्ञों के साथ छह विचार विमर्श बैठकें कीं।

कार्ययोजना तैयार नहीं हुई है, इसका गोलमोल

इधर राज्यसभा में भी सोमवार को एक सवाल के लिखित जवाब में योजना राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार राव इंद्रजीत सिंह ने वही जवाब दोहरा दिया। उन्होंने कहा कि सरकार त्रिवर्षीय कार्ययोजना, सात वर्षीय कार्यनीति और 15 वर्षीय विजन दस्तावेज तैया

उल्लेखनीय है कि नीति आयोग ने 1950 से चली आ रही पंचवर्षीय योजनाएं बनाने की परंपरा को खत्म कर त्रिवर्षीय कार्ययोजना बनाने का एलान किया था। 12वीं पंचवर्षीय योजन 31 मार्च, 2017 को खत्म हो चुकी है लेकिन आयोग अपने दो साल के कार्यकाल में अब तक इसकी मध्यावधि समीक्षा भी देश के समक्ष पेश

योजना आयोग के समय अक्सर पंचवर्षीय योजनाएं तैयार करने में विलंब होता था लेकिन नीति आयोग बनने के बावजूद अब तक देश के विकास की अल्पावधि, मध्यावधि औ दीर्घकालिक योजनाएं तैयार नहीं हुईं है। इससे लगता है कि विलंब की समस्या दूर नहीं हुई है।

सीबीडीटी के सदस्य बने

**नई दिल्ली**: सरकार ने दो वरिष्ठ

नौकरशाहों- अजित कुमार श्रीवास्तव और

बोर्ड ( सीबीडीटी ) में सदस्य नियक्त किया

शबरी भट्टाशाली को केंद्रीय प्रत्यक्ष कर

है। इस संबंध में कार्मिक और प्रशिक्षण

विभाग ने एक आदेश जारी किया है। दोनो

को यह जिम्मेदारी देने के लिए कैबिनेट की

नियुक्ति समिति पहले ही मंजूरी दे चुकी है।

श्रीवास्तव भारतीय राजस्व सेवा के 1980

और भट्टाशाली 1981 बैच के अधिकारी

हैं।सीबीडीटी आयकर विभाग का शीर्ष

सरकार ने एलआइसी में दो

नीति निर्माता निकाय है।

अजित और शबरी

न्यूज गैलरी

## सतकेतावश दलाल स्ट्रीट में बिकवाली

मुंबई, प्रेट : आर्थिक आंकड़े और कंपनी नतीजे आने से पूर्व निवेशकों ने सोमवार को सतर्कता भरी बिकवाली की। इसके चलते दलाल स्ट्रीट में सोमवार को लगातार तीसरे सत्र में गिरावट जारी रही। इस दिन बंबई शेयर बाजार (बीएसई) का सेंसेक्स 130.87 अंक फिसलकर करीब दो हफ्ते के निचले स्तर 29575.74 पर बंद हुआ। इन तीन सत्रों के दौरान यह संवेदी सूचकांक 398.50 अंक नीचे आ चुका है। इसी प्रकार नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 16.85 अंक टूटकर

फरवरी के औद्योगिक उत्पादन और मार्च की खुदरा महंगाई के आंकड़े बुधवार को आएंगे। ताजा बिकवाली के लिए यही बात फौरी दिगर बनी। इसके अलावा गुरुवार से कंपनियों के वित्तीय नतीजे आने शुरू हो जाएंगे। इस दिन प्रमुख आइटी कंपनी इंफोसिस अपने परिणामों का एलान करेगी। इसके अलावा अमेरिका की ओर से सीरिया पर बीते हफ्ते हुए मिसाइल हमले के चलते भू-राजनीतिक तनाव बना हुआ है। इन सब वजहों से निवेशक सतर्क रुख अपनाते हुए बिकवाली कर रहे हैं।

बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 29752.62 अंक पर मजबूत खुला। ऊंचे में यह 29831.22 अंक तक गया। बाद में बिकवाली के दबाव में कारोबार के दौरान एक समय यह सत्र के निचले स्तर 29553.04 अंक को छ गया। इस दिन आइटी, टेक्नोलॉजी, रियल्टी, कंज्यूमर ड्यूरेबल और पावर कंपनियों के शेयरों पर बिकवाली की मार पड़ी। सेंसेक्स की तीस कंपनियों में 16 के शेयर नुकसान में रहे, जबकि 14 में फायदा दर्ज हुआ।

### रुपया 28 पैसे कमजोर

मुंबई : डॉलर के मुकाबले तीन सत्रों तक लगातार मजबूत होने के बाद रुपये ने अब नीचे का रुख पकड़ लिया। भू-राजनीतिक के चलते सोमवार को अंतर बैंक विदेशी मुद्रा बाजार में डॉलर के सामने रुपये में तीन माह की सबसे बड़ी 28 पैसे की गिरावट दर्ज हुई। इस दिन भारतीय मुद्रा 64.57 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुई।

# फ्लिपकार ने जुटाए 90 अरब रुपये

माइक्रोसॉफ्ट, टेनसेंट व ईबे ग्लोबल ने खरीदी हिस्सेदारी

नई दिल्ली, प्रेट्र/रायटर : देश की दिग्गज ई-कॉमर्स फर्म फ्लिपकार्ट ने तीन कंपनियों से 1.4 अरब डॉलर (करीब 9,050 करोड़ रुपये) की राशि जटाई है। यह किसी भी भारतीय इंटरनेट कंपनी की ओर से जुटाई गई सबसे बड़ी राशि है। माइक्रोसॉफ्ट, टेनसेंट होल्डिंग्स (चीन की इंटरनेट सेवा कंपनी) और ईबे ग्लोबल ने यह रकम उपलब्ध कराई है। फ्लिपकार्ट ने सोमवार को इस सौदे का एलान किया। इससे पहले भी फ्लिपकार्ट कई दौर में तीन अरब डॉलर (लगभग 19,365 करोड़ रुपये) जुटा चुकी है। इसमें ज्यादातर रकम टाइगर ग्लोबल, एस्सेल पार्टनर्स व डीएसटी ग्लोबल जैसे अंतरराष्ट्रीय निवेशकों से आई। फ्लिपकार्ट का मौजूदा वैल्युएशन 11.6 अरब डॉलर (करीब 74.800 करोड रुपये) है। वर्ष 2015 में कंपनी का बाजार मूल्य 15 अरब डॉलर (लगभग 96,825 करोड़ रुपये)

यह घोषणा उस समय हुई है, जब कुछ महीने से भारतीय इंटरनेट कंपनियों के लिए फंडिंग के स्रोत सूखते नजर आ रहे थे। यही नहीं, फ्लिपकार्ट व स्नैपडील को अमेजन जैसी ग्लोबल ई-कॉमर्स दिग्गज की और कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ेगा। अमेजन ने बीते साल भारत में पांच अरब डॉलर का निवेश करने का एलान किया था।

फ्लिपकार्ट के संस्थापक सिचन बंसल व बिन्नी बंसल ने कहा कि इस सौदे के जरिये भारत में तकनीकी की मदद से कारोबार को बदलने का भरोसा और मजबूत हुआ है। अमेजन में काम कर चुके सचिन और बिन्नी ने दस साल पहले फ्लिपकार्ट की स्थापना की थी।

रनैपडील को खरीदने की फिराक में : ऐसी चर्चाएं हैं कि फ्लिपकार्ट घरेलु प्रतिस्पर्धी ई-कॉमर्स कंपनी स्नैपडील को भी खरीदने की

### किराना कारोबार में भी उतरेगी

फ्लिपकार्ट के सीईओ कल्याण कष्णमर्ति ने कहा है कि फिर से किराना ( ग्रोसरी ) कारोबार में उतर रही है। पिछले तीन साल में कई कंपनियां किराने के कारोबार से बाहर हो चुकी हैं। एक समय 50 ई-ग्रोसरी कंपनियां थी। अब सिर्फ बेंगलुरु की बिग बास्केट व गुरुग्राम की ग्रोफर्स ही बची हैं।इसमें तीसरी कंपनी अमेजन है, जिसने 2016 से पांच शहरों में कारोबार शुरू किया है। भारत में 80 फीसद ग्रोसरी का सामान खरीदा जाता है। यहां खाने और किराने का 23.03.500 करोड रुपये का बाजारहै। अभी इसमें सिर्फ आधा फीसद ही ऑनलाइन खरीदारी होती है।



फिराक में है। वह इसके लिए जापानी कंपनी सॉफ्टबैंक के साथ बातचीत कर रही है। स्नैपडील की प्रमोटर कंपनी जैस्पर इंफोटेक में जापानी कंपनी सबसे बड़ी शेयरधारक है। अगर यह सौदा हुआ तो देश के ई-कॉमर्स क्षेत्र का सबसे बड़ा अधिग्रहण होगा।



### फ्लिपकार्ट में विलय होगा ईबे इंडिया का

हिस्सेदारी के बदले 50 करोड़ डॉलर (करीब 3,225 करोड़ रुपये) का नकद निवेश करेगी।कंपनी ने ईबे इंडिया का कारोबार भी फ्लिपकार्ट को बेच दिया है। अब ईबे इंडिया को फ्लिपकार्ट चलाएगी। इसके अलावा फ्लिपकार्ट ने ईबे ग्लोबल से करार किया है। इसके तहत ईबे के प्रोडक्ट भारत में आ सकेंगे। साथ ही. फ्लिपकार्ट के उत्पाद विश्व के खरीदारों तक पहंच सकेंगे। इस साल के अंत तक यह सौदा पूरा हो जाएगा। इसके बाद ईबे अपने सक्रिय ग्राहक फ्लिपकार्ट को ट्रांसफर कर देगी। अलबत्ता ईबे डॉट इन का अलग फर्म के रूप में अस्तित्व बना रहेगा।

### और एमडी नियुक्त किए मंबई: केंद्र सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआइसी) में सोमवार को दो और एमडी नियुक्त कर दिए। इनके नाम बी ग्लोबल कंपनी ईबे फ्लिपकार्ट में

वेणुगोपाल और सुनीता शर्मा हैं। वेणुगोपाल फिलहाल एलआइसी के पश्चिमी क्षेत्र के प्रमुख हैं, जबकि शर्मा सब्सिडियरी एलआइसी हाउसिंग की एमडी हैं। इस सरकारी बीमा कंपनी में दोनों की नियुक्ति दो साल के लिए की गई है। एलआइसी में एक चेयरमैन और चार एमडी होते हैं।

### दादीसेट ने इंडियन होटल से दिया इस्तीफा

**नर्ड दिल्ली** : टाटा समूह की इंडियन होटल कंपनी (आइएचसीएल) से केबी दादीसेठ ने इस्तीफा दे दिया है। वह कंपनी में स्वतंत्र निदेशक थे। उनका इस्तीफा सात अप्रैल से ही प्रभावी हो गया है। कंपनी ने बीएसई को यह जानकारी दी है। दादीसेठ उन छह स्वतंत्र निदेशकों में शामिल थे, जिन्होंने बीते साल नवंबर में साइरस मिस्त्री के नेतृत्व में भरोसा जताया था। इससे पहले 24 अक्टूबर को टाटा संस ने मिस्त्री को चेयरमैन पद से बर्खास्त कर दिया था। इसके बाद आइएचसीएल के निदेशक बोर्ड की बैठक में स्वतंत्र निदेशकों के समर्थन के चलते उन्हें कंपनी के चेयरमैन पद से हटाया नहीं जा सका था।

### इंडिगो का गर्मियों की छुट्टियों के लिए विशेष ऑफर

नई दिल्ली: बजट एयरलाइन इंडिगो ने गर्मियों की छुट्टियों के लिए घरेलू और अंतरराष्ट्रीय रूटों पर विशेष ऑफर का एलान किया है। इसके तहत कंपनी ने शुरुआती किराया १९१ रुपये रखा है। तीन दिन की यह विशेष स्कीम के लिए बुकिंग सोमवार को शुरू हुई। इसके लिए 12 अप्रैल तक बुकिंग की जा सकेगी।इन टिकटों पर एक मई से 30 जून के बीच यात्रा की जा सकेगी।विशेष किराया पहले आओ, पहले पाओ आधार पर ऑफर किया जाएगा। इसके लिए बुकिंग राशि रिफंड नहीं की जाएगी।

### प्रतिद्वंद्विता

शिकायत में कहा गया है कि कथित तौर पर जियो ग्राहकों को एसएमएस भेजकर स्कीम का लाभ लेने के लिए तुरंत रिचार्ज करने को प्रोत्साहित कर रही है।



# रिलायंस जियो के खिलाफ ट्राई पहुंचा वोडाफोन

नर्ड दिल्ली, प्रेट : टेलीकॉम ऑपरेटर वोडाफोन ने ट्राई से

कहा है कि रिलायंस जियो ग्राहकों को लगातार समर ऑफर दे रही है। जबकि यह ऑफर ट्राई के मानकों को पूरा नहीं करता है। वोडाफोन ने कहा कि पिछले तीन दिनों से जियो मानकों के विरुद्ध इस ऑफर का लाभ लेने के लिए ग्राहकों को तुरंत रिचार्ज करने के लिए लुभा रही है और इसे बढ़ावा दे रही है। शिकायत पत्र में कथित तौर पर रिलायंस जियो द्वारा ग्राहकों और स्टिलर्स को भेजे गये एसएमएस का भी हवाला दिया गया है, जिसमें स्कीम का लाभ लेने के लिए तुरंत रिचार्ज करने को कहा गया है। एसएमएस में लिखा है कि जियो ने ग्राहकों को स्कीम में शामिल होने के लिए 10 अप्रैल तक का समय दिया है।

प्रमुख उद्योगपति मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस जियो ने 31 मार्च को घोषणा की थी कि अभी तक प्राइम मेंबरशिप प्लान में पंजीकरण नहीं कराने वाले ग्राहकों को 15 अप्रैल तक 99 रुपये जमा करवाकर प्लान लेना होगा छह अप्रैल को टाई के आदेश के बाद भी

एसएमएस भेजे गर्य : वोडाफोन

अनुमति दिये जाने को चुनौती दी है।

शिकायत की है कि रिलायंस जियो अभी भी ग्राहकों को समर सरप्राइज ऑफर के जरिये लुभा रहा है जबकि वह जियों के इस ऑफर को नियमों के विरुद्ध बता चुका है। वोडाफोन ने टेलीकॉम रेगुलेटर ट्राई को भेजे पत्र में

और न्यूनतम 303 रुपये का रिचार्ज कराना होगा। इससे ग्राहकों को तीन महीने तक 4जी सेवाएं मुफ्त मिलेंगी।ट्राई ने छह अप्रैल को रिलायंस जियो से ऑफर बंद करने को कहा था। वोडाफोन का कहना है कि अभी तक यह प्लान बंद नहीं किया गया है।

### जियो के विरुद्ध टीडीसैट में सुनवाई टली नई दिल्ली : टीडीसैट ने रिलायंस जियो की 4जी सेवाओं के मामले में दायक याचिका पर सुनवाई

टाल दी है। अब इस पर सुनवाई 20 अप्रैल को होगी। टेलीकॉम रेगुलेटर ट्राई ने रिलायंस जियो को पूर्व निर्धारित 90 दिनों की अवधि के बाद भी मुफ्त 4जी सेवाएं देने की अनुमति दी थी। इसके विरुद्ध एयरटेल और आइंडिया ने अपील की थी। जियो ने पिछले साल सितंबर में फ्री वॉइस व डाटा प्लान का मुफ्त ऑफर दिया था। दिसंबर में कंपनी ने यह ऑफर मार्च तक बढ़ा दिया। प्रतिस्पर्धी कंपनियों ने तीन महीने के आगे मुफ्त ऑफर को ट्राई द्वारा

वोडाफोन के पत्र में कहा गया है कि उसकी राय में मानकों के विरुद्ध प्लान लेने के लिए ग्राहकों को प्रोत्साहन करना ट्राई के निर्देश का घोर उल्लंघन और अपमान है। इस तरह के प्रमोशन से प्लान वापस लेने की ट्राई की सलाह निरर्थक हो जाती है।

### कुवैत में सरकारी एजेंसियों से ही भारतीय नर्सों की भर्ती

दुवर्ड, प्रेट्ट: भारत सरकार ने कुवैत में नर्सों की भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने के लिए अहम कदम उठाया है। अब यहां भारतीय नर्सों की भर्ती सिर्फ सरकारी एजेंसियों के माध्यम से ही हो सकती है। इसके लिए छह एजेंसियों को नामित किया गया है।

कुवैत में भारतीय दूतावास ने बयान में बताया कि यह नियम मई 2015 से लागू है। कुवैत के कुछ निजी अस्पतालों की ओर से भारतीय नर्सों की भर्ती प्रक्रिया के बारे में पूछे जाने पर यह जानकारी दी गई। दूतावास ने कहा, 'कुवैत में भारतीय नर्सों की भर्ती प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए भारत सरकार ने नर्सों की भर्ती प्रकिया को मई 2015 से कुछ नामित सरकारी एजेंसियों तक सीमित कर दिया है। नर्सों को ईसीआर (इमिग्रेशन चेक रीक्वायर्ड) के तहत रखा गया। इसके तहत 18 ईसीआर देशों में उनकी नियुक्ति के लिए ई-माइग्रेट प्रणाली के माध्यम से मंजूरी अनिवार्य है।'

विदेश मंत्राालय के अनुसार, कुवैत के अलावा यह मंजूरी 16 अन्य देशों अफगानिस्तान, बहरीन, इराक, इंडोनेशिया, सऊदी अरब, जॉर्डन, लीबिया, लेबनान, मलेशिया, ओमान, कतर, सूडान, सीरिया, थाइलैंड, संयुक्त अरब अमीरात और यमन के लिए अनिवार्य है। दूतावास ने बताया कि ई-माइग्रेट प्रणाली के तहत भारतीय नर्सों की भर्ती आसान, पारदर्शी और उपयोगकर्ता के अनुकूल है। कुवैत में भारतीय नर्सों की भर्ती करने की इच्छुक एजेंसियों को ई-माइग्रेट प्रणाली में खुद को पंजीकृत कराना होगा। नर्सों की भर्ती के लिए भारत की छह एजेंसियों को अधिकृत किया गया है।

### राहिल पर बयानबाजी से नवाज नाराज

इस्लामाबाद, प्रेट्र : पूर्व सेना प्रमुख जनरल राहिल शरीफ को सऊदी अरब के नेतृत्व वाले 41 मुस्लिम देशों के सैन्य गठबंधन का मुखिया बनाए जाने पर पार्टी नेताओं की बयानबाजी से प्रधानमंत्री नवाज शरीफ नाराज हैं। प्रधानमंत्री ने पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज के नेताओं को जनरल राहिल पर बयानबाजी बंद करने की बिहायन दी है।

पाक में राहिल की नियुक्ति का कड़ा विरोध हो रहा है। तमाम पाकिस्तानी नेताओं, सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारियों, पत्रकारों और बुद्धिजीवियों ने जनरल राहिल के गठबंधन सेना से जुड़ने के फैसले पर सवाल उठाया है। इन लोगों का कहना है कि राहिल को यह पद स्वीकार नहीं करना चाहिए था। प्रधानमंत्री ने पाया कि उनकी पार्टी के कई वरिष्ठ नेता भी विवादित बयान दे रहे हैं। रेडियो पाकिस्तान के अनुसार, नवाज ने पार्टी नेताओं को राहिल शरीफ के बारे में कोई भी विवादित बयान देने से रोक दिया है।



### पीड़ितों के सम्मान में मौन हुआ स्वीडन

सोमवार को एक साथ एक मिनट के लिए मौन रहकर स्वींडन ने आतंकी हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी। राजधानी स्टॉकहोम के सिटी हॉल में मुख्य कार्यक्रम हुआ। इसमें प्रधानमंत्री स्टीफन लोफवेन, शाही परिवार के सदस्यों सिहत कई देशों के राजनयिक मौजूद थे। देश के अन्य हिस्सों में भी इसी तरह लोगों ने आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता दिखाई। बीते शुक्रवार को स्टॉकहोम में एक उज्बेक नागरिक ने भीड़ को रौंदने के बाद ट्रक को एक डिपार्टमेंटल स्टोर में घुसा दिया था। हमले में चार लोगों की मौत हो गई थी और 15 अन्य घायल हो गए थे।

# चर्चों पर आइएस हमले के बाद मिस्र में आपातकाल

सेना, पुलिस को मिले विशेष अधिकार, महत्वपूर्ण जगहों की सुरक्षा में सैनिक तैनात

काइरो, प्रेट्र: चर्चों पर आतंकी हमले के बाद मिस्र में आपातकाल लागू कर दिया गया है। रिववार देर रात राष्ट्रपित अब्देल फतह अल सीसी ने तीन महीने के लिए आपातकाल का एलान किया। कैबिनेट ने सोमवार को इस पर मुहर लगा दी। एक सप्ताह में इस पर संसद की मंजरी भी लेनी होगी।

पाम संडे का विशेष दिन मना रहे लोगों को निशाना बनाकर रविवार को किए गए हमलों की जिम्मेदारी आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट (आइएस) ने ली थी। टांटा और अलेक्जेंड्रिया के कॉप्टिक चर्चों को निशाना बनाया गया था। हमले में 45 लोगों की मौत हो गई थी जबिक 119 घायल हैं। घायलों में से कई की स्थिति गंभीर बनी हुई है। इससे पहले दिसंबर में मिस्र



अलेक्जेंड्रिया में मृतकों के परिजन। एएफपी

की राजधानी काइरो में एक चर्चा पर हमला हुआ था जिसमें 29 लोग मारे गए थे।

हमलों के बाद राष्ट्रपति सीसी ने राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की बैठक बुलाई। बैठक के बाद आतंकवाद के खात्मे का संकल्प जताते हुए आपातकाल की घोषणा की। कैबिनेट ने एक बयान जारी कर कहा है कि आपातकाल सोमवार से प्रभावी हो गया है। पुलिस और सेना को आतंकवाद से निपटने के लिए विशेष अधिकार दिए गए हैं। वे बिना वारंट किसी की गिरफ्तारी कर सकते हैं। किसी की भी घर की तलाशी ली जा सकती है। महत्वपूर्ण जगहों की सुरक्षा में पुलिस के साथ सेना की तैनाती का आदेश पहले ही जारी किया जा चुका है। मिस्र में 2012 में भी लंबे समय के लिए आपातकाल लागू किया गया था।

अमेरिका ने चर्चों पर हुए आतंकी हमले की निंदा की है और कहा है कि आतंकवाद के खात्मे के लिए वह हर कदम पर मिस्र की सरकार के साथ है। यह हमला ऐसे वक्त में किया गया है जब पोप इस महीने के अंत में मिस्र की यात्रा पर आने वाले हैं। हमले के कारण उनकी यात्रा में कोई बदलाव नहीं किया गया है, लेकिन सुरक्षा को लेकर चिंताएं जरूर बढ़ गई है।

2013 में सैन्य तख्तापलट के जिरए सिसी के सत्ता में आने और इस्लामिक कट्टरपंथियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू होने के बाद से मिस्र में इस तरह के हमलों में तेजी आई है। कट्टरपंथी ईसाइयों को तख्तापलट का समर्थक मानते हैं। मिस्र की आबादी में ईसाई करीब दस फीसद हैं।

### अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव हैकिंग में रूसी विशेषज्ञ गिरफ्तार

मैड्रिड, एएफपी: अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के दौरान कथित हैकिंग को लेकर एक रूसी कंप्यूटर विशेषज्ञ को स्पेन में गिरफ्तार किया गया है। उसे अमेरिका प्रत्यर्पित किया जा सकता है। सूत्रों के अनुसार, पिओट्र लेवचोप को संदेह के आधार पर शुक्रवार को पकड़ा किया। उसे अमेरिका के आग्रह पर प्रत्यर्पित किए जाने का आसार है। उसके प्रत्यर्पण के आवेदन पर स्पेन की राष्ट्रीय आपरिधक अदालत गौर करेगी।

गौरतलब है कि पिछले साल अमेरिका के राष्ट्रपित चुनाव में रूसी हस्तक्षेप के बड़े पैमाने पर आरोप लगे थे। चुनाव के दौरान डेमोक्रेटिक पार्टी और उसकी राष्ट्रपित उम्मीदवार हिलेरी किलंटन को हैकरों ने निशाना बनाया था। इन हैकरों को रूस का समर्थन हासिल होने की बात उसी समय से कही जा रही है। हिलेरी ने भी परिणामों के बाद अपनी हार के लिए रूसी दखल को कारण बताया था। तत्कालीन ओबामा प्रशासन ने भी आरोप लगाया था कि रूस ने हिलेरी के चुनाव अभियान को प्रभावित करके रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप को लाभ पहुंचाया था। हालांकि ट्रंप ने इन आरोपों से इन्कार किया था। इस मामले की सीनेट की सिमित और एफबीआइ जांच कर रही है।

## सूफी कव्वाल अमजद साबरी का परिवार छोड़ेगा पाकिस्तान

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली

तालिबान आतंकियों के हाथों मारे गए सूफी कव्वाल अमजद साबरी के परिवार ने सुरक्षा कारणों के चलते पाकिस्तान छोड़ने का फैसला किया है। दिवंगत सूफी कव्वाल के भाई अजमत साबरी के हवाले से एक्सप्रेस न्यूज ने यह जानकारी दी है।

अखबार एक्सप्रेस न्यूज के अनुसार, अजमत ने बताया कि अपने जीवन की रक्षा के लिए उन लोगों का लंदन जाने इरादा है। कहा, 'हालांकि हमने अपना पूरा जीवन कराची में बिताया है, लेकिन अब हम डरे हुए हैं। अमजद की हत्या के बाद से लियाकतबाद में हमारी जिंदगी दांव पर लगी है।' अजमत ने बताया, 'हमने महसूस किया कि हम पर लगातार निगाह रखी जा रही है। इस तरह हम खुद को स्वच्छंद और सुखी नहीं महसूस कर रहे हैं। हम असुरक्षित महसूस करते हैं और इन परिस्थितियों में जीना मुश्किल होता जा रहा है।'

अजमत ने बताया, 'अमजद के तीन बेटियां और दो बेटे हैं और परिवार को उनके भविष्य और कल्याण के बारे में निश्चित रूप से सोचना चाहिए। जैसे ही हमें हमारे वीजा मिलेंगे, हम पाकिस्तान से निकल जाएंगे।' विदेश जाने के



लिए अमजद की मां ने नवाज शरीफ सरकार से मदद मांगी है। हालांकि अजमत ने कहा कि उन्होंने पूर्व चीफ जस्टिस इंफ्तिखार चौधरी के जिस्ये वीजा के लिए आवेदन किया है। पूर्व चीफ जस्टिस खेवार को लियाकतबाद स्थित साबरी के घर गए थे।

मालूम हो, पाकिस्तान के सबसे प्रसिद्ध सूफी कव्वालों में से एक अमजद साबरी को आतंकियों ने 22 जून, 2016 को घात लगाकर मार दिया था। अमजद अपने घर से एक टेलीविजन स्टूडियो के लिए निकले थे। तभी मोटरसाइकिल सवार हमलावरों ने उनकी कार को रोका और उन पर गोलियों की बौछार कर दी। अमजद की मौके पर ही मौत हो गई थी। तालिबान से टूट कर अलग हुए हकीमुल्ला मसूद गुट ने हत्या की जिम्मेदारी ली थी। आतंकी संगठन ने कहा था कि ईश निंदक होने के कारण अमजद को निशाना बनाया गया।

## चीन ने अगवा जहाज छुड़ाने का सारा श्रेय खुद लिया

बीजिंग, प्रेट्र: चीन ने अदन की खाड़ी में अपहत जहाज को सोमालियाई समुद्री डाकुओं से छुड़ाने का सारा श्रेय खुद लेते हुए इसमें भारत की किसी भूमिका को अनदेखा कर दिया है। रविवार रात चीनी नौसेना द्वारा जारी बयान में समुद्री डाकुओं के खिलाफ ऑपरेशन में भारतीय नौसेना की किसी भूमिका का जिक्र नहीं है।

चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता हुआ चुनीयंग ने भी सोमवार को कहा कि इस कार्रवाई से डाकुओं के खिलाफ चीनी नौसेना की दक्षता का पता चलता है। जब उनसे नौसेना के बयान में भारत की भूमिका का कोई उल्लेख नहीं होने पर सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा कि विस्तृत विवरण के लिए रक्षा मंत्रालय से संपर्क किया जाना चाहिए। चीन की इस चालाकी के जवाब में भारतीय नौसेना के प्रवक्ता ने ट्विटर पर एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें चेतक हेलीकॉप्टर को चीनी युद्धपोत के ऊपर उड़ते देखा जा सकता है।

नौसेना के प्रवक्ता ने इस मामले में पूछे जाने पर अपने उस ट्वीट का हवाला दिया, जिसमें चीनी युद्धपोत को चेतक हेलीकॉप्टर द्वारा हवाई सुरक्षा मुहैया कराने की बात कही गई थी। उल्लेखनीय है कि अदन की खाड़ी में अपहत तावुलु के जहाज को छुड़ाने के लिए चीन और भारत के नौसैनिकों ने संयुक्त ऑपरेशन चलाया था।लेकिन, अब चीन इसका सारा श्रेय खुद लेने का प्रयास कर रहा है।

सूचना देने पर इनाम : चीन विदेशी जासुसी पर अंकुश लगाने के लिए राजधानी बीजिंग के नागरिकों को प्रोत्साहित कर रहा है देश में विदेशी जासूसी के बारे में जानकारी देने वाले को 72,400 डॉलर (करीब 47 लाख रुपये) तक का नकद इनाम मिलेगा। सरकारी अखबार बीजिंग डेली के अनुसार, राजधानी के लोग राष्ट्रीय सुरक्षा और गोपनीयता को खतरे में डालने वाली किसी गतिविधि की हॉटलाइन ईमेल या व्यक्तिगत रूप से जानकारी दी जा सकती है। इस तरह की जानकारी के महत्व के अनुसार ऐसे व्हिसिलब्लोवर को 1500 डॉलर से लेकर 72,400 डॉलर तक का इनाम दिया जाएगा। सरकार को कुछ विदेशी संगठनों या व्यक्तियों पर जासूसी गतिविधियों में लिप्त होने का संदेह है। इसी के मद्देनजर यह घोषणा की गई है। चीन ने विदेशी गैर सरकारी संगठनों को नागरिक मामलों के प्राधिकरण की जगह पुलिस

## नेपाल से गायब पाक सेना के पूर्व अधिकारी का सुराग नहीं

इस्लामाबाद, प्रेट्र : नेपाल से गायब हुए पाकिस्तानी सेना के पूर्व अधिकारी का अब तक सुराग नहीं मिल पाया है। पूर्व अधिकारी के परिजनों ने दुश्मन गुप्तचर एजेंसी पर उन्हें अगवा करने का आरोप लगाया है। पाकिस्तान में भारत के लिए दुश्मन शब्द का इस्तेमाल किया जाता है। लेफ्टिनेंट कर्नल (रिटायर) मोहम्मद हबीब भारतीय सीमा से सटे लुम्बिनी शहर से गुरुवार को लापता हो गए थे। वे एक नौकरी के सिलसिले में साक्षात्कार देने यहां पहुंचे थे।

उनके बेटे साद हबीब ने रविवार को गवलिपंडी के रवात पुलिस स्टेशन में गुमशुदगी की प्राथमिकी दर्ज कराई। इसमें कहा गया है कि नेपाल में उनके पिता जावेद अंसारी नाम के शख्स से मिले थे जो उन्हें लुम्बिनी लेकर गया। प्राथमिकी में किसी का नाम नहीं है। एक पुलिस अधिकारी के मुताबिक साद ने दुश्मन गुप्तचर एजेंसी पर अपने पिता को अगवा करने का संदेह जताया है। अक्टूबर 2014 में रिटायर होने वाले हबीब सेना की आर्टिलरी विंग से जुड़े थे। फिहाल वे पाकिस्तान की एक निजी कंपनी में काम कर रहे थे। नई नौकरी के लिए उन्होंने ऑनलाइन आवेदन कर रखा था। मार्क थॉम्पसन नाम के एक व्यक्ति ने फोन और ई-मेल के

### गुमशुदगी की गुत्थी

 परिजना न दुश्मन गुप्तचर एजेंसा प लगाया अगवा करने का आरोप

े नेपाली अधिकारियों से पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने मांगी रिपोर्ट

 लुम्बिनी से गुरुवार को आखिरी बार परिवार से किया था संपर्क

जिरए नौकरी के लिए उनसे संपर्क किया था। नेपाल में उन्हें साक्षात्कार के लिए बुलाया गया था। हवाई टिकट भी थॉम्पसन ने ही मुहैया कराया था। सुरक्षा एजेंसियों की शुरुआती जांच से पता चला है कि थॉम्पसन ने कंप्यूटर के जिरए ब्रिटेन के नंबर से हबीब को कॉल किया था।

क नबर स हवाब का काल किया था। ई-मेल और वेबसाइट का डोमेन नेम भारत में पंजीकृत कराया गया था। हबीब ने गुरुवार दोपहर आखिरी बार अपने परिवार से संपर्क किया था। उन्होंने कहा था कि वे अपनी मंजिल तक पहुंच चुके हैं। उसके बाद से उनका फोन बंद है। विदेश विभाग के प्रवक्ता मोहम्मद नफीस जकारी ने बताया कि नेपाल के अधिकारियों से मामले में रिपोर्ट मांगी गई है।

### सुहेल महमूद बन सकते हैं पाकिस्तानी उच्चायुक्त

इस्लामाबाद, प्रेट्र : पाकिस्तान सुहेल महमूद को भारत में अपना नया उच्चायुक्त बना सकता है। नई दिल्ली में उनकी नियुक्ति अब्दुल बासित के स्थान पर होगी। महमूद इस समय तुर्की में पाकिस्तानी राजदूत के रूप में कार्य कर रहे हैं। वह अगले हफ्ते इस्लामाबाद लौट रहे हैं।

सूत्रों के मुताबिक प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की स्वीकृति के बाद

महमूद की नियुक्ति

की घोषणा होगी। वे

मई में नई जिम्मेदारी

संभाल सकते हैं।

शरीफ के पास ही

विदेश मंत्रालय भी

है। अब्दुल बासित

ने उच्चायुक्त का तीन

साल का कार्यकाल



सहेल महमद

पूरा कर लिया है। माना जा रहा है कि बासित को फारेन सर्विस एकेडमी (एफएसए) के प्रमुख के रूप में इस्लामाबाद में नियुक्ति दी जाएगी। अपने से कनिष्ठ तेहमीना जंजुआ को विदेश सचिव बनाए जाने के विरोध में बासित ने इस्तीफे की धमकी दी थी लेकिन बाद में वे शांत हो गए थे। माना जा रहा था कि वे लंबी छुट्टी पर जा सकते हैं। लेकिन अब एफएसए का प्रमुख बनाए जाने के संकेत से इन चर्चाओं को विराम लग गया है।



### विरोध की मोमबत्ती

न्यूयॉर्क सिटी के ब्रूकलिन बोरो हॉल के बाहर रविवार को अपने बच्चे के साथ मोमबत्ती जलाती महिला । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की आव्रजन नीतियों और मेक्सिको सीमा पर दीवार बनाने के फैसले के विरोध में एमनेस्टी इंटरनेशनल की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम का सैकड़ों लोग हिस्सा बने । एएफपी

### मित्र देशों के लिए भी प्रवेश के नियम सख्त कर रहा अमेरिका

में पंजीकृत कराना भी अनिवार्य कर दिया है।

लंदन, आइएएनएस: छह मुस्लिम देशों के अमेरिका में प्रवेश पर प्रतिबंध के बाद ट्रंप प्रशासन सख्त नीति बनाने पर विचार कर रहा है। इससे ब्रिटेन समेत मित्र देशों के यात्रियों को भी मुसीबत का सामना करना पड़ सकता है। उनसे सोशल मीडिया के पासवर्ड और मोबाइल फोन नंबरों का विवरण मांगा जा सकता है।ऐसा नहीं करने पर उन्हें अमेरिका में प्रवेश से रोका जा सकता है।

वॉल स्ट्रीट जर्नल ने ट्रंप प्रशासन के अधिकारियों के हवाले से बताया कि ब्रिटेन, जर्मनी और फ्रांस समेत अमेरिका के दूसरे सहयोगी देशों के पर्यटकों को अपने निजी डेटा के साथ ही वित्तीय जानकारी जाहिर करने के लिए विवश किया जा सकता है। इसके अलावा उन्हें विचारधारा से जुड़े सवालों का भी सामना करना पड़ सकता है। इस जांच में कंप्यूटर, मोबाइल फोन, डिस्क, टेप, कैमरा, मीडिया प्लेयर समेत दूसरे इलेक्ट्रानिक उपकरण आ सकते हैं। अमेरिका को सुरक्षित बनाने के लिए देश में आने वाले सभी सामान की कानून के तहत जांच जरूरी है।

### कूटनीति

इटली में जी-7 देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक शुरू हुई है, सहयोगी देश चाहते हैं कि सीरियाई राष्ट्रपति असद सरकार को सत्ता से बाहर करने के लिए ट्रंप प्रशासन प्रतिबद्धता दिखाए। साथ ही वह रूस पर असद सरकार से दूरी बनाने के लिए दबाव भी बनाए

## असद और रूस पर दबाव बढ़ाएगा जी-7

लुका, रायटर : इटली के लुका में सोमवार से जी-7 समूह के विदेश मंत्रियों की दो दिवसीय बैठक शुरू हुई। इसकी शुरुआत ऐसे वक्त में हुई है जब सहयोगी देश सीरिया पर अमेरिकी रणनीति जानने को आतुर हैं। बैठक का मुख्य मकसद सीरियाई राष्ट्रपति बशर अल असद का साथ छोड़ने के लिए रूस पर दबाव बढ़ाना है। इसके अलावा उत्तर कोरिया, ईरान

और लीबिया पर भी बातचीत की उम्मीद है। सात अप्रैल को सीरियाई एयरबेस पर मिसाइल हमले के बाद से अमेरिकी अधिकारियों के अलग-अलग बयान ने सहयोगियों को भ्रम में डाल रखा है। वे नहीं समझ पा रहे हैं कि आखिर अमेरिका चाहता क्या है, उसकी प्राथमिकता क्या है। बैठक शुरू होने से पहले अमेरिकी विदेश मंत्री रेक्स टिलरसन ने भ्रम खत्म करने की कोशिश करते हुए कहा कि बेगुनाहों के खिलाफ अपराध के लिए जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई से अमेरिका पीछे नहीं हटेगा। मिसाइल हमले से पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कई मौकों पर संकेत दिया था कि वे अपने पूर्ववर्ती की तरह दूसरे देशों में हस्तक्षेप के इच्छुक नहीं हैं। लेकिन, मिसाइल हमले का फैसला लेकर उन्होंने पूरी दुनिया को चौंका दिया। हमले के बाद टिलरसन ने कहा था कि इस्लामिक स्टेट जैसे आतंकी समूह का खात्मा और सीरियाई सरकार व विद्रोहियों के बीच युद्धविराम ट्रंप प्रशासन की प्राथमिकता है। वहीं, संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी दूत निक्की हेली ने कहा था कि सीरियाई राष्ट्रपति बशर अल असद को सत्ता से बाहर करना



रक्का में आइएस आतंकियों से मोर्चा ले रहे साथियों के लिए सोमवार को पानी लेकर जाती सीरियन डेमोक्रेटिक फ्रंट (एसडीएफ) की महिला लड़ाका । एसडीएफ असद की सत्ता का भी विरोधी है । रायटर

सरकार की प्राथमिकता है। दोनों के अलग-अलग बयान ने सहयोगियों को भ्रमित और निगश कर रखा है, क्योंकि वे असद को सत्ता से बाहर कर सीरियाई संकट का राजनीतिक समाधान चाहते हैं।

सहयोगी देश चाहते हैं कि असद सरकार को सत्ता से बाहर करने के लिए ट्रंप प्रशासन प्रतिबद्धता दिखाए।रूस पर असद सरकार से दूरी बनाने के लिए दबाव बनाए। समूह के सदस्य देश इटली, जर्मनी, फ्रांस और ब्रिटेन ने तुर्की, सऊदी अख, संयुक्त अख अमीरात, जॉर्डन और कतर को भी बैठक में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है। मंगलवार को इन देशों से सीरिया पर चर्चा होगी। ये देश भी असद विरोधी हैं। ब्रिटेन, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान और अमेरिका जी-7 के सदस्य देश हैं।

## परमाणु परीक्षण की आशंका के बीच दक्षिण कोरिया पहुंचे चीनी दूत

सियोल, रायटर: उत्तर कोरिया के परमाणु या मिसाइल परीक्षण की आशंका के बीच सोमवार को चीन के विशेष दूत दक्षिण कोरिया पहुंचे। वहां पर वह उत्तर कोरिया के शस्त्र कार्यक्रम और अमेरिकी नौसेना के हमलावर दस्ते के क्षेत्र में आने की स्थितियों पर विचार करेंगे। उत्तर कोरिया के इतिहास से जुड़ी कई वर्षगांठ इसी महीने में हैं। माना जा रहा है कि किसी एक वर्षगांठ के मौके पर उत्तर कोरिया छठा परमाणु परीक्षण कर सकता है या पांच हजार किलोमीटर की मार वाली मिसाइल का परीक्षण कर सकता है।

अमेरिका को निशाने पर लेने के लिए हो रहे इन परीक्षणों पर अमेरिकी नौसेना का दस्ता उत्तर कोरिया के खिलाफ तत्काल जवाबी कार्रवाई कर सकता है। अमेरिकी विदेश मंत्री रेक्स टिलरसन सभी विकल्पों के खुले होने की बात पहले ही कह चुके हैं। उन्होंने कहा है कि उत्तर कोरिया को लेकर खतरा लगातार बढ़ रहा है और वह अब इस स्तर पर आ गया है कि उसे चिंताजनक माना जाए। चीन के राष्ट्रपति शी चिनिफंग भी इस स्थित से वाकिफ हैं। लेकिन जापान और दक्षिण कोरिया से जुड़े रक्षा सूत्र नहीं चाहते कि अमेरिका उत्तर कोरिया पर हमला करे। हमले की स्थित में उत्तर कोरिया की जवाबी कार्रवाई में

### दक्षिण चीन सागर के द्वीपों पर हथियारों की तैनाती नहीं

मनीला, रायटर : दक्षिण चीन सागर में अपने द्वीपों पर सेना तैनात करने के आदेश पर फिलीपींस के राष्ट्रपति रोड्रिगो दुतेर्ते ने सफाई दी है। उन्होंने कहा कि यह आदेश संतुलन बनाए रखने के लिए दिया है गया है। वहां हथियार तैनात नहीं किया जाएगा। दुतेर्ते ने कहा कि वे चीन के साथ शांति और दोस्ताना संबंध चाहता है, लेकिन उनके देश को अपने द्वीपों की रक्षा मजबूत करने की जरूरत है। विवादित सागर में स्थित इन द्वीपों और रीफ पर हर कोई कब्जा कर रहा है। दुतेर्ते ने गुरुवार को यह कहकर चीन के कान खड़े कर दिए थे कि उन्होंने सेना को फिलीपींस के दावे वाले निर्जन द्वीपों को कब्जे में लेने का आदेश दिया है। इन जगहों पर ढांचों को खड़ा किया जाए और फिलीपींस का झंडा लहरा जाए। उनका देश दिक्षण चीन सागर के नौ या दस द्वीपों, रीफ और मूंगा की चट्टानों पर दावा करता है।

दक्षिण कोरिया और जापान के निशाने पर आने का खतग है। दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्रालय के अनुसार कोरिया प्रायद्वीप के लिए नियुक्त चीन के विशेष दूत वू डेवी उत्तर कोरिया के परमाणु कार्यक्रम के विषय में अपने दक्षिण कोरियाई समकक्ष के साथ वार्ता करेंगे।

विशेष दूत के दौरे को हाल ही में हुई राष्ट्रपति चिनिफंग की अमेरिका यात्रा से जोड़कर देखा जा रहा है जिसमें राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उनसे उत्तर कोरिया पर अपने प्रभाव का इस्तेमाल करने के लिए कहा था। सूचना है कि विमानवाहक युद्धपोत यूएसएस कार्ल विंसन के नेतृत्व में अमेरिकी हमलावर दस्ता एक-दो दिन में कोरिया प्रायद्वीप के नजदीक पहुंच जाएगा।

इलाके में अमेरिका और दक्षिण कोरियाई सेना का सैन्य अभ्यास जारी है, ऐसे में उत्तर कोरिया की किसी हिमाकत पर उसके खिलाफ कार्रवाई में देरी नहीं लगेगी। इस बीच चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता हुआ चुनइंग ने अमेरिका और उत्तर कोरिया को संयम बरतने की अपील की है। कहा है कि कोई भी कार्रवाई हालात और खराब कर सकती है।

कप्तानी करने का रिकॉर्ड है। उन्होंने चेन्नई सुपर्राकंग्स और राइजिंग

पुणे सुपरजाइंट्स की कमान संभाली। 109 मैचों के साथ गौतम गंभीर दूसरे नंबर पर हैं। वह कोलकाता नाइटराइडर्स के अलावा दिल्ली डेयरडेविल्स की भी कमान संभाल चुके हैं।

पुणे की ताकत बल्लेबाजी : पुणे के

पास फॉर्म में चल रहे स्टीव स्मिथ, अजिंक्य

रहाणे, आइपीएल के सबसे महंगे खिलाड़ी

बेन स्टोक्स, महेंद्र सिंह धौनी, मनोज तिवारी

जैसे बल्लेबाज हैं. जिसकी वजह से उसकी

बल्लेबाजी को सबसे मजबत माना जा रह

है। रहाणे, स्मिथ और स्टोक्स ने रन बनाए हैं

लेकिन उसके लिए चिंता की बात सलार्म

बल्लेबाज मयंक अग्रवाल और धौनी का फॉर्म

गेंदबाजी में सिर्फ ताहिर चले : पुणे

के लिए सबसे कमजोर कडी उसका गेंदबार्ज

आक्रमण है। नई गेंद के साथ अशोक डिंडा

डेनियल क्रिस्टियन और स्टोक्स साधारण

गेंदबाज नजर आए हैं। जिस एक गेंदबाज ने पुणे

के लिए बेहतरीन प्रदर्शन किया है, वह दक्षिण

अफ्रीकी लेग स्पिनर इमरान ताहिर है। ताहिर ने

पहले दो मैचों में क्रमशः तीन और दो विकेट

दिल्ली के गेंदबाज चले : दूसरी ओर

बेंगलूर को आठ विकेट पर 157 के स्कोर पर

रोकने के बावजूद उसका बल्लेबाजी क्रम लक्ष्य का पीछा करने में नाकाम रहा और टीम नौ विकेट

पर 142 रन ही बना सकी। दिल्ली के गेंदबाजो

क्रिस मौरिस और पैट कमिंस ने कप्तान जहीं

खान की अगुआई में अच्छा प्रदर्शन किया है

घरेलू सत्र में सबसे ज्यादा विकेट झटकने वाले

बायें हाथ के स्पिनर शाहबाज नदीम ने बीच के

**लड़खड़ाए बल्लेबाज :** दिल्ली के लिए

158 रन का लक्ष्य आसान होना चाहिए था

लेकिन शीर्ष क्रम में आदित्य तारे, सैम बिलिंग्स

करुण नायर और संजू सैमसन जैसे बल्लेबाज

लड़खड़ा गए। ऋषभ पंत ने 36 गेंदों पर 57

रन बनाकर दिल्ली को अंत तक मुकाबले मे

ओवरों में शानदार गेंदबाजी की।

में नहीं होना है।

अपने नाम किए थे।

www.jagran.com



# डिविलियर्स पर भारी अमला

दमदार

एबी ने खेली थी 89 रनों की ताबडतोड पारी तो हाशिम ने जडे विस्फोटक ५८ रन

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली

चोट से उबरकर टीम में लौटे विस्फोटक दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज एबी डिविलियर्स ने तूफानी पारी खेली, लेकिन उनकी पारी पर हमवतन हाशिम अमला का अर्धशतक भारी पड़ गया। डिविलियर्स ने 46 गेंदों पर तीन चौकों और नौ छक्कों के साथ नाबाद 89 रन बनाए। इसके चलते बेंगलूर की टीम इंदौर में सोमवार को आइपीएल-10 मैच में चार विकेट पर 148 रन बनाने में सफल रही। जवाब में किंग्स इलेवन पंजाब ने अमला के अर्धशतक की बदौलत 14.3 ओवर में 150 रन बनाकर मैच आठ विकेट से अपने नाम किया। अमला ने 38 गेंदों पर चार चौकों और तीन छक्कों के साथ नाबाद 58 रन बनाए। ऐसी शानदार पारियों के बावजुद 'मैन ऑफ द मैच' का खिताब पंजाब के गेंदबाज अक्षर पटेल को मिला, जिन्होंने चार ओवर के अपने कोटे में सिर्फ 12 रन दिए और एक विकेट झटका।

**मैक्सवेल का मिला साथः** आसान लक्ष्य का पीछा करने उतरी पंजाब को मनन वोहरा (34) और हाशिम अमला ने 62 रन जोडकर अच्छी शरुआत दिलाई। छठे ओवर की अंतिम गेंद पर टाइमल मिल्स (1/22) ने मनन का विकेट लेकर इस साझेदारी को तोड़ा। जल्द ही युजवेंद्र चहल (1/29) ने अक्षर पटेल (09) को बोल्ड कर स्कोर 8.1 ओवर में दो विकेट पर 78 रन कर दिया। अमला का साथ देने कप्तान ग्लेन मैक्सवेल (नाबाद 43, 22 गेंद, 03 चौके, 04 छक्के) आए। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 6.2 ओवर में अटूट 72 रन जोड़े। इस दौरान 12वें ओवर की चौथी गेंद पर अमला ने शेन वॉटसन (0/28) पर चौके के साथ 32 गेंदों पर अर्धशतक पूरा किया। हालांकि इसी ओवर में अमला को एक जीवनदान भी मिला, जब मंदीप ने उनका कैच गिरा दिया। 14वें ओवर में मैक्सवेल ने बिली स्टेनलेक (0/41) परदो छक्के जड़े। इस ओवर के बाद पंजाब को जीत के लिए छह ओवरों में सिर्फ छह रन बनाने थे। अगले ओवर की तीसरी गेंद पर मैक्सवेल ने चहल पर छक्का जड़कर पंजाब को लगातार दूसरी जीत दिलाई। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी बेंगलूर

**नई दिल्ली, प्रेट** : सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को

कहा कि बीसीसीआई और राज्य क्रिकेट संघ के

चुनाव लड़ने के अयोग्य व्यक्ति आइसीसी की

24 अप्रैल को होने वाली बैठक में भाग लेने के

लिए मनोनीत नहीं किया जा सकता। प्रशासकों की समिति (सीओए) ने एक अर्जी दायर कर

जानना चाहा था कि क्या आइसीसी की बैठक में

शामिल होने के लिए ऐसे लोगों को नामित किया

जा सकता है, जिन्हें बीसीसीआइ और राज्य

क्रिकेट संघ में किसी भी पद के लिए अयोग्य

न्यायमूर्ति दीपक मिश्रा, न्यायमूर्ति एएम

खानविलकर और न्यायमूर्ति धनंजय वाइ

चंद्रचूड़ ने पूर्व नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक

(सीएजी) विनोद राय की अध्यक्षता वाली

प्रशासकों की समिति (सीओए) की इस अर्जी

को 17 अप्रैल को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध

समिति ने कहा कि शीर्ष अदालत ने

बीसीसीआइ और राज्य संघों में पदाधिकारी

बनने की पात्रता के बारे में न्यामयूर्ति आरएम

लोढ़ा की अध्यक्षता वाली समिति के सुझाव को

स्वीकार कर लिया था। इसमें एक शर्त यह भी थी

कि 70 साल से अधिक आय वाला व्यक्ति इन

संस्थाओं में कोई पद नहीं ग्रहण कर सकता है।

सीओए की ओर से वरिष्ठ एडवोकेट सीय सिंह ने

कहा कि क्या एन श्रीनिवासन और निरंजन शाह

जैसे व्यक्ति, जो शीर्ष अदालत के निर्णय की

वजह से अयोग्य हो चुके हैं, को उनके संबंधित

करार दे दिया गया है।



अपनी पारी के दौरान शॉट खेलते किंग्स इलेवन पंजाब के सलामी बल्लेबाज हाशिम अमला । प्रेट्ट

की शुरुआत काफी निराशाजनक हुई। पहले ओवर में ही कप्तान शेन वॉटसन (01) को लेग स्पिनर अक्षर पटेल (1/12) ने बोल्ड कर दिया। विष्णु विनोद (07) और डिविलियर्स ने 16 रन जोड़े ही थे कि संदीप शर्मा (1/26) ने विष्णु को मैक्सवेल के हाथों लपकवा दिया। केदार जाधव (01) पांचवें ओवर की अंतिम गेंद पर वरुण एरोन (2/21) का शिकार बने। स्कोर बोर्ड पर सिर्फ 22 रन टंगे थे और तीन बल्लेबाज पवेलियन लौट चुके थे। यहां से डिविलियर्स और मनदीप सिंह (28) ने चौथे

जोड़े। तभी 14वें ओवर की पहली गेंद पर विकेटकीपर ऋद्धिमान साहा ने वरुण की गेंद पर मनदीप का बेहतरीन कैच लपक कर उन्हें पवेलियन की राह दिखाई। इससे बेंगलूर का स्कोर चार विकेट पर 68 रन हो गया।

डिविलियर्स ने दी गति : अब डिविलियर्स का साथ देने स्टुअर्ट बिन्नी ( नाबाद 18) आए। डिविलियर्स ने स्कोर को गति देते हुए 16वें ओवर में वरुण पर छक्का जड़ा, तो अगले ओवर में मार्कस स्टोइनिस (0/28) की दो गेंदों को छह रन के लिए भेजकर 34 गेंदों पर अर्धशतक पूरा किया।

अयोग्य व्यक्ति नहीं कर सकता आजम व हसन के दम पर जीता पाक

# 148/4 ( 20 ओवर ) विकेट पतन: 1-2 (वॉटसन

रन गेंद चौके छक्के शेन वॉटसन बो. अक्षर पटेल ०१, ०४, ००, ०० विष्णु विनोद का. मैक्सवेल बो. संदीप 07, 12, 01, 00 एबी डिविलियर्स नाबाद 89, 46, 03, 09 केदार जाधव एलबीडब्ल्यू बो. एरोन ०१, ०४, ००, ०० मंदीप सिंह का. साहा बो. एरोन 28, 34, 01, 01 स्टुअर्ट बिन्नी नाबाद 18, 20, 01, 01 अतिरिक्त : (लेबा–1, वा–3) 04 रन

किंग्स इलेवन पंजाब रन गेंद चौके छक्के मनन वोहरा एलबीडब्ल्यू बो. मिल्स 34, 21, 04, 01

कुल : 20 ओवर में चार विकेट पर 148 रन

टीम

हाशिम अमला नाबाद 58, 38, 04, 03 अक्षर पटेल बो. चहल 09, 06, 00, 01 ग्लेन मैक्सवेल नाबाद 43, 22, 03, 04 अतिरिक्त : (लेबा-4, वा-2) 06 रन कुल : 14.3 ओवर में दो विकेट पर 150 रन विकेट पतन : 1–62 (वोहरा, 5.6), 2–78 (पटेल, 8.1)

0.6), 2-18 (विष्णु विनोद,

3.3), 3-22, (जाधव, 4.6)

गेंदबाजी

4-68 (मंदीप 13.1)

अक्षर पटेल 4-0-12-1

संदीप शर्मा 4-0-26-1

मोहित शर्मा ४-0-47-0

वरुण एरोन 4-0-21-2

टी नटराजन 1-0-13-0

मार्क स्टोइनिस 3-0-28-0

150/2 ( 14.3 ओवर )

बिली स्टेनलेक 4-0-41-0

शेन वॉटसन 2-0-28-0

टाइमल मिल्स 2-0-22-1

युजवेंद्र चहल 3.3-0-29-1

पवन नेगी 1-0-7-0

गेंदबाजी

इकबाल अब्दुल्ला २-०-१९-०

## जीत की राह पर लौटना चाहेंगे सुपरजाइंट

पुणे और दिल्ली के बीच मुकाबला आज

पुणे, प्रेट्ट : बेहतरीन बल्लेबाजों से सजी राइजिंग पुणे सुपरजाइंट मंगलवार को जब यहां दिल्ली डेयरडेविल्स के खिलाफ आइपीएल-10 के मैच में उतरेगी तो उसका इरादा जीत की राह पर लौटने का होगा। वहीं, दिल्ली की टीम टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत की तलाश में उतरेगी।

अभी तक पूणे ने जो दो मैच खेले हैं उनमें एक जीता और एक हारा है। पहले मैच में उसने अपने घरेलू मैदान पर मुंबई इंडियंस को सात विकेट से हराकर अपने अभियान का आगाज किया। हालांकि दूसरे मैच में उसे इंदौर में किंग्स इलेवन पंजाब के हाथों छह विकेट की शिकस्त का सामना करना पड़ा। वहीं, दिल्ली ने टुर्नामेंट में अब तक जो एकमात्र मैच खेला है उसमें उसे रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूर के हाथों 15 रन से हार मिली थी।

समय : रात आठ बजे से प्रसारण : सोनी सिक्स और सेट मैक्स



रन बनाए बेंगलूर ने अंतिम पांच ओवरों में, जबकि पहले 15 ओवर

**04** बार अक्षर पटेल और शेन वॉटसन का आमना–सामना हुआ है

में यह टीम सिर्फ 71 रन ही बना सकी थी

मैंने बल्ले से अच्छी शुरुआत नहीं दी नि बल्ल स जच्छा सुरूटाः जिसका खामियाजा हमें भुगतना पड़ा । इस पिच पर 170 से 180 का स्कोर अच्छा रहता। -शेन वॉटसन, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूर





स्टीव रिमथ (पुणे)



राशिद खान (हैदराबाद) इमरान ताहिर (पुणे) भुवनेश्वर कुमार (हैदराबाद)

## चयन में धांधली की होगी जांच

09

अभिषेक त्रिपाठी, नई दिल्ली

क्रिस लिन (कोलकाता)

एबी डिविलियर्स (बेंगलूर)

फिरोजशाह कोटला स्टेडियम में शनिवार को नार्थ जोन के अंडर-19 जेडसीए (जोनल क्रिकेट अकादमी) कैंप के लिए खिलाड़ियों के चयन में संयोजक सिद्धार्थ वर्मा पर धांधली का आरोप लगाते हुए एक चयनकर्ता आशु दानी चयनसमिति की बैठक छोड़कर चले गए थे। उन्होंने इसके बाद सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त विनोद राय की अध्यक्षता वाली प्रशासकों की समिति और दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) में हाईकोर्ट द्वारा नियुक्त प्रशासक पूर्व जस्टिस विक्रमजीत सेन को मेल करके इसकी शिकायत की थी।

दैनिक जागरण ने इस मामले को प्रमुखता से उठाया था। इसके बाद डीडीसीए के पूर्व संयुक्त सचिव दिनेश शर्मा ने भी सेन से इस मामले की जांच कराने को ई मेल लिखा। सोमवार को जब इस बारे में विक्रमजीत सेन की सहयोगी मृणालनी सेन गुप्ता से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि जस्टिस सेन मंगलवार को वापस लौटेंगे और इस प्रकरण की जांच कराई जाएगी।

उधर संयोजक सिद्धार्थ वर्मा के सहयोगी की तरफ से एक पत्र जारी किया गया है, जिसमें दानी को छोड़कर बाकी चारों चयनकर्ताओं के हस्ताक्षर हैं। इसमें लिखा गया है कि शनिवार को हुई चयनसमिति की बैठक बेहद सौहार्दपूर्ण ढंग से हुई।

दानी ने एक लड़के को खिलाने का दबाव डाला। दानी ने संयोजक के साथ गलत व्यवहार भी किया और बैठक छोड़कर चले गए। जब इस बारे में दानी से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि यह

मैं अपनी बात पर टिका हूं । अगर जस्टिस न अपना बात बराउन हूं... सेन जांच कराते हैं और मुझे बुलाया जाता है तो मैं वहां उपस्थित होकर अपना पक्ष रखूंगा और सच को सामने लाऊंगा।

-आशु दानी, चयनकर्ता (डीडीसीए)

## क्रिकेटरों के चयन में धांधली



लिखकर वह अपने आप फंस गए हैं। संयोजक का काम जो चयनकर्ता कहें वह करना होता है जब संयोजक के पास किसी खिलाड़ी को रखने और निकालने का अधिकारी ही नहीं है तो मै चयनकर्ता होकर उनके साथ खराब व्यवहा क्यों करूंगा? मैंने तो उनके बैठक में जबरदस्ती दो चहेतों के खिलाने का दबाव डालने औ काबिल लड़कों के नाम काटने पर अपना विरोध जताया। उनको किसी खिलाडी की पैरवी करने का हक ही नहीं था फिर भी वह ऐसा कर रहे थे संयोजक का काम चयन करना नहीं है। मैं परे सत्र दिल्ली का चयनकर्ता रहा हं। मझे पता है कि कौन लड़का प्रदर्शन कर रहा है और कौन नहीं ? मैंने उन्हें करीब से खेलते हुए देखा है। मैं

### जिलास्तरीय खेलों में भी अब डोप टेस्ट

**संतोष शुक्ल, मेरठ** : 2020 और 2024 के ओलंपिक खेलों में पदकवीरों को तैयार करने के लिए उत्तर प्रदेश (यूपी) पहले डोपिंग से निपटेगा। नेशनल एंटी डोपिंग एजेंसी (नाडा) सभी जिला स्तरीय स्पर्धा में सैंपलिंग की तैयारी में है। प्रदेश खेल मंत्रालय नाडा के साथ बैठक का एजेंडा भी बना चुका है। साइंस के स्नातक छात्रों को सैंपलिंग में प्रशिक्षित करने की योजना है। साथ ही यूपी में भी नाडा की एक्सटेंडेड लैब खोली जाएगी। यूपी के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री चेतन चौहान ने प्रदेश के सभी क्रीड़ाधिकारियों एवं संबंधित स्टेडियमों की रिपोर्ट तलब की है। वह लगातार खेल विशेषज्ञों के संपर्क में भी हैं। खेल पंडितों ने उन्हें साफ बताया है कि डोपिंग की गिरफ्त से बाहर आए बिना ओलंपिक खेलों में पदक जीतना संभव नहीं है। युवा खिलाड़ी जिलास्तरीय स्पर्धाओं से लेकर नेशनल तक डोपिंग की गिरफ्त में हैं। खेल मंत्रालय नाडा के संपर्क में है। प्रदेश कई चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा, जिसमें नाडा की टीम अकस्मात छापेमारी कर बडी मछलियों को पकड़ सकती है। दो वर्ष पहले नाडा ने तमाम कैंपों पर छापा मारा तो अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों ने कैंप ही छोड़ दिया। खेल मंत्रालय अब टूर्नामेंट के दौरान प्रशासन के साथ मिलकर स्टेडियम के आसपास स्थित मेडिकल स्टोरों पर भी छापेमारी

### अब 12 की जगह18 अप्रैल को होगी एसजीएम नर्ड दिल्ली: आइसीसी बैठक में

बीसीसीआइ का प्रतिनिधित्व

भाग लेने के लिए योग्यता के मामले में सुप्रीम कोर्ट का फैसले का इंतजार कर रहे बीसीसीआइ ने अपनी विशेष आम बैठक (एसजीएम) को अब 12 के बजाय 18 अप्रैल को करने का फैसला किया है। यह जानकारी बीसीसीआइ के कार्यवाहक अध्यक्ष सीके खन्ना ने दी। बीसीसीआइ के पुराने दिग्गज आसानी से हार मानने वाले नहीं हैं। रविवार को बैठक में ज्यादातर वे अनुभवी सदस्य हिस्सा लेने पहुंचे जो लोढा सिफारिशों पर आधारित सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार अयोग्य बताए गए हैं।

संगठन बीसीसीआइ के नामित व्यक्ति के रूप में आइसीसी की बैठक में हिस्सा लेने के लिए मनोनीत कर सकते हैं।

वरिष्ठ एडवोकेट कपिल सिब्बल ने इसका विरोध करते हुए कहा कि वह इस बिंदु पर बहस के लिए तैयार हैं, क्योंकि न्यायालय का फैसला ऐसे व्यक्तियों के पदाधिकारी बनने हेतु चुनाव लड़ने पर प्रतिबंध लगाता है परंतु ऐसी बैठकों के लिए मनोनीत किए जाने पर रोक नहीं लगाता।

# 'वेस्टइंडीज के बल्लेबाज का विकेट चटकाने के बाद जप्तन मनाते पाकिस्तानी गेंदबाज हसन अली (बायें ) और पारी के दौरान शॉट खेलते बाबर आजम । एएफपी

प्रोविडेंस (गयाना), एएफपी : बाबर आजम (नाबाद 125) के शानदार शतक और हसन अली (5/38) की घातक गेंदबाजी की बदौलत पाकिस्तान ने दूसरे वनडे अंतरराष्ट्रीय मैच में मेजबान वेस्टइंडीज को 74 रन से हरा

पहले बल्लेबाजी करने उतरे पाकिस्तान ने बाबर आजम की पारी की मदद से निर्धारित 50 ओवर में पांच विकेट पर 282 रन बनाए। आजम ने वनडे में अपना पांचवां शतक जड़ा। उन्होंने 132 गेंदों का सामना कर अपनी पारी में तीन छक्के और सात चौके जड़े। जवाब में पाकिस्तान के गेंदबाजों ने वेस्टइंडीज को 44.5 ओवर में 208 रन पर ऑल आउट कर मैच अपने नाम किया। कप्तान जेसन होल्डर ने सबसे ज्यादा 68 रन बनाए और वह टीम की पारी के आखिरी विकेट के रूप में आउट हुए। अब दोनों टीमों के बीच तीन वनडे मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर है और आखिरी वनडे मंगलवार को प्रोविडेंस में खेला जाएगा।

बल्लेबाजों की मददगार पिच पर कैरेबियाई टीम ने गैर जिम्मेदाराना शॉटस खेलते हए छह विकेट 75 रन पर गंवा दिए थे। इसके बाद कप्तान होल्डर और एशले नर्स ने सातवें विकेट के लिए 58 रन जोड़कर टीम को और शर्मिंदगी से बचाया। हसन अली ने नर्स को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। फिर होल्डर ने देवेंद्र बिश् (16) और अल्जारी जोसेफ (15) के

साथ मिलकर टीम को 200 के पार पहुंचाया, लेकिन वह टीम को जीत की दहलीज तक नहीं ले जा सके।शैनॉन ग्रैबियल (00) नाबाद रहे। पाकिस्तान की तरफ से मुहम्मद हफीज ने दो और मुहम्मद आमिर, जुनैद खान, शादाब खान ने क्रमश एक-एक विकेट चटकाया।

इससे पहले पाकिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही और दोनों सलामी बल्लेबाज अहमद शहजाद (05) और कामरान अकमल (21) टीम के 44 रन के स्कोर पर पवेलियन लौट गए। इसके बाद आजम ने मुहम्मद हफीज (32), सरफराज अहमद (26) और इमाद वसीम (नाबाद 43) के साथ टीम को अच्छे स्कोर

युवा मुक्केबाज आशीष कुमार और कवींद्र सिंह को कजाखस्तान टीम

### टीम का एलान

### **नई दिल्ली, प्रेट**: भारत ने अप्रैल-मई में होने वाली एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप के लिए मिली-जुली टीम तैयार की है, जिसमें दो बार के पदक विजेता एल देवेंद्रो सिंह को टीम में जगह नहीं दी है, जबकि दो नए मुक्केबाज आशीष कुमार और कवींद्र सिंह

पहली बार टीम में दी गई जगह और वे इस चैंपियनशिप में पदार्पण करेंगे। अभ्यास दौरे पर जाएगी भारतीय



# विकास और थापा टीम में शामिल, देवेंद्रो बाहर

को पहली बार शामिल किया गया है। भारतीय टीम चैंपियनशिप से पहले अभ्यास दौरे के लिए कजाखस्तान जाएगी।

विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता शिव थापा ( 60 किग्रा ) और विकास कृष्ण ( 75 किग्रा ) के साथ पूर्व राष्ट्रमंडल चैंपियन मनोज कुमार ( 60 किग्रा) को उम्मीद के अनुसार 30 अप्रैल से सात मई के बीच उज्बेकिस्तान के ताशकंद में होने वाली चैंपियनशिप के लिए टीम में चुना गया। यह चैंपियनशिप इस साल के आखिर में होने वाली विश्व चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाइंग टूर्नामेंट भी है। पूर्व एशियाई स्वर्ण पदक विजेता सुमित सांगवान ने वापसी की है। वह पिछली बार पिछले साल जून में रियो ओलंपिक क्वालीफायर्स में खेले थे। अब वह लाइट हैवीवेट (81 किग्रा) के बजाय हैवीवेट (91 किग्रा) में खेलेंगे। नए भार वर्ग में यह उनकी पहली प्रतियोगिता होगी।

एशियाई युवा चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता आशीष कुमार (64 किग्रा) और ट्रायल्स में देवेंद्रो को हराने वाले कवींद्र सिंह (52 किग्रा) को टीम में लिया गया है। ये दोनों मुक्केबाज



ताशकंद में सीनियर अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में पदार्पण करेंगे। देवेंद्रो को इस प्रतियोगिता के लिए रिजर्व में रखा गया है। देवेंद्रो ने एशियाई चैंपियनशिप 2013 में रजत और 2015 में कांस्य पदक जीता था। के श्याम कुमार (49 किग्रा) को भी रिजर्व में रखा गया है। उन्होंने थाइलैंड अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट

में स्वर्ण पदक जीता था। अमित फांगल को भी लाइट फ्लाईवेट (49 किग्रा) वर्ग में टीम में रखा

एशियाई चैंपियनशिप में जर्मनी के हैम्बर्ग में 25 अगस्त से होने वाली विश्व चैंपियनशिप के लिए 60 क्वालीफाइंग स्थान (प्रत्येक भार वर्ग

अमित फांगल (49 किग्रा), कवींद्र सिंह (52 किग्रा), गौरव बिधूड़ी (56 किग्रा), शिव थापा ( 60 किग्रा ), मनोज कुमार (69 किग्रा), विकास कृष्ण (75 किग्रा), मनीष पंवार (81 किग्रा), सुमित सांगवान (91 किग्रा) और सतीश कुमार (91 किग्रा से अधिक)।

में शीर्ष छह) होंगे। सेमीफाइनल में पहुंचने वाला खिलाड़ी स्वतः ही क्वालीफाई कर लेगा, जबकि क्वार्टर फाइनल में हारने वाले खिलाड़ियों के बीच बाक्स ऑफ से पांचवें और छठे स्थान का फैसला किया जाएगा। भारत ने 2015 में पिछली बार एशियाई चैंपियनशिप में चार पदक जीते थे। विकास ने देश के लिए एकमात्र रजत पदक जीता था, जबकि शिव, देवेंद्रो और सतीश कुमार (91 किग्रा से अधिक ) ने कांस्य पदक जीते थे। सतीश को आगामी चैंपियनशिप के लिए भी चुना गया है। भारत के लिए एशियाई चैंपियनशिप में पिछला स्वर्ण पदक शिव थापा ने 2013 में जीता था। तब उन्होंने बैंटमवेट वर्ग में खिताब जीता था। इससे पहले एम सुरंजय सिंह (52 किग्रा) ने 2009 में स्वर्ण पदक हासिल किया था।

### रोहित को मैच रेफरी ने लगाई फटकार

इन सबकी पोल खोलुंगा।

मुंबई, प्रेट्ट : मुंबई इंडियंस के कप्तान रोहित शर्मा को यहां कोलकाता नाइटराइडर्स के खिलाफ आइपीएल मैच के दौरान विरोध जताने के लिए मैच रेफरी ने फटकार लगायी है। इस 29 वर्षीय खिलाडी ने रविवार की रात यहां वानखेडे स्टेडियम में सुनील नरेन की गेंदबाजी पर अंपायर के एलबीडब्ल्यू के फैसले पर निराशा व्यक्त की थी और पवेलियन लौटते हुए नाराजगी जाहिर

हालांकि मुंबई इंडियंस ने मैच चार विकेट से जीत लिया, लेकिन जब रोहित आउट हुए थे तब टीम को 62 गेंद में जीत के लिए 105 रन की दरकार थी। इंडियन प्रीमियर लीग ने बयान में कहा, 'रोहित शर्मा ने आइपीएल की खिलाड़ियो और टीम अधिकारियों के आचार संहिता के लेवल एक का उल्लंघन स्वीकार कर लिया है। लेवल एक के उल्लंघन के लिए मैच रेफरी का फैसला अंतिम होता है।'इससे पहले महेंद्र सिंह धौनी को भी अंपायर ने फटकार लगाई थी धौनी ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ मैच के दौरान अंपायर द्वारा एलबीडब्ल्यू की अपील ठुकराए जाने पर डीआरएस का निशान बना दिया था मैच रेफरी ने इसे गलत माना और धोनी को फटकार लगाई थी। आइपीएल में डीआरएस की सुविधा नहीं है और ऐसे में धौनी का उसकी मांग करना आयोजक समिति को अखर गया। पुणे ने यह मैच छह विकेट से जीता था।



सर्गियो गार्सिया ने जीता पहला मास्टर्स गोल्फ खिताव

अगस्ता (अमेरिका), रायटर : स्पेन के गोल्फर सर्गियो गार्सिया ने अपने करियर में 73 बार नाकाम रहने के बाद आखिरकार पहला मेजर गोल्फ खिताब जीत लिया। गार्सिया ने प्लेऑफ के दौरान पहले अतिरिक्त होल पर बर्डी लगाते हुए पिछले साल के रियो ओलंपिक चैंपियन और 2013 के यूएस ओपन विजेता इंग्लैंड के जस्टिन रोस को शिकस्त दी। उन्होंने 72 होल्स के लिए नौ-अंडर पार 279 का कुल स्कोर किया।





न्यूज गैलरी

तीसरे स्थान पर रहे अरमान सेपांग (मलेशिया) : भारतीय रेसर अरमान

इब्राहिम सुपर ट्रोफयो एशिया सीरीज में बारिश और कार में तकनीकी खराबी से

उबरकर तीसरा स्थान हासिल करने में

कामयाब रहे।एफएफएफ रेसिंग टीम का

नेतृत्व कर रहे अरमान ने पहली रेस में छठे

स्थान से शुरुआत की थी। क्वालीफाइंग में

उन्हें संतुलन बनाने के लिए संघर्ष करना

पड़ा, लेकिन अपनी क्षमता और गति का

प्रदर्शन कर उन्होंने बाधाओं को पार कर

तीसरा स्थान हासिल किया। उनकी रेस

के दौरान स्थितियां अचानक बदलीं और

बारिश ने ट्रैक को चिकना बना दिया।यही

नहीं, इसके बाद उनकी कार में तकनीकी

खराबी भी आई। जीत के बाद उन्होंने कहा

'जिस तरह हमने सप्ताहांत में हालात का

सामना किया, उससे मैं खुश हूं। अंत में

पोडियम पर जगह बना पाना शानदार है।

हीरा सिंह ने साधा दो स्वर्ण

गुरुग्राम: भारतीय निशानेबाजों का

तीन सौ मीटर स्टैंडर्ड राइफल पोजीशन

स्पर्धा के व्यक्तिगत व टीम मुकाबलों में

दबदबा रहा। दूसरी इंडो-भूटान बिग बोर

शूटिंग चैंपियनशिप में सोमवार को 300

मीटर स्टैंडर्ड राइफल पोजीशन स्पर्धा में

स्वर्ण पदक के लिए भारत के हीरा सिंह

और राहुल पुनिया के बीच बेहद करीबी

मुकाबला हुआ।हीरा ने 559 के स्कोर के

साथ स्वर्ण पदक जीता, तो राहुल पुनिया को 558 के स्कोर के साथ रजत पदक मिला। टीम स्पर्धा में हीरा सिंह, प्रदीप महादेव और

कैलाश चंद की टीम ने 1647 के स्कोर के

कोषाध्यक्ष चुने गए धनराज

नई दिल्ली: भारतीय टेबल टेनिस संघ

(टीटीएफआइ) के पूर्व महासचिव

धनराज चौधरी को शंघाई में वार्षिक

आम सभा में सर्वसम्मति से एक बार फिर

एशियाई टेबल टेनिस संघ ( एटीटीयू ) का

कोषाध्यक्ष चुना गया।चीन के काई झेनहुआ

को एक बार फिर एटीटीयू का अध्यक्ष,

कतर के खलील महानदी को उपाध्यक्ष

और हांगकांग के टोनी यूई को महासचिव

चुना गया।लगभग दो दशक पहले चीन

को टेबल टेनिस में ख्याति दिलाने वाले

झेनहुआ को पहली बार 2009 में उनके

पूर्ववर्ती लि फुरोंग के बाद अध्यक्ष चुना

गया था। चुने गए चारों पदाधिकारियों का

यह लगातार तीसरा कार्यकाल (2017-

2021) होगा। इन्हें 2009 में पहली बार इन पदों के लिए चुना गया था।

साथ स्वर्ण पदक जीता। फिर टीटीएफआइ के

पदकों पर निशाना

दमदार प्रदर्शन > फाइनल में चिली को शूटआउट में पराजित किया, गोलकीपर सविता ने बचाए कई गोल

हम कभी इस ( 101वीं ) रैंकिंग पर नहीं पहुंचे ।

मुझे टीम पर गर्व है। हम रैंकिंग में ऊपर इसलिए पहुंचे, क्योंकि रैंकिंग ऐसे ही काम करती है । – सुनील छेत्री, भारतीय फुटबॉलर

# भारत ने जीता हॉकी वर्ल्ड लीग राउंड-2 खिताब

प्रदर्शन के दम पर भारतीय महिला हॉकी टीम ने रविवार को हॉकी वर्ल्ड लीग राउंड-2 का खिताब जीत लिया।फाइनल में उसने चिली को मात दी। यह मुकाबला निर्धारित समय तक 1-1 से बराबर रहा था। आखिरकार शूटआउट में भारत ने चिली को 3-1 से शिकस्त दी। भारत की इस जीत में गोलकीपर सविता ने अहम भूमिका निभाई।

भारत ने जून-जुलाई में होने वाली महिला हॉकी विश्व लीग के सेमीफाइनल में भाग लेने के लिए स्थान भी सुनिश्चित कर लिया है। जो एफआइएच महिला विश्व कप 2018 का एक क्वालीफायर होगा।

मुकाबले में शुरुआत से चिली ने अपना दबदबा बना रखा था। उसने पांचवें मिनट में ही मारिया माल्डोनाडो के गोल की बदौलत बढ़त हासिल की। इस बढ़त को चिली की टीम ने दूसरे क्वार्टर तक बनाए रखा। हालांकि, 22वें मिनट में भारतीय टीम को पेनाल्टी कॉर्नर पर गोल करने का मौका मिला था, लेकिन इसमें टीम को सफलता हासिल नहीं हुई। 41वें मिनट में पेनाल्टी कॉर्नर पर अनुपमा बार्ला के गोल से भारत ने बराबरी की। इस गोल के कारण दोनों टीमों के बीच स्कोर निर्धारित समय तक 1-1 से

जिस तरह खेले उससे मैं काफी खुश हूं। चिली को पराजित करना आसान नहीं था।एक गोल से पिछड़ने के बाद उन्हें हराने के लिए हमें खुद को लगातार प्रेरित करते रहने पड़ा ।यह टूर्नामेंट हमारे लिए काफी चुनौतीपूर्ण था। यहां का मौसम और हालात बेहद मुश्किल थे। लेकिन खुशी है कि आखिरकार हमने विश्व लीग सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया।

– रानी (भारतीय महिला हॉकी टीम की

खिताबी मुकाबले के परिणाम और विजेता टीम के चयन के लिए दोनों टीमों को <sup>'</sup>3-3 शूटआउट का मौका दिया गया। टूर्नामेंट की सर्वेश्रेष्ठ गोलकीपर चुनी गई सविता ने बेहतरीन प्रदर्शन कर सबका दिल जीत लिया। उन्होंने चिली की किम जैकब और जोसेफा विलालाबेटिया को गोल करने से रोक कर भारत को शूटआउट में शानदार शुरुआत दिलाई। भारत की ओर से कप्तान रानी और मोनिका ने गोल दागे। चिली की ओर से कैरोलिन ग्रासिया ने एक गोल किया। इसके बाद दीपिका ने भारत के खाते में तीसरा गोल डाला। इस तरह भारत ने यह



शूटआउट में चिली को हराने के बाद जश्न मनातीं भारतीय महिला हॉकी टीम की खिलाड़ी।

### विश्व चैंपियनशिप के क्वार्टरफाइनल में पहुंचीं जोशना चिनप्पा

अल गाउना (मिस) : भारत की सर्वोच्च रैंकिंग वाली स्क्वॉश खिलाडी जोशना चिनप्पा ने विश्व की नौ नंबर की खिलाड़ी इंग्लैंड की एलीसन वाटर्स को हराकर पीएसए विश्व चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है विश्व की 14वें नंबर की खिलाड़ी जोशना ने 66 मिनट चले मुकाबले में वाटर्स को 11-5 7-11, 9-11, 11-8, 11-9 से हराया। आठर्व वरीयता प्राप्त वाटर्स इससे पहले जोशना के साथ हुए पांच मुकाबलों में से एक में भी नहीं हारी थीं जोशना ने बढ़िया शुरुआत कर पहला गेम अपने नाम कर लिया था. हालांकि वाटर्स ने इसके बाव वापसी की और दो गेम जीते। इसके बाद जोशन ने अपने स्ट्रोक्स पर नियंत्रण कर मुकाबले को अपने पक्ष में कर लिया। जोशना का अगले दौर में मुकाबला इंग्लैंड की एमिली विटलॉक या फ्रांर की दूसरी वरीयता प्राप्त कैमिली र्सेम से होगा।

घोषाल व चिन्नपा को दूसरी वरीयता **चेन्नई**: प्रमुख भारतीय खिलाडियों सौरव घोषाल और जोशना चिन्नपा को 26 से तीस अप्रैल के बीच यहां होने वाली एशियाई व्यक्तिगत स्क्वॉश प्रतियोगिता में क्रमशः परुष और महिला वर्ग में दुसरी वरीयता दी गई है। सोमवार को जारी वरीयता सूची में दोनों वर्गों में पहला स्थान हांगकांग के खिलाड़ियों को मिला है। पुरुष वर्ग में मैक्स ली और महिला वर्ग में एनी एय को पहली वरीयता दी गई है। साइना हटीं, बेहतर प्रदर्शन करना चाहेंगी सिंधू

## भारतीय टीम एशियन टेटे चैंपियनशिप के फाइनल में

टेनिस स्टार अचंत शरत कमल के नेतृत्व वाली भारतीय पुरुष टीम ने सोमवार को

थाईलैंड को 3-1 से मात देकर एशियन चैंपियनशिप के फर्स्ट डिवीजन वर्ग के फाइनल में प्रवेश कर लिया है, जहां उसका सामना उत्तर कोरिया से होगा। उत्तर कोरिया ने एक अन्य सेमीफाइनल में ईरान को 3-0

भारतीय टीम ने चैंपियंस डिवीजन के क्वार्टर फाइनल में भी जगह बना

ली है। भारतीय टीम ने दूसरी बार चैंपियंस डिवीजन के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया है, जहां उनका सामना जापान से होगा।

कमल की फॉर्म सोमवार को टीम के लिए बेहद महत्वपूर्ण रही। थाईलैंड के पडासाक को 11-9, 11-6, 14-12 से मात देकर बढ़त हासिल की। इसके बाद कमल ने थाईलैंड के

> सुपानुत विसुतमायथांगकृन को 11-9, 11-5, 11-6 से हराकर स्कोर 1-1 से बराबर किया। दूसरे मुकाबले में कमल ने पडासांक को 11-7, 11-6, 11-4 से हराकर भारत को बढ़त दिलाई। हरमीत देसाई ने थाईलैंड के पैटराटोम पसारा को

15-13, 14-16, 11-8, 11-5 से हराया और भारतीय टीम ने फाइनल में प्रवेश कर लिया। भारतीय महिला टीम को निराशा का सामना करना पड़ा। वो फर्स्ट डिविजन वर्ग में सेमीफाइनल से आगे नहीं बढ़ पाई। उसे सेमीफाइनल मुकाबले में ताइवान से 1-3 से हार का सामना करना पडा।

की निराशा को छोड़कर अपने अभियान की नए सिरे से शुरुआत करने उतरेंगी। यह चैंपियनशिप मंगलवार को क्वालीफायस के साथ शुरू होगी। साइना ने बताया कि वह इस महीने के अंत में चीन के वुहान में होने वाली एशियाई बैडमिंटन चैंपियनशिप में भाग लेंगी। उन्होंने कहा, 'मैं सिंगापुर सीरीज से हट गई

सिंगापुर सुपर सीरीज : अंतरराष्ट्रीय स्पर्धाओं से पहले अभ्यास को वक्त देना चाहती हैं नेहवाल

क्वालीफायर्स के साथ आज शुरू होगा दूर्नामेंट, पहले दौर में डेनमार्क के एमिल होल्स्ट से होगा बी साई प्रणीत का सामना

और इस समय थोड़ा और अभ्यास करना मेरे लिए बेहतर होगा। मैं एशियाई बैडमिंटन चैंपियनशिप, इंडोनेशिया सुपर सीरीज और सुदीरमन कप में खेलूंगी।' घुटने की चोट से उबरने के बाद साइना ने जनवरी में

मलेशिया मास्टर्स ग्रां प्रि गोल्ड जीता था। हालांकि मलेशिया ओपन में पिछले सप्ताह उन्हें जापान की अकाने यामागुची के हाथों पहले दौर में हार का सामना करना पड़ा था।

दूसरी ओर नई दिल्ली में अपना पहला इंडिया ओपन खिताब जीतने और फिर विश्व में नंबर दो रैंकिंग हासिल करने वाली सिंधू प्रतियोगिता में भाग लेंगी। वह पिछले सप्ताह कुचिंग में चीन की उदीयमान शटलर चेन युफेई से हार गयी थीं। सिंगापुर सुपर सीरीज में सिंधू का सामना 2016 की ऑल इंग्लैंड चैंपियन और रियो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता जापान की नोजोमी ओकुहारा

महिलाओं के सिंगल्स में रितुपर्णा दास का मुकाबला चीनी ताइपे की हसु या चिंग से होगा। पुरुषों का सिंगल्स ड्रॉ भी चुनौतीपूर्ण है। भारत के बी साई प्रणीत को पहले दौर में डेनमार्क के एमिल होल्स्ट से भिड़ना होगा डेनमार्क के जॉन ओ जोर्गेनसन स्पर्धा से हट गए हैं। उदीयमान स्टार समीर वर्मा का सामना फिर से हांगकांग के हु युन से होगा जिन्हें उन्होंने इस महीने के शुरू में इंडिया ओपन में हराया था। अजय जयराम पहले दौर में चीन के पांचवीं वरीयता प्राप्त शी युकी का सामना करेंगे। किदांबी श्रीकांत भी फॉर्म में वापसी की कोशिश करेंगे। वह पहले दौर में क्वालीफायर से भिड़ेंगे।

पुरुषों के डबल्स में मनु अत्री और बी सुमित रेड्डी का शुरुआती दौर में जापान की तीसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी ताकेशी कामुरा- केईगो सोनोदा से मुकाबला होगा महिलाओं की डबल्स स्पर्धा में अश्विनी पोनप्पा और एन सिक्की रेड्डी की जोड़ी के सामने मलेशिया की शिन लू लिम और यप शेंग वेन की जोड़ी होगी।

सिंगापुर, प्रेट्ट : लंदन ओलंपिक की

कांस्य विजेता साइना नेहवाल ने आगामी

अंतरराष्ट्रीय स्पर्धाओं से पहले अभ्यास को

वक्त देने के लिए सिंगापुर सुपर सीरीज से

नाम वापस ले लिया। दूसरी ओर ओलंपिक

रजत विजेता पीवी सिंधू पिछले सप्ताह

मलेशिया ओपन में पहले दौर में बाहर होने

हूं, क्योंकि मुझे लगता है कि बेहतर प्रदर्शन

के लिए अभ्यास को ज्यादा समय देने की

जरूरत है। मेरे घुटने में सुधार हो रहा है

## मिटटी के तेल के कोटे में कटौती पर भड़का बीजद

जागरण संवाददाता, भुवनेश्वर (ओडिशा)

केरोसिन कोटा को लेकर ओड़िशा एवं केंद्र सरकार के बीच पैदा हुआ विवाद अब सडक पर आ गया है। इस मुद्दे पर सत्तारूढ़ बीजू जनता दल ने अपनी नाराजगी जताते हुए महानदी जल विवाद की तर्ज पर राज्यभर में प्रदर्शन करने का एलान किया है। इसी कड़ी में सोमवार को बीजद ने राजभवन के सामने धरना व प्रदर्शन किया और राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा।

बीजद की घोषणा के अनुसार मंगलवार को

ब्रह्मपुर एवं बुधवार को संबलपुर आरडीसी के समक्ष धरना प्रदर्शन किया जाएगा। बीजद का आरोप है कि केंद्र ने राज्य के हित की अनदेखी करते हुए केरोसिन के कोटे में कटौती कर गरीब लोगों के साथ अन्याय किया है। पिछले छह साल से इसमें कटौती चल रही है लेकिन पिछले साल तो 97 हजार 428 किलो लीटर की कटौती कर केंद्र ने हद ही कर दी। राज्य सरकार हर बार कोटा बढ़ाने के लिए पत्र लिख रही है मगर केंद्र बढ़ाने की बजाय उसमें भी कटौती कर रहा है। इसी प्रतिवाद में सोमवार को बीजद कार्यकर्ता

पंचायत ने दूसरी शादी करा दी और पत्नी बन गई चाची

### राज्य के मंत्री दे रहे कालाबाजारी को प्रोत्साहन

केंद्रीय पेटोलियम मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा है कि राज्य के मंत्री गरीब के हक को मारकर केरोसिन की कालाबाजारी को प्रोत्साहन दे रहे हैं।इससे राजस्व हानि हो रही है।खाद्य आपूर्ति मंत्री अपने ही पंचायत के हिताधिकारियों की सुची प्रकाश करें। केंद्र का मानना है कि राज्य में केरोसिन प्रयोग करने वालों की संख्या में कमी आयी है, जिससे उसके कोटे में कटौती की गई है, वहीं राज्य सरकार का कहना है कि दुरदराज इलाकों में लोग केरोसिन पर निर्भर हैं। ऐसे में हमारा हक हमें मिलना चाहिए।

पार्टी मुख्यालय से मोटरसाइकिल रैली निकाल राजभवन पहुंचे। धरना प्रदर्शन किया और राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा। बीजद के इस प्रदर्शन में कई मंत्री और राज्यस्तरीय नेता भी शामिल थे।

## जंगल की आग प्राकृतिक आपदा में शामिल

शामिल कर लिया है। इससे हर साल आग से जूझने वाले उत्तराखंड को न सिर्फ संबल मिलेगा, बल्कि राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) से मदद भी मिलेगी।

राज्य के वन महकमे की ओर से मांग की गई है कि उसे संसाधनों के लिए अधिक से अधिक फंड भी मुहैया कराया जाए ताकि आग पर काबू पाने के लिए और प्रभावी ढंग से कदम उठाए जा सकें। उत्तराखंड में जंगल की आग एक बड़ी

केदार दत, देहरादूनः केंद्र सरकार ने वनों में चुनौती के रूप में सामने आई है, जिसके सामने चिंता जाहिर की थी। केंद्र सरकार की ओर से लगने वाली आग को प्राकृतिक आपदा में वन महकमा हर बार ही असहाय नजर आता है। गुजरे 10 वर्षों के आंकड़ों पर ही गौर करें तो हर साल औसतन 2200 हेक्टेयर जंगल आग की

किया और यह घरों की देहरी तक पहुंच गई थी। आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के आला इससे निबटने के लिए सेना व वायसेना की मदद तक लेनी पड़ी थी। मानसून के आगमन के बाद ही विभाग को राहत मिल पाई थी। जंगल की आग को लेकर केंद्र से लेकर अदालत तक ने

जारी आपदा से संबंधित सूची में 'फायर पहले से शामिल था, लेकिन इसे लेकर अब तक स्थिति स्पष्ट नहीं थी।

उत्तराखंड के मुख्य वन संरक्षक आरके पिछले वर्ष तो आग ने विकराल रूप धारण महाजन के अनुसार सात अप्रैल को राष्ट्रीय अधिकारियों के साथ जंगल की आग को लेकर चर्चा की गई। इसमें एनडीएमए की ओर से स्पष्ट कर दिया गया कि अब जंगल की आग भी

## प्राकृतिक आपदा में शामिल होगी।

## गलती होने पर दंडित होंगे अधिवक्ता मोहित चौधरी

नई दिल्ली, प्रेट्र: सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि यदि गलती पाई गई तो अधिवक्ता मोहित चौधरी को दंडित करेगी जिन्होंने किसी विशेष पीठ के समक्ष पर 'हेरफेर' करने का आरोप लगाया है।

तरह के आरोपों को लगाने का आधार क्या है? यदि रजिस्ट्री में कुछ भी गलत है, हम उसे दंडित करेंगे, लेकिन यदि आप गलत हैं, हम आपको भी दंडित करेंगे। हम कोर्ट में लोगों को दुर्व्यवहार करने की अनुमति नहीं देने वाले।'

चौधरी सात अप्रैल को एक मामले में मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष पेश हुए थे। उन्होंने आरोप लगाया था कि यह मामला आज सूचीबद्ध होने का निर्देश था,

सोमवार को सनवाई के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता कोलिन गोंजाल्विस ने दलील दी कि अधिवक्ता ने बिना शर्त माफी मांगी है, इसलिए अदालत को इस मामले में कठोर कदम नहीं उठाना चाहिए। इस पर जस्टिस खेहर ने कहा, 'लोगों ने कोर्ट में हम पर चिल्लाना शुरू किया है। हमारे सामने यह पहली बार हुआ है और हम इसे बंद करने जा रहे हैं।' कोर्ट अब इस मामले पर 17 अप्रैल को सुनवाई करेगा।

### कौल भी हैं। पीठ ने कहा, 'आपने कहा कि लेकिन 'छेड़छाड़ के रास्ते' से इसे विशेष पीठ रजिस्ट्री ने हेरफेर किया, लेकिन पीठ वही थी। इस के समक्ष सूचीबद्ध किया गया।

मामले को सूचीबद्ध करने के लिए कोर्ट रजिस्ट्री मुख्य न्यायाधीश जेएस खेहर की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा, यदि गलती मिली तो अदालत

रजिस्टी को भी दंडित करने में संकोच नहीं करेगी, लेकिन कोर्ट में लोगों को 'दुर्व्यवहार' करने की अनुमित नहीं दी जाएगी। पीठ में जस्टिस डीवाई चंद्रचूड और जस्टिस एसके

आइआरसीटीसी

रुपये का जुर्माना

सदस्य आगबबूला हो गए।

का आदेश दिया।

जुर्माना लगा दिया।

कैंटीन पर एक लाख

जासं, कानपुर: सेंट्रल स्टेशन के प्लेटफार्म

नंबर एक पर इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म

कारपोरेशन (आइआरसीटीसी) से संबद्ध कैंटीन

आरके फुड्स प्रोडक्ट्स की हालत देख संसदीय

यात्री सुविधा समिति की आठ सदस्यीय टीम के

सोमवार सुबह सवा दस बजे निरीक्षण

कर रही टीम को कैंटीन में बजबजाती गंदगी

और काकरोच की फौज दिखी। इस दौरान

खाद्य सामग्री की ज्यादा कीमत वसूले जाने

की शिकायत भी मिली। नाराज टीम ने डिप्टी

सीटीएम डॉ. जितेंद्र कुमार से एक लाख रुपये

जुर्माना के लिए कहा और तुरंत कैंटीन बंद करने

टीम ने प्लेटफार्म चार-पांच के अलावा अन्य

व्हीलर बंद, पचास हजार जुर्माना रू

सुरंग के रास्ते प्लेटफार्म चार-पांच पर पहुंची टीम

को एच. व्हीलर (बुक स्टाल) बंद मिला। टीम

ने नाराजगी जताते हुए पचास हजार रुपये का

प्लेटफार्म पर साफ-सफाई के लिए स्टेशन

अधीक्षक की पीठ थपथपाई। कहा कि स्टेशन

पर काफी बदलाव आ गया है।

## क्लैट की प्रतियोगी किताब में गलतियों की भरमार

देश की शीर्ष नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी में एलएलबी और एलएलएम जैसे कोर्स में प्रवेश लेने के लिए क्लैट (कामन लॉ एडिमशन टेस्ट) की तैयारी करने वाले अभ्यर्थियों को सावधान करने वाली खबर है। खासकर ऐसे अभ्यर्थी, जो क्लैट की सहायक पुस्तिका से तैयारी कर रहे हों। दरअसल, मेरठ के अरिहंत प्रकाशक ने क्लैट की जो प्रतियोगी पुस्तक प्रकाशित की है, उसमें प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति, मुख्य न्यायाधीश, लोकसभा अध्यक्ष आदि के नाम समय के साथ अपडेट ही नहीं किए गए।

क्लैट की तैयारी के लिए मेरठ के अरिहंत में है। क्लैट के अभ्यर्थियों के मार्गदर्शन के लिए 766 पेज की इस पुस्तक में कई गलत सूचनाएं वर्तमान तक लोकसभा अध्यक्ष बताया गया है। राष्ट्रपति के तौर पर 25 जुलाई 2007 से वर्तमान तक कि प्रधानमंत्री के तौर पर डॉ. मनमोहन सिंह

### यह हैं सही तथ्य

राष्ट्रपति : प्रणव मुखर्जी – 25 जुलाई

से अब तक

लोकसभा अध्यक्ष : सुमित्रा महाजन-पांच जून 2014 से अब तक

दिखाया गया है। इतना ही नहीं पुस्तक में भारत

डायरेक्टर अरिहंत प्रकाशन प्रवेश जैन का कहना है कि किताब अप्रैल 2016 में प्रकाशित की गई। इसमें राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, लोकसभा

## घंटों में टूटी जीवन की डोर लौट रहे थे कि रेलवे स्टेशन पर उनकी मां की

चार साल बाद मिले दंपती, चंद

जागरण संवाददाता, मथुरा

पंजाब के कपूरथला निवासी जैमाल सिंह के साथ किस्मत ने अजीब खेल खेला। चार साल से बिछुड़ी पत्नी से कानपुर में मिलन तो हो गया, लेकिन नियति को उनका साथ ज्यादा देर के लिए मंजुर नहीं था। पंजाब की राह चलते ही पत्नी ने बीमारी से दम तोड़ दिया। पत्नी के शव को लेकर कपूरथला जा रही एंबुलेंस मथुरा में एक्सप्रेस वे पर हादसे की शिकार हो गई, जिसमें जैमाल सिंह की भी मौत हो गई।

कपूरथला के गांव बूट निवासी अमरीक सिंह के पिता जैमाल सिंह चार वर्ष से गायब थे। पिता के कानपुर के किसी अस्पताल में भर्ती होने की जानकारी मिली तो अमरीक मां अजीत कौर के साथ कानपुर पहुंच गए और पिता को खोज लिया। वह पिता जैमाल सिंह को लेकर पंजाब

तबीयत अचानक इतनी बिगड़ी कि उनकी मौत हो गई। अमरीक मां के शव और पिता जैमाल सिंह को लेकर एंबुलेंस से यमुना एक्सप्रेस वे होकर पंजाब आ रहे थे। इस दौरान मथुरा के सुरीर क्षेत्र में सोमवार सुबह एंबुलेंस आगे चल रहे अज्ञात वाहन से टकरा गई। इस हादसे मे जैमाल सिंह (70) की मौके पर मौत हो गई जबिक अमरीक सिंह के अलावा एंबलेंस चालक राजकुमार और सह चालक सीताराम निवासी सिकंदरा, जिला कानपुर देहात घायल हो गए। पुलिस व एक्सप्रेस वे कर्मियों ने घायल राजकुमार और सीताराम को अस्पताल भेज दिया, लेकिन अमरीक माता-पिता के शव के पास ही रह गए। प्रशासनिक अफसरों ने वाहन का इंतजाम कराया, जिसके बाद वह माता-पिता के शवों को लेकर पंजाब गार।

## नीरज हत्याकांड की सीबीआइ जांच को सड़क पर विपक्ष

**जासं, धनबाद**ः पूर्वं डिप्टी मेयर नीरज सिंह समेत वार लोगों की हत्या की सीबीआइ जांच की मांग को लेकर सोमवार को धनबाद में भाजपा विरोधी दलों की एकता का प्रदर्शन हुआ। रणधीर वर्मा चौक पर सुबह नौ बजे से दो बजे तक आयोजित धरना-प्रदर्शन में हजारों लोग शरीक हुए। इसके बाद एक प्रतिनिधिमंडल ने उपायुक्त आंजनेयुलु दोड्डे से मिलकर सीबीआइ जांच की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा। उपायुक्त ने ज्ञापन को अनुशंसा के साथ झारखंड सरकार के पास भेजने का आश्वासन दिया। दिवंगत नीरज सिंह के चाचा झारखंड सरकार के पर्व मंत्री बच्चा सिंह की अध्यक्षता में हुए धरना-प्रदर्शन में झारखंड प्रदेश जदयू के अध्यक्ष जलेश्वर महतो, कांग्रेस नेता पूर्व मंत्री मन्नान मल्लिक, निरसा

के विधायक अरूप चटर्जी, आदि शामिल थे। धरना में शामिल तमाम वक्ताओं ने एक स्वर में नीरज सिंह हत्याकांड की सीबीआइ जांच की मांग की। कहा, हत्याकांड में भाजपा के विधायक का नाम जुड़ा हुआ है इसलिए मुख्यमंत्री रघुवर दास सीबीआइ जांच का आदेश न देकर बचाने का काम कर रहे हैं।

### मौसम विशेष जम्मू कश्मीर, हिमाचल तथा

उत्तराखंड में मौसम शुष्क रहेगा। दिन के तापमान में बढ़ोत्तरी तथा रात के तापमान में हल्की गिरावट संभव है। पंजाब, हरियाणा तथा दिल्ली में दिन में मध्यम हवाओं और साफ आसमान के साथ अधिकतम तापमान में वृद्ध होने की संभावना है।

भारत के मुख्य शहरों का तापमानः सहस् मुख्यं अ7/22/व अहर्सनावाद 39/23/का क्रिकेट्स 37/22/व अहर्सनावाद 39/23/का क्रिकेट्स 37/27/सा ब्रिकेट्स 41/21/सा क्रिकेट्स 33/26/अंबा कार्युप्त 42/24/कांबा स्टेस्ट वर्टस्यावाद 40/25/सा इत्येद 38/21/का वर्षास्त्र 38/23/का वर्षास्त्र 38/23/का वर्षास्त्र 38/24/कांबा प्रत्य 38/24/कांबा प्रत्य अहर्स्स 38/24/कांबा प्रत्य अहर्स्स 38/24/कांबा प्रत्य अहर्स्स 38/24/कांबा प्रत्य 34/25/सा अंग्रेस्ट 31/13/सा युपे 34/25/सा

करता है और दहेज लाने की बात कहता है। पूनम का मायका गांव बिंझौल में है। उसकी और शिपा की शादी चार महीने पहले ही हुई थी। वह शादी के बाद पूनम से दहेज की मांग करते हुए मारपीट करने लगा। कई बार मामला पंचायत तक पहुंचा। हर बार पंचायत ने दोनों को समझा देती। बीते शुक्रवार को शिपा ने अपनी पत्नी पूनम के साथ मारपीट की तो पूनम और उसके मायके वाले फिर पंचायत के पास पहुंचे।

महीपाल जोगी, इसराना (पानीपत)

पानीपत के गांव मांडी में एक युवक ने चार महीने

पहले ब्याह कर लाई गई पत्नी से मारपीट और

दहेज की मांग की तो वह पंचायत में चली गई।

इस पर पंचायत ने उसके पति पर 40 हजार रुपये

का जुर्माना तो लगाया ही, शादी को भी तोड़

दिया। अब युवती की शादी गांव के ही विधुर

युवक के साथ कर दी गई है। वह रिश्ते में युवती

के पूर्व पति का चाचा लगता है और इस तरह जो

मांडी के युवक शिपा की पत्नी पूनम ने

पंचायत से शिकायत की कि उसका पति मारपीट

उसकी पत्नी थी अब चाची बन गई है।

### बलबीर और पूनम की शादी हो चुकी है,

लेकिन बलबीर के परिवार वाले बरात के बाद नई बहु का गांव में स्वागत होगा को सबक मिलेगा।

रविवार को गांव में समाजसेवी धर्मबीर की अध्यक्षता में पंचायत हुई। पंचायत ने पूनम के पिता नैन सिंह से पूछा, गांव में एक विधुर लड़का बलबीर है। क्या आप अपनी लड़की का रिश्ता उसके साथ करेंगे? नैन सिंह ने स्वीकार कर लिया। बलबीर को बुलाया गया और पंचों के सामने ही नैन सिंह ने पूनम की शादी बलबीर के साथ कर दी। पंचायत ने शिपा पर चालीस हजार रुपये जुर्माना भी लगाया। पंचायत में मौजूद सूबे सिंह, ब्लॉक समिति चेयरमैन ऋषिपाल शर्मा, हरी किशन आदि प्रतिष्ठित जनों ने इस फैसले को सर्वसम्मित से मंजूरी दे दी।

### शादी के बाद जाएगी बरात

लेकर गांव बिंझौल जाएंगे। वहां से लौटने और परंपराएं निभाई जाएंगी। पंचायत का कहना है कि इस फैसले से दहेज लोभियों

### विवेक राव, मेरठ

प्रकाशन का वर्ष 2017 का संस्करण बाजार दी हैं। पुस्तक में मीरा कुमार को 30 मई 2009 से तक प्रतिभा पाटिल का नाम दिया गया है। यहां का कार्यकाल 22 मई 2004 से वर्तमान तक

2012 से अब तक

प्रधानमंत्री : नरेंद्र मोदी - 26 मई 2014

के मुख्य न्यायाधीश एसएच कपाड़िया को बताते हुए उनका कार्यकाल 12 मई 2010 से वर्तमान तक बताया गया है, जबकि वह 2012 में रिटायर हो गए। उनके बाद पांच मुख्य न्यायाधीश बदल चुके हैं। क्लैट की तैयारी के लिए सबसे ताजा एडीशन होने के बावजूद प्रकाशक ने देश के शीर्ष पदों पर आसीन लोगों के नाम को अपडेट नहीं किया।

अध्यक्ष आदि का कार्यकाल उससे पहले का है।

1919 में आज ही दुनियाभर के श्रमिकों की समस्याएं दूर करने और उनके अधिकार सुनिश्चित करने के लिए संयुक्त राष्ट्र के अंतर्गत अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन की स्थापना की गई। 187 देश इसके सदस्य हैं। श्रमिकों के उत्थान के लिए कार्यरत इस संगठन को 1969 में शांति का नोबेल पुरस्कार प्रदान

### राष्ट्रीय संस्करण

कैमरा रखेगा नवजात

की धड़कनों पर नजर

जेनेवा, प्रेट : वैज्ञानिकों ने समय पूर्व प्रसव र

जन्मे बच्चों की सेहत पर नजर रखने का आसान

तरीका खोज निकाला है। वैज्ञानिकों ने ऐसा

कैमरा बनाया है जो बच्चे को स्पर्श किए बिना

ही उसकी धड़कन और सांस की गति की मापने

में सक्षम होगा। अभी बच्चों के सीने पर सेंसर

ईपीएफएल पॉलीटेक्निकल यूनिवर्सिटी

और स्विस सेंटर फॉर इलेक्ट्रॉनिक्स एंड

माइक्रोटेक्नोलॉजी के शोधकर्ताओं ने तैया

किया है। अभी यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल ज्यूरिख

(यूएसजेड) में इसका परीक्षण किया जाना है

यूएसजेड के डॉ. जीन क्लाउडे फॉशर ने कहा

'बच्चों के सीने पर लगाए जाने वाले सेंसर बेहत

इनका अलार्म 90 फीसद तक गलत

समय पर बज जाता है। यह बच्चों के लिए असुविधाजनक होता है, क्योंकि हर

अलार्म पर चिकित्सक उनकी जांच करते हैं।

साथ ही वहां कार्यरत नर्स और चिकित्सक के समय की भी बर्बादी होती है।' नए कैमरे से यह

समस्या दूर हो सकती है। यह बच्चे की त्वचा

के रंग में होने वाले बदलाव की मदद से उसर्क

धड़कन का पता लगाता है। सांस का पता उसके

सीने और कंधों में होती हलचल से चलता है

रात में यह कैमरा इंफ्रारेड रोशनी की मदद से काम

संवेदनशील होते हैं।

लगाकर यह जानकारी हासिल की जाती है। कैमरे को स्विट्जरलैंड के लोसाने स्थित

### इधर उधर की

### दोस्ती के चक्कर में पड़ गए लेने के देने

लंदन, एजेंसी: अक्सर दोस्त एक दूसरे की सहायता करते हैं। मुश्किल वक्त में साथ निभाते हैं। लेकिन यहां एक महिला को दोस्ती निभाने के जाना पड़ गया।

से आर्किटेक्ट बेसिया लेजोनवार्न की सहेली लिन को घर में खुबसुरत बगीचा तैयार करवाना था। लिन ने कई जाने-माने आर्टिकेक्ट से बात की लेकिन उनकी फीस इतनी अधिक थी कि वह मन मारकर रह गई। ऐसे में बेसिया अपनी दोस्त की मदद करने आगे आईं। उन्होंने सस्ते दामों पर लोगों को नियुक्त किया और बगीचा तैयार करवाया। बेसिया ने खुद अपनी फीस तक नहीं ली। जब बगीचा बन गया तो लिन को वह पसंद नहीं आया। उसने बेसिया पर 2.12 करोड़ रुपये का हर्जाना लगा दिया।

### शोध अनुसंधान

### खाली पेट व्यायाम करना



व्यायाम यूं तो शरीर को फायदा देता ही है, लेकिन खाली पेट व्यायाम करना और भी लाभकारी हो सकता है। वैज्ञानिकों का कहना है कि खाली पेट व्यायाम करना आगे चलकर बहुत फायदा करता है। वैज्ञानिकों ने इसके पीछे का कारण भी खोज निकाला है। शोध के दौरान नाश्ता करने के कुछ देर बाद और खाली पेट व्यायाम से वसा ऊतकों पर पड़ने वाले प्रभाव को जांचा गया। ब्रिटेन की बाथ यूनिवर्सिटी के शोधकर्ता डिलन थॉम्पसन ने कहा, 'नाश्ता करने के बाद वसा ऊतक खाने को पचाने में व्यस्त होते हैं। इस वक्त व्यायाम का इन ऊतकों पर पर्याप्त प्रभाव नहीं पड़ता। वहीं, खाली पेट व्यायाम करने पर ये ऊतकों ज्यादा सक्रियता से व्यायाम पर प्रतिक्रिया देते हैं। यह सिक्रयता भविष्य के लिहाज से बहुत फायदेमंद है।' यह इस तरह का पहला शोध है जिसमें व्यायाम से पहले नाश्ता करने के नुकसान पर अध्ययन

### -आइएएनएस अल्जाइमर की दवा से निमोनिया का खतरा



बडी उम्र में होने वाली दिमागी बीमारी अल्जाइमर के इलाज में प्रयुक्त होने वाली दवाओं का दुष्प्रभाव सामने आया है। शोधकर्ताओं का कहना है कि इन दवाओं के प्रयोग से मरीज को निमोनिया होने का खतरा बढ जाता है। अल्जाइमर में व्यक्ति की याददाश्त कमजोर हो जाती है। वैज्ञानिकों ने बताया कि अल्जाइमर के मरीजों को बेंजोडायजेपाइंस और नॉन बेंजोडायजेपाइंस दवाएं दी जाती हैं। इन दवाओं से निमोनिया का खतरा बढ़ता है। यूनिवर्सिटी ऑफ ईस्टर्न फिनलैंड के शोधकर्ता हेदी ताइपल ने कहा. 'निमोनिया का खतरा बढने संबंधी यह शोध अल्जाइमर के मरीजों के इलाज की दिशा में व्यापक बदलाव लाएगा। निमोनिया के कारण अल्जाइमर के मरीजों की मौत के कई मामले सामने आते हैं।' शोधकर्ताओं ने बताया कि इन दवाओं के प्रयोग से निमोनिया का खतरा 30 फीसद तक बढ़ जाता है। इलाज के पहले महीने में यह खतरा सबसे ज्यादा -आइएएनएस

वनसंपदा का

धनी राज्य है।

वन्य जीवों की

भी बहुतायत है।

तमाम प्रयासों के

बावजूद वनों और

वहां निवास करने

स्थिति अच्छी नहीं

है।मृग(हिरन)तो

विलुप्तप्राय क्षेणी में

वाले जीवों की

पहुंच गए हैं।

## ब्रिटेन से चीन के लिए पहली मालगाडी खाना



लंदन, आइएएनएस : ब्रिटेन के एसेक्स से चीन के लिए पहली मालगाड़ी सोमवार को खाना हुई। यह ट्रेन लगभग 7500 मील की दूरी करीब 18 दिन में तय करके चीन पहुंचेगी।

समाचार एजेंसी बीबीसी अनुसार,मालगाड़ी पर लदे 30 कंटेनरों में व्हिस्की, साफ्ट ड्रिंक, विटामिन और दवाएं रखी गई हैं। यह ट्रेन स्टैनफोर्ड-ली-होप के लंदन गेटवे रेल टर्मिनल से झेजियांग प्रांत के यिवू शहर के लिए खाना हुई है। मालगाड़ी सात देशों फ्रांस, बेल्जियम, जर्मनी, पोलैंड, बेलारूस, रूस और कजाखिस्तान होते हुए 27 अप्रैल को गंतव्य को

चिकनगुनिया और डेंगू के

मच्छरों के पनपने में नमीयुक्त

एक खास वातावरण होता है

साल दर साल दिल्ली-एनसीआर में महामारी

का रूप लेते जा रहे डेंगू एवं चिकनगुनिया की

रोकथाम में मौसम विभाग भी अब एक अहम

भूमिका अदा करेगा। विभागीय स्तर पर नमी एवं

तापमान वाले उस वातावरण का पूर्वानुमान पहले

ही दिल्ली सरकार व नगर निगम को बता दिया

जाएगा जिसमें इन बीमारियों के जनक मच्छर

देश के अन्य हिस्सों की तरह ही राजधानी

में भी मानसून के दौरान हर जगह लापरवाही

का नजारा देखने को मिलता है। जगह-जगह

जल भराव तो होता ही है, जल जनित रोगों और

मच्छरों की उत्पत्ति रोकने के लिए भी पुख्ता

प्रयास नहीं किए जाते। यही वजह है कि हर

असरदार

संजीव गुप्ता, नई दिल्ली

तक पहुंचेगी। यह सेवा चीन के प्राचीन सिल्क रूट को पुनर्जीवित करने का प्रयास है। तकरीबन 2000 साल पहले सिल्क रूट के जरिये पश्चिम और पूर्व के बीच कारोबार होता था।

वामपंथी देश चीन ने इस मार्ग की शुरुआत के तौर पर तीन महीने पहले ब्रिटेन के लिए एक मालगाड़ी भेजी थी। इसमें घरेलू जरूरतों का सामान, कपड़े, सूटकेस और बैग आदि थे। ब्रिटेन के व्यापार मंत्री ग्रेग हैंड ने कहा कि एशिया की महाशक्ति चीन के साथ यह नया रेल लिंक ब्रिटेन के वैश्विक उद्देश्यों को बढ़ावा

सार्थक पहल > मच्छरों के पनपने का पहले ही मिलेगा पता

चिकनगुनिया से लड़ाई में

साथ देगा मौसम विभाग

हमने डेंगू और चिकनगुनिया की

की है, लेकिन संकारात्मक परिणाम के लिए

संबंधित विभागों को हफ्ते-दस दिन का सटीव

पर्वानुमान ही दे सकते हैं। उसके अनुरूप काम

साल चिकनगुनिया व डेंगू बड़े पैमाने पर दिल्ली-

एनसीआर के निवासियों को अपना शिकार बना

क्रियान्वित होगी। मौसम विज्ञानी दिल्ली सरकार,

आपदा प्रबंधन और तीनों नगर निगमों के आला

अधिकारियों को जून माह से हर सप्ताह ईमेल

भेजना शुरू करेंगे। इस ईमेल में मौसम विज्ञानी

अगले एक सप्ताह का विस्तृत पूर्वानुमान देंगे

कि उस सप्ताह में बारिश कहां और कैसी रहेगी,

तापमान कितना रहेगा और नमी कितने फीसद

मौसम विभाग की यह योजना ईमेल पर

स्थानीय निकायों और सरकारी विभागों को

–डा . केजे रमेश, महानिदेशक

भारत मौसम विज्ञान विभाग

करना होगा।

ईमानदार प्रयास बहुत जरूरी है। हम तो

रोकथाम के लिए भी योजना तैयार



### चीन में बहनों का पर्व

तक रहने की संभावना है। पूर्वानुमान के साथ-

साथ यह भी बताया जाएगा कि चिकनगुनिया एवं

डेंगू का प्रकोप ज्यादा न फैले, इसके लिए क्या

इस पूर्व सूचना के आधार पर दिल्ली सरकार

और नगर निगम के अधिकारी जल भराव से

निपटने और दवा का छिड़काव करने की दिशा

में पूरी तैयारी कर सकेंगे। यही नहीं, डिस्पेंसरियों

एवं अस्पतालों को भी समय पूर्व अलर्ट किया

जा सकेगा। विभाग की ओर से इस आशय की

विभागीय बैठक भी हो चुकी है और मौसम

विज्ञानी एससी भान को नोडल अधिकारी भी

70 से 90 फीसद नमी में पनपता है

डेंगू और चिकनगुनिया का मच्छर :

मानसून के दौरान ही चिकनगुनिया और डेंगू का

जनक मादा एडीज एजेप्टाइज मच्छर पैदा होता

है।चिकित्सकों और अन्य विज्ञानियों का कहना

है कि चिकनगुनिया और डेंगू फैलाने वाले इस

मच्छर की उत्पत्ति में 22 से 31 डिग्री सेल्सियस

तापमान और 70 से 90 फीसद की नमी खासी

कुछ उपाय किए जा सकते हैं।

नियुक्त किया जा चुका है।

चीन के दक्षिण–पष्टिचमी प्रांत गुइजहों की तियाजियांग काउंटी में प्रतिवर्ष सिस्टर फेस्टिवल पारंपरिक तरीके से मनाया जाता है। खासतौर पर मियाओ आदिवासी समुदाय की युवतियाँ पारंपरिक कॉस्ट्युम पहनकर परेड में शामिल होती हैं। तीसरे चंद्र माह के 15 वें दिन आयोजित यह महोत्सव मियाओ समुदाय के सबसे प्रमुख पर्व में से एक है । इस मौके पर युवतियां अपने लिए योग्य जीवन साथी का चुनाव भी करती हैं । इस दौरान लोग विशेष रूप से तैयार सिस्टर राइस खाते हैं। इसके अलावा युवतियां ड्रेस परेड, डांस, बुल फाइटिंग और गाने के कार्यक्रमों का लुत्फ उठाती हैं।

# ब्लीचिंग से तबाही

### वैरियर रीफ केनबरा, आइएएनएस : यूनेस्को की विश्व

के कगार पर ग्रेट

विरासत सूची में शामिल दुनिया की सबसे बड़ी मूंगे की चट्टान ग्रेट बैरियर रीफ को ब्लीचिंग से जबरदस्त नकसान पहुंचा है। वैज्ञानिकों का कहना है कि ऑस्ट्रेलिया स्थित इस मूंगे की चट्टान का करीब 1,500 किमी क्षेत्र यानी दो तिहाई हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया है। एक के बाद एक लगातार दो साल ब्लीचिंग की घटना ने इस क्षेत्र को तबाही के कगार पर ला दिया है।

ऑस्ट्रेलिया की जेम्स कुक यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर टेरी ह्यूग्स ने बताया कि अब केवल दक्षिण का एक तिहाई हिस्सा ब्लीचिंग से सुरक्षित है। 2016 में तापमान में वृद्धि और अल नीनो प्रभाव के कारण उत्तरी एक तिहाई हिस्सा प्रभावित हुआ था। उसके बाद साल भर से कम समय में ही मध्य का तिहाई हिस्सा इसकी चपेट में आ गया है। टेरी ने बताया कि इस साल अल नीनो के बिना ही व्यापक ब्लीचिंग देखने को मिल रही है। पिछले दिनों ऑस्ट्रेलिया में आए भीषण तूफान ने भी ग्रेट बैरियर रीफ को व्यापक नुकसान पहुंचाया। तापमान में वृद्धि के कारण पानी गर्म होने पर ब्लीचिंग की घटना होती है। इसमें मूंगा शैवाल को खुद से अलग कर देता है। इसके कारण वह सख्त और सफेद हो जाता है। इन परिस्थितियों में उसका क्षय शुरू हो जाता है। मामुली नुकसान होने पर तापमान में गिरावट होते ही मूंगा सामान्य अवस्था में आ जाता है, लेकिन व्यापक ब्लीचिंग होने से इसका मूल अवस्था में लौटना मुश्किल हो जाता है।

## आपको सेहतमंद रखेगा फसलों का नया बीज

फसल में अत्याधिक उवर्रक के प्रयोग से खाद्यान्न भी सेहत को क्षति पहुंचा रहे हैं लेकिन अब नए बीज से उत्पादित खाद्यान्न सेहतमंद करेगा। कृषि वैज्ञानिकों द्वारा विकसित यह बीज जल्द किसानों तक पहुंचाया जाएगा।

कृषि मंत्रालय के महानिदेशक प्रो.त्रिलोचन महापात्रा ने मुताबिक, भारत में जापान-अमेरिका आदि देशों की अपेक्षा उर्वरक का प्रयोग कम है लेकिन किसानों को इस्तेमाल करने की जानकारी नहीं। इसलिए फसल में जरूरत से ज्यादा प्रयोग करते हैं। नए बीज से उत्पादित खाद्यान्न में उवर्रक का प्रभाव नहीं पड़ेगा। फसल का पौधा बढ़ेगा लेकिन खाद्यान पर कोई असर नहीं होगा। नए बीज में जिंक, प्रोटीन समेत सभी पोषक तत्व होंगे, जो इंसान की सेहत के लिए काफी फायदेमंद हैं। इन पोषक तत्वों की कमी से

कुछ साल जैविक खेती में किसानों को नुकसान होने की बात सामने आई है।

जैविक खेती से बढ़ेगा मुनाफा

पौधों को जैविक खाद की ज्यादा जरूरत होती है, मगर अब शोध चल रहा है। इससे कम जैविक खाद भी पौधे को ज्यादा फायदा पहुंचाएगी। इससे जैविक खेती करने वालों का मुनाफा बढ़ेगा।

ही महिलाओं और पुरुषों में तमाम बीमारियां फैल रही हैं। महानिदेशक ने बताया, चीनी उत्पादन बढ़ाने के लिए गन्ने के सीओ-238 बीज विकसित किया गया है। नए बीज से 12 फीसव तक चीनी की रिकवरी मिलेगी। बोले, फसल उत्पादन बढ़ाने पर जोर है। इसलिए नए बीज की फसल में उत्पादन पहले से ज्यादा होगा।

### यमुना में उगा दीं गेहूं की लंबी बालियां

यमुनानगर : यमुना की जिस रेतीली धरा से किसान किनारा कर लेते हैं, उसी जमीन पर 73 साल के कनालसी निवासी रूढ़ सिंह ने गेहूं की 18 से 19 सेंटीमीटर की बालियां उगा दी हैं। उसकी फसल को देख न केवल आसपास के किसान बल्कि कृषि विभाग के अधिकारी भी हैरान हैं। किसान का कहना है कि एक गेहूं की बाली में 100 से अधिक दाने हैं।

कनालसी निवासी रूढ़ सिंह ने बताया कि 1987 में उन्होंने सहकारिता विभाग से ऑडिटर की नौकरी सिर्फ इसलिए छोड दी थी कि वह खेती को प्रोत्साहन दे सकें उन्होंने बताया कि यमुना नदी के किनारे उनकी करीब 40 एकड़ जमीन है। यह रेतीली है इस दौरान उन्होंने 411 किस्म की गेहूं के बारे

### डिजनी थीम पार्क में रोबोट करेंगे बच्चों का मनोरंजन

वाशिंगटन, प्रेट : भविष्य में डिजनी थीम पार्क में मनुष्यों जैसे रोबोट बच्चों का मनोरंजन करते दिखाई दे सकते हैं। कंपनी ने ऐसे साफ्ट बाडी रोबोट के पेटेंट के लिए आवेदन किया है जो सुरक्षित तरीके से बच्चों और किशोरों के साथ मेलजोल कर सकें। डिजनी के शोधकर्ताओं ने अब तक बिग हीरो-6 के चिरत्र बेमैक्स पर आधारित एक छोटे रोबोट का विकास किया है। इस रोबोट का बाहरी हिस्सा नरम और टिकाऊ है। इसके ऊपरी भाग में फ्लूइड होगा और कंट्रोलर के जरिये इसकी प्रोग्रामिंग की जा सकेगी। टेस्ट के लिए जो डिजाइन बनाया गया है उसका हर एक हिस्सा प्रेशर सेंसर से जुडा हुआ है। इसका फायदा यह होगा कि जब यह बच्चों के आसपास होगा तो उन्हें किसी किस्म के नुकसान का खतरा बेहद कम हो जाएगा।शोधकर्ताओं ने पेटेंट के लिए दाखिल किए गए दस्तावेजों में कहा है कि रोबोट स्टोरों और मनोरंजन पार्कों में आसिनी से मिल जाते हैं जहां वे लोगों के साथ संवाद करते या उनका मनोरंजन करते दिखाई देते हैं। इतना ही नहीं घरों, स्कूलों, अस्पतालों और यहां तक कि कार्यस्थलों में भी रोबोट का होना अब बहुत नई-अनोखी बात नहीं रह गई है। इन स्थानों में रोबोट का काम लोगों को शिक्षा देना, उनका उपचार करना या फिर किसी अन्य तरीके से मदद

पेटेंट के दस्तावेजों के जरिये यह नहीं बताया गया है कि डिजनी में कब तक मनुष्यों जैसे रोबोट को रखा जाएगा, लेकिन इतना तो है ही कि डिजनी की इस पहल का मतलब है कि डिजनी पार्कों में बच्चों और किशोरों से बातचीत और उनके मनोरंजन के लिए इंसानों की भूमिका के दिन अब सीमित रह गए हैं। पेटेंट दस्तावेज में हालांकि यह स्वीकार किया गया है कि मानव सरीखे रोबोट के साथ संपर्क पूरी तरह सुरक्षित रहने का दावा करना थोड़ा कठिन है।



बंगाली फिल्मकार श्रीजित मुखर्जी की 'बेगम जान' की रिलीज अब महज तीन दिन दूर है। इत्तफाकन झारखंड सरकार ने उसे कर मुक्त कर दिया है। साथ ही फिल्म को दो करोड़ रुपये की सब्सिडी भी मिली है। ऐसा वहां की फिल्म नीति के प्रावधानों के तहत किया गया है। विद्या बालन इसमें अलग ही अवतार में हैं। इसकी कहानी विभाजन काल में सेट है। विद्या के किरदार का नाम बेगम जान है। वह कोठा चलाती है। विभाजन बाद रेडिक्लफ लाइन खींचने के चलते उसका कोठा खतरे में आ जाता है। तब वह क्या कुछ करती है, फिल्म उस बारे में है। यह फिल्म पूरी तरह से झारखंड में शूट हुई है। निर्माता

विशेष भट्ट ने खुशी जाहिर करते हुए कहा, 'झारखंड कमाल का मेजबान है। सरकार के इस कदम के लिए हम उनका शक्रिया अदा करते हैं। इससे हमारी फिल्म ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहंच सकेगी। फिल्म में इला अरुण, गौहर खान, रजित कपुर आशीष विद्यार्थी, चंकी पांडे, विवेक मुश्रान, रिद्धिमा तिवारी, फ्लोरा सैनी, प्रियंका सेटिया, रविजा चौहान, मिष्ठी चक्रवर्ती, पुनम सिंह राजपुत, सुमित निझावन, पितोबास और राजेश शर्मा में भी हैं। नसीरुद्दीन शाह का फिल्म में स्पेशल एपीरियंस है। इसे मुकेश भट्ट, विशेष भट्ट और प्ले एंटरटेनमेंट ने मिलकर प्रोड्यूस किया है।

### स्क्रीन शॉट

### 'तुम्हारी सुलू' में आरजे होंगी विद्या बालन

पिछले कुछ अर्से से विद्या बालन संजीदा किरदारों में नजर आ रही हैं। 14 अप्रैल को

रिलीज होने वाली 'बेगमजान' में वह कोठे की मालिकन की भूमिका में दिखेंगी। उसमें उनका गस्सैल मिजाज दिखेगा। हालांकि अपनी अगली फिल्म 'तुम्हारी सुलू' में उनका नया अवतार दिखेगा। उसमें वह सुलोचना उर्फ सुलू की भूमिका में होंगी। वह परिस्थितिवश आरजे (रेडियो जॉकी) बन

जाती है। यह दूसरा मौका होगा, जब वह रेडियो जॉकी की भूमिका में होंगी। इससे पहले वह 'लगे रहो मुन्नाभाई' में रेडियो जॉकी की भूमिका में काफी

सराहना बटोरी चुकी हैं। उसमें उन्होंने मुंबई को गुड मॉर्निंग के आलाप के साथ जगाया

था। हालांकि 'तुम्हारी सुलू' में रात के शो की होस्ट होंगी। यहां पर वह लव गुरु सरीखी भूमिका में होंगी।विद्या के मुताबिक सुलू की भूमिका में उनका नटखट अंदाज दिखेगा। फिल्म में उनके पति की भूमिका में मानव कौल होंगे। वह 'सिटी लाइट', 'काय पो छे', 'जय गंगाजल', 'मैरून' जैसी फिल्मों में अहम भूमिका में

नजर आए हैं। फिल्म का निर्देशन सुरेश त्रिवेणी ने किया है। फिल्म एक दिसंबर को मुंबई ब्यूरो

### 'सैराट' के अभिनेता का बढ़ा रहे हौसला



सलमान खान को बॉलीवुड का दबंग खान कहा जाता है। उन्होंने कई नए चेहरों की फ़िल्म जगत में पहचान बनाने में मदद की है। साथ ही वह समय-समय पर नए कलाकारों का हौसला भी बढ़ाते रहते हैं। इसके तहत उन्होंने एक और पहल की है। सलमान ने मराठी फिल्म 'सैराट' के अभिनेता आकाश ठोसर की आने वाली फिल्म 'फू' का पोस्टर जारी कर उनका उत्साहवर्धन किया है। सलमान ने ट्विटर एवं इंस्टाग्राम पर फिल्म का पोस्टर साझा करते हुए लिखा, 'सैराट अभिनेता आकाश ठोसर, महेश मांजरेकर के साथ पर्दे पर वापसी कर रहे हैं। अभिनेता ने निर्देशक नागराज मंजुले की मराठी फिल्म 'सैराट' से अभिनय जगत में अपना पहला कदम रखा था। फिल्म एक बड़ी हिट साबित हुई थी। उल्लेखनीय है कि फिल्म का निर्देशन सलमान के दोस्त एवं फिल्मकार महेश मांजरेकर ने किया है। 'फू' दो जून को बड़े पर्दे पर रिलीज होगी। आकाश की यह दूसरी फिल्म होगी। -प्रेट्र

की ओर से जारी की गई जया बच्चन की

### जया के बर्थंडे पर अभिषेक का खास तोहफा

अभिषेक बच्चन ने अपनी मां जया बच्चन महत्व रखती हैं, आई लव यू।' अभिषेक के जन्मदिन पर उन्हें खास तोहफा दिया।

अभिषेक ने सोशल मीडिया पर जया बच्चन की एक पुरानी तस्वीर साझा करते हुए उनके नाम एक प्यारा-सा संदेश भी लिखा। अभिषेक ने सोशल मीडिया के जरिये उनकी काफी पुरानी तस्वीर साझा करते हुए लिखा- 'हैप्पी बर्थडे मां, इससे कोई फर्क



हैं। उल्लेखनीय है कि जया बच्चन इस वर्ष 69 वर्ष की हो गई हैं। बॉलीवुड की शीर्ष अभिनेत्रियों में शुमार जया बच्चन ने फिल्म 'गुड्डी' से अपने करियर की शुरुआत

नहीं पड़ता कि मैं क्या लिखता हूं, मैं कभी की। इसके बाद उन्होंने एक से बढ़कर कई नहीं बता सकता कि आप मेरे लिए क्या सुपरहिट फिल्में दी हैं।

### कस्तूरी मृगों के लिए तलाश रहे नया ठौर संरक्षण का प्रयास देवभूमि उत्तराखंड

किशोर जोशी, नैनीताल

छह दशक से बागेश्वर जिले के धरमघर स्थित फार्म की शान रहे कस्तूरी मृगों के लिए अब नए आशियाने की तलाश की जा रही है। इसे लेकर केंद्रीय आयुष मंत्रालय और राज्य सरकार में सैद्धांतिक सहमति बन गई है। बहुत संभव है कि कस्तूरी मृगों का अगला बसेरा नैनीताल का चिडियाघर हो। वर्तमान में कस्तरी फार्म में विलुप्तप्रायः श्रेणी में शुमार 20 मृग (हिरन) वास कर रहे हैं।

कस्तूरी से परफ्यूम (इत्र) व दवा बनाने के मकसद से 60 के दशक में इस फार्म की स्थापना की गई थी। आयुष विभाग को इसके संचालन का जिम्मा सौंपा गया। तब कस्तुरी मुगों की संख्या बहुतायत में होने के चलते विभाग के लिए यह आय का जरिया बना, लेकिन धीरे-धीरे कस्तूरी मृगों की संख्या में कमी आती गई। अब फार्म में इनकी संख्या सिर्फ 20 ही रह गई है। समुद्र तल से ढाई से पांच हजार मीटर ऊंचाई वाले इलाकों में पाए जाने वाले कस्तूरी मृगों की संख्या में गिरावट के मददेनजर केंद्र सरकार ने इसे विलुप्तप्रायः श्रेणी यानी शेड्यूल-एक में शुमार कर दिया। साथ ही इनके संरक्षण के नियमों में आमूलचूल परिवर्तन



धरमघर बागेश्वर के फार्म में विचरण करता कस्तूरी मृग।

कर दिया। इसके चलते आयुष विभाग के हाथ भी बंध गए। फार्म में पल रहे मृगों से कस्तूरी निकालना उसके अधिकार क्षेत्र में नहीं रह गया। वर्तमान में यहां रह रहे कस्तूरी मृगों की देखभाल आयुष विभाग जरूर कर रहा है, लेकिन अब उसकी व्यावसायिक जरूरतें पूरी नहीं हो पा रही हैं। इसी को देखते हुए इन मृगों का आशियाना बदलने की योजना पर काम चल रहा है।

ज्ञात हो, कस्तूरी मृग समुद्र तल से ढाई से पांच हजार मीटर ऊंचाई वाले स्थानों में पाया जाता है। उत्तराखंड के अपर प्रमुख मुख्य वन संरक्षक (वन्य जीव) डॉ. धनंजय मोहन ने बताया कि कस्तूरी मृग फार्म आयुष विभाग से वन विभाग को हस्तांतरित करने की प्रक्रिया चल रही है, उसके बाद तय किया जाएगा कि मृगों को कहां शिफ्ट किया जाए।

### सौर ऊर्जा को कैद करने की नई विधि खोजी

वाशिंगटन, प्रेट्र: पृथ्वी पर सूरज का इतना प्रकाश पहुंचता है कि उससे कई बार दुनिया की ऊर्जा जरूरतें पूरी की जा सकती हैं लेकिन इस ऊर्जा को कैद करना बहुत मुश्किल है। 2013 तक विश्व की सिर्फ एक फीसद बिजली ही सौर पैनलों से प्राप्त हुई थी। पारंपरिक सौर सेलों की कार्यकुशलता ज्यादा से ज्यादा एक-तिहाई तक ही होती है। सौर सेलों की इस सीमा को वैज्ञानिक शोक्ली-क्युजर सीमा कहते है। सौर सेल सेमीकंडक्टर के रूप में सिलिकॉन का इस्तेमाल करते हैं लेकिन इससे सिर्फ एक-तिहाई बिजली ही संप्रेषित हो पाती है। शोधकर्ताओं ने अब आयोडीन, सीसे और मिथाइल एमोनियम से ऐसा पदार्थ बनाया है जो सिलिकॉन का स्थान ले सकता है और सौर सेलों की कार्यकुशलता को दोगुना कर सकता है। नए पदार्थ की पहचान अमेरिका में पर्ड्यू यूनिवर्सिटी और नेशनल रिन्यूएबल एनर्जी लेबोरटरी के शोधकर्ताओं ने की है। पर्ड्यू में रसायनशास्त्र के प्रोफ़ेसर लिबाई हआंग का कहना है कि नए पदार्थ से बनने वाले सोलर सेल पारंपरिक सोलर सेलों की तुलना में बहुत पतले, लचीले और सस्ते होंगे और इन्हें

बनाना भी आसान होगा।